Bharatiya Bhasha Jyothi Series

भारतीय भाषा ज्योति

बंगला

HINDI - BENGALI



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)
Hunsur Road, Manasagangotri
Mysuru – 570 006
website: www.ciil.org

भूमिका

हिंदी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिंदी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं का अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों की श्रृंखला है *'भारतीय भाषा ज्योति'*। इस श्रृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। *'भारतीय भाषा ज्योति : बंगला'* पुस्तक इस श्रृंखला की एक कड़ी है।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों से निम्नलिखित भाषिक कुशलताओं की अपेक्षा की जाती है :

1. बंगला भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों को सुन कर समझना,
2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाले समाचारों, विज्ञापनों, उद्‌घोषणाओं और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना,
3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं बंगला भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक संदर्भों में चर्चा करना,
4. बंगला भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे-छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोष और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग कर पाना,
5. विभिन्न विषयों पर छोटे-छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत एवं अन्य प्रकार के पत्र लिखना तथा

अपनी रुचि के परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना,

6. शब्दकोष की सहायता लेते हुए बंगला से हिंदी में और हिंदी से बंगला में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना, तथा
7. बंगला भाषा के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों अथवा परिवेश की जानकारी प्राप्त करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य पुस्तक की रचना की गई है। भाषा के चारों कौशलों - श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन पर यहाँ समान रूप से बल दिया गया है। श्रवण और भाषण कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में वार्तालाप दिए गए हैं और उस के बाद मौखिक अभ्यास के लिए पर्याप्त सामग्री हैं। इसी प्रकार वाचन और लेखन कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में एक वाचन अनुच्छेद है और साथ ही अभ्यास भी। यह पुस्तक कक्षा में अध्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए तैयार की गई है। इसलिए लिपि सीखने/सिखाने के लिए इस पुस्तक में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। लेकिन भूमिका के बाद लिपि सीखने के लिए उपयोगी संकेत और निर्देश विस्तार पूर्वक दिए गए हैं। इसके अनुसार अध्यापक कक्षा में लिपि सिखा सकेंगे। इन संकेतों की सहायता से उत्साही विद्यार्थी अपने आप बंगला लिपि का अभ्यास कर सकेंगे।

इस पुस्तक के चार भाग हैं - भूमिका, बंगला-लिपि तथा उच्चारण, पाठमाला तथा शब्दसूची। पुस्तक के पाठों में भाषा संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप तथा अभ्यास, वाचन-लेखन, अनुवाद अभ्यास तथा सरल व्याकरणिक व सांस्कृतिक बिंदुओं के विषय में पर्याप्त जानकारी दी गई है। 'शब्दसूची' में पाठों में आए बंगला शब्दों को वर्णक्रम में प्रस्तुत कर उनके अर्थ हिंदी में दिए गए हैं।

पाठों का ढाँचा इस प्रकार है --

1. वार्तालाप

2. पाठ में आए नये शब्दों के अर्थ
3. अभ्यास
4. वाचन अनुच्छेद (पढ़िए और समझिए)
5. अनुच्छेद में प्रयुक्त नये शब्दों के अर्थ
6. अनुच्छेद संबंधी अभ्यास
7. अनुवाद तथा लेखन अभ्यास
8. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियाँ

पाठ में दिए गए वार्तालाप तथा वाचन अनुच्छेद में एक सी ही संरचनाओं का प्रयोग किया गया है। यही संरचनाएँ पाठ के शिक्षण-बिंदु हैं। अनुवाद तथा लेखन अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण-बिंदुओं पर आधारित हैं।

पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा-प्रयोग की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किया गया है जिनका सामना हमें अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में करना पड़ता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित के घर जाना, किसी उत्सव में सम्मिलित होना, बढ़ती-महंगाई पर चर्चा करना, किराये का मकान खोजना या मकान बनवाने के कष्टों की चर्चा करना, इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना आदि वार्तालाप के विभिन्न विषयों को अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है जिससे विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि बंगला भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे देते हैं, मना कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, हास-परिहास कैसे किया जाता है, सांत्वना कैसे दी जाती है आदि। पाठ के वार्तालाप और वाचन अनुच्छेद की विषय वस्तु में भी यथासंभव साम्य रखने का प्रयास किया गया है। वाचन अनुच्छेदों के लिए लेखन की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया गया है। जैसे कोई अनुच्छेद वृत्तांत रूप में है तो कोई विवरणात्मक, कोई संवेदनात्मक, कोई आत्मकथा के रूप में। कहीं निबंध शैली को अपनाया गया है तो कहीं

संस्मरण का सहारा लिया गया है। कहीं कहानी जैसा सरस माध्यम लिया गया है तो कहीं पत्र जैसा उपयोगी माध्यम।

पाठमाला में 24 पाठ हैं। इन पाठों में से 20 शिक्षण-पाठ हैं और 4 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षण पाठ 4 इकाइयों में बाँटे गए हैं। प्रत्येक इकाई में 5-5 शिक्षण पाठ हैं जिसमें से एक-एक पुनर्भ्यास पाठ है। इस प्रकार इस पुस्तक में पाठ 6, 12, 18 और 24 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षणार्थ पाठों को व्याकरणिक संरचनाओं और शब्दों की संख्या व प्रकार के आधार पर स्तरीकृत किया गया है। स्तरीकरण के मूलतत्व इस प्रकार हैंः-

1. ज्ञात से अज्ञात की ओर
2. सरल से कठिन की ओर
3. प्रत्येक से सामान्य की ओर
4. सामान्य से तकनीकी की ओर

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालापों का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिंदुओं से संबद्ध कुछ संरचनाएँ आरंभ के पाठों में आ गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस पाठ विशेष की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका उल्लेख आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ की शब्द सूची के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है।

शिक्षण-पाठों में आई हुई संरचनाएँ

प्रत्येक पाठ में आए हुए वाक्य साँचों को निम्न प्रकार से सूची-बद्ध किया जा सकता है।

पाठ नं

1. क्रियारहित वाक्य तथा विधिवाचक वाक्य

(i) क्रियारहित वाक्य -- ইনি রাকেশবাবু। ये राकेशबाबू हैं।

इनि राकेशबाबु।

(ii) विधिवाचक वाक्य -- আসুন, আপনি ভেতরে আসুন। आइए, आप भीतर आइए।

आशुन, आपनि भेतोरे आशुन।

2. क्रियारहित वाक्यों के निषेधात्मक रूप

শাড়ীগুলো ভাল নয়। साड़ियाँ अच्छी नहीं हैं।

शाड़िगुलो भालो नय।

3. किसी व्यक्ति या चीज़ की उपस्थिति सूचित करने के लिए 'আছে' (आछे) क्रियावाले वाक्य

আমি এখানে আছি। मैं यहाँ हूँ।

आमि एखाने आछि।

4. अपूर्ण वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি ফিরছি। मैं आती हूँ।

आमि फिरछि।

5. सामान्य वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি কাজ করি। मैं काम करता/करती हूँ।

आमि काज कोरि।

6. 1 से 5 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन।

7. सामान्य भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি দেখলাম।	मैंने देखा।
आमि देखलाम।	
আপনি দেখলেন।	आप ने देखा।
आपनि देखलेन।	

8. अपूर्ण भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি দেখছিলাম।	मैं देख रहा था।
आमि देखछिलाम।	

9. पूर्ण वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি করেছি।	मैंने किया है।
आमि कोरेछि।	

10. पूर्ण भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি গিয়েছিলাম।	मैं गया था/गई थी।
आमि गियेछिलाम।	

11. स्वाभाविक (नियमित रूप से होनेवाले) क्रियावाले वाक्य

আমি খেলতাম।	मैं खेलता था/खेलती थी।
आमि खेलताम।	

12. 7 से 11 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

13. सामान्य भविष्यकालिक क्रियावाले वाक्य

আমি খাব।   मैं खाऊँगा/खाऊँगी।

आमि खाबो।

14. भविष्यकाल के आज्ञावाचक क्रियावाले वाक्य

আপনি কাজটা করবেন।   आप यह काम कीजिएगा।

आपनि काजटा कोरबेन।

15. आज्ञावाचक वर्तमानकाल के निषेधात्मक वाक्य

আপনি বলবেন না।   आप मत बोलिएगा।

आपनि बोलबेन ना।

16. वाक्यों में क्रियाधातु से बनी संज्ञाओं का प्रयोग

নেওয়া   लेना   শেখা   सीखना

नेवा   शेखा

17 वाक्यों में संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग

প্রণাম করা।   प्रणाम करना।

प्रोणाम करा।

18. 13 से 17 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

19. परोक्ष आज्ञावाचक क्रियावाले वाक्य

কি রান্না হবে তাম্প ঠিক করা হোক।   क्या खाना बनेगा, यह तय किया जाए।

कि रान्ना हबे ताइ ठिक करा होक।

20. हेतु-हेतुमत भूतकालिक क्रियाओं के वाक्य

যদি চারিদিকে প্রচুর গাছপালা থাকত তাহলে বৃষ্টি হত। यदि चारों ओर बहुत पेड़

जोदि चारिदिके प्रोचुर गाछपाला थाकतो ताहोले बृष्टि होतो। पौधे होते तो बारिश होती।

21. कर्ता के ऊपर किसी बाध्यता सूचित करनेवाले क्रियारूपों के वाक्य

মেয়েদের নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে। लड़कियों को अपने पैरों पर खड़े होना है/

मेयेदेर निजेदेर पाये दाँड़ाते हबे। खड़े होना चाहिए।

পরিবেশ দূষণের জন্যে সমাজের সব মানষকে ভুগতে হয়। पर्यावरण के प्रदूषण का

पोरिबेश दूशनेर जोन्ने शमाजेर शब मानुषके भुगते हय। प्रभाव सबको भुगतना है।

22. "যে" (जो) , "সে" (सो), "যখন" (जब), "তখন" (तब), "যারা" (जितने), "তারা" (उतने) जैसे अन्योन्याश्रित शब्दों से युक्त वाक्य

যে রান্না করে সে অন্য কাজও করে। जो खाना पकाती है वह

जे रान्ना करे शे अन्यो काजो करे। और भी काम करती है।

যখন আপনি বাজারে যাবেন তখন আমিও যাব। जब आप बाजार जाएँगे तब

जखोन आपनि बाजारे जाबेन तखोन आमिओ जाबो। मैं भी जाऊँगी।

যারা এখানে এসেছিল তারা সবাম্প আমাদের পরিচিত। जितने (लोग) यहाँ आए थे

जारा एखाने एशेछिलो तारा शबाइ आमादेर परिचितो। उतने सब हमारे

परिचित हैं।

23. प्रेरणार्थक क्रियावाले वाक्य

আমি তোমাকে খাওয়াম্প/শেখাম্প। मैं तुम्हें

खिलाती/सिखाती हूँ।

आमि तोमाके खावाइ/शेखाइ।

তুমি/সে তাকে খাওয়াবে/শেখাবে। तुम/वह उसको

खिलाओगे/

तुमि/शे ताके खावाबे/शेखाबे। सिखाओगे।

24. 19 से 23 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

पहले ही कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो बंगला भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिंदी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ बंगला और हिंदी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिए गए हैं जो उस पाठ के संदर्भ के उपयुक्त हैं। इसके पश्चात् यदि आवश्यक हुआ तो वे अर्थ भी दिए गए हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास, उन में सिखाए गए पाठ्य-बिंदुओं को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिंदुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जाएगा। नियम के अनुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिंदुओं के विषय में ली जाएगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नये वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों की सहायता से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य गढ़ सकता है जिनका प्रयोग सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिंदु को रखा गया है।

अभ्यास में दिए गए प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से संबंधित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं- शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य बनाना, वाक्य विस्तार करना, वाक्य रूपों में परिवर्तन करना, एक ही वाक्य को विभिन्न रूपों में कहना, वाक्यांशों को जोड़कर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरे करना, कर्ता या कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में कम से कम पाँच-छह अभ्यासों का समावेश किया गया है।

वाचन अनुच्छेद का उद्देश्य छात्र के बोधन और शब्द भण्डार को विकसित करना है। इन अनुच्छेदों के विषय में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं - वस्तुनिष्ठ एवं विस्तारनिष्ठ। इन प्रश्नों से छात्र के बोधन तथा अभिव्यक्ति दोनों की ही परीक्षा हो सकेगी।

प्रथम पाँच पाठों की संपूर्ण पाठ्य-सामग्री बंगला लिपि में और उच्चारण सिखाने हेतु देवनागरी में भी दी गई हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे विद्यार्थी आरंभ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सके। जब वह भाषा से थोड़ा बहुत परिचित हो जाएगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरंभ किया जाए। बंगला लिपि सीखने के लिए 20 घंटे की निर्देश सामग्री पर्याप्त है। इसके पश्चात विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के बंगला लिपि में पाठ्य सामग्री को पढ़ सकेगा। पहले पाँच पाठों में भाषा का भी कुछ ज्ञान विद्यार्थी को हो जाएगा। छठा पाठ पुनर्भ्यास के लिए है। इसमें पहली पाठ्य इकाई के शिक्षण बिंदुओं पर विद्यार्थी के अभी तक सीखे गए भाषाई बिंदुओं की परीक्षा हो जाएगी। छठे पाठ से चौबीसवें तक के पाठों को देवनागरी में नहीं दिया गया है क्योंकि अब तक छात्र बंगला लिपि से परिचित हो गए होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में अवश्य व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

पुस्तक का अंतिम खंड है -- शब्द सूची। पाठों में प्रयुक्त शब्दों की सूची वर्णमाला के क्रम में दी गई है। ध्यान देने की बात यह है कि इसमें शब्दों के मूल रूप अर्थात् कोशीय रूप को ही स्थान दिया गया है। संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का मूल रूप ही दिया गया है, न कि उनके रूपांतरित रूप - जैसे- *বাড়ির* (बाड़िर) 'घर का', *বাড়িতে* (बाड़िते) 'घर में', *বাড়ি থেকে* (बाड़ि थेके) 'घर से', आदि रूप न देकर केवल *'বাড়ি'* (बाड़ि) 'घर' शब्द को ही सूची में दिया गया है। इसी तरह क्रियाओं के भी धातु रूप को ही सूची में स्थान दिया गया है, काल और वृत्ति के अनुसार क्रिया के विभिन्न रूपों को नहीं। जैसे-यहाँ केवल *'করা'* (करा) 'करना' रूप को ही रखा गया है। इससे बने *'করব, করছে, করল, করুন'* (कोरबो, कोरछे, कोरल, कोरुन) 'करेंगे, कर रहा है, किया है, कीजिए' आदि रूपों को नहीं दिया है।

शब्द-सूची में बंगला शब्दों के दाहिनी तरफ उन शब्दों के हिंदी अर्थ दिए गए हैं। दोनों के बीच में उन पाठों की क्रम संख्याएँ भी दी गई हैं, जिनमें वे शब्द प्रयुक्त हुए हैं। चूंकि प्रत्येक पाठ में दो दो शब्द-सूचियाँ हैं ; अतः पाठ के वार्तालाप में आए हुए शब्दों को पाठ संख्या के बाद 'क' और वाचन अनुच्छेद के शब्दों को 'ख' रूप में दिखाया गया है। उदाहरण के लिए *'শুধু'* (शुधु) 'केवल' शब्द के सामने 3 (क) लिखा हुआ है। इसका अर्थ है यह शब्द तीसरे पाठ के वार्तालाप में प्रयुक्त हुआ है। *'মিলন'* (मिलन) 'मिलन' शब्द की दाहिनी तरफ 1 (ख) दिया गया है। इसका अर्थ है यह शब्द प्रथम पाठ के वाचन अनुच्छेद में है। शब्दसूची के बाद बंगला गिनती 'एक' से 'सौ' तक संख्याओं में तथा शब्दों में दी गई है।

इस पुस्तक को कक्षा में पढ़ानेवाले अध्यापकों से दो तीन बातें कहना ज़रूरी है। किसी भी भाषा को पढ़ाने के लिए कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो। विशेष रूप से द्वितीय भाषा पढ़ाने के संदर्भ में यह बात शत-प्रतिशत सत्य है। द्वितीय

भाषा सीखने के लिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-जैसा ही प्रयास करना होगा। विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा, उनका जितना अधिक प्रयोग करेगा, उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सिखाई गई संरचनाओं तथा बंगला शब्दों के अभ्यास के लिए कक्षा में उचित वातावरण तैयार करें। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढ़ें। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढ़ाव भी होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाए जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सके। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। तत्पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः उस पाठ का वाचन कर पाएगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना सही रूप का परिचय दें। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई संदेह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करें। हमारे विद्यार्थी वयस्क भी हो सकते हैं, अतः बार बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और उनके लिए यह अभ्यास अरुचिकर भी हो सकता है। ऐसी अवस्था में शिक्षक अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करें। सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने के लिए कहें। उस के बाद विद्यार्थियों के संशयों का निवारण कक्षा में कर सकते हैं।

छात्रों से वाचन अनुच्छेदों को मौन रूप से पढ़ने के लिए भी कहें। अनुच्छेद के विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वतः देने का प्रयास करें। आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक की मदद लें।

शिक्षक छात्र को इतना समय अवश्य दें कि वह पूरे अनुच्छेद को मौन रूप से 2-3 बार पढ़ सकें। इसके पश्चात् यदि समय रहे तो प्रत्येक छात्र से बारी-बारी से उस अनुच्छेद को ऊँचे स्वर में पढ़ने के लिए कहें। ध्यान रहे कि कक्षा समाप्त होने से पहले अंतिम वाचन शिक्षक द्वारा ही किया जाए जिससे छात्र के कानों में सही उच्चारण दर्ज होता रहे।

अनुवाद और लेखन का अभ्यास छात्र को गृहकार्य के रूप में दिया जाए। शिक्षक इसकी सावधानी पूर्वक जाँच करें और छात्र के सन्देह और समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर उनका निदान करें।

कुछ पाठों में बंगला भाषा के प्रचलित मुहावरों व कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिंदी में भी उसी तरह के मुहावरे हों तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करें। यदि हिंदी में ऐसे मुहावरे न हों तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके उन के अर्थ स्पष्ट करें।

प्रत्येक पाठ के वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिंदी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखने की कोशिश की है कि हिंदी भाषा की अपनी प्रकृति बनी रहे। पर कहीं कहीं हिंदी में कुछ वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक लग सकते हैं। बंगला भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं के प्रयोग देने के प्रयत्न में ऐसा हो गया है। अनुवाद केवल इसलिए दिया गया है जिससे छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग बंगला भाषा सीखने के लिए न किया जाए। भाषा केवल संरचनाओं व शब्दों के अभ्यास द्वारा ही सीखी जा सकती है। हिंदी अनुच्छेद का बंगला भाषा में अनुवाद करते समय छात्र यही प्रयास करे कि उसका अनुवाद बंगला भाषा की संरचना में हो, हिंदी की संरचना में नहीं। वाचन अनुच्छेदों के हिंदी अनुवाद नहीं दिए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे छात्र बंगला भाषा को उसी भाषा के माध्यम से ही समझने का प्रयास करे और स्वयं उसका हिंदी में अनुवाद करने का प्रयास करे।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिए बंगला भाषा के परिवेश का अनुभव तथा बंगला भाषा भाषियों से संपर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए

कि छात्रों को बंगला भाषा-भाषियों के संपर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ, वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सके। साथ ही छात्रों को बंगला भाषा के महान साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाएँ। यदि उपलब्ध हो सके तो बंगाल राज्य के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। संभव हो तो कक्षा में बंगाल राज्य के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के चित्र लगाए जाएँ तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्रों से जो अपेक्षाएँ की गई हैं उनका विवरण पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में शिक्षार्थियोंने इस पुस्तक से कितना सीखा है वह इस पुस्तक की कसौटी भी है और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में सकारात्मक सुझावों का स्वागत है।

मेरी बात अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ई. अण्णामलै तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी प्रो. (डॉ.) गोविन्द शर्मा रजनीश के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की पुस्तकों का रूपांकन तथा संकल्पन करने तथा कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इन्हीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफ़ी पहले हो गया था ; पर यह बहुमूल्य सामग्री बरसों तक प्रकाशन की प्रतीक्षा करती रही। संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ओंकार नाथ कौल तथा संस्थान के वर्तमान निदेशक प्रो. उदय नारायण सिंह के प्रयासों से ही इन पुस्तकों को प्रकाश की किरण देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। इन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करती हूँ। विशेष रूप से प्रो. सिंह ने हिंदी के माध्यम से तैयार की गई *'भारतीय भाषा ज्योति'* की श्रृंखला की सभी पुस्तकों के प्रकाशन में बहुत दिलचस्पी ली है। इस श्रृंखला को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है।

पुस्तक निर्माण कार्यशाला में डॉ. अश्रु कुमार बसु, डॉ. किशोर राढ़ी तथा डॉ. मृत्युंजय दास का अत्यंत रचनात्मक योगदान रहा। इनके प्रति मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूँ। कार्यशाला में हिन्दी विशेषज्ञ के रूप में डॉ. वीरभद्र मिश्र तथा कुमारी रेखा शर्मा की प्रतिभागिता के लिए भी मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

उक्त कार्यशाला के उपरांत आयोजित पुनरीक्षण-कार्यशाला में संशोधन, परिवर्धन, पुनर्लेखन आदि का कार्य तत्परता से संपन्न कर सामग्री को प्रकाशन योग्य बनाने के लिए डॉ. पूरन सहगल, कुमारी सुदीप्ता भट्टाचार्य तथा सुस्मिता राय के अमूल्य योगदान के लिए उनके प्रति भी मैं हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ। श्रीमती अदिति चक्रवर्ती, डॉ. बकुल चंद्र चौधरी तथा श्री सी.एस. बालसुब्रमण्यम की भी मैं बहुत आभारी हूँ जिन्होंने पूरी पुस्तक को पढ़कर इस के सुधार के लिए रचनात्मक सुझाव दिए हैं।

मैं श्रीमती स्वर्णाली चौधरी को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होंने अतीव ध्यान तथा लगन से इस पुस्तक के डी.टी.पी. का काम किया है। हमारे संस्थान के पुस्तकालय जे अध्यज डॉ. सी.आर. सुलोच ा, डॉ. बी.ए. शारदा, डॉ. आर. सुम ाजुमारी तथा जॅटलोजर मीर ािस्सार हुसै ा, जंप्यूटर जेंद्र जे प्रो. (डॉ.) साम् मोह ा लाल तथा उ ा जे सहजर्मी, जलाजार श्री ह. म ाोहर, हमारे मुद्रजालय जे प्रबंधज श्री एस.बी. बिश्वास और उन के सहयोगियाँ तथा प्रजाश ा विभाज जे अध्यज डॉ. रामसामी तथा उ ा जे सहयोजी आर. ांदीश इ ा सब जा भी मैं यहाँ जृतज्ञता पूर्वज स्मरज जरती हूँ। संस्था ा जे पाठ्य सामग्री ािर्माज जेंद्र जे मेरे सहयोजी श्री. एस्.एस. यदुराज ा, डॉ. बी. मल्लिजार्जु ा, डॉ. आई.एस. बोरजर, श्रीमती टी.वी. वाजी जी सहज ारिता भी अविस्मरजीय है। उसी प्रजार हमारे लेजा विभाज जे मुज्य श्री. बी.जी. मंजु ााथ, और उ ा जे सहजर्मी श्री ए ा. यतिराजु तथा श्री एस. राजु भी जार्यशालाओं जे संचाल ा में मेरी बहुत मदद जी है और मेरी ध यवाद जे पात्र हैं।

मैं अप ो पति प्रो. जे.वी. श्री िवास ा जे प्रति मेरी अपार जृतज्ञता यहाँ प्रजट जरती हूँ जि हों ो मही ाों तज चल ोवाली मेरी जार्यशालाओं जे संचाल ा में महत्वपूर्ज शैजजिज तथा सामयिज सहज ारिता दी है। छुट्टि जे दि ाों तथा ऑफिस समय जे बाहर भी घंटों तज घर जी चिंता ा जर

जे 'भारतीय भाषा ज्योति' शृंजला जी पुस्तजों जे ािर्मा ा में मजा हो ाा मुझे उ ा जी ही मदद से जार्यसाध्य हुआ है।

उन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आभार व्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे और इस के विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाएँ हमें अवगत कराएँगे।

मैसूर
15/5/2005

बी. श्यामला कुमारी
प्रो. एवं उपनिदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है -- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से जो देश बहुत आगे बढ़ गये हैं ऐसे देशों के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिंदी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आए, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बर्क़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं

के शिक्षण-प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहाँ से प्रकाशित पाँच सौ पचास के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से *भारतीय भाषा संस्थान* का मुख्य उद्देश्य रहा है सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जनजातीय भाषाओं पर भी शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अंतर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को संबंधित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अंतर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं -- खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें -- वे सभी अंग्रेज़ी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपाई गयी हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेज़ी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय भाषा को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियाएँ हैं। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सिखनी-सिखानी है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही अच्छी तरह की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा

के रूप में हिंदी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जानेवाले भारतीय लोगों की संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिंदी के माध्यम से अन्य अनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य-जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रूरतों को देखते हुए भारतीय भाषा संस्थान ने **'भारतीय भाषा ज्योति'** की एक पुस्तक-श्रृंखला की संकल्पना की है। यह पुस्तक उस शृंखला की एक कड़ी है।

त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिंदी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परंतु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी होने के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने *भारतीय भाषा संस्थान* का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर *भारतीय भाषा संस्थान* ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमिया, बंगला, ओड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई थीं। ये पुस्तकें **'भारतीय भाषा ज्योति'** पुस्तक-श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं। हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के अनुरोध पर उन के ही सहयोग में *कन्नड़, मलयाळम, तमिल* तथा *तेलुगु* पुस्तकों का मुद्रण तथा प्रकाशन हुआ है। इतिमध्य जम्मू के डोग्री संस्था की प्रार्थना के अनुसार उन के सहयोग में *डोग्री* पुस्तक का निर्माण तथा प्रकाशन भी हुआ है और कश्मीर के बाहर रहनेवाले कश्मीरिओं के अनुरोध पर *कश्मीरी* पुस्तक का प्रकाशन हमारे संस्थान ने किया है। बाकी छह पुसतकों *असमिया, बंगला, मराठी, गुजराती, पंजाबी* तथा *ओड़िया* का प्रकाशन अब हो रहा है।

भारतीय भाषा ज्योति सिंधी पुस्तक का प्रकाशन भी गुजरात के कच्छ के इंडियन इनस्टिट्यूट ऑफ सिंधोलजी के साथ हमारा संस्थान करनेवाला है।

मैं आशा करता हूँ कि *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की यह **बंगला** पुस्तक समस्त हिंदी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल संबंधित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय लेंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मैसूर **उदय नारायण सिंह**

15/5/2005 निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

बंगला लिपि तथा उच्चारण

बंगला तथा हिंदी भाषाओं की लिपियों का मूल रूप एक ही है। लेकिन वर्तमानकाल की 'बंगला वर्णमाला' आकार में हिंदी की देवनागरी वर्णमाला से कुछ अलग लगती है।

बंगला वर्णमाला परिवर्धित देवनागरी के साथ नीचे दी गई है।

स्वर वर्ण

অ আ ই ঈ উ ঊ ঋ
अ आ इ ई उ ऊ ऋ

এ ঐ ও ঔ
ए ऐ ओ औ

व्यंजन वर्ण

ক খ গ ঘ ঙ
क ख ग घ ङ

চ ছ জ ঝ ঞ
च छ ज झ ञ

ট ঠ ড ঢ ণ
ट ठ ड ढ ण

ত থ দ ধ ন
त थ द ध न

প ফ ব ভ ম
प फ ब भ म

য র ল

য	র	ল	
শ	ষ	স	হ
श	ष	स	ह
ড়	ঢ়	ৎ	য়
ड़	ढ़	त्	य
ং	ঃ	ঁ	
अं	अः	ँ	

देखिए कि बंगला वर्णमाला में 11 स्वराक्षर हैं और 36 व्यंजनाक्षर हैं। ध्यान दें कि बंगला और हिंदी की कुछ ध्वनियों के उच्चारण में विभिन्नताएँ हैं। उदाहरण के लिए पहला स्वराक्षर 'অ' (अ) का उच्चारण हिंदी उच्चारण से अलग है। बंगला 'অ' (अ) के उच्चारण में 'ओ' ध्वनि का प्रभाव है।

1. 'ং' इसका उच्चारण हिंदी 'ङ' जैसा है और यह अनुस्वार को दिखाता है। जैसा -- বংশ (बंशो) 'वंश'
2. 'ঃ' इसका उच्चारण कहीं कहीं हिंदी के 'ह' जैसा है और कहीं पूर्ववर्ती व्यंजन-ध्वनि के द्वित्व का द्योतक भी होता है और यह विसर्ग को दिखाता है। जैसा -- যাঃ (जाह्) 'जाओ'; দুঃখ (दुक्खो) 'दुःख'
3. 'ঁ' इसका धर्म हिंदी के समान अनुनासिकता दिखाना है। जैसे -- চাঁদ (चाँद) 'चाँद'
4. '্' इस का प्रयोग स्वतंत्र व्यंजन वर्ण को दिखाना है। जैसे -- বাক্চাতুরী (बाक्चातुरी) वाक्चातुरी, দিক্ (दिक्) 'दिशा'
5. 'ৎ' इस व्यंजनाक्षर का उच्चारण हिंदी के 'त्' जैसा है और यह शब्दों के बीच में संयुक्ताक्षर के पहले अक्षर के स्थान पर और शब्द के अंत में आता है। जैसे -- উৎসব (उत्सव) उत्सव, অসৎ (असत्) असत्।

6. बंगला स्वरों में ह्रस्व और दीर्घ ध्वनियों के उच्चारण में कोई अंतर नहीं है। उदाहरण के लिए लिखने में 'ই' (इ) और 'ঈ' (ई) अथवा 'উ' (उ) और 'ঊ' (ऊ) में फरक है। लेकिन उच्चारण में अंतर नहीं है। बंगला के 'ঐ' (ऐ) का उच्चारण 'ओई' की तरह है और 'ঔ' (औ) का उच्चारण 'ओउ' जैसा होता है। इस प्रकार बंगला स्वरों के उच्चारण हिंदी से भिन्न हैं। हिंदी की तुलना में बंगला भाषा की कुछ व्यंजन ध्वनिओं के उच्चारण तथा उनके प्रतिनिधित्व करनेवाले अक्षरों के बीच में जो विशेषताएँ हैं उन के विवरण नीचे दिए गए हैं।

7. बंगला के दंत्य 'ন' (न) और मूर्धन्य 'ণ' (ण) ध्वनियों के उच्चारण में अंतर नहीं है।

8. बंगला में हिंदी के 'ব' (ब) तथा 'व' ध्वनियों के लिए दो अक्षर भी नहीं हैं तथा दो उच्चारण भी नहीं हैं। एक ही उच्चारण तथा एक अक्षर है, वह है 'ব' (ब) का।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
বারাণসী	बाराणसी	बारानोशि	वाराणसी
বৃন্দাবন	बृन्दाबन	बृन्दाबन	वृंदावन
বর্তমান	बर्तमान	बर्तोमान	वर्तमान
অবিনাশ	अबिनाश	अबिनाश	अविनाश
অবাস্তব	अबास्तब	अबास्तोब	अवास्तव

9. शब्द के बीच या अंत में जब संयुक्ताक्षर के दूसरे वर्ण 'ব' (ब) या 'ম' (म) होता है तब ব (ब) तथा ম (म) का लोप होता है और पहले व्यंजन का दित्व होता है।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
আশ্বিন	आश्विन	आश्शिन	आश्विन
ভীষ্ম	भीष्म	भिश्शो	भीष्म
বিস্ময়	विस्मय	बिश्शय	विस्मय
পদ্ম	पद्म	पद्दो	पद्म
অন্বেষণ	अन्बेषण	अन्नेशन	अन्वेषण
উচ্ছ্বাস	उच्छ्बास	उच्छाश	उच्छ्वाश

उज्ज्वल	उज्ज्बल	उज्जल	उज्ज्वल

10. लिपि में अलग अलग होते हुए भी दोनों का उच्चारण 'न' (न) जैसा ही है। 'শ' (श), 'ষ' (ष) और 'স' (स) अक्षरों के उच्चारण एक ही प्रकार का होता है और वह उच्चारण 'শ' (श) जैसा है। उदाहरण --

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्दों का उच्चारण	हिंदी शब्द
শহর	शहर	शहोर	शहर
শব্দ	शब्द	शब्दो	शब्द
মুশকিল	मुशकिल	मुशकिल	मुश्किल
ইশারা	इशारा	इशारा	इशारा
মশা	मशा	मशा	मच्छर
মালিশ	मालिश	मालिश	मालिश
সকল	सकल	शकोल, शब	सकल, सब
সচেতন	सचेतन	शचेतन	सचेतन
শাসন	शासन	शाशोन	शासन
রস	रस	रश	रस
মানস	मानस	मानोश	मानस
ষষ্ঠী	षष्ठी	शोश्ठी	षष्टी
ষাট	षाट	शाट	साठ
নিষেধ	निषेध	निशेध	निषेध
আকর্ষণ	आकर्षण	आकोर्शन	आकर्षण
মানুষ	मानुष	मानुश	मनुष्य

সরিষা	सरिषा	शोरिशा	सरसों

लेकिन कुछ संयुक्ताक्षरों में 'স' (स) का उच्चारण भी होता है। उदाहरणः --

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
শৃগাল	शृगाल	सृगाल	लोमड़ी
মিশ্রণ	मिश्रन	मिस्रन	मिश्रण
শ্রমিক	श्रमिक	स्रमिक	श्रमिक
পরিশ্রম	परिश्रम	परिस्रम	परिश्रम
স্নাতক	स्नातक	स्नातोक	स्नातक
স্নান	स्नान	स्नान	स्नान
স্নায়ু	स्नायु	स्नायु	स्नायु
বস্তু	बस्तु	बोस्तु	वस्तु, चीज़
স্থল	स्थल	स्थल	स्थल
স্থান	स्हान	स्थान	स्थान
সংস্থা	संस्हा	शंस्था	संस्था

11. जब बंगला में শ্ + ব (श् + ब) अथवा শ্ + ম (श् + म) संयुक्ताक्षर शब्द के आरंभ में आता है तब उच्चारण में सिर्फ 'শ' (श) ही होता है।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
স্বর্গ	स्बर्ग	शर्गो	स्वर्ग
স্বপ্ন	स्बप्न	शप्नो	स्वप्न
স্বাধীন	स्बाधीन	शाधिन	स्वाधीन

শ্বাস	श्वास	शाश	साँस
শ্মশান	श्मशान	शशान	श्मशान

12. बंगला के 'ক্ষ' (क्ष) अक्षर का उच्चारण ক্খ (क्ख) जैसा है। उस के अनुसार नीचे दिए गए शब्दों पर ध्यान दीजिए।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
অক্ষর	अक्षर	अक्खोर	अक्षर
লক্ষ্মী	लक्ष्मी	लक्खि	लक्ष्मी
বৃক্ষ	बृक्ष	बृक्खो	वृक्ष

13. ত্ + ম (त् + म) के संयुक्ताक्षर का उच्चारण ত্ + ত (त् + त) होता है।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
আত্মা	आत्मा	आत्ता	आत्मा
আত্মীয়	आत्मीय	आत्तिओ	आत्मीय
আত্মজা	आत्मजा	आत्तोजा	आत्मजा

14. স্ + হ (स् + ह) का संयुक्ताक्षर उच्चारण में স্থ (स्थ) हो जाता है।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
সংস্হা	संस्हा	शंस्था	संस्था

স্থান	स्हान	स्थान	स्थान
সুস্থ	सुस्ह	शुस्थो	स्वस्थ
অসুস্থ	असुस्ह	अशुस्थो	अस्वस्थ्व

15. 'য' (य) और 'জ' (ज) का उच्चारण एक जैसा है। यह उच्चारण है 'জ' (ज) का।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
জল	जल	जल	जल, पानी
জনতা	जनता	जनोता	जनता
যমুনা	यमुना	जोमुना	यमुना
যশোদা	यशोदा	जशोदा	यशोदा

16. 'য়' (य) स्वरों के बीच में तथा शब्द के अंत में आता है।

बंगला शब्द	बंगला शब्द देवनागरी लिपि में	बंगला शब्द का उच्चारण	हिंदी शब्द
ময়ূর	मयूर	मोयूर	मोर
ময়না	मयना	मयना	मैना
শয়তান	शयतान	शयतान	शैतान
কোথায়	कोथाय	कोथाय	कहाँ
দেওয়া	देओया	देवा	देना

बंगला लिपि पढ़ाने के लिए नीचे दिए गए दो तरीकों में से अध्यापक किसी एक को अपना सकते हैं।

पहले तरीके में सभी अक्षरों को वर्णमाला क्रम के अनुसार पढ़ा सकते हैं। इस प्रकार परम्परागत रीति में सभी अक्षरों को पढ़ाकर शब्द तथा वाक्य निर्माण की ओर आगे बढ़ना है।

दूसरे तरीके में अक्षरों के रूप सादृश्य तथा इनके लिखने में हाथ चलाने की रीति के आधार पर अक्षरों का वर्गीकरण करके अक्षरों के साथ साथ शब्द तथा वाक्य भी सिखा सकते हैं।

शिक्षार्थी की सुविधा के लिए बंगला वर्णमाला के सभी अक्षरों के लिखने के क्रम, स्वराक्षरों की मात्राएँ, बंगला बारह खड़ी, रूप सादृश्य के आधार पर बंगला अक्षर के विभाग, संयुक्ताक्षर के विभाग, बंगला अंक तथा लिपि पाठ का एक नमूना आदि इस लेखन में दिए गए हैं।

1. बंगला के अक्षर लिखने में हाथ चलाने की रीतिः--

2. बंगला स्वराक्षरों की मात्राएँ

1.	আ आ	া ा	কা का	মা मा	সা सा
2.	ম্প इ	ি ि	ছি छि	পি पि	নি नि
3.	ঈ ई	ী ी	খী खी	হী ही	লী ली
4.	উ उ	ু ु	তু तु	ঘু घु	চু चु
5.	ঊ ऊ	ূ ू	ঝূ झू	টূ टू	দূ दू
6.	ঋ ऋ	ৃ ृ	শৃ शृ	কৃ कृ	তৃ तृ
7.	এ ए	ে े	কে के	লে ले	হে हे
8.	ঐ ऐ	ৈ ै	গৈ गै	থৈ थै	দৈ दै
9.	ও ओ	ো ो	পো पो	ডো डो	নো नो
10.	ঔ औ	ৌ ौ	ধৌ धौ	কৌ कौ	শৌ शौ

3. बंगला व्यंजनाक्षर स्वराक्षरों की मात्राओं के साथ (बंगला बारह खड़ी)

ক क	কা का	কি कि	কী की	কু कु	কূ कू	কৃ कृ	কে के	কৈ कै	কো को	কৌ कौ	কং कं	কঃ कः
খ ख	খা खा	খি खि	খী खी	খু खु	খূ खू	খৃ खृ	খে खे	খৈ खै	খো खो	খৌ खौ	খং कं	খঃ खः
গ ग	গা गा	গি गि	গী गी	গু गु	গূ गू	গৃ गृ	গে गे	গৈ गै	গো गो	গৌ गौ	গং गं	গঃ गः
ঘ घ	ঘা घा	ঘি घि	ঘী घी	ঘু घु	ঘূ घू	ঘৃ घृ	ঘে घे	ঘৈ घै	ঘো घो	ঘৌ घौ	ঘং घं	ঘঃ घः
ঙ ङ	ঙা ङा	ঙি ङि	ঙী ङी	X	X	X	X	X	X	X	X	X
চ च	চা चा	চি चि	চী ची	চু चु	চূ चू	X	চে चे	চৈ चै	চো चो	চৌ चौ	চং चं	চঃ चः
ছ छ	ছা छा	ছি छि	ছী छी	ছু छु	ছূ छू	ছৃ छृ	ছে छे	ছৈ छै	ছো छो	ছৌ छौ	ছং छं	ছঃ छः
জ ज	জা जा	জি जि	জী जी	জু जु	জূ जू	জৃ जृ	জে जे	জৈ जै	জো जो	জৌ जौ	জং जं	জঃ जः
ঝ झ	ঝা झा	ঝি झि	ঝি झि	ঝু झु	ঝূ झू	X	ঝে झे	X	ঝো झो	ঝৌ झौ	ঝং झं	ঝঃ झः
ঞ ञ	ঞা ञा	ঞি ञि	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ট ट	টা टा	টি टि	টী टी	টু टु	টূ टू	X	টে टे	টৈ टै	টো टो	টৌ टौ	টং टं	টঃ टः
ঠ	ঠা	ঠি	ঠী	ঠু	ঠূ	X	ঠে	X	ঠো	ঠৌ	ঠং	ঠঃ

ঠ	ঠা	ঠি	ঠী	ঠু	ঠূ		ঠে		ঠো	ঠৌ	ঠং	ঠঃ
ড ड	ডা डा	ডি डि	ডী डी	ডু डु	ডূ डू	X	ডে डे	X	ডো डो	ডৌ डौ	ডং डं	ডঃ डः
ঢ ढ	ঢা ढा	ঢি ढि	ঢী ढी	ঢু ढु	ঢূ ढू	X	ঢে ढे	X	ঢো ढो	ঢৌ ढौ	ঢং ढं	ঢঃ ढः
ণ ण	ণা णा	ণি णि	ণী णी	ণু णु	ণূ णू	ণৃ णृ	ণে णे	ণৈ णै	ণো णो	ণৌ णौ	ণং णं	ণঃ णः
ত त	তা ता	তি ति	তী ती	তু तु	তূ तू	তৃ तृ	তে ते	তৈ तै	তো तो	তৌ तौ	তং तं	তঃ तः
থ थ	থা था	থি थि	থী थी	থু थु	থূ थू	X	থে थे	থৈ थै	থো थो	থৌ थौ	থং थं	থঃ थः
দ द	দা दा	দি दि	দী दी	দু दु	দূ दू	দৃ दृ	দে दे	দৈ दै	দো दो	দৌ दौ	দং दं	দঃ दः
ধ ध	ধা धा	ধি धि	ধী धी	ধু धु	ধূ धू	ধৃ धृ	ধে धे	ধৈ धै	ধো धो	ধৌ धौ	ধং धं	ধঃ धः
ন न	না ना	নি नि	নী नी	নু नु	নূ नू	নৃ नृ	নে ने	নৈ नै	নো नो	নৌ नौ	নং नं	নঃ नः
প प	পা पा	পি पि	পী पी	পু पु	পূ पू	পৃ पृ	পে पे	পৈ पै	পো पो	পৌ पौ	পং पं	পঃ पः
ফ फ	ফা फा	ফি फि	ফী फी	ফু फु	X	X	ফে फे	ফৈ फै	ফো फो	ফৌ फौ	ফং फं	ফঃ फः
ব ब	বা बा	বি बि	বী बी	বু बु	বূ बू	বৃ बृ	বে बे	বৈ बै	বো बो	বৌ बौ	বং बं	বঃ बः
ভ	ভা	ভি	ভী	ভু	ভূ	ভৃ	ভে	ভৈ	ভো	ভৌ	ভং	ভঃ

भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भे	भै	भो	भौ	भं	भः

ম म	মা मा	মি मि	মী मी	মু मु	মূ मू	মৃ मृ	মে मे	মৈ मै	মো मो	মৌ मौ	মং मं	মঃ मः
য य	যা या	যি यि	যী यी	যু यु	যূ यू	X	যে ये	যৈ यै	যো यो	যৌ यौ	যং यं	যঃ यः
র र	রা रा	রি रि	রী री	রু रु	রূ रू	X	রে रे	রৈ रै	রো रो	রৌ रौ	রং रं	রঃ रः
ল ल	লা ला	লি लि	লী ली	লু लु	X	X	লে ले	লৈ लै	লো लो	লৌ लौ	লং लं	লঃ लः
শ श	শা शा	শি शि	শী शी	শু शु	শূ शू	শৃ शृ	শে शे	শৈ शै	শো शो	শৌ शौ	শং शं	শঃ शः
ষ ष	ষা षा	ষি षि	ষি	X	X	ষৃ षृ	ষে षे	X	ষো षो	X	X	X
স स	সা सा	সি सि	সী सी	সু सु	সূ सू	সৃ सृ	সে से	সৈ सै	সো सो	সৌ सौ	সং सं	সঃ सः
হ ह	হা हा	হি हि	হী ही	হু हु	হূ हू	হৃ (হৃ) हृ	হে हे	হৈ है	হো हो	হৌ हौ	হং हं	হঃ हः
ক্ষ क्ष	ক্ষা क्षा	ক্ষি क्षि	ক্ষী क्षी	ক্ষু क्षु	ক্ষূ क्षू	ক্ষৃ क्षृ	ক্ষে क्षे	X	ক্ষো क्षो	ক্ষৌ क्षौ	ক্ষং क्षं	ক্ষঃ क्षः

4. बंगला वर्णमाला के अक्षरों को आकृति के आधार पर नौ विभागों में बाँटा जा सकता है जो नीचे दिए गए हैं। हर विभाग के नीचे कुछ उदाहरण शब्दों का गठन भी किया गया है।

4.1

ত	অ	আ	ও	ঔ	া	ো	ৌ
त	अ	आ	ओ	औ	ा	ो	ौ

তত (तत) আতা (आता)

অত (अत) তোতা (तोता)

ও (ओ) তাত (तात)

4.2

হ	ই	ঈ	ি	ী
ह	इ	ई	ि	ी

হাই (हाइ) হাতা (हाता) হোতা (होता)

হও (हओ) হাতী (हाति) ওই (ओइ)

হাত (हात) তাই (ताइ)

হিত (हित) ইতি (इति)

4.3

এ	ঐ	ঞ	ে	ৈ
ए	ऐ	ञ	ॎ	ॎॎ

এত (ऐतो) হে (हे)

এস্প (एइ) হৈ হৈ (होइ होइ)

4.4

ব	র	ক	ধ	ঝ	ঋ	ৎ
ब	र	क	ध	झ	ऋ	्

বক	(बक)	কর	(कर)	রাত	(रात)	হার	(हार)
বর	(बर)	ধার	(धार)	বোঝা	(बोझा)	তারা	(तारा)
বধ	(बध)	রবি	(रोबि)	বৃক	(बृक)	তাক	(ताक)
ধর	(धर)	বম্প	(बोइ)	বীর	(बिर)	তীর	(तिर)
বার	(बार)	কম্প	(कोइ)	ঋক	(रिक)	ধৃত	(धृतो)

4.5

ণ	ন	ল	শ	গ	প
ण	न	ल	श	ग	प

বন	(बन)	গাধা	(गाधा)	শাল	(शाल)	পাতা	(पाता)
পণ	(पन)	শত	(शतो)	কাশ	(काश)	পেতল	(पेतोल)
ঋণ	(रिन)	শাক	(शाक)	কাল	(काल)	পুতুল	(पुतुल)
লাল	(लाल)	আকাশ	(आकाश)	পাল	(पाल)	তাল	(ताल)
গগন	(गगोन)	গোলাপ	(गोलाप)	পান	(पान)	গাল	(गाल)

4.6

ড	ড়	উ	ঊ	জ	ভ	ঙ	ু	ূ
ड	ड़	उ	ऊ	ज	भ	ङ	ु	ू

রঙ (रङ) আলু (आलु) উম্প (उड्) ভাত
(भात)

জল (जल) কূপ (कुप) ওড়িশা (ओड़िशा) ভেতর
(भेतोर)

ডাব (डाब) আগুন (आगुन) উল (उल) ভুল (भुल)

কাগজ (कागोज) রূপা/রূপা (रुपा) ঋতু (रितु)

ভাল (भालो)

বড় (बरो) কাপড় (कापोड़) ঊরু/ঊরু (उरु) ভালুক (भालुक)

ভবন (भबोन) উনুন (उनुन) কাজ (काज) শোভা (शोभा)

4.7

য	য়	ষ	ফ	ঘ	খ	স	ম
*य	य़	ष	फ	घ	ख	स	म

খাতা	(खाता)	খবর	(खबोर)	ঘাস	(घाश)	খাল	(खाल)
মেঘ	(मेघ)	বয়স	(बयोश)	যব	(जब)	মাস	(माश)
খেলা	(खेला)	মন	(मन)	যেমন	(जैमोन)	শেষ	(शेश)
ফল	(फल)	মানুষ	(मानुष)	যদি	(जोदि)	সাবান	(शाबान)

*** बंगला उच्चारण 'ज' जैसा।**

4.8

ঢ	ঢ়	[illegible]	ঠ	চ	ছ	দ
ढ	ढ़	ट	ठ	च	छ	द

চোখ (चोख) ছয় (छय) চা (चा) ঔা (आटा)

ছাতা (छाता) ছাগল (छागोल) চাল (चाल) মৌা (मोटा)

ঢাল (ढाल) আষাঢ় (आशार) চামচ (चामोच) দাদা (दादा)

গাঢ় (गाढ़ो) ছাম্প (छाइ) ছোলা (छोला) দিদি (दिदि)

ৗাকা (टाका) পিঠে (पिठे) ছানা (छाना) দিন (दिन)

ঢাক (ढाक) ঠাকুর (ठाकुर) ঠিকানা (ठिकाना) দোকান (दोकान)

4.9

ৎ	ং	ঃ	ঁ
त्	ं	ः	ँ

চাঁদ (चाँद) দুঃখ (दुक्खो) কাঁচ (काँच) রং (रङ)

হাঁস (हाँस) নিঃসহায় (निःशहाय) খাঁচা (खाँचा) শাঁখা (शाँखा)

সৎ (शत्) সং (शङ) সংসার (शंशार) বাঁকা (बाँका)

জগৎ (जगोत्) বাংলা (बाङला) বংশ (बंशो) কাঁচা (काँचा)

সংঘ (शंघो) শরৎ (शरोत्) সংবাদ (शंबाद) সংগীত (शोंगीत)

5. संयुक्ताक्षर के विभाग

5.1 बंगला के संयुक्ताक्षरों को भी ग्यारह विभागों में बाँटा जा सकता है जो नीचे दिखाए गए हैं।

ক্	+	ক	=	ক্ক
চ্	+	চ	=	চ্চ
জ্	+	জ	=	জ্জ
ট্	+	ট	=	ট্ট
ড্	+	ড	=	ড্ড
ণ্	+	ণ	=	ণ্ণ
ত্	+	ত	=	ত্ত
দ্	+	দ	=	দ্দ
ন্	+	ন	=	ন্ন
প্	+	প	=	প্প
ব্	+	ব	=	ব্ব
ম্	+	ম	=	ম্ম
ম্	+	ব	=	ম্ব
ল্	+	ল	=	ল্ল
য্	+	য	=	য্য

ধাক্কা	উদ্দাম	অট্টালিকা	নব্বম্প
খচ্চর	অন্ন	আড্ডা	সম্মান
সজ্জা	থাপ্পড়	শয্যা	বিষণ্ণ

উত্তর বল্লম

5.2

র্	+	ক	=	র্ক	র্	+	দ	=	র্দ
র্	+	খ	=	র্খ	র্	+	ধ	=	র্ধ
র্	+	গ	=	র্গ	র্	+	ন	=	র্ন
র্	+	ঘ	=	র্ঘ	র্	+	প	=	র্প
র্	+	চ	=	র্চ	র্	+	ব	=	র্ব
র্	+	ছ	=	র্ছ	র্	+	ভ	=	র্ভ
র্	+	জ	=	র্জ	র্	+	ম	=	র্ম
র্	+	[illegible]	=	[illegible]	র্	+	য	=	র্য
র্	+	ড	=	র্ড	র্	+	ল	=	র্ল
র্	+	ণ	=	র্ণ	র্	+	শ	=	র্শ
র্	+	ত	=	র্ত	র্	+	ষ	=	র্ষ
র্	+	থ	=	র্থ	র্	+	হ	=	র্হ

কোণার্ক মূর্ছা নির্ভীক

নির্দয়

মূর্খ নির্ধন

মার্গ দুর্নাম

দীর্ঘ সর্প

অর্চনা দুর্বল

गीर्जा	कर्म	गर्त	बर्शा
निर्झर	दुर्योग	अर्थ	बर्षा
ऑ	कार्ड	गर्हित	
बर्ण	दुर्लभ		

5.3

क्	+	र	=	क्र/क्र	द्	+	र	=	द्र
ख्	+	र	=	ख्र	ध्	+	र	=	ध्र
ग्	+	र	=	ग्र	प्	+	र	=	प्र
घ्	+	र	=	घ्र	फ्	+	र	=	फ्र
ज्	+	र	=	ज्र	ब्	+	र	=	ब्र
ट्	+	र	=	ट्र	भ्	+	र	=	भ्र/भ्र
ड्	+	र	=	ड्र	म्	+	र	=	म्र
त्	+	र	=	त्र	श्	+	र	=	श्र
थ्	+	र	=	थ्र	स्	+	र	=	स्र/स्र
					ह्	+	र	=	ह्र

क्रोध	ध्रुव	बज्र	शुभ्र
ख्रीष्ट	प्राण	ट्राम	नम्र
ग्राम	फ्रक	ड्राम	रात्रि
घ्राण	ब्रत	श्रम	थ्री

নিদ্রা　　সহস্র　　হ্রদ

5.4

ক্	+	য	=	ক্য	দ্	+	য	=	দ্য
খ্	+	য	=	খ্য	ধ্	+	য	=	ধ্য
গ্	+	য	=	গ্য	ন্	+	য	=	ন্য
চ্	+	য	=	চ্য	প্	+	য	=	প্য
জ্	+	য	=	জ্য	ব্	+	য	=	ব্য
ট্	+	য	=	ট্য	ভ্	+	য	=	ভ্য
ড্	+	য	=	ড্য	ম্	+	য	=	ম্য
ঢ্	+	য	=	ঢ্য	শ্	+	য	=	শ্য
ণ্	+	য	=	ণ্য	ষ্	+	য	=	ষ্য
ত্	+	য	=	ত্য	স্	+	য	=	স্য
থ্	+	য	=	থ্য	হ্	+	য	=	হ্য

বাক্য　　বিদ্যা　　বাচ্য　　রৌপ্য

মুখ্য　　বন্য

রাজ্য	কাব্য	অরণ্য	শিষ্য
নী্য	সভ্য	আলস্য	সত্য
পাঠ্য	সাম্য	সহ্য	মিথ্যা
জাড্য	কল্য		
ধনাঢ্য	শ্যামল		

5.5 ক্ + ম = ক্ম

গ্ + ম = গ্ম

ঙ্ + ম = ঙ্ম

ণ্ + ম = ণ্ম

ত্ + ম = ত্ম

দ্ + ম = দ্ম

ন্ + ম = ন্ম

ল্ + ম = ল্ম

শ্ + ম = শ্ম

ষ্ + ম = ষ্ম

স্ + ম = স্ম/স্ম

হ্ + ম = হ্ম

রুক্মিণী	জন্ম
বাগ্মী	গুল্ম
বাঙ্ময়	রশ্মি
হিরণ্ময়	ভীষ্ম
আত্মীয়	পদ্ম
ভস্ম	ব্রহ্ম

5.6

ঙ্	+	ক	=	ঙ্ক/ঙ্ক/ংক	ন্	+	থ	=	ন্থ/ন্থ
ঙ্	+	খ	=	ঙ্খ/ংখ	ন্	+	দ	=	ন্দ
ঙ্	+	গ	=	ঙ্গ/ঙ্গ/ংগ	ন্	+	ধ	=	ন্ধ/ন্ধ
ঙ্	+	ঘ	=	ঙ্ঘ/ংঘ	ন্	+	ব	=	ন্ব/ন্ব
ঞ্	+	চ	=	ঞ্চ	ম্	+	প	=	ম্প
ণ্	+	[illegible]	=	[illegible]	ম্	+	ফ	=	ম্ফ
ণ্	+	ঠ	=	শ্ল	ম্	+	ব	=	ম্ব
ণ্	+	ড	=	ন্ড/ণ্ড	ম্	+	ভ	=	ম্ভ
ন্	+	ত	=	ন্ত	ম্	+	ল	=	ম্ল

অঙ্ক	অন্তর	কণ্টক	কম্প
শঙ্খ	মন্থর	লম্ফ	কশ্ল
বঙ্গ	মন্দির	কম্বল	ম্লান
সঙ্ঘ	অন্ধ	পণ্ডিত	দন্ত
অঞ্চল	অণ্বেষণ		

5.7

ক্	+	ট	=	ক্ট/ক্ট	ত্	+	ন	=	ত্ন
ক্	+	ত	=	ক্ত/ক্ত	ত্	+	ব	=	ত্ব
ক্	+	ব	=	ক্ব	দ্	+	ব	=	দ্ব
ক্	+	ল	=	ক্ল	প্	+	ট	=	প্ট
গ্	+	ন	=	গ্ন	প্	+	ন	=	প্ন
গ্	+	ল	=	গ্ল	প্	+	ল	=	প্ল
ঘ্	+	ন	=	ঘ্ন	ল্	+	ক	=	ল্ক/ল্ক
জ্	+	ব	=	জ্ব					
ট্	+	ব	=	ট্ব	ল্	+	গ	=	ল্গ/ল্গ
ণ্	+	ব	=	ণ্ব	ল্	+	প	=	ল্প/ল্প

ল্	+	ব	=	ল্ব/ল্ব	হ্	+	ন	= হ্ন/হ্ন
শ্	+	ব	=	শ্ব/শ্ব	ষ্	+	ক	= ষ্ক/ষ্ক
শ্	+	ল	=	শ্ল				

অক্টোবর	ত্বক	গল্প	বিঘ্ন
রক্ত	বিদ্বান	বিল্ব	জ্বর
চেষ্টা	পক্ব	অশ্ব	খট্টা
স্বপ্ন	প্লাবন	কণ্ব	বিশ্লেষণ
শুক্ল	বল্কল	রত্ন	পরিষ্কার
অগ্নি	ফাল্গুন	অপরাহ্ন	
গ্লানি			

5.8

ক্	+	স	=	ক্স	ব্	+	জ	= ব্জ
গ্	+	দ	=	গ্দ	ব্	+	দ	= ব্দ
গ	+	ধ	=	গ্ধ	ল্	+	ট	= ল্ট
চ্	+	ছ	=	চ্ছ	শ্	+	চ	= শ্চ
জ্	+	ঝ	=	জ্ঝ	শ্	+	ছ	= শ্ছ
দ্	+	গ	=	দ্গ	ষ্	+	ট	= ষ্ট
ধ্	+	ব	=	ধ্ব	ষ্	+	ঠ	= ষ্ঠ
প্	+	স	=	প্স	ষ্	+	প	= ষ্প

ষ্	+	ফ	=	[illegible]	স্	+	প	=	স্প/স্প
স্	+	ক	=	স্ক/স্ক	স্	+	ফ	=	স্ফ/স্ফ
স্	+	খ	=	স্খ/স্খ	স্	+	ব	=	স্ব/স্ব
স্	+	[illegible]	=	[illegible]	হ্	+	ব	=	হ্ব, হ্ব
স্	+	ত	=	স্ত	হ্	+	ল	=	হ্ল/হ্ল
স্	+	থ	=	স্থ	ড়	+	গ	=	ড়্গ
স্	+	ন	=	স্ন/স্ন					

নক্র্যা	নিষ্ঠুর	বাগ্দেবী	স্পর্শ	শব্দ	স্ফটিক
পুষ্প	দুগ্ধ	নি[illegible]ল	উল্টো	স্বপ্ন	পশ্চিম
কচ্ছপ	পুরস্কার	কুজ্ঝটিকা	জিহ্বা	শিরশ্ছেদ	কষ্ট
স্খলন	উদগত	মাস্টার	কুষ্ঠ	আহ্লাদ	বাষ্প
ধ্বনি	পুস্তক	অস্থি	খড়্গ	নিষ্ফল	স্কন্ধ
ঈপ্সা	স্নাতক	সজ্ঞী			

5.9	ঞ্	+	ছ	=	ঞ্ছ	দ্	+	ধ	=	দ্ধ
	ঞ্	+	জ	=	ঞ্জ	ব্	+	ধ	=	ব্ধ
	ঞ্	+	ঝ	=	ঞ্ঝ	ষ্	+	ণ	=	ষ্ণ
	চ্	+	ঞ	=	চ্ঞ	হ্	+	ণ	=	হ্ণ
	জ্	+	ঞ	=	জ্ঞ	ক্	+	ষ	=	ক্ষ
	ত্	+	থ	=	ত্থ					

বাঞ্ছনীয় উত্থান রঞ্জন বুদ্ধি

ঝঞ্ঝা	লব্ধ	বিজ্ঞান	চিহ্ন
যাচ্ঞা	উষ্ণ	ক্ষমা	

5.10

ক্	+	ঋ	=	কৃ	প্	+	ঋ	=	পৃ
খ্	+	ঋ	=	খৃ	ব্	+	ঋ	=	বৃ
গ্	+	ঋ	=	গৃ	ভ্	+	ঋ	=	ভৃ
ঘ্	+	ঋ	=	ঘৃ	ম্	+	ঋ	=	মৃ
ত্	+	ঋ	=	তৃ	শ্	+	ঋ	=	শৃ
দ্	+	ঋ	=	দৃ	স্	+	ঋ	=	সৃ
ধ্	+	ঋ	=	ধৃ	হ্	+	ঋ	=	হৃ
ন্	+	ঋ	=	নৃ					

কৃষক	পৃথক	খৃষ্ট	দৃঢ়	শৃগাল	ধৃত
গৃহ	বৃষ	ঘৃণা	সৃষ্টি	নৃত্য	হৃদয়
ভৃত্য	তৃণ	মৃত্যু			

5.11

ক্	+	ষ্	+	ণ	=	ক্ষ্ণ
ক্	+	ষ্	+	ম	=	ক্ষ্ম
ক্	+	ষ্	+	য	=	ক্ষ্য
ঙ্	+	ক্	+	ষ	=	ঙ্ক্ষ
চ্	+	ছ্	+	ব	=	চ্ছ্ব
জ্	+	জ্	+	ব	=	জ্জ্ব

त् + त् + व = ত্ত্ব

त् + म् + य = ত্ম্য

द् + ध् + ऋ = দ্ধৃ

द् + ब् + ऋ = দ্বৃ

न् + त् + र = ন্ত্র

न् + त् + व = ন্ত্ব

न् + द् + व = ন্দ্ব

न् + द् + य = ন্দ্য

न् + द् + र = ন্দ্র

न् + ध् + र = ন্ধ্র/ন্ধ্র

न् + ध् + य = ন্ধ্য

म् + प् + र = ম্প্র

म् + भ् + र = ম্ভ্র

र् + घ् + य = র্ঘ্য

र् + त् + म = র্ত্ম

र् + द् + र = র্দ্র

र् + ध् + व = র্ধ্ব

र् + श् + व = র্শ্ব

ष् + क् + र = ষ্ক্র/ষ্ক্র

ष् + [illegible] + य = ষ্ট্য

ষ্ + ্ + র = ষ্ট্র
ষ্ + প্ + র = ষ্প্র
স্ + ত্ + র = স্ত্র
স্ + থ্ + য = স্থ্য
স্ + প্ + ঋ = স্পৃ/স্পৃ
স্ + ম্ + ঋ = স্মৃ

তীক্ষ্ণ	সন্ধ্যা	অধ্যাত্ম	উদ্ধৃত
লক্ষ্মী	সন্ন্যাসী	উদ্বৃত্ত	বৈশিষ্ট্য
লক্ষ্য	সম্প্রতি	মন্ত্রী	রাষ্ট্র
আকাঙ্ক্ষা	সম্ভ্রম	সান্ত্বনা	দ্বন্দ্ব
উচ্ছ্বসিত	অর্ঘ্য	অনিন্দ্য	দুষ্প্রাপ্য
বর্ত্ম	আর্দ্র	তন্দ্রা	অস্ত্র
ঊর্ধ্ব	উজ্জ্বল	স্বাস্থ্য	রন্ধ্র/রন্ধ্র
তত্ত্ব	নিষ্ক্রিয়	স্পৃহা	স্মৃতি

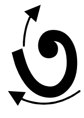
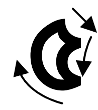
6. बंगला अंक

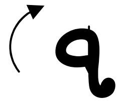
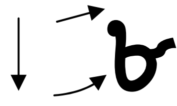
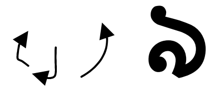
১ ২ ৩ ৪ ৫ ৬ ৭ ৮ ৯

১০

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

१०

১০

7. लिपि पाठ -- एक नमूना

पाठ 1

I. अक्षर

ত त	অ अ	আ आ	ও ओ	ঔ औ

া ে া
জ্জো
ा ो ौ

II. शब्द

অত	(अत)	ও	(ओ)
আতা	(आता)	তোতা	(तोता)
তাত	तात		

III. पढ़िए

অত তাত

আতা তত

তোতা

অ আ ও ঔ ত

IV. लिखिए

ত --- --- --- --- --- ত

অ --- --- --- --- --- অ

আ	---	---	---	---	---	আ
ও	---	---	---	---	---	ও
ঔ	---	---	---	---	---	ঔ
তত	---	---	---	---	---	তত
আতা	---	---	---	---	---	আতা
তোতা	---	---	---	---	---	তোতা
অত	---	---	---	---	---	অত
তাত	---	---	---	---	---	তাত

V. अभ्यास

1. दिए गए अक्षरों में 'ত' को पहचानिए।

গ ক ত স আ হ

2. दिए गए अक्षरों में 'আ' को पहचानिए।

ঘ ফ প আ হ ল

3. दिए गए अक्षरों में 'ঔ' को पहचानिए।

গ ষ খ ঔ ঝ

4. ऊपर की पंक्ति के जो अक्षर नीचे की पंक्ति में हैं उन अक्षरों पर घेरे लगाइए।

অ	
অ	ত

ত	
ত	আ

ও	
ও	ঔ

আ	
ও	আ

ঔ	
ঔ	ত

5. ऊपर की पंक्ति के जो शब्द नीचे की पंक्ति में हैं उन शब्दों पर घेरे लगाइए।

তাত	
তাত	অত

অত	
তাত	অত

আতা	
অত	আতা

তত	
অত	তত

তোতা	
তাত	তোতা

অত	
অত	আতা

6. दोहराए गए अक्षरों को पहचानिए।

তত অত মত অঅ আসা তো তো

7. सही प्रकार से मिलाकर पढ़िए।

আ তা

তো তা

তা ত

অ ত

8. देवनागरी लिपि में दिए गए बंगला शब्दों को बंगला लिपि में लिखिए।

आता अत तोता तात तत

9. कोष्ठक में दिए गए अक्षरों में से सही अक्षर चुनकर शब्द पूरे कीजिए।

(অ, ত)

অ ______

তা ______

ত ______

10. অ, ত तथा আ अक्षर आनेवाले एक-एक शब्द लिखिए।

11. रेखांकित अक्षर के स्थान पर एक अन्य अक्षर लिखकर नया शब्द बनाइए।

ত͟ত

12. सही अक्षर का प्रयोग कर शब्द पूरे कीजिए।

আ ___ **অ** ___ **তো** ___ **তা** ______

পাঠ 1
पाठ

অতিথি আপ্যায়ন
ओतिथि आप्यायन

সমীর : আসুন, আপনি ভেতরে আসুন।
शोमिर : आशुन, आप्नि भेतोरे आशुन।

বসুন! এখানে বসুন। শীলা এদিকে
बोशुन! एखाने बोशुन। शिला एदिके

এসো। রাকেশবাবু, স্পনি আমার স্ত্রী।
एशो। राकेशबाबु, इनि आमार स्त्रि।

স্পনি রাকেশবাবু। স্পনি সরকারী
इनि राकेशबाबु। इनि शरकारि

হাসপাতালের নতুন ডাক্তার।
हाशपातालेर नोतुन डाक्तार।

রাকেশ : নমস্কার। আমি রাকেশ গুপ্তা।
राकेश : नमोश्कार। आमि राकेश गुप्ता।

শীলা : নমস্কার। বসুন, বসুন। আপনার
शिला : नमोश्कार, बोशुन, बोशुन। आप्नार

মাতৃভাষা কি হিন্দী ?
मातृभाशा कि हिन्दि?

রাকেশ : হ্যাঁ, হিন্দী আমার মাতৃভাষা।
राकेश : हैं, हिन्दि आमार मातृभाशा।

अतिथि सत्कार

समीर : आइए, आप भीतर आइए। बैठिए, यहाँ बैठिए। शीला, इधर आओ। राकेशबाबु, ये मेरी पत्नी हैं। ये राकेशबाबु हैं। ये सरकारी अस्पताल के नये डाक्टर हैं।

राकेश : नमस्कार। मैं राकेश गुप्ता हूँ।

शीला : नमस्कार। बैठिए, बैठिए। क्या आपकी मातृभाषा हिंदी है?

राकेश : जी हाँ, हिंदी मेरी मातृभाषा है।

শীলা : আপনার বাংলা তো খুব ভালো।
शिला : आप्नार बाङ्ला तो खुब भालो।

शीला : आपकी बंगला तो बहुत अच्छी है।

রাকেশ : কারণ বাংলার সঙ্গে হিন্দীর অনেক মিল।
राकेश : कारोन बाङ्लार शंगे हिन्दिर अनेक मिल।

राकेश : क्योंकि बंगला के साथ हिंदी का बहुत मेल है।

শীলা : আপনার বাড়ি কোথায় ?
शिला : आप्नार बाड़ि कोथाय ?

शीला : आपका घर कहाँ है?

রাকেশ : আমার বাড়ি বারাণসীতে।
राकेश : आमार बाड़ि बारानोशिते।

राकेश : मेरा घर वाराणसी में है।

সমীর : শীলা, যাও, চা আনো। শুভোকে ডাকো।
शोमिर : शिला, जाओ, चा आनो। शुभोके डाको।

समीर : शीला, जाओ, चाय ले आओ। शुभो को बुलाओ।

রাকেশ : শুভো কে?
राकेश : शुभो के?

राकेश : शुभो कौन है?

সমীর : শুভো আমার ছেলে।
शोमिर : शुभो आमार छेले।

समीर : शुभो मेरा लड़का है।

রাকেশ : এটা কি আপনার নিজের বাড়ি ?
राकेश : एटा कि आप्नार निजेर बाड़ि ?

राकेश : क्या, यह आपका निजी मकान है?

সমীর : হ্যাঁ, এটা আমার নিজের বাড়ি। এটা বসার ঘর, আর ওপাশে দুটো শোবার ঘর। রান্না ঘরটা পেছন দিকে। তারপরেই একটা বাথরুম।
शोमिर : हैं, एटा आमार निजेर बाड़ि। एटा बशार घर, आर ओपाशे दुटो शोबार घर। रान्ना घरटा पेछोन दिके। तारपरेइ ऐकटा बाथरुम।

समीर : जी हाँ, यह मेरा निजी मकान है। यह बैठने का कमरा है। और उधर दो सोने के कमरे हैं। रसोईघर पीछे की ओर है। उस के बाद ही एक स्नानघर है।

রাকেশ : এতো বিরাট বাড়ি।
राकेश : एतो बिराट बाड़ि।

সমীর : এটা আমার ঠাকুরদার আমলের
शोमिर : एटा आमार ठाकुरदार आमोलेर

বাড়ি। এ আমার ছেলে।
बाड़ि। ए आमार छेले।

রাকেশ : তোমার নাম কি?
राकेश : तोमार नाम कि?

শুভ : আমার নাম শুভো।
शुभो : आमार नाम शुभो।

শীলা : নিন, চা খান।
शिला : निन, चा खान।

রাকেশ : চায়ের সঙ্গে আবার এসব কেন?
राकेश : चायेर शंगे आबार एशब कैनो?

শীলা : এই তো সামান্য দুটো সিঙ্গাড়া;
शिला : एइ तो शामान्नो दुटो शिंगाड़ा;

নিন, খান।
निन, खान।

রাকেশ : সিঙ্গাড়াগুলো খুব ভাল। কোন
राकेश : शिंगाड़ागुलो खुब भालो। कोन

দোকানের ?
दोकानेर?

শীলা : এগুলো বাড়ীর তৈরী।
शिला : एगुलो बाड़िर तोइरि।

রাকেশ : বাঃ! আপনার রান্নার হাত তো।
राकेश : बाः! आप्नार रान्नार हात तो

খুব ভালো।
खुब भालो।

राकेश : यह तो बहुत बड़ा मकान है।

समीर : यह मेरे दादा के समय का मकान है। यह मेरा लड़का है।

राकेश : तुम्हारा नाम क्या है?

शुभो : मेरा नाम शुभो है।

शीला : लीजिए, चाय पीजिए।

राकेश : चाय के साथ यह सब क्यों?

शीला : ये तो केवल दो समोसे हैं। लीजिए, खाइए।

राकेश : समोसे बहुत अच्छे हैं। कौन सी दुकान के हैं?

शीला : ये घर के बने हैं।

राकेश : वाह! आपका हाथ तो रसोई बनाने में बहुत कुशल है। (आप तो रसोई बनाने में बहुत कुशल हैं)

শীলা : এটা আর কি? এতো সামান্য ব্যাপার।
शिला : एटा आर कि? एतो शामान्नो बैपार।

शीला : यह क्या है? यह तो बहुत सामान्य (बात) है।

রাকেশ : একি! এখন সাড়ে পাঁচটা! আমার ছটায় ডিউটি। সমীরবাবু, আমি এখন উঠি। আচ্ছা, অনেক ধন্যবাদ।
राकेश : एकि! ऐखोन शाड़े पाँचटा! आमार छटाय डिउटि। शोमिरबाबु, आमि ऐखोन उठि। आच्छा, अनेक धोन्नोबाद।

राकेश : अरे! अभी साढ़े पाँच बजे है! मेरी छः बजे ड्यूटी है। समीरबाबु, मैं अब चलता हूँ। अच्छा, बहुत-बहुत धन्यवाद।

সমীর : ধন্যবাদ।
शोमिर : धोन्नोबाद।

समीर : धन्यवाद।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
আপ্যায়ন	आप्पायन	सत्कार
অতিথি	ओतिथि	अतिथि
আসুন	आशुन	आइए
ভেতরে	भेतोरे	भीतर, अंदर
এখানে	एखाने	यहाँ
এদিকে	एदिके	इधर
	एशो	आओ

এসো
শ্পনি
আমার
স্ত্রী
সরকারী
হাসপাতালের
নতুন
ডাক্তার
নমস্কার
আমি
বসুন
মানে
আপনি
কি
তো
খুব
ভালো
হ্যাঁ
মাতৃভাষা
তাছাড়া
সঙ্গে
হিন্দীর
প্রচুর
মিল
তুমি

इनि	ये
आमार	मेरा
स्त्रि	स्त्री
शरकारि	सरकारी
हाशपातालेर	अस्पताल का
नोतुन	नये
डाक्तार	डॉक्टर
नमोश्कार	नमस्कार
आमि	मैं
बोशुन	बैठिए
माने	अर्थ
आपनि	आप
कि	क्या
तो	तो
खुब	खूब, बहुत
भालो	अच्छा
हैं	हाँ
मातृभाशा	मातृभाषा
ताछाड़ा	इस के अलावा
शंगे	के साथ
हिन्दिर	हिंदी का
प्रोचुर	प्रचुर, अनेक
मिल	मेल
तुमि	तुम
जाओ	जाओ
चा	चाय

যাও
চা
আনো
ঐটা
ছেলে
নিজের
বাড়ি
এম্প তো
বসার
ঘর
ওপাশে
দুটো
শোবার
রান্নাঘরটা
পেছনদিকে
তারপরেম্প
বিরাট
নাম
এসব
কেন
সামান্য
সিঙ্গাড়া
নিন
খান
কোন

आनो	ले आओ
एटा	यह
छेले	लड़का, बेटा
निजेर	निजी, अपना
बाड़ि	मकान, घर
एइ तो	यह तो
बशार	बैठने का
घर	कमरा
ओपाशे	उस ओर
दुटो	दो (मात्र)
शोबार	सोने का
रान्नाघरटा	रसोइ घर (यह)
पेछोन दिके	पीछे की ओर
तारपरेइ	उसके बाद ही
बिराट	बहुत बड़ा
नाम	नाम
एशब	ये सब
कैनो	क्यों
सामान्नो	सामान्य
शिङाड़ा	समोसा
निन	लीजिए
खान	खाइए
कोन	कौन
दोकानेर	दुकान का
एगुलो	यह सब
तोइरि	तैयार

দোকানের		
এগুলো		
তৈরী		
রান্নার	रान्नार	रसोई का
হাত	हात	हाथ
ভালো	भालो	कुशल, अच्छा
একি	एकि	अरे
এখন	ऐखोन	अभी
পাঁচটা	पाँचटा	पाँच (मात्र)
ছটায়	छटाय	छः बजे
আচ্ছা	आच्छा	अच्छा
অনেক	अनेक	बहुत
ধন্যবাদ	धोन्नोबाद	धन्यवाद
আসি	आशि	आ रहा हूँ

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

উদাহরণ : এটা বাড়ি। (আমার)

उदाहरण : एटा बाड़ि। (आमार)

এটা আমার বাড়ি । (নিজের)

एटा आमार बाड़ि। (निजेर)

এটা আমার নিজের বাড়ি।

एटा आमार निजेर बाड़ि।

1. এটা বাড়ি।
एटा बाड़ि।

(আমার)
(आमार)

(ঠাকুরদার)
(ठाकुरदार)

(আমলের)
(आमोलेर)

2. এটা কি বাড়ি?
एटा कि बाड़ि?

(আপনার)
(आप्नार)

(নিজের)
(निजेर)

3. ইনি ডাক্তার।
इनि डाक्तार।

(সরকারী)
(शरकारि)

(হাসপাতালের)
(हाशपातालेर)

(নতুন)
(नोतुन)

4. আসুন।
आशुन।

(আপনি)
(आप्नि)

(ভেতরে)
(भेतोरे)

5. বসুন।
बोशुन।

(আপনি)
(आप्नि)

(এখানে)
(एखाने)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।

উদাহরণঃ আমার নাম শুভো। (রাকেশ)
उदाहरणः आमार नाम शुभो। (राकेश)

আমার নাম রাকেশ।
आमार नाम राकेश।

1. এটা বসার ঘর। (শোবার)
   एटा बशार घर। (शोबार)

2. ওপাশে দুটো শোবার ঘর। (একটা)
   ओपाशे दुटो शोबार घर। (ऐकटा)

3. সিঙ্গাড়াগুলো কোন দোকানের। (সিঙ্গাড়াটা)
   शिङाड़ागुलो कोन दोकानेर। (सिङाड़ाटा)

4. এগুলো বাড়ীর তৈরী। (দোকানের)
   एगुलो बाड़िर तोइरि। (दोकानेर)

5. আমার ছটায় ডিউটি। (পাঁচটায়)
   आमार छटाय डिउटि। (पाँचटाय)

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

উদাহরণ : এই ________ ছেলে। (আমি, আমার)

उदाहरण : एइ ________ छेले। (आमि, आमार)

এই আমার ছেলে।

एइ आमार छेले।

1. রাকেশ, এটা কি ________ বাড়ি। (তুমি, তোমার)
   राकेश, एटा कि ________ बाड़ि। (तुमि, तोमार)

2. শীলা ________ নাম । (আমি, আমার)
   शिला ________ नाम । (आमि, आमार)

3. কোলকাতায় ________ বাড়ি। (আপনার, আপনি)
   कोलकाताय ________ बाड़ि। (आप्नार, आप्नि)

4. হিন্দী ________ মাতৃভাষা। (আপনি, আপনার)
   हिंदि ________ मातृभाशा। (आप्नि, आप्नार)

5. বাংলা তো __________ খুব ভালো বলতে পারেন। (আপনি, আপনার)

বাঙ্ला तो __________ खुब भालो बोलते पारेन। (आप्नि, आप्नार)

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के एक-एक प्रश्न बनाइए।

উদাহরণ : আমার নাম রাকেশ।
उदाहरण : आमार नाम राकेश।

আপনার নাম কি?
आप्नार नाम कि?

1. আমার বাড়ি বারানসীতে।
आमार बाड़ि बारानोशिते।

2. আমার মাতৃভাষা হিন্দী।
आमार मातृभाशा हिन्दि।

3. ঐটা শোবার ঘর।
एटा शोबार घर।

4. হ্যাঁ, ঐটা আমার নিজের বাড়ি।
हैं, एटा आमार निजेर बाड़ि।

5. হ্যাঁ, সিঙ্গাড়াগুলো বাড়ির তৈরী।
हैं, शिङाड़ागुलो बाड़िर तोइरि।

V. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. আপনার নাম কি?
आप्नार नाम कि ?

2. আপনার বাড়ি কোথায়?
आप्नार बाड़ि कोथाय?

3. আপনার মাতৃভাষা কি হিন্দী?
आप्नार मातृभाशा कि हिन्दि?

4. শুভো কে?
शुभो के?

5. রাকেশবাবু কে?
राकेशबाबु के?

पढ़िए और समझिए :

এলাহাবাদ (एलाहाबाद) इलाहाबाद

আমি এলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয়ের বাংলার অধ্যাপিকা। আমার নাম রমা চট্টোপাধ্যায়।
आमि एलाहाबाद बिश्शोबिद्दालयेर बाङ्लार ओद्धापिका। आमार नाम रमा चट्टोपाद्धाय।

আমার বাড়ি কোলকাতায়। কিন্তু আমি এখন এলাহাবাদের স্থায়ী বাসিন্দা। কোলকাতার
आमार बाड़ि कोलकाताय। किन्तु आमि ऐखोन एलाहाबादेर स्थायि बाशिन्दा। कोलकातार

সঙ্গে অনেক ব্যাপারেই এলাহাবাদের মিল। এলাহাবাদও বেশ বড় শহর। এই শহরের
शंगे अनेक बैपारेइ एलाहाबादेर मिल। एलाहाबादओ बेश बड़ो शहोर। एइ शहोरेर

লোক কোলকাতার মত রাজনীতি সচেতন। স্বাধীনতা আন্দোলনের সঙ্গে এলাহাবাদের
लोक कोलकातार मतो राजनिति शचेतन। शाधिनता आन्दोलनेर शंगे एलाहाबादेर

নাম জড়িত। এই শহরে শহীদ চন্দ্রশেখর পার্ক নামে একটি খুব সুন্দর পার্ক আছে।
नाम जोड़ितो। एइ शहोरे शोहिद चन्द्रोशेखर पार्क नामे एकटि खुब शुन्दोर पार्क आछे।

জহরলাল নেহরুর বাবা মতিলাল নেহরুর বাড়িও এই এলাহাবাদেই। এই বাড়ির
नाम जहरलाल नेहरुर बाबा मोतिलाल नेहरुर बाड़िओ एइ एलाहाबादेइ। एइ बाड़िर नाम

আনন্দ ভবন। এলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয় নামকরা ও পুরোনো বিশ্ববিদ্যালয়। বিখ্যাত
आनन्दो भबोन। एलाहाबाद बिश्शोबिद्दालय नामकरा ओ पुरोनो बिश्शोबिद्दालय। बिक्खातो

বৈজ্ঞানিক মেঘনাদ সাহা সহ অনেক নামকরা ব্যক্তির নাম এই বিশ্ববিদ্যালয়ের সঙ্গে
बोइग्गानिक मेघनाद शाहा शहो अनेक नामकरा बैक्तिर नाम एइ बिश्शोबिद्दालयेर शंगे

যুক্ত। আমি এই বিশ্ববিদ্যালয়ের জন্য গর্বিত। এলাহাবাদ একটি তীর্থস্থান।
जुक्तो। आमि एइ बिश्शोबिद्दालयेर जोन्नो गोर्बितो। एलाहाबाद एकटि तिर्थोस्थान।

প্রয়াগ তীর্থ এম্প শহরের উপকণ্ঠে। গঙ্গা যমুনা ও সরস্বতীর মিলন--স্থল এম্প প্রয়াগে।

प्रोयाग तिर्थो एइ शहोरेर उपोकंठे। गंगा जोमुना ओ शरोश्शोतिर मिलन-स्थल एइ प्रोयागे।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
এলাহাবাদ	एलाहाबाद	इलाहाबाद
বিশ্ববিদ্যালয়ের	बिश्शोबिद्दालयेर	विश्वविद्यालय का
বাংলার	बाङलार	बंगला का
অধ্যাপিকা	ओद्धापिका	अध्यापिका
কোলকাতায়	कोलकाताय	कलकत्ता में
কিন্তু	किन्तु	किंतु
আমি	आमि	मैं
স্থায়ী	स्थायि	स्थायी
বাসিন্দা	बाशिन्दा	बाशिंदा, निवासी
ব্যাপারেম্প	बैपारेइ	विषय में ही
বড়	बड़ो	बड़ा
শহর	शहोर	शहर
এম্প	एइ	यह
লোক	लोक	लोग
মত	मतो	जैसा
রাজনীতি	राजनिति	राजनीति
স্বাধীনতা	शाधिनता	स्वाधीनता, स्वतंत्रता
আন্দোলনের	आन्दोलोनेर	आंदोलन का
জড়িত	जोड़ितो	जुड़ा हुआ
	शोहिद	शहीद

শহীদ	उल्टोदिके	उलटी ओर (विपरीत दिशा)
উল্টোদিকে	शुन्दोर	सुंदर
সুন্দর	भबोन	भवन
ভবন	नामकरा	नामी
নামকরা	पुरोनो	पुराना
পুরোনো	बिक्खातो	विख्यात, मशहूर
বিখ্যাত	बोइग्गानिक	वैज्ञानिक
বৈজ্ঞানিক		
সহ	शहो	के साथ
ব্যক্তি	बैक्ति	व्यक्ति
যুক্ত	जुक्तो	युक्त
জন্যে	जोन्ने	के लिए
গর্বিত	गोर्बितो	गर्व का अनुभव
একটি	एकटि	एक
তীর্থস্থান	तिर्थोस्थान	तीर्थस्थान
প্রয়াগ	प्रयाग	प्रयाग
উপকণ্ঠে	उपकन्ठे	सीमांत में
গঙ্গা	गंगा	गंगा
যমুনা	जोमुना	यमुना
সরস্বতীর	शरोश्शोतिर	सरस्वती का
মিলন	मिलन	मिलन
স্থল	स्थल	स्थल

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. রমা চট্টোপাধ্যায় কোন বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপিকা?
   रमा चट्टोपाध्याय कोन बिश्शोबिद्दालयेर ओद्धापिका ?
2. এলাহাবাদ শহরের লোক কি রাজনীতি সচেতন?
   एलाहाबाद शहोरेर लोक कि राजनिति शचेतन ?
3. এলাহাবাদে কোন পার্ক খুব সুন্দর?
   एलाहाबादे कोन पार्क खुब सुन्दर ?
4. প্রয়াগ তীর্থ কোথায়?
   प्रयाग तिर्थो कोथाय?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

1.	সহ शहो	লোক लोक
2.	ব্যক্তি बैक्ति	প্রচুর प्रोचुर
3.	যুক্ত जुक्तो	সঙ্গে शंगे
4.	অনেক अनेक	জড়িত जोड़ितो

III. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

বিশ্ববিদ্যালয় बिश्शोबिद्दालय	তীর্থস্থান तिर्थोस्थान	পুরনো पुरोनो	ধর্মনীতি धर्मनिति
স্থায়ী स्थायि	তামিল तामिल	শহর शहोर	রাজনীতি राजनिति
বাংলা	দুর্গা	নতুন	অধ্যাপিকা

বাঙলা	দুর্গা	নোতুন	ओद्धापिका
বৈজ্ঞানিক	সাহিত্যিক	গ্রাম	সরস্বতী
बोइग्गानिक	शाहित्तिक	ग्राम	शरश्शोति

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমার নাম রামপ্রসাদ পাণ্ডে। আমি হরিদ্বারের স্থায়ী বাসিন্দা। আমি হরিদ্বারে
आमार नाम रामप्रोशाद पांडे। आमि होरिद्दारेर स्थायि बाशिन्दा। आमि होरिद्दारे

একটি কলেজের অধ্যাপক। হরিদ্বার একটি পুরোনো বিখ্যাত শহর। এখানে
एकटि कलेजेर ओद्धापक। होरिद्दार एकटि पुरोनो बिक्खातो शहोर। एखाने

বহু তীর্থযাত্রী আসেন।
बहु तिर्थोयात्रि आशेन।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

कलकत्ता बहुत बड़ा शहर है। मेरा घर कलकत्ता में है। मैं कलकत्ता विश्वविद्यालय का छात्र हूँ। कलकत्ता के लोग राजनीति में सजग होते हैं।

VI. अतिथि के आने पर उसके स्वागत में आप क्या बातचीत करेंगे, पाँच वाक्य बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में बंगला भाषा के क्रिया रहित वाक्यों तथा विधिवाचक वाक्यों का परिचय दिया गया है।

उदाहरण **(1)** क्रियारहित वाक्य

ইনি আমার স্ত্রী। इनि आमार स्त्रि।	ये मेरी पत्नी हैं।
ইনি রাকেশবাবু। इनि राकेशबाबु।	ये राकेश बाबू हैं।
উনি সরকারী হাসপাতালের নতুন ডাক্তার। उनि शरकारि हाशपातालेर नोतुन डाक्तार।	ये सरकारी अस्पताल के नये डाक्टर हैं।

আমি রাকেশ গুপ্তা। आमि राकेश गुप्ता।	मैं राकेश गुप्ता हूँ।
হ্যাঁ। হিন্দী আমার মাতৃভাষা। हैं। हिन्दि आमार मातृभाशा।	हाँ, हिंदी मेरी मातृभाषा है।
এটা কি ? एटा कि?	यह क्या है?

उदाहरण (2) विधिवाचक वाक्य

আসুন, আপনি ভেতরে আসুন। आशुन, आपनि भेतोरे आशुन।	आइए, आप अंदर आइए।
শীলা, যাও, চা আনো। शिला, जाओ, चा आनो।	शीला, जाओ चाय ले आओ।
শুভোকে ডাকো। शुभोके डाको।	शुभो को बुलाओ।
নিন, চা নিন। निन, चा निन।	लीजिए, चाय लीजिए।
নিন, খান। निन, खान।	लीजिए, खाइए।

II. उपर्युक्त उदाहरण (1) के बंगला वाक्यों में आप देख सकते हैं कि, जब उद्देश्य और विधेय दोनों संज्ञा होते हैं तब वर्तमान काल के वाक्यों में इन्हें बाँधने के लिए हिंदी के 'है' हैं जैसी योजक क्रियाओं की आवश्यकता नहीं होती, जबकि, हिंदी के ऐसे वाक्यों में भी कर्ता के अनुसार 'है, हैं, हूँ, हो' जैसी योजक क्रियाओं का प्रयोग अनिवार्य है।

उदाहरण (2) विधिवाचक वाक्यों में बंगला भाषा के आज्ञार्थक क्रियाओं का प्रयोग दिखाया गया है। बंगला में भी हिंदी की तरह मध्यम पुरुष के लिए तीन सर्वनामों का प्रयोग होता है।

তুই যা। जा।	तुइ	तू जा। तुम जाओ।

তুমি যাও। तुमि जाओ। आप जाइए।

আপনি যান। आपनि जान।

III. संज्ञाओं तथा सर्वनामों के संबंध रूप बनाने के लिए बंगला के व्यंजनांत शब्दों में -এর (-एर) जोड़ा जाता है। एकाक्षरवाले स्वरांत शब्दों में (जैसे চা, ভাস্প, বৌ [चा, भाई, बउ] आदि) में -য়ের(-येर) और बाकी शब्दों में -র (-ऱ) जोड़े जाते हैं। जैसे :

হাসপাতাল + এর	=	হাসপাতালের	हाशपाताल	+	एर	=	हाशपातालेर	:	अस्पताल का
চা +	য়ের =	চায়ের	चा	+	येर	=	चायेर	:	चाय का
হিন্দী +	র =	হিন্দীর	हिन्दी	+	र	=	हिन्दीर	:	हिंदी का

IV. अधिकरण के रूप बनाने के लिए आकारान्त शब्दों में -তে (ते) अथवा -য় (-य), अन्य स्वरांत शब्दों में -তে (-ते) और व्यंजनांत शब्दों में -এ (-ए) जुड़ता है। जैसेः

কোলকাতা + তে	=	কোলকাতাতে	कोलकाता	+	ते	=	कोलकाताते	:	कोलकाता में
বারাণসী + তে	=	বারানসীতে	बारानोशि	+	ते	=	बारानोशिते	:	वाराणसी में
এলাহাবাদ + এ	=	এলাহাবাদে	एलाहाबाद	+	ए	=	एलाहाबादे	:	इलाहाबाद में

V. बंगला में संज्ञाओं के लिंगों के अनुसार सर्वनाम के लिंगों में भेद नहीं होता। सर्वनामों के एक वचन के संबंध रूप बनाने के लिए सर्वनाम के परिवर्तित (तिर्यक) रूप में -র (-र) जोड़ा जाता है। जैसेः

আমি --	আমা	+ র =	আমার	आमि --	आमा	+ र = आमार	मेरा
আপনি --	আপনা	+ র =	আপনার	आप्नि --	आपना	+ र = आपनार	आप का

তুমি	--	তোমা	+ র =	তোমার	तुमि	--	तोमा	+ र =	तोमार	तुम्हारा
তুম্প	--	তো	+ র =	তোর	तुइ	--	तो	+ र =	तोर	तेरा
তিনি	--	তাঁ	+ র =		तिनि	--	ताँ	+ र =	ताँर	उन का
ম্পনি	--	এনা/এঁ	+ র=	এনার/এঁর	इनि	--	एना/एँ	+ र =	एनार/एँर	इन का
উনি	--	ওনা/ওঁ	+ র =	ওনার/ওঁর	उनि	--	ओना/ओँ	+ र =	ओनार/ओँर	उन का
সে	--	তা	+ র =	তার	शे	--	ता	+ र =	तार	उस का
এ	--	এ	+ র =	এর	ए	--	ए	+ र =	एर	इस का
ও	--	ও	+ র =	ওর	ओ	--	ओ	+ र =	ओर	उस का

VI. किसी शब्द पर विशेष बल देने के लिए उसके बाद -তো (-तो) जोड़ा जाता है। जैसे:

এম্পতো সেম্প বাড়ী   एइतो सेइ बाड़ि   यही वह घर है।

VII. बंगला में पूर्व निर्दिष्ट वस्तुओं के लिए प्रयुक्त वस्तुवाचक संज्ञाओं और सर्वनामों के एकवचन में ॆা (-टा) अथवा ॅি (-टि) अवश्य लगाते हैं। इसका अलग से कोइ अर्थ नहीं होता। बहुवचन में वस्तुवाचकों के साथ -গুলো (-गुलो) अथवा -গুলি (-गुलि) जोड़े जाते हैं।

एकवचन		बहुवचन	
ঘরॆা / ঘরॅি घरटा / घरटि	कमरा	ঘরগুলো / ঘরগুলি घरगुलो / घरगुलि	कमरे
ঐা / ঐি एटा / एटि	यह	এগুলো / এগুলি एगुलो / एगुलि	ये

VIII. संख्यावाचक शब्दों के साथ -টা (-टा), -টি (-टि), -টে (-टे), -টো (-टो) जोड़े जाते हैं किन्तु -গুলো (-गुलो), -গুলি (-गुलि) का प्रयोग नहीं होता है। जैसे :

একটা	ऐकटा	एक
দুটো	दुटो	दो
তিনটে	तिनटे	तीन
চারটে / চারটি	चारटे/चारटि	चार
পাঁচটা	पाँचटा	पाँच

IX. बंगला में भी সঙ্গে (साथ), জন্যে (लिए) जैसे अव्ययों के साथ हिंदी के समान ही संबंध विभक्ति का प्रयोग होता है। जैसे :

চায়ের সঙ্গে	चायेर शंगे	चाय के साथ
আমার সঙ্গে	आमार शंगे	मेरे साथ
বিশ্ববিদ্যালয়ের জন্যে	विशशोविद्दालयेर जोन्ने	विश्वविद्यालय के लिए
আমার জন্যে	आमार जोन्ने	मेरे लिए

পাঠ
पाठ **2**

শাড়ী কেনা
शाड़ि केना

বিক্রেতা : আসুন দিদি। আমাদের দোকানে
विक्रेता : आशुन दिदि। आमादेर दोकाने

ভাল ভাল শাড়ী আছে।
भालो भालो शाड़ि आछे।

ভদ্রমহিলা : আচ্ছা, আপনাদের এখানে কি
भद्रोमोहिला: आच्छा, आप्नादेर एखाने कि

ধনেখালি শাড়ী আছে?
धोनेखालि शाड़ि आछे?

বিক্রেতা : আছে, আছে। এম্প দেখুন, আমাদের
विक्रेता : आछे, आछे। एइ देखुन, आमादेर

এখানে ধনেখালি, ৗঙ্গাম্পল,
एखाने धनेखालि, टाङ्गाइल,

মুর্শিদাবাদ সিল্ক, তাঁত সিল্ক
मुर्शिदाबाद सिल्क, ताँत सिल्क

সবম্প আছে।
सबइ आछे।

ভদ্রমহিলা : ঠিক আছে, ধনেখালি শাড়ী বার
भद्रोमोहिला: ठिक आछे, 'धोनेखालि' शाड़ि बार

করুন।
कोरुन।

साड़ी खरीदना

विक्रेता : आइए दीदी। हमारी दुकान में अच्छी अच्छी साड़ियाँ हैं।

महिला : अच्छा, क्या आपके यहाँ 'धोनेखाली' साड़ियाँ हैं?

विक्रेता : हाँ, हैं। यह देखिए, हमारे यहाँ 'धोनेखाली', 'टांगाइल', 'मुर्शिदाबाद सिल्क', 'ताँत सिल्क' सभी हैं।

महिला : ठीक है। 'धोनेखाली' साड़ी बाहर निकालिए।

বিক্রেতা : এদিকে আসুন। এস্প দেখুন, লাল,
विक्रेता : एदिके आशुन। एइ देखुन, लाल,

নীল, সবুজ, হলদে অনেক রঙের
निल, शोबुज, होलदे अनेक रङेर

শাড়ী আছে । কতো সুন্দর এস্প
शाड़ि आछे। कतो शुन्दोर एइ

শাড়ীগুলো!
शाड़िगुलो!

ভদ্রমহিলা : না, এগুলো পছন্দ নয়। বেগুনী
भद्रोमोहिला : ना, एगुलो पछोन्द नय। बेगुनि

রঙের শাড়ী আছে কি?
रङेर शाड़ि आछे कि?

বিক্রেতা : না, বেগুনী রঙের ‘ধনেখালি’

শাড়ী
विक्रेता : ना, बेगुनि रङेर धोनेखालि शाड़ि

আর নেস্প। তবে বেগুনী রঙের

অন্য
आर नेइ। तबे बेगुनि रङेर अन्नो

শাড়ী আছে। দেখুন না, আরও
शाड़ि आछे। देखुन ना, आरो

কতো রঙের, কতো রকমের শাড়ী
कतो रङेर, कतो रकोमेर शाड़ि

আছে।
आछे।

ভদ্রমহিলা : আচ্ছা, এস্প শাড়ী৷ার দাম কতো?
भद्रोमोहिला : आच्छा, एइ शाड़िटार दाम कतो?

বিক্রেতা : এর দাম দুশো ৷কা।
विक्रेता : एर दाम दुशो टाका।

ভদ্রমহিলা : বাব্বা, এত দাম! আচ্ছা কম

দামের
भद्रोमोहिला : बाब्बा, ऐतो दाम! आच्छा कम दामेर

শাড়ী নেস্প?

विक्रेता : इधर आइए। ये देखिए, लाल, नीली हरी, पीली अनेक रंगों की साड़ियाँ हैं। कितनी सुंदर हैं ये साड़ियाँ!

महिला : नहीं, ये सब पसंद नहीं हैं। बैंगनी रंग की साड़ी है क्या?

विक्रेता : नहीं, बैंगनी रंग की ‘धोनेखाली’ साड़ी और नहीं है। लेकिन बैंगनी रंग की अन्य साड़ियाँ है। देखिए न, और भी कितने रंगों की, कितने प्रकार की साड़ियाँ हैं।

महिला : अच्छा, इस साड़ी का दाम क्या है?

विक्रेता : इसके दाम दो सौ रुपये हैं।

महिला : बापरे! इतना दाम! अच्छा, कम दाम की साड़ियाँ नहीं हैं?

विक्रेता : हाँ, हैं। लेकिन वे उतनी अच्छी नहीं हैं।

শাড়ি নেই?

বিক্রেতা : হ্যাঁ, আছে। তবে সেগুলি এত ভাল
विक्रेता : हैं, आछे। तबे शेगुलि ऐतो भालो

নয়।
नय।

ভদ্রমহিলা : বেশ, তাহলে দাম কিছু কমান।
भद्रोमोहिला : बेश, ताहोले दाम किछु कमान।

বিক্রেতা : দেখুন দিদি, দাম ঠিকস্প আছে।
विक्रेता : देखुन दिदि, दाम ठिकइ आछे।

আজকাল সব জিনিসের দামস্প
आजकाल शब जिनिशेर दामइ

খুব বেশী। সে তুলনায় এর দাম
खुब बेशि। शे तुलनाय एर दाम

বেশী নয়, কমস্প আছে।
बेशि नय, कमइ आछे।

ভদ্রমহিলা : না না, একটু অন্ততঃ কমান।
भद्रोमोहिला : ना ना, एकटु अन्तोतोः कमान।

বিক্রেতা : ঠিক আছে, এখন বউনির সময়।
विक्रेता : ठिक आछे, ऐखोन बोउनिर समोय।

দশ্ াকা কম দিন।
दश टाका कम दिन।

ভদ্রমহিলা : এস্প নিন, একশো নব্বস্প াকা।
भद्रोमोहिला : एइ निन, ऐकशो नोब्बोइ टाका।

বিক্রেতা : ধন্যবাদ।
विक्रेता : धोन्नोबाद।

महिला : ठीक है, तो दाम कुछ कम कीजिए।

विक्रेता : देखिए दीदी, दाम ठीक ही हैं। आजकल सभी चीज़ों के दाम बहुत ज़्यादा हैं। तुलना में इनके दाम ज़्यादा नहीं, कम ही हैं।

महिला : नहीं नहीं, कुछ तो कम कीजिए।

विक्रेता : ठीक है, अभी बोहनी का समय है। दस रुपये कम दीजिए।

महिला : यह लीजिए, एक सौ नब्बे रुपये।

विक्रेता : धन्यवाद।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
বিক্রেতা	बिक्रेता	विक्रेता

দিদি	दिदि	दीदी
ভদ্রমহিলা	भद्रोमोहिला	(नेक) महिला
তাঁত	ताँत्	ताँत
সিল্ক	सिल्क	रेशम
বার করুন	बार कोरुन	निकालिए
দেখুন	देखुन	देखिए
লাল	लाल	लाल
নীল	निल	नीला
সবুজ	शोबुज	हरा
হলদে/হলুদ	होल्दे/होलुद	पीला
রঙের	रङेर	रंग की
শাড়ী	शाड़ि	साड़ी
কতো	कतो	कितना
আরও	आरो	और भी
না	ना	नहीं
পছন্দ	पछोन्दो	पसंद
বেগুনী	बेगुनि	बैंगनी
নেম্প	नेइ	नहीं है
তবে	तबे	तब
অন্য	अन्नो	दूसरा, अन्य
দেখুন না	देखुन ना	देखिए न
রকমের	रकोमेर	प्रकार की
এর	एर	इसके
দুশো	दुशो	दो सौ
টাকা	टाका	रुपया
বাব্বা	बाब्बा	बाप रे
কম দামের	कम दामेर	कम दाम की
	कमान	कम कीजिए

কমান		
ঠিকম্প	ठिकइ	ठीक ही
আজকাল	आजकाल	आजकल
সব	शब	सभी, सब
জিনিসের	जिनिशेर	सामान का
দামম্প	दामइ	दाम ही
খুব	खुब	बहुत
তুলনায়	तुलनाय	तुलना में
বেশী	बेशि	अधिक
বউনির	बोउनिर	बोहनी का
দশ	दश	दस
দিন	दिन	दीजिए
এম্প	एइ	यह
একশো	ऐकशो	एक सौ
নব্বম্প	नोब्बोइ	नब्बे

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए :

উদাহরণ : শাড়ি আছে।
उदाहरण : शाड़ि आछे।

নতুন শাড়ী আছে। (নতুন)
नोतुन शाड़ि आछे। (नोतुन)

দোকানে নতুন শাড়ী আছে। (দোকানে)

दोकाने नोतुन शाड़ि आछे। (दोकाने)

আমাদের দোকানে নতুন শাড়ী আছে। (আমাদের)
आमादेर दोकाने नोतुन शाड़ि आछे। (आमादेर)

1. বার করুন।
बार कोरुन।

(শাড়ী)
(शाड़ि)

(একটা)
(ऐकटा)

(লাল রঙের)
(लाल रङेर)

2. শাড়ী আছে?
शाड़ि आछे?

(ধনেখালি)
(धोनेखालि)

(বেগুনী রঙের)
(बेगुनि रङेर)

(আপনার দোকানে)
(आप्नार दोकाने)

3. দাম কত?
दाम कतो?

(শাড়ীটার)
(शाड़िटार)

(টাঙ্গাইল)
(टाङ्गाइल)

(এই)
(एइ)

4. দাম খুব বেশী।
दाम खुब बेशि।

(জিনিসের)
(जिनिशेर)

(সব)
(शब)

(আজকাল)
(आजकाल)

5. দাম কমান।
दाम कमान।

(একটু)
(एकटु)

(অন্ততঃ)
(अन्तोतोः)

(তাহলে)
(ताहोले)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।

উদাহরণ : <u>আমার</u> একটা বাড়ী আছে। (তোমার)

उदाहरण : आमार ऐकटा बाड़ि आछे। (तोमार)

তোমার একটা বাড়ী আছে।

तोमार ऐकटा बाड़ि आछे।

1. ঐটা আমার নিজের বাড়ী। (আমাদের)
   एटा आमार निजेर बाड़ि। (आमादेर)

2. বেগুনী রঙের অনেক শাড়ী আছে। (নানা)
   बेगुनि रङेर अनेक शाड़ि आछे। (नाना)

3. আমার বাড়ী কলকাতায়। (বারণসীতে)
   आमार बाड़ि कोलकाताय। (बारानोशिते)

4. আমার লাল রঙের শাড়ী আছে। (বেগুনী)
   आमार लाल रङेर शाड़ि आछे। (बेगुनि)

5. শাড়ীটার দাম অনেক কম। (বেশী)
   शाड़िटार दाम अनेक कम। (बेशि)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. আমাদের __________ অনেক শাড়ী আছে। (দোকানে, দোকান)
   आमादेर __________ अनेक शाड़ि आछे। (दोकाने, दोकान)

2. এস্প __________ দাম দুশো টাকা। (শাড়ীটা, শাড়ীটার)
   एइ __________ दाम दुशो टाका। (शाड़िटा, शाड़िटार)

3. এস্প __________ খুব বড়। (বাড়ী, বাড়ীটা)
   एइ __________ खुब बड़ो। (बाड़ि, बाड़िटा)

4. এস্প __________ খুব সুন্দর। (শাড়ী, শাড়ীটা)
   एइ __________ खुब शुन्दोर। (शाड़ि, शाड़िटा)

5. আপনি _______________ আসুন। (এদিকে, এদিক)

আपनि _________ आशुन। (एदिके, एदिक)

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. শাড়ীটা ভাল।
   शाड़िटा भालो।
2. এই দোকানে শাড়ী আছে।
   एइ दोकाने शाड़ि आछे।
3. আমাদের কোলকাতায় বাড়ী আছে।
   आमादेर कोलकाताय बाड़ि आछे।
4. বাড়ীটা বড়।
   बाड़िटा बड़ो।
5. শাড়ীটার রঙ লাল।
   शाड़िटार रङ लाल।

V. एक साड़ी के दुकान में अनेक रंगों की साड़ियाँ हैं। ताँत की साड़ियाँ हैं, सिल्क की साड़ियाँ हैं, धोनेखालि और टांगाइल साड़ियाँ भी हैं। इस दुकान में जाकर आप दुकानदार से किस प्रकार के पाँच प्रश्न करेंगे उदाहरण के अनुसार बंगला में लिखिए।

একটি নমুনা -- আপনার দোকানে কি তাঁতের শাড়ী আছে?
एकटि नोमुना -- आप्नार दोकाने कि ताँतेर शाड़ि आछे?

पढ़िए और समझिए :

আমাদের ভাষা কেন্দ্র (आमादेर भाशा केन्द्रो) हमारा भाषा केंद्र

আমাদের ভাষা শিক্ষা কেন্দ্রের নাম ভারতী বিদ্যাভবন। এখানে বাংলা, অসমীয়া,
आमादेर भाशा शिक्खा केन्द्रेर नाम भारोति बिद्दाभबोन। एखाने बाङला, असमिया,

তামিল, তেলুগু, কানাড়া, মালয়ালম, গুজরাটি ও মারাঠী ভাষা শিক্ষার ব্যবস্থা আছে।

तामिल, तेलुगु, कानाड़ा, मालयालम, गुजराटि ओ माराठि भाशा शिक्खार बैबोस्था आछे।

আমরা বাংলা ভাষার শিক্ষার্থী। আমাদের বিদ্যাভবনটি খুব সুন্দর। বিদ্যাভবনের সামনে
आमरा बाङला भाशार शिक्खार्थि। आमादेर बिद्दाभबोनटि खुब शुन्दोर। बिद्दाभबोनेर शामने

একটি ফুলের বাগান আছে। বিদ্যাভবনে দশটি ঘর আছে। ছয়টি শ্রেণী কক্ষ আছে।
एकटि फुलेर बागान आछे। बिद्दाभबोने दशटि घर आछे। छयटि श्रेणि कक्खो आछे।

আর কার্যালয় এবং শিক্ষক-শিক্ষিকার জন্য আছে চারটি ঘর। এছাড়া গ্রন্থাগার
आर कार्जालय एबं शिक्खक-शिक्खिकार जोन्नो आछे चारटि घर। एछाड़ा ग्रोन्थागार

এবং সভা কক্ষ আছে। কিন্তু গ্রন্থাগারে বেশী বই নেই। আজকাল ভাষা শেখার বেশ
एबं शभा कक्खो आछे। किन्तु ग्रोन्थागारे बेशि बोइ नेइ। आजकाल भाशा शेखार बेश

চাহিদা আছে তাই বিদ্যাভবনে ছাত্র সংখ্যাও অনেক। আমাদের শিক্ষক-শিক্ষিকারা খুব
चाहिदा आछे ताइ बिद्दाभबोने छात्रो शंखाओ अनेक। आमादेर शिक्खक-शिक्खिकारा खुब

ভাল। তারা ছাত্রদরদী। শিক্ষা পদ্ধতিও আধুনিক। কয়েকজন ছাত্র বিভিন্ন পেশার
भालो। तारा छात्रोदरोदि। शिक्खा पद्धोतिओ आधुनिक। कयेकजोन छात्रो बिभिन्नो पेशार

সঙ্গে যুক্ত। কেউ ইঞ্জিনিয়ার, কেউ ডাক্তার আবার কেউ কেউ সরকারী কর্মচারী।
शंगे जुक्तो। केउ इन्जिनियार, केउ डाक्तार आबार केउ केउ शरकारि कर्मोचारि।

অবশ্য আমরা কয়েকজন চাকুরীজীবি। আমরা বিশ্ববিদ্যালয়ের ছাত্র ছাত্রী। অধ্যক্ষ
अबश्शो आमरा कयेकजोन चाकुरिजिबि। आमरा बिश्शोबिद्दालयेर छात्र छात्रि। अद्धक्खो

মশাই খুব ভাল লোক। তিনি একজন শিক্ষাবিদ্। কর্মচারীরাও খুব ভাল।
मशाइ खुब भालो लोक। तिनि ऐकजोन शिक्खाबिद। कर्मोचारिराओ खुब भालो।

তাঁরাও শিক্ষক শিক্ষিকাদের মতো স্বেচ্ছাসেবী।
ताँराओ शिक्खक शिक्खिकादेर मतो शेच्छाशेबि।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
আমাদের	आमादेर	हमलोगों का
ভাষা	भाशा	भाषा
শিক্ষা	शिक्खा	शिक्षा
কেন্দ্রের	केन्द्रेर	केंद्र का
বিদ্যাভবন	बिद्दाभबोन	विद्याभवन
ব্যবস্থা	बैबोस्था	व्यवस्था
শিক্ষার্থী	शिक्खार्थी	शिक्षार्थी
কেউ	केउ	कोई
চাকুরী	चाकुरि	नौकरी
ফুলের	फुलेर	फूल का
বাগান	बागान	बगीचा
শিক্ষক	शिक्खक	शिक्षक
শিক্ষিকা	शिक्खिका	शिक्षिका
গ্রন্থাগার	ग्रोन्थागार	ग्रन्थालय
সভাকক্ষ	शभाकक्खो	सभाकक्ष
বই	बोइ	पुस्तक, किताब
শেখার	शेखार	सीखने का
চাহিদা	चाहिदा	मांग
ছাত্র	छात्रो	छात्र
সংখ্যা	शंखा	संख्या
দরদী	दरोदि	दयालु
পদ্ধতিও	पद्धोतिओ	पद्धति भी
আধুনিক	आधुनिक	आधुनिक
বিভিন্ন	बिभिन्नो	विभिन्न
পেশার	पेशार	पेशे का

পেশার	कर्मोचारि	कर्मचारी
কর্মচারী	अबोश्शो	अवश्य
অবশ্য	अद्धक्खो	अध्यक्ष
অধ্যক্ষ	मशाइ	महाशय
মশাই	शिक्खाबिद	शिक्षाविद
শিক্ষাবিদ	शेच्छाशेबि	समाज सेवक
স্বেচ্ছাসেবী		

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. শিক্ষাকেন্দ্রটির নাম কি?
   शिक्खाकेन्द्रोटिर नाम कि?

2. বিদ্যাভবনে কোন্-কোন্ ভাষা শিক্ষার ব্যবস্থা আছে?
   बिद्दाभबोने कोन्-कोन् भाशा शिक्खार बैबोस्था आछे?

3. বিদ্যাভবনে গ্রন্থাগার আছে কি?
   बिद्दाभबोने ग्रोन्थागार आछे कि?

4. কর্মচারীরা কি চাকুরীজীবি?
   कर्मचारिरा कि चाकुरिजिबि?

5. শিক্ষার্থীরা কোন কোন পেশার সঙ্গে যুক্ত?
   शिक्खार्थिरा कोन कोन पेशार शंगे जुक्तो?

II. प्रत्येक शब्द समूह में जो शब्द उस वर्ग का न हो उसे ढूँढकर निकालिए।

1. ডাক্তার, ছাত্র, ইঞ্জিনিয়ার, শিক্ষক।
   डाक्तार, छात्रो, इन्जिनियार, शिक्खक।

2. শ্রেণীকক্ষ, গ্রন্থাগার, কার্যালয়, বাগান।
   श्रेनिकक्खो, ग्रोन्थागार, कार्जालय, बागान।

3. মারাঠী, বাংলা, তেলুগু, শিক্ষার্থী।
   माराठि, बाङला, तेलुगु, शिक्खार्थि।

4. আমি, বস্প, তিনি, তাঁরা।
   आमि, बोइ, तिनि, ताँरा।

5. সুন্দর, ভাল, কেউ, মনোরম।
   शुन्दोर, भालो, केउ, मनोरम।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

দেবকুমারবাবু একজন বিখ্যাত শিক্ষাবিদ। তিনি শিক্ষকতা পেশার সঙ্গে
देबकुमारबाबु ऐकजोन बिक्खातो शिक्खाबिद। तिनि शिक्खोकता पेशार शंगे

যুক্ত। তাঁর বাড়িতে একটি গ্রন্থাগার আছে। তাঁর বাড়িটি খুব সুন্দর। বাড়ির
जुक्तो। ताँर बाड़िते एकटि ग्रोन्थागार आछे। ताँर बाड़िटि खुब शुन्दोर। बाड़िर

সামনে একটি ফুলের বাগান আছে।
शामने एकटि फुलेर बागान आछे।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह मेरा विद्यालय है। इस विद्यालय में बारह कक्षा-कमरे हैं। इस विद्यालय में एक बड़ा हॉल भी है। इस विद्यालय में दो सौ विद्यार्थी और पंद्रह शिक्षक हैं। मेरा विद्यालय बहुत अच्छा है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

ভাষা भाशा	বাগান बागान	পেশা पेशा	বস্প बोइ	স্বেচ্ছাসেবী शेच्छाशेबि
চাকুরী चाकुरि	পিছনে पिछोने	শ্রমজীবি श्रमोजिबि	ভাল भालो	দরদী दरोदी
খারাপ खाराप	দেখা देखा	সামনে शामने	গ্রন্থাগার ग्रोन्थागार	ভাষাবিদ भाशाबिद

VI. अपने बारे में पाँच वाक्य बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. बहुवचन में सर्वनाम का सम्बन्धवाचक रूप बनाने के लिए सर्वनाम के तिर्यक रूप में -দের (-देर) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমা आमा	আমাদের आमादेर	हमारा
আপনা आपना	আপনাদের आपनादेर	आप का
তোমা तोमा	তোমাদের तोमादेर	तुम्हारा
এনা एना	এনাদের एनादेर	इन्हीं का

II. किसी विषय पर श्रोता की दृष्टि विशेष रूप से आकर्षित करने के लिए वर्तमान काल आज्ञावाचक क्रिया पद के पश्चात -না (-ना) का प्रयोग होता है। इस -না (-ना) का निषेधात्मक अर्थ नहीं है। लेकिन विनम्रता सूचक है। हिंदी में भी इस प्रकार न का प्रयोग होता है। जैसे :

দেখুন না (देखुन ना) देखिए न

III. किसी शब्द पर बल देने के लिए उस शब्द के बाद -ই (-इ) जोड़ा जाता है। यह हिंदी के 'ही' समान है। जैसे :

দামই (दामइ) दाम ही

কমই (कमइ) कम ही

IV. इस पाठ में क्रिया पद আছে (आछे) का प्रयोग किया गया है। আছে (आछे) का हिंदी अर्थ है -- के है / में है। जैसे :

আমার একটা শাড়ী আছে। मेरी एक साड़ी है।
आमार ऐकटा शाड़ि आछे।

इस प्रकार 'আছে' (आछे) प्रयोगवाले वाक्यों का निषेधात्मक वाक्य बनाने के लिए केवल 'নেই' (नेइ) प्रयोग किया जाता है। जैसे :

আমার শাড়ী নেই । — मेरा साड़ी नहीं है।
आमार शाड़ि नेइ।

द्रष्टव्य : हिंदी में 'है' के पहले 'नहीं' का प्रयोग करके निषेधात्मक वाक्य बनाए जाते हैं। बंगला में ऐसा नहीं है। केवल 'নেই' (नेइ) का प्रयोग करते हैं।

V. पहले पाठ में क्रियारहीत वाक्य सिखाए गए हैं। ऐसे वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए संज्ञा या सर्वनाम के अनुसार नीचे दिए गए रूपों का व्यवहार किया जाता है। जैसे :

শাড়ীগুলো ভাল নয়। -- साड़ियाँ अच्छी नहीं हैं।
शाड़िगुलो भालो नय।

আমি নই -- मैं नहीं
आमि नोइ

আপনি/তিনি নন -- आप/वे नहीं
आप्नि/तिनि नन

তুমি নও -- तुम नहीं
तुमि नओ

তুই নোস -- तू नहीं
तुइ नोश

সে এবং সাধারণ বিশেষ্য পদ } নয় -- यह/वह/कोई भी संज्ञा नहीं
शे एबं शाधारण बिशेश्शो पद

পাঠ
पाठ 3

ভাড়া বাড়ির খোঁজ
भाड़ा बाड़िर खोँज

किराये के घर की खोज

বিজয় : রবীনদা বাড়ি আছেন?
बिजय : रोबिनदा बाड़ि आछेन?

विजय : रॉबिन दादा घर में हैं क्या?

রবীন : আছি। কে বিজয়! এসো, এসো,
रोबिन : आछि। के बिजय! एशो, एशो,

কি ব্যাপার? বলো, কেমন আছো?
कि बैपार? बलो, कैमोन आछो?

रॉबिन : हूँ। कौन, विजय! आओ आओ। क्या काम है? बोलो, कैसे हो?

বিজয় : ভাল আছি। আপনি কেমন আছেন?
बिजय : भालो आछि। आपनि कैमोन आछेन?

विजय : ठीक हूँ। आप कैसे हैं?

রবীন : আছি একরকম।
राबिन : आछि। ऐकरकोम।

रॉबिन : बस, ठीक हूँ।

বিজয় : রবীনদা, আপনি আমাকে একটু
बिजय : रोबिनदा, आपनि आमाके एकटु

সাহায্য করুন। আমার একটা
शाहाज्जो कोरुन। आमार ऐकटा

বাড়ি দরকার। খুব বড় বাড়ির
बाड़ि दरकार। खुब बड़ो बाड़िर

দরকার নেই। ছোটই ভাল। একটু
दरकार नेइ। छोटोइ भालो। एकटु

দেখুন না।
देखुन ना।

विजय : रॉबिन दादा, आप मेरी थोड़ी सहायता कीजिए। मुझे एक घर चाहिए। बहुत बड़ा घर नहीं चाहिए। छोटा ही ठीक है। थोड़ा देखिए न।

রবীন : আচ্ছা, তুমি তো এখন হোটেলে
रोबिन : आच्छा, तुमि तो ऐखोन होटेले

আছ, তাই না? হোটেলটা কেমন?
आछो, ताइ ना? होटेलटा कैमोन?

रॉबिन : अच्छा, तुम तो इस समय होटल में हो, है न? होटल कैसा है?

বিজয় : হোটৈলা মোটৈম্প ভাল নয়। সেখানে
बिजय : होटेलटा मोटेइ भालो नय। शेखाने
শুধু থাকার ব্যবস্থা আছে। কিন্তু
शुधु थाकार बैबस्था आछे। किन्तु
খাবার ব্যবস্থা নেম্প। তাছাড়া
खाबार बैबस्था नेइ। ताछाड़ा
হোটৈলের ঘরগুলো বড় নয়। খুব
होटेलेर घरगुलो बड़ो नय। खुब
ছোৗ ছোৗ। খুব অসুবিধার মধ্যে
छोटो छोटो। खुब अशुबिधार मोद्धे
আছি।
आछि।

विजय : होटल बिलकुल अच्छा नहीं है। वहाँ केवल रहने की व्यवस्था है। किन्तु खाने की व्यवस्था नहीं है। इस के अलावा होटल के कमरे भी बड़े नहीं हैं। बहुत छोटे-छोटे हैं। बहुत ही परेशानी में हूँ।

রবীন : তাহলে তো সত্যিম্প তোমার এক৾া
रोबिन : ताहोले तो शोत्तिइ तोमार ऐकटा
বাড়ির বিশেষ প্রয়োজন?
बाड़िर बिशेश प्रयोजन?

रॉबिन : ऐसा है तो सचमुच ही तुम्हें एक घर की ख़ास ज़रूरत है।

বিজয় : হ্যাঁ, তাম্প দয়া করে আমার জন্য
बिजय : हैं, ताइ दया कोरे आमार जोन्नो
একৌু চেষ্টা করুন। আপনাদের এম্প
एकटु चेष्टा कोरुन। आपनादेर एइ
পাড়াৗা বেশ শান্ত। এখানকার
पाड़ाटा बेश शान्तो। एखानकार
বাড়িঘরগুলো খুব সুন্দর। তাছাড়া,
बाड़िघरगुलो खुब शुन्दोर। ताछाड़ा,
আমার অফিসও কাছে। এদিকে কি
आमार अफिशओ काछे। एदिके कि
কোনো বাড়ি খালি আছে?
कोनो बाड़ि खालि आछे?

विजय : हाँ, कृपा करके मेरे लिए थोड़ा सा कोशिश कीजिए। आपलोगों का यह मुहल्ला बहुत शांत है, यहाँ के सब मकान भी बहुत सुंदर हैं। और मेरा ऑफिस भी पास में है। क्या यहाँ कोई घर खाली है?

রবীন : না, এদিকে কোন বাড়ি খালি নেম্প।
रोबिन : ना, एदिके कोनो बाड़ि खालि नेइ।
তবে সুবীরেব পাশের বাড়ি৾া খালি
तबे शुबिरेर पाशेर बाड़िटा खालि

रॉबिन : नहीं, यहाँ कोई घर खाली नहीं है। लेकिन सुबीर के पास का घर खाली है। उस का घर बहुत दूर नहीं है। जुबली पार्क के सामने ही उसका घर है।

আছে। ওর বাড়ি বেশি দূরে নয়।
आछे। ओर बाड़ि बेशि दुरे नय।

জুব্‌লি পার্কের সামনেই ওর বাড়ি।
जुब्‌लि पार्केर शामनेइ ओर बाड़ि।

विजय : क्या वह इस समय घर पर है?

বিজয় : ও কি এখন বাড়িতে আছে?
बिजय : ओ कि ऐखोन बाड़िते आछे?

रॉबिन : नहीं, शायद वह इस समय घर पर नहीं है। ओ! आज तो रविवार है। वह निश्चय घर पर है। अभी चलो उसके घर।

রবীন : না, ও হয়তো এখন বাড়িতে নেই।
रोबिन : ना, ओ हयतो ऐखोन बाड़िते नेइ।

ও! আজ তো রবিবার। ও নিশ্চয়
ओ! आज तो रोबिबार। ओ निश्चय

বাড়িতে আছে। এক্ষুনি চলো ওর
बाड़िते आछे। एक्खुनि चलो ओर

বাড়িতে।
बाड़िते।

विजय : हाँ, हाँ, अभी चलिए।

বিজয় : হ্যাঁ, হ্যাঁ, তাই চলুন।
बिजय : हैं, हैं, ताइ चोलुन।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
খোঁজ	खौंज	खोज, ढूँढ
আছেন	आछेन	हैं
আছি	आछि	हूँ
আছ	आछो	हो
আমাকে	आमाके	मुझे
কে	के	कौन
একটু	एकटु	थोड़ा
সাহায্য	शाहाज्जो	सहायता
করুন	कोरुन	कीजिए
দরকার	दरकार	आवश्यक

ছৌম্প	छोटोइ	छोटा ही
তাম্প না	ताइ ना	तभी तो, है न
মৌম্প	मोटेइ	बिलकुल, अवश्य
শুধু	शुधु	केवल
থাকার	थाकार	रहने का
খাবার	खाबार	भोजन, खाना
তাছাড়া	ताछाड़ा	इस के अलावा
খুব	खुब	बहुत
অসুবিধার	अशुबिधार	असुविधा में, परेशानी में
মধ্যে	मोद्धे	बीच में
তাহলে	ताहोले	ऐसा है तो, तब तो
সত্যিম্প	शोत्तिइ	सचमुच ही
তোমার	तोमार	तुम्हारा
বিশেষ	बिशेश	खास, विशेष
প্রয়োজন	प्रयोजन	आवश्यकता, ज़रूरत, प्रयोजन
দয়া	दया	दया, कृपा
করে	कोरे	कर के
চেষ্টা	चेश्टा	प्रयास, प्रयत्न, कोशिश
আপনাদের	आप्नादेर	आपलोगों का
পাড়াটা	पाड़ाटा	ये मुहल्ला
শান্ত	शान्तो	शांत
কাছে	काछे	पास में
এদিকে	एदिके	यहाँ
দূরে	दुरे	दूर में
সামনেম্প	शामनेइ	सामने ही
ওর	ओर	उसका
হয়তো	हयतो	हो सकता है
বলো	बलो	बोलो
রবিবার	रोबिबार	रविवार

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আমার এক্টা বাড়ী দরকার। (তোমার, আপনার)
   आमार ऐकटा बाडि दरकार। (तोमार, आपनार)
2. আমার চা চাম্প। (আপনাদের, আমাদের)
   आमार चा चाइ। (आपनादेर, आमादेर)
3. আপনার এক্টা বাড়ীর বিশেষ প্রয়োজন। (আমার, তোমার)
   आपनार ऐकटा बाडिर बिशेश प्रयोजन। (आमार, तोमार)
4. আমার বম্প চাম্প। (দরকার, প্রয়োজন)
   आमार बोइ चाइ। (दरकार, प्रयोजन)
5. আপনার কি এম্প বম্পটা চাম্প? (ঘর, কলম)
   आपनार कि एइ बोइटा चाइ। (घर, कलम)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ : তুমি হোটেলে আছ।
उदाहरण : तुमि होटेले आछो।

আমি হোটেলে আছি।
आमि होटेले आछि।

1. আমি ভাল আছি। (আপনি)
   आमि भालो आछि। (आपनि)
2. তুমি কোথায় আছ? (রবিনবাবু)
   तुमि कोथाय आछो? (रोबिनबाबु)
3. আপনি কেমন আছেন? (সে)
   आपनि कैमोन आछेन? (शे)
4. রীনা এখন স্কুলে আছে। (তিনি)
   रिना ऐखोन स्कुले आछे। (तिनि)
5. সে এলাহাবাদে আছে। (আব্দুল)
   शे एलाहाबादे आछे। (अब्दुल)

III. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমার চা চাম্প।

आमार चा चाइ।

2. আপনার একটা বাড়ীর দরকার।
   आपनार ऐकटा बाड़िर दरकार।
3. তোমার বই দরকার।
   तोमार बोइ दरकार।
4. তার চাকুরী চাই।
   तार चाकुरि चाइ।
5. তাঁর খাবার দরকার।
   ताँर खाबार दरकार।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों के एक-एक प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

1. আমি ভাল আছি।
   आमि भालो आछि।
2. হোটেলটা ভাল নয়।
   होटेलटा भालो नय।
3. বিজয় এখন বাড়িতে নেই।
   बिजय ऐखोन बाड़िते नेइ।
4. না, এদিকে কোনো বাড়ি খালি নেই।
   ना, एदिके कोनो बाड़ि खालि नेइ।
5. আমি হোটেলে আছি।
   आमि होटेले आछि।

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আপনি কেমন ____________। (আছি, আছেন)
   आपनि कैमोन __________। (आछि, आछेन)
2. তুমি হোটেলে ____________। (আছ, আছি)
   तुमि होटेले ____________। (आछो, आछि)
3. আমি বাড়িতে ____________। (আছেন, আছি)
   आमि बाड़िते ____________। (आछेन, आछि)
4. রবিনবাবু এখন এলাহাবাদে ________। (আছেন, আছ)
   रोबिनबाबु ऐखोन एलाहाबादे ____________। (आछेन, आछो)

5. সে কোলকাতায় ________। (আছে, আছ)

শে কোলকাতায ________। (आछे, आछो)

पढ़िए और समझिए :

চাম্প, চাম্প (চাइ, চাइ) চাহিए, চাহিए

(ক) সংসারে সকলের কেবল চাম্প আর চাম্প। ছেলের একৗ মৌর সাম্পকেল দরকার তো

शंशारे शकोलेर केबल चाइ आर चाइ। छेलेर ऐकटा मोटोर साइकेल दरकार तो

মেয়ের চাম্প হাল ফ্যাশানের কোর্য়াজ ঘড়ি। যদিও তার একৗ ঘড়ি আছে। কিন্তু সৌা

मेयेर चाइ हाल फैशानेर कोयार्टज़ घोड़ि। जोदिओ तार ऐकटा घोड़ि आछे। किन्तु शेटा

নাকি ফ্যাসান দুরস্ত নয়। এদিকে গিন্নির চাম্প ওয়াশিং মেশিন। বাড়িতে কাজের

नाकि फैशान दुरश्तो नय। एदिके गिन्निर चाइ ओयाशिं मेशिन। बाड़िते काजेर

লোক আছে। কাপড় কাচায় কোন অসুবিধে নেম্প। তবুও চাম্প ওয়াশিং মেশিন।

लोक आछे। कापोड़ काचाय कोनो अशुबिधे नेइ। तोबुओ चाइ ओयाशिं मेशिन।

চারিদিকে শুধু চাম্প আর চাম্প। রোজগার সামান্য ঠাঠ রাখতেম্প প্রাণান্ত। সরকারী দপ্তরের

चारिदिके शुधु चाइ आर चाइ। रोजगार शामान्नो ठाठ राखतेइ प्राणान्तो। शरकारि दप्तोरेर

ডেপুৗি সেক্রোারী। সকলের আছে মৌর গাড়ী। তাম্প চাম্প অন্তত একৗ পুরোনো

डेपुटि सेक्रेटारी। शकोलेर आछे मोटोर गाड़ि। ताइ चाइ अन्ततो ऐकटा पुरोनो

মৌর গাড়ী। এদিকে পকৌ নেম্প ফুৗোকড়ি।

मोटोर गाड़ि। एदिके पकेटे नेइ फुटोकोड़ि।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
সংসারে	शंशारे	संसार में
সকলের	शकोलेर	सभी का
কেবল	केबोल	केवल
চাম্প	चाइ	चाहिए
ঘড়ি	घोड़ि	घड़ी

কাজের	काजेर	काम का
কাপড়	कापोड़	कपड़ा
কাচায়	काचाय	कचारने में
ঠাঠ	ठाठ	ठाठ
প্রাণান্ত	प्राणान्तो	प्राण निकलने की स्थिति, जीना दूभर
ফুটোকড়ি	फुटोकोड़ि	फुटिकोड़ी
গিন্নীর	गिन्निर	गृहिनी का, पत्नी का

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. লেখকের ছেলে ও মেয়ের কি চাম্প?
   लेखकेर छेले ओ मेयेर कि चाइ?
2. স্ত্রী কোন জিনিস কেনার জন্যে বলেছেন?
   स्त्रि कोन जिनिश केनार जोन्ने बोलेछेन?
3. লেখক নিজে কি কেনার জন্যে ভাবছেন?
   लेखक निजे कि केनार जोन्ने भाबछेन?
4. মেয়ের কেন নতুন ঘড়ি চাম্প?
   मेयेर कैनो नतुन घोड़ि चाइ?
5. লেখকের বাড়িতে কি কাজের লোক আছে?
   लेखकेर बाड़िते कि काजेर लोक आछे?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

দরকার दरकार	স্ত্রী स्त्रि
গিন্নী गिन्नि	ফ্যাশান फैशान
ঠাঠ ठाठ	প্রয়োজন प्रोयोजन

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

সংসারে আমাদের সবারম্প শান্তি প্রয়োজন। জীবনে সুখ ছাড়াও আমরা বাঁচতে
शंशारे आमादेर शबारइ शान्ति प्रोयोजन। जीबने शुख छाड़ाओ आमरा बाँचते

পারি। শান্তি ছাড়া বাঁচা যায় না। রামবাবু সুখী ব্যক্তি। উনি এবং ওনার স্ত্রী
पारि। शान्ति छाड़ा बाँचा जाय ना। रामबाबु शुखि बैक्ति। उनि एबं ओनार स्त्रि

দুজনেম্প শান্তিপ্রিয় মানুষ। এনাদের কাছে আমি সুখ শান্তির রহস্য সম্পর্কে
दुजोनेइ शान्तिप्रियो मानुष। एनादेर काछे आमि शुख शान्तिर रहोश्शो सम्पर्के

জানতে চাম্প। তিনি আমাকে ঈশ্বর সাধন ও সৎপথে থাকতে বলেন।
जानते चाइ। तिनि आमाके ईश्शर शाधोन ओ सत्पथे थाकते बलेन।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह सुपर बज़ार है। यहाँ हमारी आवश्यकता की सब वस्तुएँ मिल जाती हैं। यह बज़ार शहर के बीच में है। यहाँ पहुँचना बहुत आसान है। क्या तुम्हें किसी चीज़ की आवश्यकता है? यहाँ से तुम अपनी आवश्यकता की चीज़ें खरीद सकते हो।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

সংসারে	সেক্রেটারী	ঘড়ি	প্রয়োজন	গাড়ী
शंशारे	सेक्रेटारि	घोड़ि	प्रोयोजन	गाड़ि
স্ত্রী	শাড়ী	সম্পর্ক	মেশিন	ডাক্তার
स्त्रि	शाड़ि	शम्पर्क	मेशिन	डाक्तार
প্রধান	পকেট	প্রযোজ্য	যাওয়া	উকিল
प्रोधान	पकेट	प्रोजोज्जो	जावा	उकिल

VI. बज़ार खरीदी पर जाने से पूर्व आप क्या-क्या तैयारी करेंगे, इस के बारे में पाँच वाक्य बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. सर्वनाम के एक वचन का कर्मकारक रूप बनाने के लिए सर्वनाम के तिर्यक रूप में কে (के) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমি --- আমাকে (আমা + আমি -- आमाके (आमा + के) मुझे

কে)

আপনি --- আপনাকে (আপনা +

কে)

তুমি --- তোমাকে (তোমা + কে)

স্পনি --- এনাকে (এনা + কে

आपनि -- आपनाके (आपना + के) आपको

तुमि -- तोमाके (तोमा + के) तुम्हें

इनि -- एनाके (एना + के) इन्हें

II. वाक्यों में क्रिया के स्थान पर চাম্প (चाइ), দরকার (दरकार) या প্রয়োজন (प्रयोजन) शब्दों के प्रयोग करने पर कर्ता के साथ सम्बन्ध (षष्ठी) रूप का व्यवहार किया जाता है। हिंदी के समान 'को' का नहीं। जैसे :

আমার চাম্প   आमार चाइ   मुझको (मुझे) चाहिए

ছেলের চাম্প   छेलेर चाइ   लड़के को चाहिए

इसी प्रकार

আমার দরকার   आमार दरकार   मुझे चाहिए

ছেলের দরকার   छेलेर दरकार   लड़के को चाहिए

আমার প্রয়োজন   आमार प्रोयोजन   मुझे (मुझ को) चाहिए

ছেলের প্রয়োজন   छेलेर प्रोयोजन   लड़के को चाहिए

চাম্প (चाइ) क्रियावाले वाक्यों का निषेधात्मक रूप बनाने के लिए 'চাম্প' (चाइ) के बाद 'না'
(ना) लगाया जाता है। जैसे :

আমার চাম্প না।   आमार चाइ ना। मुझे नहीं चाहिए

किन्तु দরকার (दरकार) या প্রয়োজন (प्रोयोजन) के बाद -নেম্প (-नेइ) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

আমার দরকার নেম্প।   आमार दरकार नेइ।   मुझे नहीं चाहिए

আমার প্রয়োজন নেন্স্প　　आमार प्रोयोजन नेइ।　　मुझे नहीं चाहिए

III. इस पाठ में आছে (आछे) क्रिया का व्यवहार किसी (आदमी या चीज़) के उपस्थित होने के अर्थ में किया गया है। सर्वनाम के अनुसार इस क्रिया के रूप नीचे दिखाए गए हैं। जैसेः

আমি আছি (আছ + ন্স্প) আমার	आमि आछि (आछ + इ)	मैं हूँ।
তিনি, ন্স্পনি, আপনি আছেন (আছ + এন)	तिनि, इनि, आप्नि आछेन (आछ + एन)	आप हैं।
তুমি আছো (আছ + ও)	तुमि आछो (आछ + ओ)	तुम हो।
তুন্স্প আছিস (আছ + ন্স্পস)	तुइ आछिश (आछ + इश)	तू है।
সে আছে (আছ + এ)	शे आछे (आछ + ए)	वे हैं।

इस प्रकार के 'আছ' (आछो) क्रियावाले वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए आछो के स्थान पर -নেন্স্প (-नेइ) का प्रयोग करना होता है। जैसे :

আমি আছি आमि आछि	আমি নেন্স্প आमि नेइ
ও আছে ओ आछे	ও নেন্স্প ओ नेइ

द्रष्टव्य : ऐसे निषेधात्मक वाक्यों में सर्वनाम के अनुसार -নেন্স্প (-नेइ) में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

পাঠ
पाठ 4

বৃষ্টির দিনে
बृष्टिर दिने

बरसात के दिन

বিনয় : পঙ্কজদা, তাড়াতাড়ি দরজা খোলো।
बिनय : पंकोजदा, ताड़ाताड़ि दरजा खोलो।

विनय : पंकजदादा, जल्दी से दरवाजा खोलो।

পঙ্কজ : কে বিনয়? দাঁড়া, দরজা খুলছি।
पंकोज : के बिनय? दाँड़ा, दरजा खुलछि।
অনেকক্ষণ থেকে তোর জন্যে
অপেক্ষা
अनेक्खोन थेके तोर जोन्ने अपेक्खा
করছি। এত দেরী কেন?
कोरछि। ऐतो देरि कैनो?

पंकज : कौन विनय? ठहर, दरवाजा खोलता हूँ। बहुत देर से तेरी प्रतीक्षा कर रहा हूँ। इतनी देर क्यों?

বিনয় : বাম্পরে জোর বৃষ্টি পড়ছে। রাস্তায়
बिनय : बाइरे जोर बृष्टि पोड़छे। रास्ताय
প্রচুর জল। ট্রাম, বাস চলছে না।
प्रोचुर जल। ट्राम, बास चोलछे ना।

विनय : बाहर बहुत वर्षा हो रही है। रास्ते में बहुत पानी हैं। ट्राम, बस आदि नहीं चल रही हैं।

পঙ্কজ : কেন রিক্স্রাও নেম্প?
पंकोज : कैनो रिक्शाओ नेइ?

पंकज : क्या रिक्शा भी नहीं चलता है?

বিনয় : কোন রিক্স্রা এদিকে আসতে চাম্পছে
না।
बिनय : कोनो रिक्शा एदिके आशते चाइछे ना।
পথ-ঘৗ সব অন্ধকার। রাস্তায় কোন
पथ-घाट शब अन्धोकार। रास्ताय कोनो
আলো জ্বলছে না। তাম্প তো এত
দেরী।
आलो जोलछे ना। ताइ तो ऐतो देरी।

विनय : कोई भी रिक्शा इधर नहीं आना चाहता। रास्ते में सब अंधेरा है। रास्ते में कोई उजाला नहीं है।

পঙ্কজ : বেশ, এম্প তোয়ালৌা নে। তাড়াতাড়ি
पंकोज : बेश, एइ तोयालेटा ने। ताड़ाताड़ि
হাত, পা ও মাথা মোছ। তোর

पंकज : ठीक है, यह तौलिया ले। जल्दी से हाथ-पाँव और सिर पोंछ ले। मैं तेरी भाभी को चाय बनाने के लिए

বৌদিকে
हाथ, पा ओ माथा मोछ। तोर बोउदिके
চা করতে বলছি। তুম্প চা খা। আমি
चा कोरते बोलछि। तुइ चा खा। आमि
এক্ষুনি আসছি।
एक्खुनि आशछि।

বোলতা हूँ। तू चाय पी। मैं अभी आता हूँ।

বিনয় : না, না, চায়ের দরকার নেম্প। তুমি
बिनय : ना, ना चायेर दरकार नेइ। तुमि
এখন কোথায় যাচ্ছো?
ऐखोन कोथाय जाच्छो?

विनय : नहीं नहीं, चाय की ज़रूरत नहीं है। तुम इस समय कहाँ जाते हो?

পঙ্কজ : আমি কালুর দোকান থেকে ডিম
पंकोज : आमि कालुर दोकान थेके डिम
আনতে যাচ্ছি। তুম্প এখানে বস।
आनते जाच्छि। तुइ एखाने बस।
আমি এক্ষুনি আসছি।
आमि एक्खुनि आशछि।

पंकज : मैं कालू की दुकान से अण्डे लाता हूँ। तू यहाँ बैठ, मैं अभी आता हूँ।

বিনয় : শঙ্কু আর রিঙ্কু কি করছে?
बिनय : शंकु आर रिंकु कि कोरछे?

विनय : शंकू और रिंकू क्या करते हैं?

পঙ্কজ : আগামী সপ্তাহে ওদের পরীক্ষা শুরু
पंकोज : आगामी शप्ताहे ओदेर पोरिक्खा शुरु
হচ্ছে। তাম্প ওরা পাশের ঘরে পড়ছে।
होच्छे। ताइ ओरा पाशेर घरे पोड़छे।
বেশ, আমি ওদের ডাকছি।
बेश, आमि ओदेर डाकछि।

पंकज : अगले सप्ताह से उनकी परीक्षा है। इसलिए वे पास के कमरे में पढ़ रहे हैं। अच्छा, मैं उन्हें बुलाता हूँ।

विनय : नहीं नहीं, रहने दो। भाभी क्या कर रही हैं? उनको दिखाई नहीं पड़ रही हैं।

भाभी : कौन, विनय? कैसे हो?

বিনয় : না, না, থাক। বৌদি কি করছে?
बिनय : ना, ना, थाक। बोउदि कि कोरछे?

ওকে দেখছি না।
ओके देखछि ना।

বৌদি : কে, বিনয়? কেমন আছ?
बोउदि : के बिनय? कैमोन आछो?

বিনয় : ভাল আছি বৌদি।
बिनय : भालो आछि बोउदि।

বৌদি : শোন, আজ তুমি এখানেই থাকো।
बोउदि : शोनो, आज तुमि एखानेइ थाको।

বিনয় : আজ কি বিশেষ কিছু রান্না হচ্ছে?
बिनय : आज कि बिशेष किछु रान्ना होच्छे?

বৌদি : হ্যাঁ, আজ বর্ষার দিন। তাই খিচুড়ি
बोउदि : हैं, आज बर्शार दिन। ताइ खिचुड़ि

করছি।
कोरछि।

বিনয় : তাই, সেই রকম গন্ধই পাচ্ছি।

যাক,
बिनय : ताइ, शेइ रकोम गन्धोइ पाच्छि। जाक,

খিচুড়ী ছেড়ে আজ আর নড়ছি না।
खिचुड़ी छेड़े आज आर नोड़छि ना।

বৌদি : আমি ডিম ভাজতে যাচ্ছি। তোমরা
बोउदि : आमि डिम भाजते जाच्छि। तोमरा

সবাই খাবারঘরে এসো।
शबाइ खाबारघरे एशो।

विनय : ठीक हूँ भाभी।

भाभी : सुनो, आज तुम यहीं ठहरो।

विनय : आज क्या कोई विशेष रसोई है?

भाभी : हाँ, आज बरसात का दिन है। इसलिए खिचड़ी बनाती हूँ।

विनय : तभी तो, वैसी ही सुगंध आ रही है। ठीक है, मैं खिचड़ी छोड़कर आज नहीं जा रहा हूँ।

भाभी : मैं अण्डे तलती हूँ। तुम सब भोजन कक्ष में आओ।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
তাড়াতাড়ি	ताड़ाताड़ि	जल्दी, फ़ौरन
দরজা	दरजा	दरवाज़ा
খোলো	खोलो	खोलो
দাঁড়া	दाँड़ा	ठहर
খুলছি	खुलछि	खोलता हूँ
অনেকক্ষণ	अनेक्खोन	बहुत देर
থেকে	थेके	से
তোর	तोर	तेरा
অপেক্ষা	अपेक्खा	प्रतीक्षा
বৃষ্টি	बृष्टि	वर्षा, बरसात
প্রচুর	प्रोचुर	अनेक
জল	जल	जल, पानी
চলছে	चोलछे	चल रहा है
পথ-ঘৌ	पथ-घाट	रास्ते
কোন	कोनो	कोई भी
চাম্পছে	चाइछे	चाह रहा है
অন্ধকার	अन्धोकार	अंधेरा
আলো	आलो	प्रकाश
জ্বলছে	जोलछे	जल रहा है
নেম্প	नेइ	नहीं
আগে	आगे	पहले
পা	पा	पैर
মাথা	माथा	सिर, माथा

মোছ	मोछ	पोंछ
বৌদিকে	बोउदिके	भाभी को
ডিম	डिम	अंडा
আনতে	आनते	लाने
ফিরছি	फिरछि	(वापस) आ रहा हूँ

ওদের	ओदेर	उनके
পরীক্ষা	पोरिक्खा	परीक्षा
হচ্ছে	होच्छे	हो रहा है
ডাকছি	डाक्छि	बुला रहा हूँ
দেখছি	देखछि	देख रहा हूँ
বর্ষার	बर्शार	वर्षा का, बरसात का
তাম্প	ताइ	तभी
গন্ধ	गन्धो	गंध
পাচ্ছি	पाच्छि	पा रहा हूँ
গন্ধ পাচ্ছি	गन्धो पाच्छि	(मुझ) सुगंध आ रही है
ছেড়ে	छेड़े	छोड़कर
ভাজতে	भाजते	तलने

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से नये वाक्य बनाइए।

1. দরজা খুলছি। (বন্ধ করছি)
   दरजा खुलछि। (बंधो कोरछि)

2. তোর জন্যে অপেক্ষা করছি। (দাঁড়িয়ে আছি)
   तोर जोन्ने अपेक्खा कोरछि। (दाँड़िये आछि)

3. বাইরে জোর বৃষ্টি পড়ছে। (হচ্ছে)
   बाइरे जोर बृष्टि पोड़छे। (होच्छे)

4. ট্রাম বাস চলছে না। (যাচ্ছে)
   ट्राम बास चोलछे ना। (जाच्छे)

5. বৌদিকে চা করতে বলছি। (রান্না করতে)
   बोउदिके चा कोरते बोलछि। (रान्ना कोरते)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर जोड़कर वाक्य बनाइए।

1. দরকার নেই।
दरकार नेइ।

(চায়ের)
(चायेर)

(এখন)
(ऐखोन)

(না, না)
(ना, ना)

2. অপেক্ষা করছি।
अपेक्खा कोरछि।

(তোর জন্যে)
(तोर जोन्ने)

(অনেকক্ষণ ধরে)
(अनेक्खोन धोरे)

3. বৃষ্টি পড়ছে।
बृष्टि पोड़छे।

(জোর)
(जोर)

(বাইরে)
(बाइरे)

4. রিক্সা আসতে চাইছে না।
रिक्शा आशते चाइछे ना।

(কোন)
(कोनो)

(এদিকে)
(एदिके)

5. ওদের পরীক্ষা শুরু হচ্ছে।

ओदेर पोरिक्खा शुरु होच्छे।

(আগামী সপ্তাহে)

(आगामि शप्ताहे)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি চা ____________ । (খাচ্ছি, খাচ্ছেন)

   आमि चा __________ । (खाच्छि, खाच्छेन)

2. তিনি দোকানে __________ । (যাচ্ছেন, যাচ্ছে)

   तिनि दोकाने ___________ । (जाच्छेन, जाच्छे)

3. সে দরজা ____________ । (খুলছি, খুলছে)

   शे दरजा ____________ । (खुलछि, खुलछे)

4. বৌদি চা তৈরী _________ । (করছেন, করছি)

   बोउदि चा तोइरि _________ । (कोरछेन, कोरछि)

5. বাস্পরে জোর বৃষ্টি _____________ । (হচ্ছি, হচ্ছে)

   बाइरे जोर बृष्टि _________ । (होच्छि, होच्छे)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(করছেন, খাচ্ছে, যাচ্ছি, পড়ছো, যাচ্ছেন)

(कोरछेन, खाच्छे, जाच्छि, पोड़छो, जाच्छेन)

1. আপনারা কোথায় ____________ ?

   आपनारा कोथाय ___________ ?

2. আমি বাজারে __________ ।
আমি बाजारे__________ ।

3. সে চা __________ ।
शे चा __________ ।

4. তিনি রান্না __________ ।
तिनि रान्ना __________ ।

5. তুমি কি বাংলা __________ ?
तुमि कि बाङला __________ ?

V. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. পঙ্কজ কেন দেরীতে এলো?
पंकोज कैनो देरिते एलो?

2. কেন রিক্সা চলছে না?
कैनो रिक्शा चोलछे ना?

3. শঙ্কু আর রিঙ্কুর পরীক্ষা কবে শুরু হচ্ছে?
शोंकु आर रिंकुर पोरिक्खा कबे शुरु होच्छे?

4. বর্ষার দিনে কি বিশেষ কিছু রান্না হচ্ছে?
बर्शार दिने कि बिशेष किछु रान्ना होच्छे?

5. কে ডিম ভাজতে যাচ্ছিল?
के डिम भाजते जाच्छिलो?

पढ़िए और समझिए :

একটা পত্র (ऐकटा पत्र) एक पत्र

প্রিয় দিলীপ,
प्रियो दिलीप,

অনেকদিন পর তোমাকে চিঠি লিখছি। আমরা এখন পুরীতে যাচ্ছি। মাদ্রাজ
अनेकदिन पर तोमाके चिठि लिखछि। आमरा ऐखोन पुरिते जाच्छि। माद्राज

স্টেশনে ট্রেনের জন্যে অপেক্ষা করছি। হাতে প্রায় আধ ঘণ্টা সময়। এখন
स्टेशोने ट्रेनेर जोन्ने अपेक्खा कोरछि। हाते प्राय आध घण्टा शोमोय। ऐखोन

বিশ্রামালয় থেকে তোমাকে চিঠি লিখছি। কলেজের সবাম্প মিলে দল বেঁধে আমরা
बिश्रामालय थेके तोमाके चिठि लिखछि। कलेजेर शबाइ मिले दल बेंधे आमरा

বেড়াতে যাচ্ছি। আমাদের সঙ্গে যাচ্ছেন আমাদের অধ্যাপক কিশোরবাবু। বন্ধুরা অনেকেম্প
बैड़ाते जाच्छि। आमादेर शंगे जाच्छेन आमादेर ओध्धापक किशोरबाबु। बन्धुरा अनेकेइ

স্টেশনে ঘুরছে। কেউ কেউ গল্পের বম্প পড়ছে, কেউ বা বসে বসে গল্প করছে। অনেকেম্প
स्टेशोने घुरछे। केउ केउ गल्पेर बोइ पोड़छे, केउ बा बोशे बोशे गल्पो कोरछे। अनेकेइ

টি. ভি. দেখছে। কিশোরবাবু খবরের কাগজ পড়ছেন। আমি লিখছি আর সব মাল পত্র
टि. भि. देखछे। किशोरबाबु खबोरेर कागोज पोड़छेन। आमि लिखछि आर शब माल पत्रो

দেখছি। তাম্প চিঠি লিখতে সময়ও লাগছে বেশী। মাদ্রাজ স্টেশনটা অনেকটা হাওড়া
देखछि। ताइ चिठि लिखते शोमोयओ लागछे बेशि। माद्राज स्टेशोनटा अनेकटा हावड़ा

স্টেশনের মতো। রেললাম্পন এখানে এসে শেষ। তাম্প স্টেশনের বাড়িটা অনেকটা হাওড়ার
स्टेशोनेर मतो। रेललाइन एखाने एसे शेष। ताइ स्टशोनेर बाड़िटा अनेकटा हावड़ार

মতো। অনবরত ট্রেন আসছে আর যাচ্ছে। এখান থেকেম্প লোকজনের শব্দ শুনতে
मतो। अनोबरोतो ट्रेन आशछे आर जाच्छे। एखान थेकेइ लोकजोनेर शब्दो शुनते

পাচ্ছি। পৌঁছচ্ছি মঙ্গলবার সকালে। সেখানে থাকছি প্রায় সাত দিন। তারপরে

পাচ্ছি। পুরিতে পौंउछोच्छि मोंगोलबार शकाले। शेखाने थाकछि प्राय शात दिन।
तारपरे

কলকাতা যাচ্ছি। এবারে আর ভুবনেশ্বরে যাচ্ছি না। কেননা আমার মামা সেসময়

ওখানে
कोलकाता जाच्छि। एबारे आर भुबनेश्वरे जाच्छि ना। कैनना आमार मामा शेशोमोय ओखाने

থাকছেন না। উনি গরমের ছুটিতে দার্জিলিং যাচ্ছেন। তোমার খবর কি? কথামতো
थाकछेन ना। उनि गरोमेर छुटिते दार्जिलिं जाच्छेन। तोमार खबोर कि? कथामतो

কলকাতায় থাকছো তো? এখানেস্প শেষ করছি। ভালবাসা জানাচ্ছি।
कोलकाताय थाकछो तो? एखानेइ शेश कोरछि। भालोबाशा जानाच्छि।

স্পতি
इति

বকুল
बोकुल

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
বন্ধুকে	बोन्धुके	मित्र को
চিঠি	चिठि	चिट्ठी, पत्र
প্রিয়	प्रियो	प्रिय
আধ	आध	आधा
দল বেঁধে	दल बेंधे	एक झुंड
গল্পের	गल्पेर	कहानी का
পড়ছে	पोड़छे	पढ़ रहा है
খবর	खबोर	समाचार
খবরের	खबोरेर	समाचार का

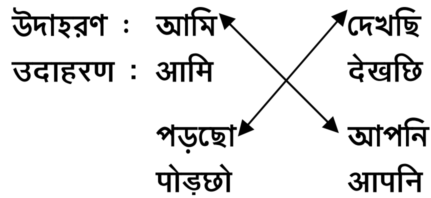
মালপত্র	मालपत्रो	सामान
অনবরত	अनोबरोतो	लगातार, निरंतर
পৌঁছাচ্ছি	पौँउछोच्छि	पहुँच रहा हूँ
সেখানে	शेखाने	वहाँ
থাকছি	थाकछि	रह रहा हूँ
গরমের	गरोमेर	गर्मी का
ছুঁটিতে	छुटिते	छुट्टी में
বিশ্রামালয়	बिश्रामालय	प्रतिक्षालय
ভালবাসা	भालोबाशा	प्यार

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পত্র লেখক কোথা থেকে চিঠি লিখছে?
   पत्रो लेखक कोथा थेके चिठि लिखछे?
2. পত্র লেখকের বন্ধুর নাম কি?
   पत्रो लेखकेर बोन्धुर नाम कि?
3. পত্র লেখক কোথায় কোথায় বেড়াতে যাচ্ছে?
   पत्रो लेखक कोथाय कोथाय बैड़ाते जाच्छे?
4. পত্র লেখকের মামা কোথায় বেড়াতে যাচ্ছেন?
   पत्रो लेखकेर मामा कोथाय बैड़ाते जाच्छेन?

II. दाहिनी ओर के शब्दों को बायीं ओर दिए गए संबंधित शब्दों के साथ मिलाइए।



1. তোমাকে লিখছি
তोमाके लिखछि

2. এসে অধ্যাপক
एशे ओद्धापक

3. পড়ছে করে
पोड़छे कोरे

4. বন্ধু আমাদের
बोन्धु आमादेर

5. শুনতে বেড়াতে
शुनते बैड़ाते

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

প্রিয় বকুল,
प्रियो बोकुल,

তোমার চিঠি পেলাম। আজ কলকাতা বনধ্। তাম্প এখন আমরা
तोमार चिठि पेलाम। आज कोलकाता बनध्। ताइ ऐखोन आमरा

সবাম্প বাড়িতেম্প আছি। তোমাকে এখন চিঠি লিখছি। আমি ও বাবা দুজনেম্প
शबाइ बाड़ितेइ आछि। तोमाके ऐखोन चिठि लिखछि। आमि ओ बाबा दुजोनेइ

কলেজে যাম্পনি। রাস্তায় কোন যানবাহন চলছে না। আমি সকাল থেকেম্প
कलेजे जाइनि। रास्ताय कोनो जानबाहोन चोलछे ना। आमि शकाल थेकेइ

টি. ভি. দেখছি। টি. ভি. তে ভারত - পাকিস্তানের খেলা হচ্ছে।
टि. भि. देखछि। टि. भि. ते भारोत - पाकिस्तानेर खैला होच्छे।

তুমি কোলকাতায় আসছ জেনে আমি তোমার জন্যে অপেক্ষা করছি। শেষ
तुमि कोलकाताय आशछो जेने आमि तोमार जोन्ने अपेक्खा कोरछि। शेश

করলাম। বড়দের প্রণাম দিও ও তুমি আমার অনেক ভালবাসা নিও।
कोरलाम। बड़ोदेर प्रोणाम दिओ ओ तुमि आमार अनेक भालोबाशा निओ।

ম্পতি

इति

দিলীপ
दिलिप

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह हमारे शहर का मुख्य डाकघर है। एक छोटा डाकघर हमारे मुहल्ले में भी है। वह हमारे लिए सुविधाजनक है। हम उसी डाकघर से ही पोस्टकार्ड, लिफ़ाफ़े टिकट आदि खरीदते हैं। तुम्हारे शहर में डाकघर कहाँ है? क्या वह तुम्हारे घर के निकट है? क्या तुम्हारे डाकघर से स्पीडपोस्ट की सुविधा है? हमारे शहर में तो है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

পুরী पुरि	কিছুদিন किछुदिन	গল্প गल्पो	অপেক্ষা अपेक्खा	দাঁড়িয়ে दाँड़िए
বিশ্রামালয় बिश्रामालय	গরম गरोम	দেখা दैखा	স্টেশন स्टेशोन	আধঘণ্টা आधघण्टा
দল বেঁধে दल बेंधे	ছাত্র छात्रो	ভালবাসা भालोबाशा	রেডিও रेडिओ	দার্জিলিং दार्जिलिं

VI. यात्रा में रहते हुए आप कौन-कौन सी सावधानियाँ रखते हैं। इस पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में अपूर्ण वर्तमान कालिक क्रियारूपों का व्यवहार किया गया है। यदि धातु स्वरांत होती है तो धातु के तिर्यक रूप के साथ कालवाची प्रत्यय -চ্ছ (-च्छ) जोड़ा जाता है। यदि धातु व्यंजनान्त होती है तो धातु के तिर्यक रूप में -ছ (-छ) जोड़ा जाता है। कालवाचक प्रत्यय लगाने के बाद पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़ा जाता है। वर्तमान काल में भिन्न-भिन्न पुरुषों के अनुसार रूप नीचे दिए जा रहे हैं। जैसे :

আমি ফিরছি (ফের + ছ + ই) मैं आती हूँ।
आमि फिरछि (फेर + छ + इ)

আমি যাচ্ছি (যা + চ্ছ + ই) मैं जाती हूँ।
आमि जाच्छि (जा + च्छ + इ)

তিনি, উনি, আপনি ফিরছেন (ফের + ছ + এন) वे/आप आते हैं।
तिनि, उनि, आपनि फिरछेन (फेर + छ + एन)

আপনি যাচ্ছেন (যা + চ্ছ + এন) आप जाते हैं।
आपनि जाच्छेन (जा + च्छ + एन)

তুমি ফিরছো (ফের + ছ + ও) तुम आते हो।
तुमि फिरछो (फेर + छ + ओ)

তুমি যাচ্ছো (যা + চ্ছ + ও) तुम जाते हो।
तुमि जाच्छो (जा + च्छ + ओ)

তিনি ফিরছেন (ফের + ছ + এন) वे आते हैं।
तिनि फिरछेन (फेर + छ + एन)

তিনি যাচ্ছেন (যা + চ্ছ + এন) वे जाते हैं।
तिनि जाच्छेन (जा + च्छ + एन)

সে ফিরছে (ফের + ছ + এ) वह आता/आती है।
शे फिरछे (फेर + छ + ए)

সে যাচ্ছে (যা + চ্ছ + এ) वह जाता/जाती
है।
शे जाच्छे (जा + च्छ + ए)

उपर्युक्त उदाहरणों में देखिए कि आकारांत धातुओं में कोई परिवर्तन नहीं होता। अन्य सब धातुओं में धातुरूपों का परिवर्तन लिखित रूप में हर समय दृष्टिगत नहीं होता किन्तु उच्चारण में परिलक्षित होता है। कभी लिखित रूप तथा उच्चारण में होता है और कभी सिर्फ उच्चारण में ही होता है, लिखित रूप में नहीं।

আপনি ফিরছেন (ফের + ছ + এন) वे/आप आते हैं।
आपनि फिरछेन (फेर + छ + एन)

আপনি করছেন (কর + ছ + এন) वे/आप करते हैं।
आपनि कोरछेन (कोर + छ + एन)

II. निषेधात्मक बनाने के लिए केवल अंत में -না (-ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

বাস চলছে না। बास चोलछे ना। बस नहीं चलती है।

আমি যাচ্ছি না। आमि जाच्छि ना। मैं नहीं जाती हूँ।

III. इस पाठ में एक प्रकार की असमापिका क्रिया का व्यवहार सिखाया गया है। क्रिया के तिर्यक रूप के बादमें -তে (-ते) जोड़ने से इस प्रकार की असमापिका क्रिया बनाई जाती है। जैसे :

করতে -- (কর + তে) करने में
कोरते -- (कोर + ते)
যেতে -- (যা + তে) जाने में
जेते -- (जा + ते)
আসতে -- (আস + তে) आने में
आशते -- (आश + ते)

পাঠ
पाठ 5

রবিবারের কাজ
रोबिबारेर काज

रविवार के काम

রবীন : আজকাল করো কি? তোমাকে আর
रोबिन : आजकाल करो कि? तोमाके आर

দেখিনা কেন?
देखिना कैनो?

সুদীপ : আজকাল অফিসের কাজে ব্যস্ত
सुदिप : आजकाल अफिशेर काजे बैश्तो

থাকি। রাত্রে ফিরি।
थाकि। रात्रे फिरि।

রবীন : ও, তাম্প তোমাকে দেখতে পাম্প না।
रोबीन : ओ, ताइ तोमाके देखते पाइ ना।

রবিবার ও ছুঁরি দিন কি করো?
रोबिबार ओ छुटिर दिन कि करो?

সুদীপ : সারা সপ্তাহ অফিসে কাজ করি।
सुदिप : शारा शप्ताहो अफिसे काज कोरि।

রবিবারম্প একমাত্র ছুঁি থাকে।
रोबिबारइ ऐकमात्र छुटि थाके।

সেদিন আর কোথাও যাম্প না।
शेदिन आर कोथाओ जाइ ना।

তাছাড়া বাড়িতে অনেক কাজ থাকে।
ताछाड़ा बाड़िते अनेक काज थाके।

रॉबिन : आजकल क्या करते हो? दिखाई क्यों नहीं पड़ते?

सुदीप : आजकल ऑफिस के काम में व्यस्त रहता हूँ। रात को लौटता हूँ।

रॉबिन : ओ, इसी लिए तुम दिखाई नहीं पड़ते। रविवार और छुट्टी के दिन क्या करते हो?

सुदीप : पूरे हफ्ते ऑफिस में काम करता हूँ। रविवार ही एकमात्र छुट्टी होती है। उसदिन और कहीं नहीं जाता हूँ। उसके अलावा घर पर बहुत काम होते हैं।

রবীন : রবিবার সারাদিন কি তুমি কাজ
रोबिन : रोबिबार शारादिन कि तुमि काज

করো?
करो?

रॉबिन : क्या रविवार तुम दिनभर काम करते हो?

সুদীপ : না, তা নয়। আপনি তো জানেন,
सुदिप : ना, ता नय। आपनि तो जानेन,

আমি এখানে একাম্প থাকি।

সকালে

आमि एखाने ऐकाइ थाकि। शकाले

ঘরদোর পরিষ্কার করি। তারপর
घरदोर पोरिश्कार कोरि। तारपर

ময়লা জামাকাপড় কাচি। দুপুরে
मयला जामाकापोड़ काचि। दुपुरे

রান্নাবান্না করি। তারপর কিছুক্ষণ
रान्नाबान्ना कोरि। तारपर

किछुक्खोन

ঘুমোম্প।
घुमोइ।

सुदीप : नहीं, ऐसा नहीं है। आप तो जानते हैं, मैं यहाँ अकेला ही रहता हूँ। सुबह घर की साफाई करता हूँ। उसके बाद मैले कपड़े धोता हूँ। दोपहर को खाना बनाता हूँ। और उसके बाद कुछ समय सोता हूँ।

রবীন : এম্প রবিবারে তুমি রান্না কোরো না।
रोबिन : एइ रोबिबारे तुमि रान्ना कोरो ना।

দুপুরবেলা সন্দীপের সঙ্গে আমার
दुपुरबेला शोन्दिपेर शंगे आमार

বাড়ী এসে যেও।
बाड़ि एशे जेओ।

रॉबिन : इस रविवार को तुम खाना मत बनाओ। तुम दोपहर को संदीप के साथ हमारे घर पर आ जाओ।

সুদীপ : একটা কাজ করুন, আপনি

আমার
सुदिप : ऐकटा काज कोरुन, आपनि आमार

বাড়ি এসে যান।
बाड़ि एशे जान।

सुदीप : एक काम कीजिए। आप ही हमारे घर आ जाइए।

रॉबिन : मेरी एक समस्या है। रविवार शामको मेरी लड़की नाच सीखने के लिए नृत्यशाला जाती है। मैं भी उसके साथ जाता हूँ। इसलिए

रवीन : আমার আর এক ঝামেলা। রবিবার
रोबिन : आमार आर ऐक झामेला। रोबिबार

সন্ধ্যেবেলা আমার মেয়ে নাচের স্কুলে
शोन्धेबैला आमार मेये नाचेर स्कुले

যায়। আমিও সঙ্গে যাম্প। তাম্প
जाय। आमिओ शंगे जाइ। ताइ

রবিবারেও আমার ছুঁটি নেম্প।
रोबिबारेओ आमार छुटि नेइ।

सुदीप : ঠিক আছে। এম্প রবিবার আমিম্প এসে
सुदिप : ठिक आछे। एइ रोबिबार आमिइ एशे

যাব।
जाबो।

रवीन : আচ্ছা। আমি এখন আসছি।
रोबिन : आछा। आमि ऐखोन आशछि।

रविवार को भी मेरी छुट्टी नहीं रहती।

सुदीप : ठीक है। इस रविवार को मैं ही आ जाता हूँ।

रॉबिन : अच्छा, अब मैं चलता हूँ।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
তোমাকে	तोमाके	तुमको
রাত্রে	रात्रे	रात को
একমাত্র	ऐकमात्र	एकमात्र
যাম্প না	जाइ ना	जाता नहीं
সারাদিন	शारादिन	पूरा दिन, दिन भर
জানেন	जानेन	जानते हैं
ঘরদোর	घरदोर	घर-द्वार, घर

পরিষ্কার	पोरिश्कार	साफ
ময়লা	मयला	मैला
ঘুমোম্প	घुमोइ	सोता हूँ
ঝামেলা	झामेला	समस्या, झमेला
সন্ধ্যেবেলা	शोन्धेबैला	सन्ध्या के समय, शाम को
মেয়ে	मेये	लड़की
নাচের	नाचेर	नाचने का, नाच सिखाने का

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से नये वाक्य बनाइए।

1. আমার মেয়ে নাচ শেখে। (গান)
   आमार मेये नाच शेखे। (गान)
2. আমি কাপড় কাচি। (জামা)
   आमि कापोड़ काचि। (जामा)
3. আমি ঘরদোর পরিষ্কার করি। (বাড়ী)
   आमि घरदोर पोरिश्कार कोरि। (बाड़ि)
4. আপনি কি রান্না করেন? (তিনি)
   आपनि कि रान्ना करेन? (तिनि)
5. আপনি তো আসতে পারেন ? (আপনারা)
   आपनि तो आशते पारेन? (आपनारा)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

1. রান্নাবান্না করি। (দুপুরে)
   रान्नाबान्ना कोरि। (दुपुरे)

(আমি)
(आमि)

2. পরিষ্কার করি। (ঘরদোর)
पोरिश्कार कोरि। (घरदोर)

(সকালে)
(शकाले)

3. জামাকাপড় কাচি। (ময়লা)
जामाकापोड़ काचि। (मयला)

(তারপর)
(तारपर)

4. আমার মেয়ে যায়। (স্কুলে)
आमार मेये जाय। (स्कुले)

(নাচের)
(नाचेर)

(সন্ধ্যেবেলা)
(शोन्धेबैला)

(রবিবার)
(रोबिबार)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ : আমি খাচ্ছি।
उदाहरण : आमि खाच्छि।

আমি খাই।
आमि खाइ।

1. আমি চা খাচ্ছি।
आमि चा खाच्छि।

2. আপনি কি বাংলা পড়ছেন?
आपनि कि बाङ्ला पोड़छेन?

3. সে দোকানে যাচ্ছে।
   शे दोकाने जाच्छे।

4. তিনি স্কুলে যাচ্ছেন।
   तिनि स्कुले जाच्छेन।

5. ঐ মেয়েটি নাচ শিখছে।
   ओइ मेयेटि नाच शिखछे।

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(পড়েন, যায়, যাম্প, শেখো, লেখেন)
(पड़ेन, जाय, जाइ, शेखो, लेखेन)

1. আমি রোজ বাজারে ________________ ।
   आमि रोज बाजारे __________ ।

2. আপনি কি কাগজ ________________ ?
   आपनि कि कागज __________ ?

3. সে প্রতিদিন কোথায় ________________ ?
   शे प्रोतिदिन कोथाय __________ ?

4. তিনি ভাল বাংলা ________________ ।
   तिनि भालो बाङला __________ ।

5. তুমি কি নাচ ________________ ?
   तुमि कि नाच __________ ?

V. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি নদীতে স্নান করি।
   आमि नोदिते स्नान कोरि।

2. রমেশবাবু সকালে বাজারে যান।
   रमेशबाबु शकाले बाजारे जान।

3. তিনি বাংলা শেখেন।
   तिनि बाङला शेखेन।

4. সে ঠিকসময়ে অফিসে যায়।
   शे ठिकशमोये अफिशे जाय।

5. আমরা রোজ সন্ধেবেলা টি.ভি. দেখি।
   आमरा रोज शोन्धेबैला टि. भि. देखि।

VI. आप सारादिन क्या करते हैं? पाँच वाक्यों में बंगला में बोलिए/लिखिए।

पढ़िए और समझिए :

রবীন্দ্রনাথ --- এক মহৎ প্রতিভা रवीन्द्रनाथ एक महान प्रतिभा
(रोबिन्द्रोनाथ -- एक महोत् प्रोतिभा)

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর ১৮৬১ সালে কলকাতায় জন্মগ্রহণ করেন। ছোটবেলা থেকেই
रोबिन्द्रोनाथ ठाकुर १८६१ शाले कोलकाताय जन्मोग्रोहोन करेन। छोटोबैला थेकेइ

তিনি কবিতা লিখতে আরম্ভ করেন। পরিবারে সবাই তাঁকে সেই কাজে উৎসাহ দেন।
तिनि कोबिता लिखते आरोम्भो करेन। पोरिबारे शबाइ ताँके शेइ काजे उत्शाह दैन।

রবীন্দ্রনাথ কিছুদিন মাত্র স্কুলে যান। গতানুগতিক শিক্ষা ব্যবস্থা তাঁর পছন্দ
रोबिन्द्रनाथ किछुदिन मात्र स्कुले जान। गतानुगोतिक शिक्खा बैबोश्था ताँर पछोन्दो

নয়। পরে সেই জন্যে তিনি শান্তিনিকেতনে নতুন ধরণের শিক্ষাব্যবস্থা চালু করেন।
नय। परे शेइ जन्ने तिनि शान्तिनिकेतने नोतुन धरोनेर शिक्खा बैबोस्था चालु करेन।

রবীন্দ্রনাথের প্রথম পরিচয় কবি হিসেবে। কিন্তু সাহিত্যের সব শাখায় তিনি তাঁর
रोबिन्द्रनाथेर प्रोथोम पोरिचय कोबि हिशेबे। किन्तु साहित्तेर शब शाखाय तिनि ताँर

প্রতিভার স্বাক্ষর রাখেন। ১৯১৩ সালে সাহিত্যে নোবেল পুরস্কার পান। রবীন্দ্রনাথ
प्रोतिभार शाक्खोर राखेन। १९१३ शाले शाहित्ते नोबेल पुरोश्कार पान। रोबिन्द्रनाथ

এশিয়ার মধ্যে প্রথম এই পুরস্কার পান। শুধু সাহিত্যে নয়, চিত্রশিল্পী হিসেবেও তিনি
एशियार मोद्धे प्रोथोम एइ पुरोश्कार पान। शुधु शाहित्ते नय, चित्रोशिल्पि हिशेबेओ तिनि

বিখ্যাত। জীবনের শেষের দিকে তিনি ছবি আঁকতে আরম্ভ করেন। এম্প সব ছবি
बिक्खातो। जीबनेर शेशेर दिके तिनि छोबि आँकते आरोम्भो करेन। एइ शब छोबि

পৃথিবীর বিভিন্ন চিত্রশালায় আছে। রবীন্দ্রনাথের দুটি গান দুটি দেশের জাতীয় সঙ্গীত।

पृथिबिर बिभिन्नो चित्रोशालाय आछे। रोबिन्द्रनाथेर दुटि गान दुटि देशेर जातियो शोंगित।

"জনগণমন অধিনায়ক জয় হে" ভারতের জাতীয় সঙ্গীত এবং "আমার সোনার
"जनोगनोमनो ओधिनायको जयो हे" भारोतेर जातियो शोंगित एबं "आमार शोनार

বাংলা" বাংলাদেশের জাতীয় সঙ্গীত।
बाङला" बाङलादेशेर जातियो शोंगित।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
গতানুগতিক	गतानुगोतिक	पारंपरिक
ছোটবেলা	छोटोबैला	बचपन
কবিতা	कोबिता	कविता
পরিবারে	पोरिबारे	परिवार में
তাঁকে	ताँके	उनको
উৎসাহ	उत्शाहो	उत्साह
দেন	दैन	देते हैं
পছন্দ	पछोन्दो	पसंद
ধরনের	धरोनेर	ढंग की, प्रकार की
শাখায়	शाखाय	शाखा में
প্রতিভার	प्रोतिभार	प्रतिभा का
জীবনের	जिबनेर	जीवन का
ছবি	छोबि	तस्वीर, चित्र
আরম্ভ	आरोम्भो	शुरुवात

দেশের	देशेर	देश की
জাতীয়	जातियो	राष्ट्रीय
সঙ্গীত	शोंगित	गीत, संगीत, गाना
মহৎ	महोत	महान

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর কোথায় জন্মগ্রহণ করেন ?
   रोबिन्द्रनाथ ठाकुर कोथाय जन्मोग्रोहोन करेन?
2. শান্তিনিকেতনে রবীন্দ্রনাথ কি ধরনের শিক্ষা ব্যবস্থা চালু করেন ?
   शांतिनिकेतने रोबिन्द्रोनाथ कि धरोनेर शिक्खा बैबोस्था चालु करेन?
3. রবীন্দ্রনাথের প্রধান পরিচয় কি ?
   रोबिन्द्रनाथेर प्रोधान पोरिचय कि?
4. সাহিত্য ছাড়া আর কোন্ বিষয়ে রবীন্দ্রনাথের প্রতিভার পরিচয় পাওয়া যায় ?
   शाहित्तो छाड़ा आर कोन् बिशये रोबिन्द्रोनाथेर प्रोतिभार पोरिचय पावा जाय?
5. রবীন্দ্রনাথ কোন্ কোন্ দেশের জাতীয় সঙ্গীত রচনা করেন ?
   रोबिन्द्रोनाथ कोन् कोन् देशेर जातियो शोंगित रचना करेन?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

1.	সাহিত্য	শেষ
	शाहित्तो	शेश
2.	আরম্ভ	লেখেন
	आरोम्भो	लेखेन
3.	করেন	চিত্রশিল্পী
	करेन	चित्रोशिल्पि

4. আঁকেন সঙ্গে
 आँकेन शंगे

5. থেকে রান্না
 थेके रान्ना

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

শরদিন্দু বন্দ্যোপাধ্যায় বাংলাদেশের এক অন্যতম বিখ্যাত সাহিত্যিক প্রতিভা।
शरदिन्दु बन्दोपाध्याय बाङलादेशेर ऐक अन्नोतमो बिक्खातो शाहित्तिक प्रतिभा।

তিনি বাংলা ভাষায় বহু সাহিত্য রচনা করেন। তাঁর রচনায় মানবজীবনের ছোট
तिनि बाङला भाशाय बहु शााहित्तो रचोना करेन। ताँर रचोनाय मानबजिबनेर छोटो

বড় চাওয়া পাওয়া ও তাঁর জীবনের নিজস্ব অভিজ্ঞতার মিলন ঘটে। তিনি
बड़ो चावा पावा ओ ताँर जिबनेर निजश्शो अभिग्गतार मिलन घटे। तिनि

মুঙ্গের শহরে সম্ভ্রান্ত পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। তিনি তাঁর ছোটবেলা মুঙ্গেরে
मुंगेर शहोरे शम्भ्रान्तो पोरिबारे जन्मोग्रोहोन करेन। तिनि ताँर छोटाबैला मुंगेरे

কাটান এবং তিনি ছাত্র জীবন থেকেই সাহিত্য রচনা আরম্ভ করেন। তিনি নানা
काटान एबं तिनि छात्रो जिबन थेकेइ शाहित्तो रचना आरोम्भो करेन। तिनि नाना

ধরনের গল্প লেখেন। যেমন -- উপন্যাস, ছোটগল্প ও নাটক। তবে তিনি
धरोनेर गल्पो लेखेन। जेमन -- उपन्नाश, छोटोगल्पो ओ नाटक। तबे तिनि

সিনেমার স্ক্রিপ্টও রচনা করেন।
सिनेमार स्क्रिप्टओ रचोना करेन।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह चित्र किस कवि का है? यह चित्र रविंद्रनाथ ठाकुर का है। रविंद्रनाथ ठाकुर बंगला भाषा के महान कवि हैं। और वह चित्र? वह चित्र तो शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय का है। शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय, बंगला भाषा के महान लेखक हैं। हिंदी भाषा के एक महान कवि हैं जयशंकर प्रसाद। वे हिंदी भाषा के महान लेखक भी हैं। हमें अपने सभी साहित्यकारों पर गर्व हैं।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

রবীন্দ্রনাথ	অসমিয়া	জন্মগ্রহণ	শিক্ষা	দ্বিতীয়
रोबिन्द्रोनाथ	अशोमिया	जन्मोग्रोहोन	शिक्खा	दितियो
প্রথম	মুর্শিদাবাদ	এশিয়া	আসা	পুরস্কার
प्रोथोम	मुर्शिदाबाद	एशिया	आशा	पुरोश्कार
বিখ্যাত	শাখা	অসাধারণ	জাতীয়	স্বাক্ষর
बिक्खातो	शाखा	अशाधारोन	जातियो	शाक्खोर

VI. अपने भाषा के प्रिय कवि के बारे में एक छोटा अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. बंगला में दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने के लिए 'ও' (ओ), 'আর' (आर) अथवा 'এবং' (एबं) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

রবিবার ও ছুটির দিন। — रविवार और छुट्टी के दिन
रोबिबार ओ छुटिर दिन।

আমি আর তুমি। — मैं और तुम
आमि आर तुमि।

রবীন্দ্রনাথের গান -- 'জনগনমন অধিনায়ক জয় হে' ভারতের জাতীয় সঙ্গীত
रोबिन्द्रनाथेर गान -- 'जनोगनोमनो अधिनायको जयो हे' भारोतेर जातीयो शोंगित
এবং 'আমার সোনার বাংলা' বাংলাদেশের জাতীয় সঙ্গীত।
एबं 'आमार शोनार बाङला' बाङलादेशेर जातीयो शोंगित।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर का गीत 'जनगणमन अधिनायक जय है' भारत का राष्ट्रगीत है एवं उन की 'सोनार बंगला' बंगला देश का राष्ट्रगीत है।

'ও' (ओ) शब्द बंगला में 'সহিত' (शोहित), (साथ) के अर्थ में भी प्रयुक्त होता है। इस प्रकार के प्रयोगों में हिंदीमें 'भी' शब्द प्रयुक्त होता है। जैसे:

আমিও যাচ্ছি।	मैं भी जा रहा हूँ।
आमिओ जाच्छि।	

II. इस पाठ में सामान्य वर्तमान कालिक क्रिया रूप का व्यवहार दिखाया गया है। धातु के पीछे पुरुष वाचक प्रत्यय लगाकर क्रिया का सामान्य वर्तमान काल का रूप बन जाता है। जैसे :

আমি করি।	(কর + ই)।	मैं करता/करती हूँ
आमि कोरि।	(कर + इ)।	
তিনি, ইনি, আপনি করেন	(কর + এন)।	वे/आप करते/करती हैं।
तिनि, इनि, आप्नि करेन	(कर + एन)।	
তুমি করো	(কর + ও)।	तुम करो/तुम करते हो।
तुमि करो	(कर + ओ)।	
তুই করিস	(কর + ইস)	तू कर/तू करता है।
तुइ कोरिश	(कर + इश)	
সে করে	(কর + এ)	वह करता है।
शे करे	(कर + ए)	

उपर्युक्त क्रियारूपों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए धातु रूपों के बाद ना (ना) लगाना होता है। जैसे :

আমি যাই না।	मैं नहीं जाता/जाती हूँ।
आमि जाइ ना।	
আমি দেখি না।	मैं नहीं देखता/देखती हूँ।
आमि देखि ना।	

পাঠ
पाठ
6

রেলের িকি কা া

১ম ব্যক্তি : হাওড়ার এক া িকি দিন।

অনুসন্ধান : ঐ া অনুসন্ধান অফিস।
সহায়ক : হাওড়ার িকি চার নম্বর কাউ ারে দিচ্ছে।

১ম ব্যক্তি : আচ্ছা দাদা, ঐ া কি চার নম্বর কাউ ারের লাম্পন?

২য় ব্যক্তি : হ্যাঁ, ঐ া চার নম্বর কাউ ারের লাম্পন।

১ম ব্যক্তি : এখানে কি হাওড়ার িকি দিচ্ছে?

২য় ব্যক্তি : হ্যাঁ, দিচ্ছে।

১ম ব্যক্তি : আপনি কি হাওড়া যাচ্ছেন?

২য় ব্যক্তি : না, আমি হাওড়া যাচ্ছি না। আমি যাচ্ছি বেনারসে। মে মাসে গরমের ছু ি পড়ছে। তাম্প এত ভীড়। সে জন্যম্প

रेल का टिकट कटवाना

पहला व्यक्ति : हावड़ा का एक टिकट दीजिए।

पूछताछ सहायक : यह पूछताछ कार्यालय है। हावड़ा का टिकट चार नंबर खिड़की पर देते हैं।

पहला व्यक्ति : अच्छा दादा, क्या यह चार नंबर खिड़की की लाइन (लगी) है?

दूसरा व्यक्ति : हाँ, यह चार नंबर खिड़की की लाइन है।

पहला व्यक्ति : क्या यहाँ हावड़ा का टिकट देते हैं?

दूसरा व्यक्ति : हाँ, देते हैं।

पहला व्यक्ति : क्या आप हावड़ा जा रहे हैं?

दूसरा व्यक्ति : नहीं, मैं हावड़ा नहीं जा रहा हूँ। मैं बनारस जा रहा हूँ। मई महीने में गर्मी की छुट्टी है। इन दिनों बहुत भीड़ है। इसलिए पहले से ही टिकट कटवा रहा हूँ। मैं प्रतिवर्ष इसी समय बनारस जाता हूँ।

আগে থেকেম্প ি কি কৗছি। প্রত্যেক বছর আমি এম্প সময়ে যাম্প।

১ম ব্যক্তি : আপনি কবেকার ি কি কৗছেন?

২য় ব্যক্তি : আমি ৪ঠা মের ি কি কৗছি। আপনি?

১ম ব্যক্তি : আমার ৭ম্প মের ি কি চাম্প। জানিনা ঐ দিনের ি কি আছে কিনা?

২য় ব্যক্তি : এখন তো সবে এপ্রিল। এখনও তো অনেকদিন সময় আছে। মে মাসের প্রায় সব দিনের ি কি আছে। ঐ দেখুন, বোর্ডে সবুজ আলো জ্বলছে।

১ম ব্যক্তি : আপনি কি একাম্প যাচ্ছেন?

২য় ব্যক্তি : না. না, আমার স্ত্রী ও ছেলে সঙ্গে যাচ্ছে। ছেলের ছুি পড়ছে ১লা মে। ২রা মে আমার এক বন্ধুর গৃহপ্রবেশ। ৩রা মে আর যাচ্ছি না। একেবারে ৪ঠা মে তে যাচ্ছি। আপনি কি পরিবার

पहला व्यक्ति : आप कब का टिकट कटवा रहे हैं?

दूसरा व्यक्ति : मैं ४ मई का टिकट कटवा रहा हूँ। आप?

पहला व्यक्ति : मुझे ७ मई का टिकट चाहिए। पता नहीं उस दिन का टिकट उपलब्ध है या नहीं।

दूसरा व्यक्ति : अभी तो अप्रैल का प्रारंभ है। अभी तो बहुत समय है। मई महीने के प्रायः सभी दिनों का टिकट (उपलब्ध) है। वह देखिए, पटल पर हरा प्रकाश जल रहा है।

पहला व्यक्ति : क्या आप अकेले ही जा रहे हैं?

दूसरा व्यक्ति : नहीं नहीं, मेरी पत्नी और बच्चे साथ जा रहे हैं। बच्चे की छुट्टी पहली मई से हो रही है। दूसरी मई को मेरे एक मित्र के यहाँ गृह प्रवेश है। (और) तीसरी मई को मैं नहीं जा रहा हूँ। चार को जा रहा हूँ। क्या आप परिवार के साथ जा रहे हैं?

पहला व्यक्ति : नहीं, मैं अकेला ही जा रहा हूँ। कलकत्ते में मेरा कुछ काम है। इसलिए जा रहा हूँ। आश्चर्य है! इतना समय क्यों लग रहा है? देख रहा हूँ, लाइन उतनी ही है। कम क्यों

সহ যাচ্ছেন?

১ম ব্যক্তি : না, আমি একাম্প যাচ্ছি। কলকাতায় আমার কিছু কাজ আছে তাম্প যাচ্ছি। কি আশ্চর্য! এত সময় লাগছে কেন? দেখছি, লাম্পন একম্প আছে। কমছে না তো।

২য় ব্যক্তি : আরে মশাম্প, এখানে কমপিউটার নেম্প। তাম্প একটু বেশী সময় লাগছে। সামনে তো আর মাত্র দুজন আছে।

১ম ব্যক্তি : আমার আবার অফিসের সময় হচ্ছে। কি যে করি?

২য় ব্যক্তি : আপনি ভাবছেন কেন? আপনি আমার আগে আসুন। আমার তাড়া নেম্প।

১ম ব্যক্তি : সত্যি, আজকাল আপনার মতো লোক খুব কম আছে।

नहीं हो रही है।

दूसरा व्यक्ति : अरे श्रीमान जी, यहाँ कम्प्यूटर नहीं है। इसलिए थोड़ा अधिक समय लग रहा है। आगे केवल दो लोग और हैं।

पहला व्यक्ति : पर मेरा ऑफिस का समय हो रहा है, क्या करूँ?

दूसरा व्यक्ति : आप क्यों चिंता कर रह हैं? आप हमारे आगे आ जाइए। मुझे जल्दी नहीं है।

पहला व्यक्ति : सच में, आजकल आप जैसे लोग बहुत कम हैं। बहुत बहुत धन्यवाद।

दूसरा व्यक्ति : नहीं नहीं, कोई बात नहीं। वह देखिए, आपके आगे के सज्जन (चले) जा रहे हैं। अब आप टिकट कटा लीजिए।

অনেক ধন্যবাদ।

২য় ব্যক্তি : না, না ও কিছু নয়। ওম্প দেখুন, আপনার সামনের ভদ্রলোক চলে যাচ্ছেন। এবার আপনি ৗকি কৗুন।

শব্দার্থ

বংগলা শব্দ	अर्थ
১ম	पहला
অনুসন্ধান	पूछताछ
মাসে	महीने में
গরমের	गर्मी का
কবেকার	कब का
৪ঠা	चार का
৭ম্প	सात का
জানি	जानता हूँ
ঐদিনের	उस दिन का
সবে	प्रारंभ
সবুজ	हरा
ছেলে	लड़का
১লা	पहला
	दूसरा

২রা	
গৃহ	घर
প্রবেশ	प्रवेश
৩রা	तीसरा
ভাবছেন	चिंता करना
এবার	इस बार

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আমি রোজ বাজারে যাম্প। (স্কুলে, অফিসে)
2. আপনি কি কাগজ পড়ছেন? (বম্প, পত্রিকা)
3. আমরা বাংলা পড়ছি। (লিখছি, শুনছি)
4. সে চিঠি লিখছে। (পড়ছে, দিচ্ছে)
5. আমি কাপড় কিনছি। (কাচছি, ধুচ্ছি)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. আমি এখন বাংলা ________ । (লিখছি, লিখি)
2. আপনি এখন কি ________ ? (করেন, করছেন)
3. সে রোজ বাজারে ________ । (যায়, যাচ্ছে)
4. তারা আগামী রবিবার কোথাও ________ না। (যাচ্ছে, যায়)
5. তিনি আগামী মাসে কলকাতা ________ । (যান, যাচ্ছেন)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ :

আমি লিখি।

আমি লিখছি।

1. আমি বাংলা বস্প পড়ি।
2. আমি বেনারসে যাস্প।
3. সে বাজারে যায়।
4. তিনি কাগজ পড়েন।
5. তুমি কি বাজারে যাও?

IV. নীচে दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি রোজ অফিসে যাস্প।
2. সে ভুবনেশ্বরে যচ্ছে।
3. তারা ঐ দোকানে কাপড় কেনে।
4. আমরা ছুঁটিতে দিল্লী যাচ্ছি।
5. রমেশ সাঁতার কাঁছে।

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(যাচ্ছেন, পড়ে, খেলছে, লিখছে, বেড়ায়)

1. সে রোজ ভোরবেলা ____________ ।
2. তিনি সিনেমা ________ ।
3. রাজু রোজ বাংলা কাগজ ________ ।
4. স্পন্দিরা এখন পার্কে ____________ ।
5. সুমনা চিঠি ________।

पढ़िए और समझिए :

রূপনারায়ণ নদীর রমনীয়তা   रूपनारायण नदी की रमणीयता

আমরা রোজ সকালে নদীর ধারে বেড়াতে যাম্প। আমাদের গ্রামের পাশেম্প নদী। নদীর নাম রূপনারায়ণ। নদীটি খুবম্প চওড়া। আমরা রোজ সূর্য উঠতে দেখি। তা দেখতে আমাদের ভালো লাগে। পাখী ডাকে। নদীতে মাছের ঝাঁক এঁকে বেঁকে চলে। দূরে নৌকাও যায়। এসবম্প প্রতিদিনের দৃশ্য। তবুও কোনদিন তা খারাপ লাগে না। আমরা কয়েকজন বন্ধু মিলে প্রত্যেক দিন সকালে নদীর ধারে দৌড়োম্প। একমাত্র বর্ষাকালে যাম্প না। কেননা তখন বৃষ্টি পড়ে। শীতকালে অবশ্য ঠিক যাম্প। গ্রামের সকালের দৃশ্য খুবম্প মনোরম। শহরের লোকেরা তা দেখতে পায় না। ধুলো ও ধোঁয়া ভর্ত্তি। তাম্প গ্রামের লোকদের অসুখও কম করে। সর্দি কাশি প্রভৃতি রোগ তাম্প শহরে বেশী।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
রোজ	रोज़
ধারে	किनारे
বেড়াতে	टहलने, घूमने
চওড়া	चौड़ा
পাখি	पक्षी
ঝাঁক	झुंड
এঁকে-বেঁকে	टेढ़ा-मेढ़ा
দৌড়োম্প	दौड़ते हैं
মনোরম	मनोरम
ধুলো	धूल
	धुँआ

ধোঁয়া	রोग
অসুখ	ज़ुकाम
সর্দি	खाँसि
কাশি	रमणीयता
রমনীয়তা	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. উত্তরে বর্ণিত নদীটির নাম কি?
2. সকালে নদীর ধারে কি দেখা যায়?
3. শহরের পরিবেশ কেমন?
4. গ্রামের সঙ্গে শহরের পরিবেশের পার্থক্য কোথায়?
5. শহরে কোন্ ধরনের রোগ বেশী?

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমার বাড়ি কোলকাতায়। কোলকাতা শহর গঙ্গার উপকণ্ঠে অবস্থিত। ভারতের চারটি মহানগরের মধ্যে কোলকাতাও একটি আধুনিক শহর। কোলকাতায় একস্প সাথে বহু পেশা, বহু ভাষার মানুষ বসবাস করেন। এখানে এখনও কাজের চাহিদা আছে। কোলকাতায় রোজস্প বহু লোক কাজের তাগিদে আসছে আর যাচ্ছে। কোলকাতায় চারিদিক সবুজ গাছপালায় পূর্ণ। কোলকাতায় ধুলো, ধূয়ো থাকলেও কোলকাতা অতি মনোরম। আমরা কোলকাতাবাসীরা কোলকাতাকে ভালবাসি।

III. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह एक नदी है। इसका तट बहुत सुंदर है। इसका पानी निर्मल और ठंडा है। इसके दोनों तटों पर बहुत से पेड़ लगे हैं। कुछ पेड़ केवल छायादार हैं। कुछ पेड़ फलदार भी हैं। रंग बिरंगे फूलों के पौधे तो बहुत हैं। तट के पास एक बगीचा भी है। बगीचे के फर्श पर कोमल और हरी-हरी दूब है। बगीचे में गुलाब, गेंदा, जूही, रजनीगंधा आदि के फूल खिले हैं। नदी तट पर घूमना बहुत आनंददायक है।

IV. नीचे कुछ ऐसे शब्द दिए गए है, जो पाठ में नहीं है। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

নদী	সাগর	সমুদ্র
প্রতিদিন	রোজ	পরিবেশ
অসুস্থ	অসুখ	ধুলো
বালি	কাদা	মনোরম
রমনীয়তা	প্রান্তে	ধারে
কারণ	কেননা	কোনোদিন

V. किसी भी पहाड़ के विषय में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

পাঠ
पाठ 7

কোলকাতা ভ্রমণ

মিশ্র : জানেন ব্যানার্জীবাবু, কাল খুব বেড়ালাম। পর্যটন বিভাগের গাড়ীতে সারা কোলকাতা ঘুরলাম।

ব্যানার্জী : কোথায় কোথায় গেলেন?

মিশ্র : প্রথমেস্প দক্ষিণেশ্বর গেলাম। প্রায় নৌার সময় সেখানে পৌঁছলাম। সেখানে গঙ্গায় স্নান করলাম। তারপর পূজো দিলাম। সকালবেলা বেশি ভীড় ছিল না। তাস্প পূজো দিতে দেরী হল না। মন্দিরের চারদিকৗ ঘুরে দেখলাম। মন্দিরের পরিবেশ খুব সুন্দর। গঙ্গার ধারে মন্দির। তারপর দক্ষিণেশ্বর থেকে আমরা বেলুড় গেলাম।

ব্যানার্জী : দক্ষিণেশ্বর থেকে বেলুড় কি করে গেলেন?

মিশ্র : বেশীরভাগ লোকস্প বাসে গেলেন। কিন্তু আমরা

कोलकाता भ्रमण

मिश्र : जानते हैं बनर्जीबाबू, कल मैं खूब घूमा। पर्यटन विभाग की गाड़ी से सारा कोलकाता घूम लिया है।

बनर्जी : कहाँ कहाँ गए?

मिश्र : पहले दक्षिणेश्वर गए। हम प्रायः नौ बजे वहाँ पहुँच गए। वहाँ गंगा में स्नान किए। उसके बाद पूजा की। सुबह के समय अधिक भीड़ नहीं थी। इसलिए पूजा (करने) में देर नहीं लगी। मैंने मंदिर के चारों ओर घूम कर देखा। मंदिर का परिवेश खुब सुंदर है। मंदिर गंगा के किनारे पर है। उसके बाद दक्षिणेश्वर से हम बेलूड़ गए।

बनर्जी : दक्षिणेश्वर से बेलूड़ कैसे गए?

मिश्र : अधिकतर लोग तो बस से गए। किंतु हम कुछ लोग बस से नहीं गए। हमलोग बस से न

কয়েকজন বাসে গেলাম না। আমরা বাসে না গিয়ে নৌকোয় গেলাম। নৌকোয় করে যেতে খুব ভাল লাগল। বেলুড়ে প্রায় এক ঘণ্টা ছিলাম। তারপর সোজা মিউজিয়াম গেলাম। মিউজিয়াম দেখতে অনেক সময় লাগল। মিউজিয়াম থেকে বেরিয়ে আমরা দুপুরের খাবার খেলাম। তারপর ভিক্টোরিয়া দেখে আমরা চিড়িয়াখানা গেলাম। বিকেলবেলা চিড়িয়াখানা দেখে ফিরলাম।

जाकर नाव से गए। नाव से जाने पर बहुत अच्छा लगा। हमलोग बेलुड़ में लगभग एक घण्टा रहे। उसके बाद सीधे 'म्यूज़ियम' गए। म्यूज़ियम देखने में हमें बहुत समय लगा। म्यूज़ियम से निकलकर हमलोगोंने दोपहर का खाना खाया। उसके बाद 'विक्टोरिया' देखकर हम सब चिड़ियाघर गए। शामको चिड़ियाघर देखकर वापस लौट आए।

ব্যানার্জী : আর কিছু দেখলেন না?

बनर्जी : और कुछ नहीं देखा?

মিশ্র : কোলকাতা খুব বড় শহর। একদিনে সব কিছু দেখা সম্ভব নয়।

मिश्र : कोलकाता बहुत बड़ा शहर है। एकदिन में सब कुछ देखना संभव नहीं है।

ব্যানার্জী : আপনি তো এখন কোলকাতাতেম্প আছেন। আস্তে আস্তে সবকিছু দেখতে পারেন। কালীঘাট, বোটানিক্যাল গার্ডেন, মার্বেল প্যালেস, পরেশনাথের মন্দির এসব

बनर्जी : आप तो अभी कोलकाता में ही हैं। धीरे धीरे सब कुछ देख सकते हैं। कालीघाट, बोटानिकल गार्डेन, मार्बल पैलेस, परेशनाथ का मंदिर ये सब देखने लायक जगह हैं।

দেখার মতো জায়গা।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
ভ্রমণ	भ्रमण
কাল	कल
পর্যন	पर्यटन
বিভাগের	विभाग का, विभागीय
গেলেন	गए
প্রথমেম্প	पहले ही
নৈার	नौ बजे
স্নান	स्नान
পূজো	पूजा
চারিদিকৈা	चारों ओर
ঘুরে	घूमकर
দেখলাম	देखा
পরিবেশ	परिवेश
কয়েকজন	कुछ लोग
না গিয়ে	न जाकर
নৌকো	नौका, नाव
যেতে	जाने में
সোজা	सीधे
দেখতে	देखने में
দুপুরের	दोपहर का
খেলাম	खाया
	चिड़ियाघर

চিড়িয়াখানা	एकदिन में
	देखना
একদিনে	संभव
দেখা	धीरे
সম্ভব	जगह
আস্তে	लौट आए
জায়গা	
ফিরলাম	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আপনি কাল কি দেখলেন ? (খেলেন, পড়লেন)
2. আমি দোকানে গেলাম। (বাজারে, বন্ধুর বাড়ীতে)
3. আপনি কি সিনেমা দেখলেন? (টি.ভি., কাগজ)
4. আমরা কাল ফুটবল খেললাম। (ক্রিকেট, হকি)
5. তিনি অফিসে গেলেন। (তাঁরা, ওঁরা)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. আপনি কাল কোথায় ______________ ? (যান, গেলেন)
2. তুমি কি কাজটি __________ ? (করলে, কর)
3. তিনি গত রবিবারে হায়দ্রাবাদে ______________ । (যান, গেলেন)

4. রবি কাল দোকানে ____________ । (গেল, যায়)

5. রমেশবাবু হঠাৎ দিল্লী ________________ । (গেলেন, যান)

III. **उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

উদাহরণ :

আমি ভাত খাম্প।

আমি ভাত খেলাম।

1. বীনা খবরের কাগজ পড়ে।
2. রমা চিঠি লেখে।
3. ডাক্তারবাবু রোগী দেখেন।
4. আমি বাংলা পড়ি।
5. সে বাজারে যায়।

IV. **नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।**

1. সবাম্প বাজারে গেলেন।
2. আমি কাগজ পড়লাম।
3. সে সাঁতার কী ল।
4. রমেন ফু বল খেলল।
5. রমলা রান্না করল।

V. **उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. বিমলা এম্প বম্পী ______________ ।
2. সে দোকান থেকে এম্প জিনিসৗ ________ ।
3. আমি একৗ বাংলা সিনেমা ___________ ।

4. আমরা কাল কোথাও ______________ না।

5. তিনি গত রবিবারে দিল্লীতে ______________।

पढ़िए और समझिए :

স্বদেশ প্রেম स्वदेश प्रेम

আমার বন্ধু গৌতম ভৌমিক কদিন আগেম্প আমেরিকা থেকে ফিরলেন। তিনি অনেকদিন আমেরিকায় ছিলেন। ওখানের একর্টি বিশ্ববিদ্যালয়ে রসায়ন শাস্ত্রের অধ্যাপক ছিলেন। কিন্তু বিদেশে বেশীদিন ভাল লাগল না। তাম্প দেশে ফিরলেন। এখন উনি কোলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক। অধ্যাপক ভৌমিকের মতো অনেকেম্প এখন বিদেশ থেকে ফিরে আসছেন। দেশের কাজে আত্মনিয়োগ করছেন। কিন্তু সবাম্প এখানে কাজ পাচ্ছে না। অনেকেম্প দেশে ফিরতে চান। কিন্তু উপযুক্ত কাজের অভাবে ফিরতে পারেন না। তাম্প দেশে এখন উপযুক্ত পরিবেশ দরকার।

শব্দার্থ

বংগলা শব্দ	**अर्थ**
ওখানের	वहाँ का
রসায়ন	रसायन
শাস্ত্রের	शास्त्र का
বিদেশে	विदेश में
করছেন	कर रहे हैं
পাচ্ছেন	पा रहे हैं

উপযুক্ত	उपयुक्त
অভাবে	अभाव में
দরকার	आवश्यक

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. অধ্যাপক গৌতম ভৌমিক কোন দেশ থেকে ফিরলেন?
2. অধ্যাপক ভৌমিক কোন বিষয়ের অধ্যাপক?
3. অধ্যাপক ভৌমিক এখন কি করছেন?
4. বিদেশ থেকে অধ্যাপক ভৌমিক কেন ফিরলেন?
5. বিদেশ থেকে ভারতীয়রা ফিরছেন না কেন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

ছিলেন	করছেন
এখানে	কিছু কিছু
পাচ্ছেন	দুটি
একটি	ফিরলেন
অনেক	সেখানে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মাম্পকেল মধুসূদন দত্ত বাংলা দেশের অন্যতম আধুনিক মানসিকতা সম্পন্ন কবি ছিলেন। তাঁর ম্পংরাজী সাহিত্যে প্রচণ্ড জ্ঞান ছিল। তিনি তাঁর যৌবনকালে বিদেশে চলে যান। সেখানে অনেকদিন থাকার পরে তিনি নিজের দেশে ফিরে আসেন। তারপর এখানেম্প নিজের মাতৃভাষা সাধনায় আত্মনিয়োগ করেন। তিনিম্প প্রথমে তাঁর কাব্যে রাবণকে নায়ক করেন। তিনি বাংলা সাহিত্যে আধুনিকতার সৃষ্টি করেন।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

भारत मेरा देश है। भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। यहाँ भिन्न-भिन्न वेषभूषाएँ हैं। भिन्न-भिन्न धर्म और रीति रिवाज़ भी हैं। सब लोग यहाँ अपने-अपने धर्म और रीति-रिवाज़ों का पालन करते हैं। अनेक भिन्नताओं के बाद भी हम सब एक हैं। हमें यही संदेश हमारे संतों ने दिया/कवियों ने भी गाया।

हम सब सच्चे भारतीय हैं। जो भारतीय विदेशों में रहते हैं, उनके हृदय में भी भारत के प्रति देश प्रेम है। हमारा भारत महान है। हमें इस पर गर्व है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं, जो पाठ में नहीं आए हैं। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

আমেরিকা	শত্রু	উপযুক্ত	রসায়ন শাস্ত্র	বন্ধু
আত্মনিয়োগ	অর্থশাস্ত্র	চীন	পরিবেশ	অনুপযুক্ত

VI. "जननी और जन्मभूमि दोनों ही समान रूप से पूज्य हैं।" इस विषय पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में सामान्य भूतकाल की क्रिया का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप बनाने के लिए धातु के तिर्यक रूप में काल वाचक प्रत्यय '-ल' (-ल) जोड़ा जाता है। इसके बाद इसमें पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़ा जाता है। नीचे विभिन्न पुरुषों के अनुसार भूतकाल के क्रिया रूप दिए गए हैं --

আমি দেখলাম	(দেখ + ল + আম)।	मैंने देखा।
আপনি দেখলেন	(দেখ + ল + এন)।	आप ने देखा।
তুমি দেখলে	(দেখ + ল + এ)।	तुम ने देखा।
তুই দেখলি	(দেখ + ল + ই)।	तू ने देखा।
তিনি, ইনি, উনি দেখলেন	(দেখ + ল + এন)।	उन्होंने/इन्होंने देखा।
ও, এ, সে দেখলো	(দেখ + ল + ও)।	उस ने/इस ने देखा।

द्रष्टव्य : भूतकाल के पुरुष वाचक प्रत्यय वर्तमान काल के प्रत्ययों से भिन्न हैं। इसका ध्यान रखना है। 'যা' (जा) धातु का जा भी बदल कर 'গে' (गे) हो जाती है। उसी में भूतकाल वाची और पुरूष वाची प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसेः

আমি গেলাম	(যা + ল + আম)	मैं गया/गई

'আছ' (आछ) धातु बदलकर 'ছি' (छि) हो जाती है। तब उसी क्रम से प्रत्यय जोड़े जाते है। जैसेः

আমি ছিলাম	(আছ + ল + আম)	मैं था/थी

साधारण भूतकाल क्रिया को निषेधार्थक बनाने के लिए क्रिया के बाद না (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

আপনি গেলেন না।	आप नहीं गए/गई।
তুমি গেলে না।	तुम नहीं गए/गई।
তুই গেলি না।	तू नहीं गया/गई।
সে গেল না।	वह नहीं गया।
তিনি গেলেন না।	वे नहीं गए।

II. इस पाठ में और एक प्रकार की असमापिका क्रिया का प्रयोग भी दिखाया गया है जिस का अर्थ होता है पहले हुई क्रिया। स्वरांत धातु के तिर्यक रूप के साथ 'য়ে' (ये) और व्यंजनांत धातु के तिर्यक रूप के साथ 'এ' (ए) जोड़कर इस प्रकार की क्रिया बनायी जाती है। जैसे :

গিয়ে	(যা + ঈপ)	जाकर
করে	(কর + এ)	कर के

द्वि अक्षरीय स्वरांत धातुओं के साथ इस प्रकार के प्रयोग करते समय धातु के अंत में आनेवाले स्वर का लोप हो जाता है। इसके पश्चात् इसमें 'ঈপয়ে' (इये) प्रत्यय जोड़ देते है। जैसे :

বেড়িয়ে	(বেড়া ⟶ বেড় + ঈপয়ে)	घूम कर
ঘুমিয়ে	(ঘুমা ⟶ ঘুম + ঈপয়ে)	सो कर

পাঠ 8
पाठ

ফু্বল খেলা নিয়ে অলোচনা

আলি : কিরে, মোহনবাগান আর শ্পষ্টবেঙ্গলের সেমিফাশ্পনাল খেলৌা কেমন দেখলি?

রমেশ : আমার তো দারুণ লাগল। কালকের খেলৌা এশ্প মরশুমের সবচেয়ে ভাল খেলা ছিল। দর্শকরা সারাক্ষণ খেলৌা উপভোগ করছিল। কারণ বল কখনো শ্পষ্টবেঙ্গলের দিকে কখনো আবার মোহনবাগানের দিকে। তোর কেমন লাগল?

আলি : আমি তো ি. ভি.তে খেলা দেখছিলাম। ি. ভিৌা মাঝে মাঝে গোলমাল করছিল। তাশ্প খেলা দেখে আনন্দ পাচ্ছিলাম না। তবে এবার দুপক্ষশ্প খুব ভাল ছিল। কেউ কারো চেয়ে কম নয়।

রমেশ : না, তা তুশ্প কিভাবে বলছিস? দল হিসাবে এবার শ্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের চেয়ে অনেক ভাল। তবে ওদের দুজন মুখ্য

फुटबॉल खेल पर बातचीत

अली : क्यों, मोहनबागान और ईस्टबंगाल के बीच सेमिफाइनल खेल कैसा लगा?

रमेश : मुझे तो बहुत अच्छा लगा। कल का खेल इस मौसम का सबसे अच्छा खेल था। दर्शकगणों ने पूरे समय खेल का आनंद उठाया। क्योंकि गेंद कभी तो ईस्टबंगालकी ओर और कभी मोहनबागान की ओर चली जाती थी। तुझे कैसा लगा?

अली : मैं तो टी. वी. में खेल देख रहा था। टी. वी. बीच-बीच में गड़बड़ कर रहा था। इससे खेल देखने में मुझे आनंद नहीं आया। फिर भी इस बार दोनों पक्ष खूब अच्छे थे। कोई किसी से कम नहीं था।

रमेश : नहीं, यह कैसे कहता है? दल के हिसाब से इस बार का ईस्टबंगाल (दल), मोहन-बागान की अपेक्षा बहुत अच्छा था। लेकिन उनके दो मुख्य खिलाड़ी बीमार थे। इसी से वे मैदान में नहीं उतरे। इसलिए ईस्टबंगाल (दल) अच्छा खेल नहीं पा रहा था। खिलाड़ी मानसिक दबाव में थे।

খেলোয়াড়ম্প অসুস্থ ছিল। তাম্প ওরা মাঠে নামে নি। এম্প জন্যে স্পষ্টবেঙ্গল ভাল খেলতে পারে নি। খেলোয়াড়েরা মানসিক চাপে ভুগছিল।

আলি : আচ্ছা, ি. ভি.তে দেখলাম, উত্তরদিকে গ্যালারীতে বেশ গণ্ডগোল হচ্ছিল। ব্যাপারটা কি? পুলিশ দর্শকদের মারছিল কেন?

রমেশ : স্পষ্টবেঙ্গলের কিছু সমর্থক নাচানাচি করছিল। তারা স্পষ্টবেঙ্গলের নামে শ্লোগান দিচ্ছিল। কয়েকজন তাদের থামতে বলছিল। কিন্তু তারা কিছুতেম্প শুনছিল না। শেষ পর্যন্ত পুলিশ এল। তখন তারা চুপ করল।

আলি : চিমার কি হয়েছিল? কাল তো একেবারেম্প খেলতে পারছিল না।

রমেশ : চিমার হাঁ্টুতে ব্যথা ছিল। তাম্প সে ভাল করে দৌড়াতে পারছিল না। মোহনবাগানের একমাত্র সুব্রতম্প ভাল খেলছিল। কর্ণার থেকে

अली : अच्छा, टी. वी. में देखा था, उत्तर की ओर गैलरी में काफ़ी गड़बड़ हो रहा था। क्या मामला था? पुलिस दर्शकों को क्यों मार रही थी?

रमेश :ईस्टबंगाल के कुछ समर्थक नाच रहे थे। वे ईस्टबंगाल के नाम से नारे लगा रहे थे। कुछ लोग उन्हें रुकने को कह रहे थे। किन्तु वे कुछ भी नहीं सुन रहे थे। अंत में पुलिस आई। तब वे चुप हो गए।

अली : चीमा को क्या हो गया था? कल तो वह बिलकुल ही नहीं खेल पा रहा था।

रमेश :चीमा के घुटने में दर्द था। इसलिए वह ठीक से दौड़ नहीं पा रहा था। मोहनबागान का सिर्फ सुब्रत ही ठीक से खेल रहा था। कार्नर से सुब्रत का गोल सबसे अच्छा था। जो भी हो, मोहनबागान अंततः फाइनल में आ ही गया।

अली : चल, फाइनल खेल हम एक साथ देखते हैं।

रमेश : अच्छा, यही ठीक है।

সুব্রতর গোলৗ সব থেকে সুন্দর।
যাম্প হোক্, মোহনবাগান তো শেষ
পর্যন্ত ফাম্পনালে উঠল।

আলি : চল, ফাম্পনাল খেলা আমরা
একসঙ্গে দেখতে যাম্প।

রমেশ : বেশ, তা ঠিক রম্পল।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
দারুণ	बहुत अच्छा
দর্শকরা	दर्शकगण
কখনও	कभी भी
মাঝে	बीच में
গোলমাল, গণ্ডগোল	गड़बड़
পক্ষ	पक्ष
দুজন	दोनों
খেলোয়াড়	खिलाड़ी
অসুস্থ	अस्वस्थ्य, बीमार
মাঠে	मैदान में
নামে নি	उतरे नहीं
মানসিক	मानसिक
চাপে	तनाव में, दबाव में
সমর্থক	समर्थक

নাচানাচি	नाच, नृत्य
শ্লোগান	नारा
পর্যন্ত	पर्यंत, तक
হাঁটুতে	घुटने में
যাম্প হোক্	जो भी हो
একসঙ্গে	एक साथ
রম্পল	रहा
খেলা	खेल

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. সীতা বাংলা <u>পড়ছিল</u> । (লিখছিল, শুনছিল)
2. রমেন দোকানে <u>জিনিস</u> কিনছিল। (বস্প, কাগজ)
3. সে তখন <u>খাচ্ছিল</u>। (পড়ছিল, লিখছিল)
4. তিনি <u>বস্প</u> পড়ছিলেন। (পত্রিকা, কাগজ)
5. আমি তখন <u>হাঁছিলাম</u>। (দৌড়াচ্ছিলাম, বেরোচ্ছিলাম)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(লিখছিল, যাচ্ছিল, করছিলেন, কিনছিলাম, বেড়াচ্ছিলাম)

1. রমা বাজারে _______________ ।

2. আমি তখন জিনিস ____________ ।

3. সে সকালে ____________ ।

4. আমি নদীর ধারে ____________ ।

5. আপনি কি কাজ ____________ ?

III. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. আমি তখন ____________ । (বেড়ালাম, বেড়াচ্ছিলাম)

2. সে সকালবেলা কাগজ ____________। (পড়ল, পড়ছিল)

3. আমরা তখন ____________ । (খেলছিলাম, খেললাম)

4. তাঁরা তখন জিনিস ____________ । (কিনছিল, কিনল)

5. আপনি কি কাল সকালবেলা কাগজ ____________ ? (পড়লেন, পড়ছিলেন)

IV. **उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

উদাহরণ :

সে গেল।

সে যাচ্ছিল।

1. আমি রবিবারে এম্প বম্পৌা পড়লাম।

2. রমা সেলাম্প করল।

3. সতীশ কাল কোথায় গেল?

4. আপনি কি কাগজ পড়লেন?

5. আমরা কাল রাত্রে বেড়ালাম।

V. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সে নদীতে স্নান করল।

2. আমরা ঐ দোকানে খেলাম।

3. সুজাতা সেলাম্প করল।

4. আমি বস্পৗা পড়লাম।

5. তিনি কাগজ পড়লেন।

पढ़िए और समझिए :

সৃুকেশ চোর   सूटकेश चोर

অনেকদিন আগে আমি দিল্লী থেকে কোলকাতা যাচ্ছিলাম। ট্রেনে খুব ভীড় ছিল। তখন শীতকালের রাত্রিবেলা, সবাস্প ঘুমোচ্ছিল। আমিও ঘুমোচ্ছিলাম, হঠাৎ এক্টা শব্দে আমার ঘুম ভাঙল। ট্রেন্টাও খুব জোরে যাচ্ছিল না, হয়ত কাছেস্প স্টৈশন ছিল। আমি দেখলাম একজন লোক এক্টা সৃুকেশ হাতে নিয়ে যাচ্ছে। আমার সন্দেহ হল। আমি চেঁচালাম, সবাস্প উঠে পড়ল। তখন লোক্টা ছুৄল কিন্তু ট্রেন চলছিল। তাস্প সে নামতে পারল না। সবাস্প তাকে মারতে আরম্ভ করল কিন্তু আমি মারতে বারণ করলাম। মোগলসরাস্প স্টৈশনে ট্রেন থামল। তখন আমরা কয়েকজন মিলে লোক্টাকে পুলিশের কাছে দিলাম। তারপর ট্রেন আবার ছাড়ল। ট্রেন ছেড়ে যাওয়ার পরও আমরা বহুক্ষণ ধরে সেস্প ঘৈনা নিয়ে আলোচনা করছিলাম।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
যাচ্ছিলাম	जा रहे थे
শীতকাল	जाड़ा
সবাম্প	सभी कोई, हर एक
হঠাৎ	अचानक, एकाएक
শব্দে	आवाज़ से
ঘুম	नींद
হয়ত	हो सकता है
কাছেম্প	पास में ही
দেখলাম	देखा
সন্দেহ	संदेह, शक
চেঁচালাম	चिल्लाया
ছুটল	दौड़ा
চলছিল	जा रहा था
মারতে	मारना
বারণ	मना
থামল	रुकी, रुक गई
দিলাম	दिया

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ট্রেনটি কোথা থেকে কোথায় যাচ্ছিল?

2. রাত্রের ট্রেনে কি ভাবে চোর ধরা পড়ল?
3. চোরকে কোন স্টেশনে পুলিশের কাছে দেওয়া হল?
4. চুরির সময়ে ট্রেন কি জোরে যাচ্ছিল?
5. চুরির সময় অধিকাংশ যাত্রী কি করছিল?

II. उदाहरण के अनुसार नये शब्द बनाइए।

যাচ্ছি —— যাচ্ছিলাম

1. করছেন ——
2. লিখছি ——
3. পড়ছো ——
4. ঘুমোচ্ছেন ——
5. চেঁচাচ্ছি ——

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমার বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম দিনের কথা মনে আছে। আমি প্রথমে বেশ ভয় পেয়েছিলাম। কারণ ছোটবেলা থেকেম্প বিশ্ববিদ্যালয়ে পড়ার সুপ্ত বাসনা আমার ছিল, আর বেশ অজানা ভয়ও ছিল। প্রথম দিন আমরা সব ছাত্রছাত্রী একত্রে জমা হয়েছিলাম আমাদেরম্প একটা শ্রেণীকক্ষে। অধ্যাপক, অধ্যাপিকাগণ এবং আমাদের আগের বছরের ছাত্রছাত্রীরা আমাদের অভ্যর্থনা জানান। সেম্প মুহূর্তেম্প আমাদের সবার জীবনের চরম মুহূর্তের সূচনা হয়ে গিয়েছিল। আমরা সবাম্প জীবনের ছোট গণ্ডী ছেড়ে বৃহৎ জীবনে পদার্পণ করেছিলাম।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यात्रा के मध्य हम जेबकतरों और सामान चोरों से सावधान रहें। अक्सर, टिकट खरीदते समय कतार में खड़े रहने पर, रेलगाड़ी या बस पर चढ़ते समय अथवा अपनी बर्थ पर बैठते-सोते समय चोर आसानी से हमारा जेब काटते हैं। ऐसे ही समय हमारा सामान भी चोरी करते हैं। हमारी असावधानी से ही चोर हमारा धन और माल चोरी करते हैं। इसलिए यात्रा के समय हम सावधान रहें।

V. नीचे कुछ ऐसे शब्द दिए गए हैं, जो पाठ में नहीं आए है। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

দিল্লী	ডাকাত	ভীড়	বর্ষাকাল	ঘুমোচ্ছিল
সন্দেহ	জুতা	চেঁচালাম	দাঁড়িয়েছিল	শীতকাল
চোর	শেষ	স্যুটকেশ	বারণ	মোগলসরাই

VI. यात्रा के मध्य घटने वाली किसी अविस्मरणीय घटना पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में अपूर्ण भूत काल के क्रिया रूपों का प्रयोग किया गया है। धातु का अपूर्ण भूत कालिक क्रिया रूप बनाने के लिए उस धातु के अपूर्ण वर्तमान काल के (उत्तम) पुरूष वाचक के सम्पूर्ण रूप के पश्चात् 'ल' (-ल) लगाकर पुरूष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

আমি দেখছিলাম	(দেখছি + ল + আম)	मैं देख रहा था/रही थी
আপনি দেখছিলেন	(দেখছি + ল + এন)	आप देख रहे थे/रही थीं
তুমি দেখছিলে	(দেখছি + ল + এ)	तुम देख रहे थे/रही थी
তুই দেখছিলি	(দেখছি + ল + ই)	तू देख रहा था/रही थी
তিনি, ইনি, উনি দেখছিলেন	(দেখছি + ল + এন)	वे देख रहे थे/रही थीं

সে, ও, এ দেখছিলো (দেখছি + ল + ও) वह/यह देख रहा/रही था/थी

इस प्रकार के वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे:

আমি দেখছিলাম না। मैं नहीं देख रहा था।

II. दो व्यक्तियों या वस्तुओं के मध्य तुलना के लिए जिससे अतिशय या कमी दिखानी होती है, उसमें संबंध वाचक (षष्ठी) विभक्ति लगाने के पश्चात 'চেয়ে' (चेये) 'থেকে' (थेके) आदि शब्दों का प्रयोग करते हैं। जैसे :

স্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের চেয়ে অনেক ভাল।

স্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের চাম্পতে অনেক ভাল।

স্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের থেকে অনেক ভাল।

सर्वश्रेष्ठ के अर्थ में 'সবচেয়ে' (शबचेये), 'সবথেকে' (शबथेके) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

সুব্রতর গোলটা সবচেয়ে সুন্দর।

সুব্রতর গোলটা সবথেকে সুন্দর।

পাঠ
पाठ 9

বন্ধুর বাড়ীতে

সুবিকাশ : এস্প হচ্ছে আমার বাড়ি।

প্রতাপ : বাঃ! আপনার বাড়ি তো খুব সুন্দর! সামনে অনেক জায়গা রয়েছে।

সুবিকাশ : পেছনেও কিছু্া জায়গা আছে। ওখানে তরি-তরকারী লাগিয়েছি। আর কিছু ফলের গাছও রয়েছে। আসলে ঐা পুরনো আমলের বাড়ি তাস্প এত জায়গা।

প্রতাপ : সামনের ফুলের বাগানা দারুণ হয়েছে। এসব কি আপনি করেছেন?

সুবিকাশ : এদিকে গন্ধরাজ, চাঁপা আর জবা এস্প বড় গাছগুলো আগে থেকেস্প ছিলো। বাকী সব ফুলের গাছ আমিস্প লাগিয়েছি।

প্রতাপ : বাঃ, চন্দ্রমল্লিকা আর গাঁদা খুব

मित्र के घर पर

सुविकाशः यही मेरा घर है।

प्रताप : वाह! आपका घर तो बहुत सुंदर है! सामने बहुत जगह पड़ी है।

सुविकाशः पीछे भी थोड़ी जगह है। वहाँ साग सब्जी लगा रखी है। और कुछ फलों के पेड़ भी हैं। असल में यह पुराने समय का घर है। तभी इतनी जगह है।

प्रताप : सामने जो फूलों का बगीचा है वह बहुत सुंदर है। क्या ये सब आपने किया हैं?

सुविकाशः गंधराज, चंपा और गुड़हल, ये सब बड़े पेड़ तो पहले से ही थे। बाकी सब फूलों के पौधे मैंने ही लगाए हैं।

प्रताप : वाह! चमेली और गेंदा बहुत सुंदर हो गए हैं। डहलिया की तो

	ভাল হয়েছে। ডালিয়ার তো তুলনাম্প নেম্প। আপনি কি নিজেম্প চারা করেছেন না নার্সারী থেকে এনেছেন?		तुलना ही नहीं। आपने ये पौधे स्वयं उगाए हैं या नर्सरी से लाए हैं?
সুবিকাশ :	আমার এক বন্ধুর কাছ থেকে এম্পসব ফুলগাছের চারা এনেছি। এবার আসুন পিছন দিকে। এম্পসব আম, কাঁঠাল ও পেয়ারা গাছগুলো আমি লাগাম্প নি। এগুলো আগে থেকেম্প ছিলো। আমি শুধু পেঁপে গাছ্টা লাগিয়েছি।	सुविकाश:	मैं अपने एक मित्र के पास से फूलों के पौधों की ये सब पौधे लाया हूँ। अब आइए पीछे की ओर। ये सब आम, कटहल और अमरूद के पेड़ मैंने नहीं लगाए हैं। ये सब पहले से ही थे। मैंने तो केवल पपीते का पेड़ ही लगाया है।
প্রতাপ :	দেখছি আপনার বেশ বাগানের শখ আছে।	प्रताप :	देख रहा हूँ आपको बगीचे का बहुत शौक है।
সুবিকাশ :	আসুন, ভেতরে আসুন। চলুন, চা খাম্প।	सुविकाश:	आइए, अंदर आइए। चलिए, चाय पीते हैं।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পেছনে	पीछे
তরি তরকারী	साग-सब्जी
গাছ	पेड़

আসলে	असल में
আমলের	जमाने का, समय का
এতো	इतना
গন্ধরাজ	गंधराज
চাঁপা	चंपा
জবা	गुड़हल
চন্দ্রমল্লিকা	चमेली
গাঁদা	गेंदा
ডালিয়া	डहलिया
চারা	पौधा
আম	आम
কাঁঠাল	कटहल
পেঁপে	पपीता
শখ	शौक

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. বীনা এম্প কাপড়া কিনেছে। (এনেছে, চেয়েছে)
2. আমি দিল্লী দেখেছি। (বেড়িয়েছি, গিয়েছি)
3. রমা কাশ্মীরে গিয়েছে। (ঘুরেছে, বেড়িয়েছে)
4. রামবাবু বাংলা লিখেছেন। (শিখেছেন, পড়েছেন)
5. উনি বাজারে যান নি। (দোকানে, অফিসে)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি কাল ______________ । (আসছি, এসেছি)
2. আপনি কবে ________ ? (ফেরেন, ফিরেছেন)
3. কমলা আজ কোথায় __________ ? (গিয়েছে, যায়)
4. তিনি এখনও __________ । (এসেছেন, আসেন)
5. আমরা গতকাল __________ । (ফিরি, ফিরেছি)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণঃ

আমি যাও।

আমি গিয়েছি।

1. সে কি বাজারে যায়?
2. রমেন জিনিসপত্র কেনে।
3. আমরা কাগজ পড়ি।
4. উনি দিল্লী যান।
5. তুমি কি বাংলা পড়ো?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি এও সিনেমা দেখেছি।
2. তিনি বাজারে গিয়েছেন।
3. কানাওবাবু চিঠি দিয়েছেন।
4. রমেন গান গেয়েছে।
5. ও কাপড় কেচেছে।

V. उचित शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি কাল বাজারে ____________ নি।

2. সে দোকানে এম্প কাপড়া ________________ ।
3. তারা গতকাল ____________________ ।
4. আমরা কখনো কলকাতায় ________________ নি।
5. তিনি গান ________________ নি।

पढ़िए और समझिए ।

মূল্য ও মূল্যবোধ मूल्य और जीवन मूल्य का बोध

আজকাল সব জিনিসের দাম বেড়েছে। বেড়েছে বললে ভুল হয়, দাম অনবরত বেড়ে চলেছে। বাড়তে বাড়তে দাম হয়েছে আকাশ-ছোঁয়া। শুধু দাম বাড়ছে, তা নয়। সেম্প সঙ্গে বাজার থেকে জিনিসপত্র উধাও। আজ দুধ পাওয়া যাচ্ছে না তো কাল পাঁউরুটি পাওয়া যাচ্ছে না। সেম্প সঙ্গে বেড়েছে লোকের জিনিসপত্র জমাবার চেষ্টা। জিনিস ঠিকমতো পাওয়া যাচ্ছে না বলে সবাম্প অযথা জিনিস-পত্র জমাচ্ছে। এতে গরীব লোকেরা বেশী অসুবিধেয় পড়েছে। াকার অভাবে তারা দরকারী জিনিসপত্র কিনতে পারছে না। ব্যবসাদাররা কাউকে তোয়াক্কা করে না। কেননা নির্বাচনের সময় তারা সব রাজনৈতিক দলকেম্প চাঁদা দিয়েছে। তাম্প কেউ কিছু বলতে পারছে না। সরকারী কর্মচারীরাও চুপ। তাদের মহার্ঘ ভাতা বেড়েছে। সব জিনিসের দাম বেড়েছে। কিন্তু দাম কমেছে দুটি জিনিসের -- মানুষের জীবনের এবং মূল্য বোধের। প্রত্যেক দিন খবরের কাগজেম্প তা আমরা দেখতে পাচ্ছি।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
মূল্য	मूल्य
মূল্যবোধ	जीवन मूल्य का बोध
মূল্যবৃদ্ধি	मूल्य बढ़ना, महंगाई बढ़ना, महंगा होना
	दाम

দাম

অনবরত

বাড়ছে

উধাও

জমাবার চেষ্টা

অযথা

কাউকে

নির্বাচনের

চাঁদা

মহার্ঘ ভাতা

বোধ

পাচ্ছি

আকাশ ছোঁয়া

अनवरत, लगातार
बढ़ रहा है, बढ़ रहे हैं
गायब
इकट्ठा करने की कोशिश, संग्रहवृत्ति
फालतू, अनावश्यक
किसी को
चुनाव का
चंदा
महंगाई भत्ता
ज्ञान
पा रहा हूँ
-(मुहावरा : आसमान छूना = अति हो जाना, सीमा से ऊपर चले जाना)

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. সাধারণত কোন কোন জিনিস পাওয়া যায় না?
2. কারা জিনিস-পত্র জমাচ্ছে?
3. জিনিস-পত্রের দাম বেড়েছে বলে কাদের সবচেয়ে অসুবিধে হচ্ছে?
4. কোন্ কোন্ জিনিসের দাম কমেছে?
5. ব্যবসাদারদের কেউ কিছু বলতে পারে না কেন?

II. बायी ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

অনবরত	মিছিমিছি
উধাও	গ্রাহ্য
অযথা	সব সময়
তোয়াক্কা	নিরুদ্দেশ
আকাশ-ছোঁয়া	অত্যন্ত বেশী

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

সম্প্রতি আমরা সবাম্প মিলে উঁটি বেড়াতে গেছি। সবাম্প মিলে বাসেম্প গিয়েছি। এখন টিকিটের দাম অনেক বেড়ে গেছে। পাহাড়ের পাকদণ্ডী ঘুরে ঘুরে বাস যখন যাচ্ছিল তখন অপূর্ব লেগেছে। আমাদের সাথে দুজন অধ্যাপকও ছিলেন। সুদীপ্তাদি ও শুভ্রা গান করেছে। ছেলেরা বন্দীপুর জঙ্গলের ছবি তুলেছে। আমি জানলা দিয়ে বাম্পরের প্রাকৃতিক দৃশ্য দেখেছি। আমরা সবাম্প আনন্দ উপভোগ করেছি। উঁটিতে বহুরকমের ফল, পাহাড়ী ফুল ও অনেক মনোহর জিনিস পাওয়া যাচ্ছিল কিন্তু সব কিছুর দামম্প আকাশ ছোঁয়া। প্রায় কিছুম্প আমরা কিনতে পারলাম না। তবে ভালো লাগার অনুভূতি কোনো মূল্য দিয়ে কেনা যায় না।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

हमारी आवश्यकताएँ दिन-ब-दिन बढ़ी हैं। इसीलिए महंगाई भी बढ़ी है। लेकिन महंगाई की तुलना में आय नहीं बढ़ी है। गरीबों की क्रयशक्ति घटी है। वे अपनी जीवनोपयोगी वस्तुएँ कैसे खरीदें? हमें अपनी व्यर्थ की आवश्यकताएँ घटाएँ। हमारा जीवन सादा हो। यही संदेश हमारे ऋषियों का भी है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं जो पाठ में आए हैं। उन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

আজকাল	জিনিস	উপনির্বাচন	গরীব	পাঁউরুটি
নির্বাচন	শব্দ	মহার্ঘভাতা	জমাবার	ধনী
চুপ	চাঁদা	নির্যাতন	কর্মচারী	সব্জী

VI. जीवन मूल्यों पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में पूर्ण वर्तमान काल के क्रियारूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का पूर्ण वर्तमान कालिक रूप बनाने के लिए उस क्रिया की असमापिका क्रिया रूप के साथ 'ছ' (छ) लगाकर उसके बाद वर्तमान कालिक पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

আমি করেছি।	(করে + ছ + স্প)	मैंने किया है।
আপনি করেছেন।	(করে +ছ + এন)	आप ने किया हैं।
তিনি করেছেন।	(করে + ছ + এন)	उन्होंने किया हैं।
তুমি করেছো।	(করে +ছ + ও)	तुम ने किया है।
তুস্প করেছিস।	(করে + ছ + স্পস)	तू ने किया है।
সে করেছে।	(করে +ছ + এ)	उस ने किया है।

इन वाक्यों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए साधारण वर्तमान काल के रूप के पश्चात 'নি' (नि) प्रयोग होता है। जैसे :

আমি করি নি।	मैंने नहीं किया है।
আপনি / তিনি করেন নি।	आप ने नहीं किया है।
তুমি করোনি।	तुम ने नहीं किया है।
তুস্প করিস নি।	तू ने नहीं किया है।
সে / ও / এ করে নি।	उसने नहीं किया है।

পাঠ
पाठ 10

সিনেমা দেখিনি

ভানু : হ্যালো বিজনবাবু, কাল আপনার বাড়ি় গিয়েছিলাম।

বিজন : ও! তাম্প নাকি। শুনে খুব খারাপ লাগছে। আমরা কাল চারটৈর সময় বাম্পরে চলে গিয়েছিলাম। আপনি কি একাম্প এসেছিলেন?

ভানু : না, আমরা সবাম্প মিলে গিয়েছিলাম।

বিজন : আপনি আসার আগে টৈলিফোন করলেন না কেন?

ভানু : হঠাৎম্প চলে গেলাম। অনেকদিন যাম্পনি তাম্প।

বিজন : কাল বিকেলে আনন্দ এসেছিল, ওকে তো আপনি জানেন। ও ‘নীলকণ্ঠ’ সিনেমার তিনটৈ টিকি

এনেছিল। এসেম্প বলল,

फिल्म नहीं देखी थी

भानु : हैलो, विजनबाबू, कल मैं आपके घर गया था।

विजन : ओह! ऐसा है? सुनकर बहुत बुरा लग रहा है। हम कल चार बजे बाहर चले गए थे। क्या आप अकेले ही आए थे?

भानु : नहीं, हम सब आए थे।

विजन : आपने आने के पहले टेलीफोन क्यों नहीं कर लिया?

भानु : अचानक चल पड़े। बहुत दिनों से आए नहीं थे न, तभी।

विजन : कल शाम आनंद आया था। उसे तो आप जानते हैं। वह ‘नीलकंठ’ फिल्म के तीन टिकट कटवाकर लाया था।

आते ही बोला, जल्दी चलिए। हमने

তাড়াতাড়ি চলুন। অবশ্য আমরা অনেকদিন সিনেমা দেখিনি। এজন্য একসঙ্গে গেলাম।

ভানু : আমরা সিনেমাঁা গত সপ্তাহেম্প দেখেছি। অপর্ণা দারুণ অভিনয় করেছে। সেদিন ভয়ঙ্কর ভীড় ছিল। নেহাতম্প আগে থেকে ৗিকি কৗা ছিল। তাম্প রক্ষে।

বিজন : আচ্ছা, কাল তো দেখা হল না। আজ সবাম্প মিলে আসুন না।

ভানু : আজ?

বিজন : কেন আজ কি কোন সমস্যা আছে?

ভানু : না, অসুবিধে নেম্প। সন্ধ্যে নাগাদ যাচ্ছি। আচ্ছা, (টেলিফোন) এখন রাখছি।

বিজন : আসুন। আপনাদের জন্যে অপেক্ষা করছি।

भी बहुत दिनों से फिल्म नहीं देखा था। इसलिए एक साथ गए थे।

भानु : हमने यही फिल्म पिछले सप्ताह ही देखी थी। अपर्णा ने बहुत ही अच्छा अभिनय किया है। उस दिन बहुत भीड़ थी। पहले से ही टिकट कटवा लिया था। इसलिए बच गए।

विजन : अच्छा, कल तो भेंट नहीं हुई। आज सब लोग आइए न।

भानु : आज?

विजन : क्या आज कोई समस्या है?

भानु : नहीं, कोई समस्या नहीं है। शाम तक आ रहे हैं। अच्छा, (टेलिफोन) रख रहा हूँ।

विजन : आइए, आप लोगों के लिए प्रतीक्षा करता हूँ।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
খারাপ	खराब
	लज्जा की, शर्म की

লজ্জার	आने के
আসার	लगा
লাগল	पिछला
গত	अभिनय
অভিনয়	बच गए
রক্ষে	शाम तक
সন্ধ্যে নাগাদ	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. আপনি কাল কোথায় গিয়েছিলেন? (খেয়েছিলেন, শুয়েছিলেন)
2. রতন ভাল করে লিখেছিলো। (পড়েছিলো, শুনেছিলো)
3. আমি চিঠি লিখেছিলাম। (দিয়েছিলাম, পেয়েছিলাম)
4. সে বাজারে গিয়েছিলো। (স্টেশনে, হোটেলে)
5. বীনা কাপড় কিনেছিলো। (দিয়েছিলো, কেচেছিলো)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(এসেছিল, গিয়েছিল, পড়েছিলাম, ফিরেছিলেন, খেয়েছিলাম)

1. আমি গতকাল ______________________।
2. সে গতকাল _____________।
3. তিনি রাত্রে বেশী দেরী করে _____________।
4. মঞ্জুলা সেদিন দেরী করে ____________ ।
5. আমরা প্রথম শ্রেণীতে এম্প বম্পা _____________ ।

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণঃ

রাম বাজারে গিয়েছে।

রাম বাজারে গিয়েছিলো।

1. আমি ভাত খেয়েছি।
2. রমেশ বেনারসে গিয়েছে।
3. হুমায়ূন কোথায় গিয়েছে?
4. সে রাত্রে বাড়ী ফিরেছে।
5. আপনি কি চিঠি লিখেছেন?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সে দেরাদুনে গিয়েছিলো।
2. আমি রাত্রে ফিরেছিলাম।
3. হানিফ বাংলা শিখেছিলো।
4. রাজেন চিঠি লিখেছিলো।
5. মাষ্টারমশাম্প বম্পৗা দিয়েছিলেন।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি এম্প সিনেমৗা ________________ নি।
2. তুমি কি বম্পৗা ________________?
3. আপনি কি বেনারসে ________________ নি।
4. আমরা অনেকদিন আগে পুরী ________________ ।
5. তিনি বাজারে ________________ নি।

पढ़िए और समझिए।

এক ঝলকে ভুবনেশ্বর — भुवनेश्वर की एक झलक

অনেকদিন আগে, সে প্রায় বিশ বছর হলো প্রথম আমি ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলাম। এখনকার মতো তখন রাস্তায় এত গাড়ী ছিল না। সাম্পকেল রিক্সা ছাড়া আর কিছু দেখতে পাম্পনি। একদিন আমরা কয়েকজন বন্ধু মিলে খণ্ডগিরি ও উদয়গিরি দেখতে গিয়েছিলাম। তারপরের দিন দেখেছিলাম নন্দন কানন। নন্দন কানন একর্টি চিড়িয়াখানা। কিন্তু জীবজন্তুদের জন্য বেশ কিছু খোলা জায়গা আছে, অন্যান্য চিড়িয়াখানার মতো খাঁচায় ভরা নয়। ভুবনেশ্বরের লিঙ্গরাজ মন্দির খুব বিখ্যাত। ভুবনেশ্বরে অনেক ছৌ ছৌ মন্দির আছে। কেউ কেউ বলেন প্রায় হাজার খানেকের মতো। সব মন্দিরে মূর্তিও নেম্প। ভুবনেশ্বর থেকে পুরী খুবম্প কাছে। বাসে প্রায় দু ঘণ্টার মতো রাস্তা। আমরা পুরীতে দুদিন ছিলাম। পুরী থেকে কোনার্ক গিয়েছিলাম। কোনার্কের মন্দিরের কারুকার্য দেখতে খুব ভাল লেগেছিলো। কোনার্ক থেকে আবার ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলাম। সেখান থেকে ট্রেনে কোলকাতা ফিরেছিলাম।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
বিশ	बीस
বছর	साल, वर्ष
এখনকার	अभी का
চিড়িয়াখানা	चिड़ियाघर
জীবজন্তুদের	जीव-जंतुओं का
খোলা	खुला
খাঁচায়	पिंजरे में
ছৌ	छोटा
হাজার	हज़ार
	नक्काशी
	जल, पानी
	मिलावट

কারুকার্য

জল

ভেজাল

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. লেখক কত বছর আগে ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলেন?
2. ভুবনেশ্বরের রাস্তায় গাড়ী তখন কেমন ছিলো?
3. ভুবনেশ্বরের আশে-পাশে লেখক কি কি দেখেছিলেন?
4. ভুবনেশ্বরে কত মন্দির আছে?
5. নন্দন কানন কি জন্যে বিখ্যাত?

II. नीचे दिए गए शब्दों में से समानार्थक शब्दों की पाँच जोड़ियाँ बनाइए।

আগে	প্রতিমা
এখনকার	নিকট
মূর্তি	পূর্বে
খোলা জায়গা	বর্তমান
কাছে	মুক্ত প্রাঙ্গন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

শান্তিনিকেতন **1901** সালে রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর স্থাপন করেছিলেন মাত্র পাঁচ জন ছাত্র নিয়ে। কোলকাতা থেকে শান্তিনিকেতন প্রায় **213** কি.মি. দূরে অবস্থিত। শান্তিনিকেতনের বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রাঙ্গন খুব বড়। সেখানে একটি বিভাগ অপর আর একটি বিভাগ থেকে অনেক দূরে। এখানে বয়স্ক ব্যক্তিগণম্প শিশুদের শিক্ষা দেন। সেখানে পড়াশোনায় কোনো চাপ প্রদান করা হয় না। কারণ, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর মুক্ত মানসিকতা ও উন্মুক্ত পরিবেশে শিক্ষা

দেওয়ার বিশ্বাসী ছিলেন। তাম্প তিনি শান্তিনিকেতন স্থাপন করেন। তিনি পড়াশোনার সাথে সাথেম্প সঙ্গীত, নৃত্য, নাৗক, ছবি আঁকা প্রভৃতি মানুষের মধ্যে যেসকল সুপ্ত প্রতিভা আছে তার ওপর গুরুত্ব দিতেন।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

मध्यप्रदेश के बड़े नगरों में उज्जैन एक प्रमुख नगर है। उज्जैन का एक और नाम अवंतिका भी है। उज्जैन पहुँचने के लिए भोपाल अथवा इंदौर से बसों और रेलगाड़ियों कि सुविधा है। उज्जैन एक धार्मिक तीर्थस्थान है। यहाँ भारत भर से यात्रीगण महाकाल के दर्शन करने आते हैं। लोग बारह ज्योतिर्लिंगों में से उज्जैन में स्थित महाकाल का नाम श्रद्धा और भक्ति से लेते हैं। उज्जैन में प्रत्येक बारहमें वर्ष सिंहस्थ पर्व मनाते हैं। कृष्ण के गुरु सांदिपनी का आश्रम उज्जैन में ही था। कृष्ण और उनके मित्र सुदामा ने साथ-साथ सांदिपनी आश्रम में ही शिक्षा प्राप्त की थी। उज्जैन में स्थित मंगलनाथ, हरसिद्धि, बड़े गणपति, भर्तृहरिगुप्ता, एवं गोपाल मंदिर आदि अनेक प्राधीन धार्मिक स्थल हैं। उज्जैन में शिप्रा नदी को आस्तिकगण गंगा की तरह ही पवित्र मानते हैं। इसमें स्नान करना आवश्यक समझते हैं। यह नगर राजयोगी भर्तृहरि की तपोभूमि भी है। यहाँ ही भर्तृहरि ने तपस्या की थी। यहीं उन्होंने ज्ञान और सिद्धि प्राप्त की थी। ऐसा कहते हैं कि, महाकवि कालिदास यहाँ के राजा विक्रमादित्य के राज कवि थे। विक्रमादित्य उज्जैन के गौरवशाली राजा थे।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं जो पाठ में नहीं आए हैं। उन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

অনেকদিন	গাড়ী	সাম্পকেল	বকখালি	উদয়গিরি	খণ্ডগিরি
চিড়িয়াখানা	পাখি	রিক্সা	জীবজন্তু	বন্ধ	জনপ্রিয়
বেড়ানো	খাঁচা	আধুনিক	লিঙ্গরাজ	অবতার	দশ

VI. किसी भी प्रसिद्ध तीर्थ पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में पूर्ण भूतकालिक क्रिया रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का पूर्ण भूत क्रिया रूप बनाने के लिए पूर्ण वर्तमान काल के उत्तम पुरुष के रूप के बाद ‘ल’ (ल) जोड़कर पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

আমি গিয়েছিলাম।	(গিয়েছি + ল + আম)	मैं गया था/गई थी।
আপনি / তিনি গিয়েছিলেন।	(গিয়েছি + ল + এন)	आप/वे गए थे/गई थीं।
তুমি গিয়েছিলে।	(গিয়েছি + ল + এ)	तुम गए थे/गई थी।
তুই গিয়েছিলি।	(গিয়েছি + ল + ই)	तू गया था/गई थी।
সে গিয়েছিলো।	(গিয়েছি + ল + ও)	वह गया था/गई थी।

II. पूर्ण भूतकालिक वाक्यों के निषेधात्मक रूप पूर्ण वर्तमान काल के समान ‘नि’ जोड़कर बनाए जाते हैं। जैसे :

আমি যাই নি।	(যা + ই + -নি)	मैं नहीं गया था/गई थी।
আপনি / তিনি যান নি।	(যা + ন + -নি)	आप/वे नहीं गए थे/गई थीं।
তুমি যাওনি।	(যা + ও + -নি)	तुम नहीं गया था/गई थी।
তুই যাস নি।	(যা + স + -নি)	तू नहीं गया था/गई थी।
সে যায় নি।	(যা + য় + -নি)	वह नहीं गया था/गई थी।

পাঠ
पाठ **11**

পুরনো দিনের কথা

প্রসাদ : ধীরেন কি খবর, কবে এলে?

ধীরেন : এম্প তো, গত শুক্রবার এলাম।

প্রসাদ : ভুবনেশ্বরের খবর কি?

ধীরেন : এখন আর সেদিন নেম্প। দিনকাল একেবারে পাল্টে গেছে। মনে আছে, আমরা আপনার গৌতম নগরের বাড়িতে কি মজা করতাম! তখন আপনি একাম্প থাকতেন। প্রত্যেক রবিবার আমরা বিভিন্ন বিষয়ে খুব আলোচনা করতাম।

প্রসাদ : তুমি তো প্রায়ম্প তর্কে হারতে আর রেগে যেতে। শুধু আলোচনা নয়, মাঝে মাঝে কেমন খাওয়া দাওয়াও করতাম।

ধীরেন : তখনকার দিনকাল একরকম ছিল।

वे बीते दिन

प्रसाद : धीरेन, क्या हालचाल है, कब आए?

धीरेन : अभी पिछले शुक्रवार को ही आया हूँ।

प्रसाद : भुवनेश्वर का क्या हाल है?

धीरेन : अब वे दिन नहीं रहे। सब कुछ बदल गया है। याद है, हम आपके गौतम नगर वाले घर में क्या मज़े लेते थे! तब आप वहाँ अकेले ही रहते थे। हर रविवार को हम लोग विविध विषयों पर खूब चर्चा करते थे।

प्रसाद : तुम अक्सर बहस में हार जाते थे और गुस्सा हो जाते थे। केवल बहस ही नहीं, बीच-बीच में हम खाते पीते भी थे।

धीरेन : उस समय के दिन ही ऐसे थे। सब

তখন জিনিসপত্র সস্তায় পাওয়া যেত। তখন সামান্য মাম্পনের চাকরী করতাম। কিন্তু সংসার চালাতে কোনো অসুবিধা হত না। এমনকি বাড়ী ভাড়াও কম ছিল।

वस्तुएँ सस्ती मिलती थी। तब मैं सामान्य आय की ही नौकरी करता था। किन्तु जीवन चलाने में कोई कठिनाई नहीं होती थी। मकान का किराया भी कम था।

প্রসাদ : তা ঠিক। তখনকার সঙ্গে এখনকার তুলনাম্প হয় না। মাছ, মাংস, দুধ, তরি-তরকারী সবম্প তখন সস্তা ছিল। চার ৗাকা লিাার দরে খাঁি দুধ পেতাম। দুধে কেউ জল মেশাতো না। আর এখন? এখন দুধ বারো ৗাকা লিারে কিনি। তাও খাঁি নয়।

प्रसाद : बिलकुल ठीक है। उस समय के साथ आज की तुलना नहीं होती। मछली, मांस, दूध, साग-सब्जी सभी कुछ उस समय सस्ता ही था। चार रुपये लीटर की दर से शुद्ध दूध मिलता था। दूध में कोई पानी नहीं मिलाता था। अब तो दूध बारह रुपये में एक लीटर खरीदता हूँ। वह भी शुद्ध नहीं मिलता।

ধীরেন : এখন আর কোনো জিনিসম্প খাঁি নেম্প। সব জিনিসেম্প ভেজাল। সত্যি আমরা ঐসব দিনে কতো আনন্দে ছিলাম!

धीरेन : अब तो कोई वस्तु ही शुद्ध नहीं। सभी वस्तु में मिलावट है। सच में उन दिनों हम कितने आनंद में रहते थे!

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
এলাম	आया
সেদিন	उन दिनों
পাল্টৈ	बदल गया
আলোচনা	चर्चा

তর্ক	बहस
প্রত্যেক	प्रत्येक
রাগ	क्रोध
জিনিসপত্র	वस्तुएँ
সস্তায়	सस्ते में
পাওয়া	मिलना
চাকরি	नौकरी
মাছ	मछली
মাংস	मांस
চার	चार
দর	दाम
খাঁটি	शुद्ध

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. সে রোজ পড়ত। (খেলত, বেড়াত)
2. আমি বাংলা কাগজ নিতাম। (পড়তাম, দেখতাম)
3. তুমি কি হরিদ্বারে থাকতে? (দিল্লীতে, দেরাদুনে)
4. আমরা রোজ কাগজ পড়তাম। (বই, পত্রিকা)
5. তিনি রোজ হাঁটতেন। (বেড়াতেন, ঘুরতেন)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ঘুমোতাম, পড়ত, বেড়াতো, থাকতেন, খেতেন)

1. রমা রোজ বিকেলে ______________ ।
2. আমি আগে দুপুরে ______________ ।
3. সে খবরের কাগজ ______________ ।
4. তিনি বেশী খাবার ______________ ।
5. আপনি কি পূর্বপল্লীতে ______________ ?

III. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি রোজ খেলতাম।
2. তুমি ছবি আঁকতে।
3. আপনি দেরীতে ফিরতেন।
4. আমি রোজ সকালে গানের অভ্যাস করতাম।
5. রমা সবার সঙ্গে ঝগড়া করত।

IV. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. খেলায়, রেগে, তুমি, যেতে, আর, প্রায়ম্প, হারতে।
2. আর, নেম্প, সেদিন, একেবারে, গেছে, এখন, দিনকাল, পাল্টে।
3. এখনকার, হয়, তখনকার, মাছ, না, সঙ্গে, দুধ, সবম্প, মাংস, ছিল, সস্তা, তরি-তরকারী, তখন, তুলনাম্প।

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ছেলেরা মাঠে ______________ । (খেলত, খেলেছে)

2. চাষীরা চাষ ____________ । (করল, করত)

3. শিক্ষকমশাম্প ____________ । (লিখতেন, লিখেছেন)

4. রাজু কেবল ____________ । (খেলল, খেলত)

5. দিনেশ রোজ রেডিও ____________ । (শুনতো, শুনালো)

VI. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. তোমরা কি বাসে করে ____________ ?

2. শুক্লা রোজ বাংলা অভ্যাস ____________ ।

3. আগে আমি রোজ সকালে ____________ ।

4. আগে কমলবাবু রোজ বেলা পর্যন্ত ____________ ।

5. প্রতিদিন উনি ঠিক সময়ে ____________ না।

VII. नीचे दिए गए प्रश्नों के स्वीकारात्मक एवं निषेधात्मक उत्तर दीजिए।

1. তুমি কি ফুটবল খেলা দেখো?

2. আপনি কি রোজ সকালে বাজারে যান?

3. ঐটা কি আপনার নিজের বাড়ি?

4. তোমরা কি পূজোর ছুটিতে বেড়াতে যাচ্ছো?

5. আপনি কি নিয়মিত খবরের কাগজ পড়েন?

VIII. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

উদাহরণ : বিজয়া রোজ ভোর পাঁচটার সময় উঠে হারমোনিয়ম বাজিয়ে গান করে।

(1) বিজয়া কি করে?

(2) বিজয়া কখন উঠে গান করে?

(3) বিজয়া কি বাজিয়ে গান করে?

(4) বিজয়া কি রোজ গান করে?

1. আমরা গতকাল বন্ধুরা মিলে বিকেল ৪ৈরে সময় মোহনবাগান ও স্পষ্টবেঙ্গলের ফু বল খেলা দেখতে মাঠে গিয়েছিলাম।
2. আমি গীার বাজিয়ে সন্ধ্যে সাতার সময় গান করেছি।
3. সুস্মিতা রোজ সকালে নদীর ধারে বেড়াতে যায়।

पढ़िए और समझिए।

আমাদের ছেলেবেলা   हमारा बचपन

ছোবেলায় আমি গ্রামে থাকতাম। আমাদের গ্রামর্ি শহর থেকে অনেক দূরে। তাম্প কোনো কোলাহল ছিল না। আমাদের বাড়ির কাছেম্প একা চণ্ডীমণ্ডপ ছিল। সেখানে পাঠশালা বসত। আমি সেখানে পড়তে যেতাম। একজনম্প শিক্ষক মশাম্প ছিলেন। তিনি সুর করে নামতা পড়াতেন আমরাও তাঁর সুরে সুরে তা আওড়াতাম। মাঝে মাঝে মা্ার মশাম্প বাড়ির কাজ করার জন্যে কিছুক্ষণের জন্যে চলে যেতেন। তখন আমাদের খুব মজা হত। আমরা তখন খেলতাম। এখনকার মতো পড়াশোনার এত চাপ ছিল না। আমাদের সময়ে ছো ছো ছেলে-মেয়েরা খেলা ধুলো করতে যথেষ্ট সময় পেত জীবনের অনেক শিক্ষাম্প তখন পরিবেশ থেকে আমরা পেতাম। এখনকার মতো বম্প মুখস্থ করে নয়।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
ছোটবেলায়	बचपन में
গ্রামে	गाँव में
থাকতাম	रहते थे
কোলাহল	शोरगुल, कोलाहल
চণ্ডীমণ্ডপ	पूजा का मंडप
নামতা	पहाड़ा
যথেষ্ট	यथेष्ट, पर्याप्त
পেতাম	प्राप्त होना
মুখস্থ	कंठस्थ

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পাঠশালা কোথায় বসত?
2. পাঠশালায় কতজন শিক্ষক ছিলেন?
3. মাস্টার মশাই বাড়ি চলে গেলে ছাত্ররা কি করত?
4. পড়াশোনার চাপ কেমন ছিল?
5. তখনকার দিনে ছাত্ররা স্কুলের বাইরে কিভাবে শিক্ষা পেত?

II. उदाहरण के अनुसार नये शब्द बनाइए।

উদাহরণ : বসল বসত

1. গেলেন
2. দেখল
3. লিখলাম
4. খেললেন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমরা কয়েক বছর আগে পুরী বেড়াতে গিয়েছিলাম। তখন আমি অষ্টম শ্রেণীতে পড়ি। সেস্প সময় পুরীর পরিবেশ খুবস্প শান্ত ছিল। সমুদ্রের তট ও খুব পরিষ্কার পরিচ্ছন্ন ছিল। আমরা বহুক্ষণ পর্যন্ত সমুদ্রের ধারে বসতাম। সেখানে আর্ট কলেজের কয়েকটি ছেলে বালি দিয়ে খুব সুন্দর সুন্দর মূর্তি তৈরী করছিল। পুরীর সমুদ্র থেকে জগন্নাথ মন্দির বেশ দূরে। আমরা রিক্সায় চেপে মন্দিরে পূজো দিতে যেতাম। মন্দিরে কিন্তু যথেষ্ট কোলাহল শোনা যেত। তাও খুবস্প ভাল লাগত। পুরীর স্মৃতি আমি আজও ভুলিনি ।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

भारत गाँवों का देश है। यहाँ शहर कम और गाँव अधिक हैं। इसलिए गाँवों का विकास भारत का विकास है। एक समय था जब गाँव बहुत छोटे-छोटे होते थे।

रास्ते कच्चे और ऊबड़ खाबड़ होते थे। मकान भी कच्चे होते थे। आवागमन के साधन नहीं होने के कारण लोग पैदल आते जाते थे। गाँव पिछड़े हुए थे। लेकिन लोगों का परस्पर व्यवहार अच्छा रहता था। वातावरण शुद्ध था। आज गाँव पहले जैसे नहीं है। बहुत कुछ बदला है। रास्ते पक्के बने हैं। मकान भी पक्के बने हैं। आबादी भी बढ़ गई है। गाँव कृषि में प्रगति कर रहे हैं। उनका जीवन स्तर सुधर रहा है। यह प्रसन्नता की बात है कि, हमारे गाँव विकास कर रहे हैं। गाँवों में शिक्षा और स्वास्थ्य में भी प्रगति हुई है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

গ্রামে চণ্ডীমণ্ডপ শিক্ষিকা মজা শহরে দূরে

কোলাহল	সুর	ছৌ	কাছে	চাপ	বড়
কিছুক্ষণ	এখানে	শিক্ষক	তাল	সেখানে	খেলতাম

VI. अपने निकट के किसी बड़े शहर के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में स्वाभाविक (नियमित रूप से होनेवाली) भूतकालिक क्रियारूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का स्वाभाविक भूतकाल रूप बनाने के लिए धातु के तिर्यक रूप में 'ত' (त) जोड़कर उसके बाद भूतकालिक पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़ते हैं। जैसे :

আমি খেলতাম। (খেল + ত + আম) मैं खेलता था/खेलती थी।

আপনি/তিনি খেলতেন। (খেল + ত + এন) आप/वे खेलते थे/खेलती थीं।

তুমি খেলতে। খেল + ত + এ) तुम खेलते थे/खेलती थी।

তুম্প খেলতিস। খেল + ত + শ্পস) तू खेलता था/खेलती थी।

সে খেলতো। খেল + ত + ও) वह खेलता था/खेलती थी।

उपर्युक्त क्रियाओं के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए उन के बाद में 'ना' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমি খেলতাম না मैं नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।

আপনি / তিনি খেলতেন না। आप/वे नहीं खेलते थे/नहीं खेलती थीं।

তুমি খেলতে না। तुम नहीं खेलते थे/नहीं खेलती थी।

তুম্প খেলতিস না। तू नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।

সে / ও / এ খেলতো না। **वह/यह नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।**

পাঠ
पाठ 12

বন্ধুর বিয়ে

শেখর : আজ খুব ঘুম পাচ্ছে। কিন্তু বছরের শেষ। তাম্প ছুঁটিও নিতে পারছি না।

স্বপন : ও বুঝেছি। কমলের বিয়েতে গিয়েছিলেন। তাম্প আপনার এম্প অবস্থা হয়েছে। ওখানে আপনি ঘুমোতে পারেন নি বুঝি?

শেখর : আর কি? আজ অফিসে এসেছি এম্প যথেষ্ট। কিন্তু, বিয়েতে খুব মজা হল। আপনি তো গেলেন না?

স্বপন : কি করি, কাল স্ত্রীর মামাতো বোনের বৌভাত ছিল। আমরা সবাম্প সেখানে গিয়েছিলাম। তাম্প কমলের বিয়েতে যেতে পারলাম না। খুব খারাপ লাগছে। এবার বলুন, আপনারা কেমন আনন্দ করলেন?

मित्र का विवाह

शेखर : आज बहुत नींद आ रही है। किंतु वर्ष का अंत है। इसलिए छुट्टी भी नहीं ले पा रहा हूँ।

स्वपन : ओह! समझ गया। कमल की शादी में गए। इसलिए आप की यह दशा हुई है। वहाँ आप सोए नहीं?

शेखर : और क्या? आज ऑफिस में आ गया हूँ, यही काफी है। लेकिन वहाँ खूब मज़ा आया। आप तो नहीं गए न।

स्वपन : क्या करूँ, कल पत्नी की ममेरी बहन का ‘बहुभात’ था। हम सब वहाँ गए थे। इसलिए कमल के विवाह में नहीं गया। बहुत बुरा लग रहा है। अब बताइए, आपलोगोंने कैसे आनंद मनाया?

শেখর : আমরা খুব আনন্দ করলাম। আমরা বরযাত্রীরা বাসের মধ্যে খুব ঠাট্টা তামাসা করছিলাম। বাস রাত্রি দশটায় ওখানে পৌঁছল। তারপর আমরা জলখাবার খেলাম। বিয়ের অনুষ্ঠান শুরু হল রাত এগারোটায়। সাত পাকে বাঁধা থেকে শুরু করে শুভ দৃষ্টি, মালা বদল সবই আমরা বারান্দায় বসে দেখলাম। রাত্রে খেলাম প্রায় দেড়টার সময়। বাড়ী ফিরলাম প্রায় ভোর চারটেয়।

স্বপন : তাহলে শেষ পর্যন্ত কমল বিয়ে করল!

শেখর : হ্যাঁ, এতদিন মনের মতো পাত্রী পাচ্ছিল না। ভীষণ খুঁতখুঁতে স্বভাব কমলের। আরে, এখানেও সে বিয়ে করতে চাইছিল না। অনেক পীড়াপীড়ির পরে রাজী হল। তবে ও বেশ ভালই বৌ পেয়েছে। তা আপনি বৌভাতে যাচ্ছেন তো?

স্বপন : নিশ্চয়, বৌভাতে সবাই মিলেই যাব। রবিবার ছুটিও আছে।

शेखर : हमलोगों ने खूब आनंद मनाया। बरातियों ने बस में खूब मज़ाकें की। बस रात दस बजे वहाँ पहुँची। उसके बाद हमने जलपान किया। रात को ग्यारह बजे विवाह का अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। सप्तपदी से प्रारंभ करके शुभ दृष्टि, वरमाला सभी कुछ हमने बरामदे में बैठकर देखा। रात को लगभग डेढ़ बजे भोजन किया। सवेरे चार बजे घर लौटे।

स्वपन : तो कमल ने विवाह कर ही लिया!

शेखर : हाँ, आजतक मनपसंद लड़की नहीं मिल रही थी। कमल का स्वभाव बहुत नकचढ़ा है। वह तो यहाँ भी विवाह नहीं करना चाहता था। बहुत दबाव के बाद वह राज़ी हुआ है। लेकिन उसको पत्नी काफी अच्छी मिली है। आप 'बहुभोज' में तो जा रहे हैं न?

स्वपन : अवश्य, बहुभोज में सबको साथ लेकर जाएँगे। रविवार को छुट्टी भी है।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
বিয়ে	विवाह
বছরের	साल का, वर्ष का
মামাতো	ममेरी, ममेरा
বোনের	बहन का
বরযাত্রীরা	वरातियों
ঠাট্টা	मज़ाक
তামাসা	तमाशा
জলখাবার	जलपान
অনুষ্ঠান	अनुष्ठान
বারান্দায়	बरामदे में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আমি পড়লাম । (লিখলাম, দেখলাম)
2. আপনি দেখলেন। (বললেন, শুনলেন)
3. আমরা বেনারসে ছিলাম। (গেলাম, বেড়ালাম)
4. আপনারা দিল্লীতে থাকতেন । (বেড়াতেন, ঘুরতেন)
5. সে লিখছিলো। (পড়ছিল, শিখছিল)

II. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আপনি পড়ছিলেন।
2. আমি বাজারে গিয়েছিলাম।
3. রমেশ কাল এসেছিল।
4. সে বাংলা লিখছিল।
5. আমি হোটেলে ছিলাম।

III. কोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(গেল, থাকতেন, গিয়েছিলেন, পড়েছি, ফিরলে)

1. আমি বস্পা __________।
2. সে গত রবিবারে দিল্লী __________।
3. আপনি আগে কোথায় __________।
4. রামবাবু হেঁটে হেঁটে __________।
5. তুমি গতকাল কোথা থেকে __________।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप से नये वाक्य बनाइए।

1. আপনি কোথায় যাচ্ছিলেন? (থাক্)
2. আমরা আগে ভুবনেশ্বরে থাকতাম। (ছিল)
3. সে বেড়াতে যাচ্ছিল। (আস্)
4. আমি রোজ খবরের কাগজ পড়ি। (দেখ্)
5. তুমি কি আনন্দবাজার পত্রিকা পড়ছিলে? (কিন্)

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ওরা সকলে কাল বাজারে __________।
2. আব্দুল আগে রাজস্থানে __________।

3. আমি আগে রোজ খবরের কাগজ ______________ ।

4. রীনা সেদিন সিনেমা ______________ ।

5. পরেশ দাঁড়িয়ে দাঁড়িয়ে ____________ ।

VI. 'কি' (क्या), 'কে' (कौन), 'কোথায়' (कहाँ), 'কখন' (कब), 'কেন' (क्यों), 'কিভাবে' (कैसे) शब्दों का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. কাল সকাল পাঁচটা থেকে ব্যাঙ্গালোর শহরে বৃষ্টি আরম্ভ হয়েছে।
2. সিদ্ধার্থ তালুকদার কলকাতাতেস্প প্রথম শত রান করেছে।
3. সুদীপ্তা প্রতিদিন দশটার সময় স্কুটারে করে কলেজে পড়াতে যায়।
4. রোজ সন্ধ্যে সাতটায় মহীশূর স্টেশন থেকে কাবেরী এক্সপ্রেস চেন্নাস্প-এর উদ্দেশ্যে রওয়ানা হয়।

VII. शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. পর্যন্ত, তাহলে, করল, শেষ, বিয়ে, কমল।
2. মিলেস্প, বৌভাতে, ছুটিও, যাব, আছে, রবিবার, সবাস্প।
3. শুরু, বিয়ের, এগারোটায়, অনুষ্ঠান, হল, রাত।
4. ঠাট্টা, করছিলাম, খুব, আমরা, তামাসা, মধ্যে, বাসের, বরযাত্রীরা।
5. ছিল, মামাতো, স্ত্রীর, বৌভাত, বোনের, কাল।

VIII. नीचे दिए गए प्रश्नों के स्वीकारात्मक एवं निषेधात्मक उत्तर दीजिए।

1. আপনি কি কমলের বিয়েতে গিয়েছিলেন?

2. আপনি কি বাংলা বলতে পারেন?
3. আপনি কি কখনও উড়িষ্যা বেড়াতে গেছেন?
4. এম্প বম্পৗ কি আপনার?
5. ঐৗ কি লাল কালির কলম?

पढ़िए और समझिए।

গ্রামের পরিবেশ   गाँव का वातावरण

কিছুদিন আগেও আমাদের দেশে গ্রামের মানুষের জীবনযাত্রা অনেক সহজ ছিল। গ্রামে স্পলেকট্রিক, টেলিভিশন স্পত্যাদির উপদ্রব ছিল না। অবশ্য স্পলেক্ট্রিক গ্রামের জীবনে অনেক সুবিধে এনে দিয়েছে। যেমন ক্ষেতে পাম্পের সাহায্যে জল সেচের সুবিধে হয়েছে। তাম্প স্পলেক্ট্রিককে উপদ্রব বলা ঠিক নয়। কিন্তু স্পলেক্ট্রিকের ফলে কয়েকর্ট অবাঞ্ছিত জিনিসের আমদানি হয়েছে। যেমন মাম্পক্রোফোন, টেলিভিশন স্পত্যাদি। গ্রামে আগে শান্তি বিরাজ করতো এখন সেখানে মাম্পকের কোলাহলে দূষিত। একে শব্দ দূষণও বলা যায়। এম্প শব্দ দূষণের ফলে নানা রকম স্নায়বিক রোগেরও সৃষ্টি হচ্ছে। আগে এম্প ধরণের রোগ শহরেম্প বেশী দেখা যেত কিন্তু এখন গ্রামেও এম্প রোগের প্রকোপ বেড়েছে। গ্রামে একধরণের মানুষের হাতে কিছু বাড়তি পয়সা এসেছে কিন্তু শিক্ষার বিস্তার হয়নি ফলে অপসংস্কৃতির সৃষ্টি হয়েছে। এর সঙ্গে দুষ্ট ব্রণের মতো আরম্ভ হয়েছে রাজনৈতিক দলাদলি। গ্রামের জীবনে বর্তমানে তাম্প একৗ বড় ধরণের পরিবর্তন এসেছে। প্রকৃত শিক্ষার বিস্তার দরকার। তবেম্প এম্প অপসংস্কৃতির হাত থেকে গ্রামের মানুষের মুক্তি হতে পারে।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পরিবেশ	वातावरण
সহজ	सरल

উপদ্রব	उपद्रव
অবাঞ্ছিত	अवांछित
দুষিত	दूषित
শব্দ	आवाज़, ध्वनि
স্নায়বিক	स्नायविक, स्नायु संबंधित
প্রকোপ	प्रकोप
বাড়তি	बढ़ती
বিস্তার	विस्तार
অপসংস্কৃতি	कुसंस्कृति
প্রকৃত	असली, वास्तविक
মুক্তি	मुक्ति

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ইলেক্ট্রিক গ্রামের জীবনে কি রকম সুবিধে এনে দিয়েছে?
2. ইলেক্ট্রিক আসার ফলে কি কি অবাঞ্ছিত জিনিসের আমদানি হয়েছে?
3. শব্দ দূষণের ফলে কি ধরণের রোগ হতে পারে?
4. গ্রামে অপসংস্কৃতির মূল কারণ কি?
5. অপসংস্কৃতির হাত থেকে গ্রামকে মুক্ত করতে হলে কি প্রয়োজন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

সহজ	অপ্রয়োজনীয়
কোলাহল	আজকাল

অবাঞ্ছিত — সরল

বিস্তার — গোলমাল

বর্তমান — বৃদ্ধি

III. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. রজতবাবু কয়েকদিন আগে বিদেশ থেকে ফিরেছেন।
2. আমি এস্প বস্পা পড়ে শেষ করেছি।
3. এখনও গ্রামের মানুষ শান্তিতে আছে।
4. ভারত আমার দেশ।
5. শিক্ষার অভাবে অপসংস্কৃতির সৃষ্টি হয়েছে।
6. আমার কলেজ আজ থেকে শুরু হয়েছে।
7. ছেলের অসুস্থতার জন্য রামবাবু অশান্তিতে আছেন।
8. নিরোগ জীবন সবারস্প কাম্য।
9. ভারতীয় সংস্কৃতি জীবনমূল্যের শিক্ষা দেয়।
10. এখন শহরে পরিবেশ দূষণের জন্য বিভিন্ন রোগের প্রকোপ বেড়েছে।

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমাদের পরিবেশ আগে এত দূষিত ছিল না। আগে পরিবেশ খুবস্প শান্ত ছিল ও অবাঞ্ছিত দ্রব্যের কোনো উপদ্রব ছিল না। তখন যে কোন অনুষ্ঠানস্প খুব ধুমধাম করেস্প অনুষ্ঠিত হত। তবে সেখানে কোনরকম স্বেচ্ছাচারিতা বা অপসংস্কৃতি ছিল না, যান্ত্রিক শব্দ প্রভৃতির উপদ্রবও ছিল না। বর্তমানে মিডিয়া ও আধুনিকতার জন্য পরিবেশ পরিবর্তিত হচ্ছে। ফলে অনুষ্ঠানের রঙও বদলে গেছে। এখন অনুষ্ঠান বলতে আমরা বুঝছি যান্ত্রিক শব্দ, উদ্ধতা ও পোষাকের উৎশৃঙ্খলতাও বটে। কিন্তু আখেরে তার কোনো প্রয়োজন নেস্প। অনুষ্ঠান হল মনের উন্মুক্ততা, মানুষে মানুষের মিলন ও আনন্দ।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

एक समय था जब हमारा जीवन सरल और स्वाभाविक था। हम सब प्रकृति पर निर्भर थे। सबलोग खूब श्रम करते थे। शुद्ध वातावरण में रहते थे। खान पान संयमित और शुद्ध था। हम प्रकृति की सुरक्षा करते थे। प्रकृति भी हमारी सुरक्षा करती थी।

धीरे धीरे विज्ञान ने उन्नती की। हमारे लिए सुविधाएँ बढ़ी। हम सुविधा भोगी हुए। प्रकृति से हमारी दूरी बढ़ी। आज वातावरण शुद्ध नहीं है। बीमारियाँ बढ़ी हैं। हम कम श्रम करते हैं। अधिक सुविधा चाहते हैं। हमारी आवश्यकताएँ बढ़ी हैं। उन्हें पूरा करने की ललक भी बढ़ी है। लेकिन आमदनी उतनी नहीं बढ़ी। हमारी आवश्यकताओं की सीमा नहीं हैं। इसीलिए हम अशांत हैं। हमारा जीवन पहले जैसा सरल और स्वाभाविक नहीं रहा।

VI. 'सादा जीवन उच्च विचार' के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

পাঠ 13
पाठ

পূজোর ছুঁটিতে দক্ষিণ ভারতে ভ্রমণ | पूजा की छुट्टियों में दक्षिण भारत भ्रमण

বাংলা	हिन्दी
মীনা : এবারে পূজোর ছুঁটিতে আপনি কোথাও বেড়াতে যাবেন নাকি?	मीना : आप इस बार पूजा की छुट्टियों में कहीं घूमने जाएँगी क्या?
শুক্লা : না, এবার আর কোথাও যাব না। আমার ছেলের সামনেম্প মাধ্যমিক পরীক্ষা। তবে ভাবছি, দুচার দিনের জন্য বাপের বাড়ী চলে যাব। তোমরা কি কোথাও যাচ্ছ?	शुक्लाः नहीं, इसबार कहीं नहीं जाऊँगी। मेरे लड़के की माध्यमिक परीक्षा निकट है। फिर भी सोच रही हूँ दो-चार दिन के लिए पिता के घर चली जाऊँ। क्या आपलोग कहीं जा रहे हैं?
মীনা : হ্যাঁ, আমরা দক্ষিণ ভারতে যাব, ভাবছি।	मीना : हाँ, हमलोग दक्षिण भारत जाने की सोच रहे हैं।
শুক্লা : যাও, যাও। খুব ভাল লাগবে। দক্ষিণ ভারতের মধ্যে মহীশূর খুব ভাল জায়গা। তোমাদের ভাল লাগবে। আমি ওখানে কিছুদিন ছিলাম। ওখানকার রাস্তাঘৗ খুব পরিষ্কার পরিচ্ছন্ন। বাড়ীঘর খুব সুন্দর। তাছাড়া চামুণ্ডী মন্দির মহীশূরের	शुक्लाः जाइए, जाइए। बहुत अच्छा लगेगा। दक्षिण भारत में मैसूर बहुत अच्छी जगह है। आपलोगों को वहाँ अच्छा लगेगा। मैं कुछ दिनों तक वहाँ रही हूँ। वहाँ की सड़कें बहुत साफ सुथरी हैं। वहाँ के मकान बहुत सुंदर हैं। इसके अलावा चामुंडी मंदिर, मैसूर का राजमहल, वृंदावन उद्यान, श्रीरंगपट्टनम् के श्री रंगनाथ स्वामी (विष्णु) मंदिर और टीपू सुलतान के

রাজপ্রাসাদ, বৃন্দাবন গার্ডেনস ও শ্রীরঙ্গপট্টনমের শ্রীরঙ্গনাথ স্বামী (বিষ্ণু) মন্দির ও ঁিপু সুলতানের কেল্লা, দরিয়া দৌলত মহল স্পত্যাদি দেখার মতো।

किला, दरिया दौलत महल आदि देखने लायक हैं।

মীনা : আমরা প্রথমে চেন্নাস্প যাব। সেখান থেকে মহাবলীপুরমে যাব। তারপর পণ্ডিচেরীতে একদিন থাকব। সেখান থেকে যাব রামেশ্বরমে। তারপর কন্যাকুমারী হয়ে মাদুরাস্প যাব। মাদুরাস্প থেকে মহীশূর যাব। মহীশূর থেকে গোয়া যাওয়ার স্পচ্ছা ছিল। কিন্তু, এবার হয়তো গোয়া যেতে পারব না। অতদিন বাস্পরে থাকা সম্ভব নয়। কারণ মেয়ের স্কুল খুলবে ৪ঠা নভেম্বর।

मीना : हमलोग पहले चेन्नई जाएँगे। वहाँ से महाबलीपुरम् जाएँगे। उसके बाद पांडिचेरी में एक दिन ठहरेंगे। फिर वहाँ से रामेश्वरम जाएँगे। उसके बाद कन्याकुमारी होते हुए मदुराई जाएँगे। मदुराई से मैसूर जाएँगे। मैसूर से गोवा जाने की इच्छा थी किंतु, शायद इसबार गोवा नहीं जा पाएँगे। इतने दिन बाहर रहना संभव नहीं है। क्योंकि चार नवंबर से लड़की का स्कूल खुल जाएगा।

শুক্লা : মহীশূরে তোমাদের কোনো অসুবিধে হবে না। আমার মা ও ভাস্প মহীশূরেস্প থাকে। তোমরা ওদের কাছে থাকতে পার। আমি আমার ভাস্পকে চিঠি লিখে দেব।

शुक्ला: मैसूर में आपलोगों को ठहरने की कोई असुविधा नहीं होगी। मेरी माँ और भाई मैसूर में ही रहते हैं। तुमलोग वहाँ ठहर सकते हैं। मैं अपने भाई को चिट्ठी लिख दूँगी।

মীনা : ঠিক আছে। মহীশূরে যাওয়ার

मीना : ठीक है। मैसूर जाने के पहले हम आपको बता देंगे।

আগে আপনাকে জানাব।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
এবার	इसबार
কোথাও	कहीं
যাব	जाएँगे
দক্ষিণ	दक्षिण
বাপের বাড়ি	पिता के घर
পরিষ্কার	साफ़
পরিচ্ছন্ন	साफ़ सुथरा
কেল্লা	किला
হয়ে	होकर
যাওয়া	जाना
শ্পচ্ছা	इच्छा
অত	उतना
যাওয়ার আগে	जाने के पहले
দিন	दिन
কারণ	कारण, क्योंकि
কাছে	पास में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আমরা দক্ষিণেশ্বর <u>বেড়াতে</u> যাব। (ঘুরতে, ভ্রমণ করতে)

2. আমরা <u>মাদ্রাজে</u> দুদিন থাকব। (মহীশূরে, গোয়াতে)

3. আপনারা কি পণ্ডিচেরীতে <u>যাবেন</u> ? (থাকবেন, আসবেন)

4. তোমরা কোথায় <u>যাবে</u> ? (খাবে, কিনবে)

5. সে রবিবারে <u>বাজারে</u> যাবে। (বেনারসে, পুরীতে)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি আগামী গরমের ছুটিতে সিমলা ______________ । (যাব, যাস্প)

2. রবিবার কি সিনেমা দেখতে ___________ ? (যায়, যাবে)

3. আপনারা কোথাও _____________ কি ? (যাবেন, যান)

4. তুম্প আজ সন্ধ্যেবেলা কোথায় ________ ? (যাস, যাবি)

5. তুমি কি এখন সাম্পকেল ___________ ? (চালাও, চালাতে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(খেলবেন, দেখবেন, খেলবি, যাব, গাম্পবে)

1. কাল সকালে কি আমি _____________?

2. আপনি কি ফুটবল _______________ ?

3. তুমি কি অনুষ্ঠানে গান _____________ ?

4. আপনি কি সিনেমা ____________?

5. তুম্প কি আজ ক্রিকেট ___________ ?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি এবারে গোয়া যাব।
2. সে কোলকাতা যাবে।
3. তুম্প কি বম্পা পড়বি?
4. আমরা কাল পিকনিক করতে যাব।
5. তুমি কি রবিবারে দিল্লী যাবে?

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমরা ছুটিতে হায়দ্রাবাদ __________ ।
2. আমরা কি বাজারে ________________ ?
3. আমরা রাত্রে কোথায় __________?
4. সে ডিসেম্বরে লণ্ডনে __________ ।
5. দাসবাবু ছুটিতে বেনারসে __________ ।

VI. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. যাব, যখন, তখন, জানিয়ে, মহীশূর, আমরা, দেব, আপনাকে।
2. কন্যাকুমারী, তারপর, ওখান, যাব, থেকে।
3. রিঁন্টু, ব্যাঙ্গালোর, মহীশূর, কাল, মহীশূর এক্সপ্রেস, থেকে, আসবে।
4. ছুটিতে, বেড়াতে, নাকি, কোথাও, যাবেন, পূজোর
5. যাবে, ৪ঠা নভেম্বর, স্কুল, মেয়ের, খুলে।

VII. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. সুদীপ্তা এবং সুস্মিতা সামনের মাসে কন্যাকুমারী যাবে।

2. আমার মা বাবা দু বছরের জন্য নতুন দিল্লীতে থেকেছেন।

3. ছোৗ ছোৗ শিশুরাও সকাল আৗার সময় স্কুলে যাচ্ছে।

4. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর ১৯০১ সালে শান্তিনিকেতন স্থাপন করেন পশ্চিম বাংলার বোলপুরে।

5. আমার বোনঝি সুনয়না খুব ভালোভাবে ছোৗবেলা থেকেম্প গান করে।

पढ़िए और समझिए।

স্বপ্ন ভঙ্গ स्वप्न भंग

স্কুল পাঠ্য রচনা বম্পতে একৗা বিষয় থাকে “তুমি বড় হয়ে কি হবে?” আপনি যে কোনো স্কুলের ছাত্রদের রচনা খাতা দেখুন, দেখবেন সবাম্প লিখেছে, ‘আমি ডাক্তার হব, আমি ম্পঞ্জিনিয়ার হব’ ম্পত্যাদি। কারোর খাতায় দেখবেন না যে, সে লিখেছে যে সে বড় হয়ে রেলগাড়ী চালাবে বা মৌৗর গাড়ী চালাবে। আসলে বাবা মায়েরা যা চান ছেলে মেয়েরা রচনায় তাম্প লেখে, তাম্প ভাবে। এর প্রমাণ ডাক্তারি বা ম্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজে ভর্ত্তির জন্য আবেদনের সংখ্যা। জীবনে যে আরো অনেক কিছু করার আছে তা কোনো বাবা-মা ভাবেন না। সবাম্প চান তাঁদের ছেলে মেয়েরা ডাক্তার ম্পঞ্জিনিয়ার হবে। তাঁরা একবার ভেবেও দেখেন না যে তাঁদের ছেলে-মেয়েরা অযথা স্নায়বিক চাপে ভোগে। এম্প সুযোগে ব্যাঙের ছাতার মতো গজিয়ে উঠেছে প্রাম্পভৌ মেডিক্যাল কলেজ আর ম্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজ। অবস্থাপন্ন পরিবারের ছেলে মেয়েরা ডোনেশন দিয়ে এম্প সব কলেজে ভর্ত্তি হয়। এর ফলে শিক্ষার মানও কমে যায়। এম্প ব্যবস্থার পরিবর্তন করতে হবে। ছাত্রদের মধ্যে এম্প ভাব আনতে হবে যে, কোন কাজম্প ছোৗ নয়। নিজের নিজের ক্ষমতা অনুযায়ী সবাম্প দেশের সেবা করবে। তবেম্প অহেতুক এম্প ডাক্তারি শিক্ষার, ম্পঞ্জিনিয়ারিং শিক্ষার মোহ দূর হবে।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পাঠ্য	पाठ्य, पढ़ने योग्य
রচনা	रचना
বিষয়	विषय
খাতা	कॉपी
বাবা	पिता
মা	माँ
আসলে	असल में
প্রমাণ	प्रमाण
ভর্ত্তির	भर्ती का
আবেদন	आवेदन
ক্ষমতা	क्षमता
কতো	कितना
চাপে	दबाव में
চান	चाहना
সুযোগে	अवसर में
ব্যাঙের	मेंढक का
ছাতার	छाते का
গজিয়ে	उगने
পরিবারের	परिवार का

অবস্থাপন্ন	धन, संपत्ति
মানও	मानक भी
পরিবর্তন	परिवर्तन
দেশের	राष्ट्र की
সেবা	सेवा
মোহ	मोह
দূর	दूर
হবে	होगा

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. স্কুলের ছেলে-মেয়েরা বড় হয়ে কি হতে চায়?
2. ছেলে-মেয়েদের ভবিষ্যৎ জীবিকা কি হবে তা কিসের ওপর নির্ভর করে?
3. ছেলে-মেয়েদের ক্ষমতা অনুযায়ী কি বাবা মায়েরা তাদের ভবিষ্যতের জীবিকার কথা ভাবেন?
4. প্রাম্পভৈ মেডিক্যাল কলেজ এবং ম্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজ বেশী হয়েছে কি জন্যে?
5. প্রাম্পভৈ মেডিক্যাল কলেজ এবং ম্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজে ভর্তির জন্যে যোগ্যতা কি?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों का दाहिनी ओर दिए गए शब्दों से मिलान कीजिए।

ব্যাঙের ছাতা	অকারণ
অযথা	পাল্টানো
পরিবর্তন	যেখানে সেখানে গজিয়ে ওঠা প্রতিষ্ঠান

ভাবেন	সংসার
পরিবার	চিন্তা করেন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মহীশূর ৬

৪.৯.০৪

প্রিয় স্বাতী,

আগামী ২৫ শে সেপ্টেম্বর আমি কোলকাতায় যাব, তাম্প ঁকি কেৌছি। আমি করমণ্ডল এক্সপ্রেসে ২৭ তারিখ হাওড়ায় পৌঁছাব। তারপর ওখান থেকে আমি সরাসরি আমার বাড়ী খিদিরপুরেম্প যাব। আমি এখন ওখানেম্প থাকব। আমার খুব আনন্দ হচ্ছে। কতদিন পরে আবার মায়ের হাতের রান্না খাব। সকাল থেকে রাত্রি পর্যন্ত মা, বাবা, দিদি, বোনঝির সাথে কাৗব। ওখানে গিয়ে তোমাদের সাথে যোগাযোগ করব। আমি এখন বাড়ী যাব তাম্প আনন্দে মসগুল।

আর কি? আজ শেষ করলাম। বড়দের প্রণাম দিও। তুমি আমার শুভেচ্ছা নিও।

স্পতি

ঊষসী রায়।

স্বাতী আম্পচ

মধ্যমগ্রাম

কলকাতা -- ৩০

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

राष्ट्रधर्म का पालन ही हमारा सब से पहला धर्म है। राष्ट्र का गौरव ही हमारा गौरव है। हम अपने राष्ट्र की रक्षा करेंगे। अपने राष्ट्र के विरुद्ध हम कोई भी काम नहीं करेंगे। हम अपने

राष्ट्र की अखंडता की रक्षा करेंगे। संविधान की मर्यादा का पालन करेंगे। भाषा, जाति और धर्म के विवादों को लेकर आपस में नहीं झगड़ेंगे।

राष्ट्र के विकास और शांति के लिए सदा जागरूक रहेंगे। परस्पर मनमुटाव नहीं करेंगे। आपस में भाईचारा बनाए रखेंगे।

यही है हमारा राष्ट्रधर्म। इसका पालन हम सब परस्पर सहयोग से करेंगे। राष्ट्र के प्रति यही हमारा कर्तव्य है। हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे तभी तो हम अपने अधिकारों के योग्य बनेंगे।

V. भारतीय गणतंत्र दिवस के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में सामान्य भविष्य काल के क्रिया रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप बनाने के लिए स्वरांत तथा व्यंजनांत धातुओं में 'ব' (ब) लगाकर भविष्य काल के पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे :

(क)	আমি খাব।	(খা + ব + ও)	मैं खाऊँगा/खाऊँगी
	আপনি/তিনি খাবেন।	(খা + ব + এন)	आप/वे खाएँगे/खाएँगी
	তুমি খাবে।	(খা + ব + এ)	तुम खाओगे/खाओगी
	সে খাবে।	(খা + ব + এ)	वह खाएगा/खाएगी
	তুম্প খাবি।	(খা + ব + ম্প)	तू खाएगा/खाएगी
(ख)	আমি ফিরবো।	(ফির + ব + ও)	मैं लौटूँगा/लौटूँगी
	আপনি/তিনি ফিরবেন।	(ফির + ব + এন)	आप/वे लौटेंगे/लौटूँगी
	তুমি ফিরবে।	(ফির + ব + এ)	तुम लौटोगे/लौटोगी
	সে ফিরবে।	(ফির + ব + এ)	वह लौटेगा/लौटेगी
	তুম্প ফিরবি।	(ফির + ব + ম্প)	तू लौटेगा/लौटेगी

द्रष्टव्य : भविष्य कालिक पुरुष, प्रत्यय, वर्तमान, भूत आदि से पृथक होते हैं। इन वाक्यों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমি যাবো না।	मैं नहीं जाऊँगा/जाऊँगी।
আমি ফিরবো না।	मैं नहीं लौटूँगा/लौटूँगी।

আমি আসব ।	(আস + ব + ও)	मैं आऊँगा/आऊँगी।
আপনি/তিনি আসবেন।	(আস + ব + এন)	आप/वे आएँगे/आएँगी।
তুমি আসবে।	(আস + ব + এ)	तुम आओगे/आओगी।
সে আসবে।	(আস + ব + এ)	वह आएगा/आएगी।
তুম্প আসবি।	(আস + ব + ম্প)	तू आएगा/आएगी।

পাঠ 14
पाठ

নতুন চাকরি

পাণ্ডে : চ্যাটার্জীবাবু, আমি কোলকাতার আয়কর বিভাগে একটা চাকরি পেয়েছি।

চ্যাটার্জীবাবু : কন্‌গ্র্যাচুলেশন! খুব ভাল কথা।

পাণ্ডে : দয়া করে আপনি বড়বাবুকে একটু তাড়াতাড়ি রিলিভ করতে বলবেন।

চ্যাটার্জীবাবু : হ্যাঁ, হ্যাঁ, বলে দেব।

পাণ্ডে : আজ্ঞে, আমি কখনো কোলকাতা যাই নি। কি করব, বড়ই চিন্তা হচ্ছে।

চ্যাটার্জীবাবু : দেখ পাণ্ডে, তুমি তো ভাল বাংলা বলতে পার। তবে তোমার আবার চিন্তার কি আছে? সোজা হাওড়া স্টেশন থেকে ২০ নম্বর ট্রামে তুমি শিয়ালদা চলে যেয়ো।

नई नौकरी

पांडे : चटर्जीबाबू, मुझे कोलकाता के आयकर विभाग में एक नौकरी मिली है।

चटर्जीबाबू : बधाई! बहुत अच्छी बात है।

पांडे : कृपा करके आप बड़ेबाबू से मुझे जल्दी कार्यमुक्त करने के लिए कह दीजिए।

चटर्जीबाबू : हाँ, हाँ कह दूँगा।

पांडे : जी, मैं कभी कोलकाता नहीं गया हूँ। क्या करूँ, वही चिंता हो रही है।

चटर्जीबाबू : देखो पांडेजी, तुम तो बंगला अच्छी तरह बोल लेते हो। तो फिर तुम्हें चिंता की क्या ज़रूरत है? हावड़ा स्टेशन से २० नम्बर ट्राम द्वारा सियालदह चले जाना। वहाँ २५ नम्बर क्रीक रो में मेरा ममेरा भाई शिशिर रहता

ওখানে ২৫ নম্বর ক্রীক রো তে

আমার মামাতো ভাম্প শিশির থাকে। তুমি ওর সঙ্গে দেখা করো।

পাণ্ডে :আচ্ছা, ওখানে থাকার জন্য তাড়াতাড়ি কি পাওয়া যাবে?

চ্যাার্জীবাবু : প্রথম কদিন তুমি আমার মামাতো ভায়ের কাছেম্প থেকো। পরে ও তোমার থাকার ব্যবস্থা করবে। আমি শিশিরকে আজম্প ফোন করে দেব।

পাণ্ডে :স্যার, ওখানকার অফিসের ব্যাপারে আমাকে কিছু বলুন।

চ্যাার্জীবাবু : আমি কি বলব? তবে, কয়েকা কথা তুমি মনে রেখো। নতুন অফিসে মন দিয়ে কাজ করো। সকলের সঙ্গে মেলামেশা করো। অফিসে অনেক রকম রাজনীতি হয়, কোনো দলে আর তুমি থেকো না। তুমি একা কথাও মনে রেখো কোলকাতা শহরে

है। तुम उससे मिल लेना।

पांडे : अच्छा, क्या वहाँ किराए का मकान मिलेगा?

चटर्जीबाबू: पहले कुछ दिन तुम मेरे ममेरे भाई के साथ रहना। बाद में वह तुम्हारे रहने की व्यवस्था कर देगा। मैं उसको आज ही फोन कर दूँगा।

पांडे : सर, आप वहाँ के ऑफिस के बारे में मुझे कुछ बताइए न?

चटर्जीबाबू: मैं क्या बताऊँ? फिर भी, कुछ बातें तुम ध्यान में रखना। नये कार्यालय में मन लगाकर काम करना। सभी के साथ मेलजोल रखना। ऑफिस में कई प्रकार की राजनीति होती है। तुम किसी भी दल में मत रहना। तुम और एक बात का भी ध्यान रखना। कोलकाता शहर में गड़बड़ी होती ही रहती है। इसलिए अपरिचित लोगों के साथ मेलजोल मत करना और देर रात तक बाहर मत रहना। यह सब सुनकर तुम डरना मत। फिर भी सावधान रहना अच्छा है। वैसे तो कोलकाता बहुत अच्छा शहर है। वहाँ तुम्हें

	Bengali		Hindi
	গোলমাল লেগেম্প থাকে। তাম্প, অচেনা লোকদের সঙ্গে মেলামেশা করো না। আর বেশি রাত্রি পর্যন্ত বাম্পরেও থেকো না। এসব শুনে তুমি ভয় পেয়ো না। তবুও সাবধানের মার নেম্প। এমনিতে কোলকাতা খুব ভালো শহর। তোমার কোনো অসুবিধা হবে না।		कोई भी परेशानी नहीं होगी।
পাণ্ডে	:আপনাকে অনেক ধন্যবাদ। স্যার, এখন আপনি আমার জন্যে চিন্তা করবেন না।	पांडे	: आपको बहुत धन्यवाद। सर, अब आप मेरी चिंता मत करना।
চ্যাটার্জীবাবু	: ঠিক আছে। যাওয়ার আগে আমার সঙ্গে আর একবার দেখা কোর। শিশিরের টৈলিফোন নাম্বারও নিয়ে নিও।	चटर्जीबाबू	: ठीक है। जाने से पहले एकबार मुझसे मिल लेना। शिशिर का टेलिफोन नंबर भी ले लेना।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
নতুন	नया
পরে	बाद में
পেয়েছি	पाना, मिलना
দয়া	दया, कृपा

মেলামেশা	मेलजोल
গোলমাল	गड़बड़
সুতরাং	इसलिए
অচেনা	अनजान
ভয়	भय, डर
সাবধান	सावधान
এমনিতে	वैसे, ऐसे
আয়কর	आयकर
বিভাগে	विभाग में
চাকরি	नौकरी
তাড়াতাড়ি	जल्दी
আজ্ঞে	जी
চিন্তা	चिंता
সোজা	सीधा
মামাতো	ममेरा
ব্যাপারে	बारे में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. তুমি আগামীকাল এসো। (যেয়ো, পড়)
2. আপনি ভাল করে লিখবেন। (পড়বেন, শুনবেন)
3. আপনারা সবাম্প আসবেন। (যাবেন, বেড়াবেন)

4. তুমি বড় বাজারে যেয়ো। (কিনো, এসো)

5. তুম্প রবিবারের মধ্যে পড়িস। (লিখিস, শিখিস)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. তুমি কাল জলপাম্পগুড়ি ______________ । (যেয়ো, যাও)

2. আপনি আগামী রবিবার আমাদের বাড়ীতে ______________ । (আসুন, আসবেন)

3. আপনারা এম্প সিনেমৗা নিশ্চয় ______________ । (দেখবেন, দেখুন)

4. তুম্প আগামী মাসে কলকাতা ______________ । (যাস, যা)

5. আপনি এম্প বম্পৗা পরে ______________ । (পড়ুন, পড়বেন)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(কর, লিখিস, কিনবেন, খেয়ো, আনবেন)

1. আপনি আমার জন্য কয়েকৗা বম্প ______________।

2. তুমি ভাল করে পড়াশোনা ______________ ।

3. তুম্প মাকে চিঠি ______________ ।

4. আপনি তিনৗে ৗিকি ______________।

5. তুমি আজ রাত্রে হোস্টেলে ______________ ।

IV. **उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

উদাহরণ :

আপনি বেড়াতে যান

আপনি বেড়াতে যাবেন।

1. আপনি ভাল করে লিখুন।
2. আপনি বাম্পরে যান ।
3. আপনারা হোটেলে খান।
4. তুমি একটা ভাল বম্প আন।
5. আপনি টি.ভি. দেখুন।

V. **उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. আপনি সন্ধ্যেবেলা একবার ____________ ।
2. তুমি নিশ্চয় ____________________ ।
3. আপনারা সবাম্প আমাদের স্কুলের অনুষ্ঠানে _________________।
4. তুম্প আমার জন্য একটা খবরের কাগজ __________________ ।
5. আপনি দয়া করে আমার জন্য এক প্যাকেট মিষ্টি ______________ ।

VI. **नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।**

1. রবিবাবু সকাল দশটায় অফিসে যাবেন।

2. কমলার বাড়ি শহর থেকে পনের কি.মি. দূরে।

3. ঋষি বেশ কয়দিন জলপাম্পগুড়িতে আছেন।

4. বুম্বা আজ সাম্পকেল থেকে পড়ে গেছে।

5. মৌ আজ আর স্কুলে যায়নি।

VII. उपयुक्त सर्वनामों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. প্রভাবতী খুব ভালো মেয়ে । ______________ কলেজে পড়ে।
2. সুজাতা দেবী গানে পারদর্শী ছিলেন। এখন আর ________ গান করেন না।
3. অরবিন্দ বাবুর পদোন্নতি হয়েছে। _______ খুব খুশী হয়েছেন।
4. রমেশ কখন পড়ে গেছো! ___________ লাগেনি তো।
5. আমার নাম সুমনা। ___________ মহীশূরে যাওয়ার কথা ছিল।
6. বিড়ালটা দেখতে সুন্দর। ___________ রঙ সাদা।
7. আপনি কোথায় যাবেন? ___________ কবেকার টিকি?
8. দীপ তুমিও কাল যেও। _________ সবাই চেনে।

पढ़िए और समझिए।

আসুন! দেখুন! কিনুন! আइए! देखिए! खरिदिए!

আসুন, শহরে নতুন কাপড়ের দোকান খোলা হয়েছে। সব রকমের পোষাক পাবেন। দেরী করবেন না। আসুন! তাড়াতাড়ি আসুন! আমাদের দোকানে নানা রকমের শাড়ী, সার্ট-প্যান্ট, কাপড়, ছোট মেয়েদের জামা পাবেন। প্রত্যেক জিনিসের দাম অত্যন্ত কম। জলের দামে বিক্রী হচ্ছে। তিনটি জিনিস কিনলে একটি জিনিস বিনা মূল্যে পাবেন। এছাড়া রয়েছে লটারির ব্যবস্থা। একশো টাকার বেশী জিনিস কিনলে প্রত্যেক একশো টাকায় একটা লটারির কুপন পাবেন। আমাদের ঠিকানা -- ৫৫ নম্বর, রামমোহন সরণী, কোলকাতা -- ৯। দোকান সকাল ৮টা থেকে রাত্রি ৮টা পর্যন্ত খোলা। রবিবার দোকান বন্ধ। আসুন আর মাত্র কয়েকদিনের জন্যে এই সুযোগ। বিলম্বে হতাশ হবেন।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
কাপড়ের	कपड़े की
দোকান	दुकान
পোষাক	पोशाक
অত্যন্ত	अत्यंत
বিক্রী	बिक्री
কিনলে	खरीदने, खरीददारी
ঠিকানা	ठिकाना, पता
বন্ধ	बन्द
মাত্র	केवल
সুযোগ	अवसर
বিলম্বে	विलंब से
হতাশ	हताश
হবেন	होंगे
প্রত্যেক	प्रत्येक

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. শহরে কিসের দোকান খোলা হয়েছে?
2. দোকানে কি কি জিনিস পাওয়া যায়?

3. তির্নী জিনিস কিনলে বিনামূল্যে কি পাওয়া যায়?

4. লৌারির কুপন পেতে হলে কি করতে হবে?

5. কোন দিন দোকান বন্ধ?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों का दाहिनी ओर दिए गए विपरीतार्थी शब्दों से मिलान कीजिए।

1. খোলা	বড়
2. ছোৗ	সন্ধ্যা
3. কম	বন্ধ
4. সকাল	বিক্রয়
5. ক্রয়	বেশী

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

তোমাদের সকলকে সকালবেলায় ঘুম থেকে উঠতে হবে। সবাম্পকে প্রার্থনা সভায় যোগদান করতে হবে এবং তারপর তোমরা যে যার কাজে চলে যাবে। অন্তত শনিবার তোমরা বাগানের কাজ করবে। রবিবার গ্রন্থালয়ে দুঘণ্া কাজ করবে। বেলা বারোৗার পর থেকে ছুৗি উপভোগ কর। কেউ আগে কাজ ছেড়ে যাবে না।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

छात्रावास का जीवन बहुत आनंददायक होता है। कई नये-नये मित्रों से पहचान होती है। क्या आप कभी छात्रावास में रहे हैं? यदि कभी ऐसा अवसर मिले तो उसे छोड़ना मत। तत्काल छात्रावास में भर्ती हो जाना।

छात्रावास में रहने के लिए कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना। प्रातःकाल जल्दी उठ जाना। फिर आवश्यक क्रियाओं से निवृत्त होना। इसके पश्चात चाय नाश्ता करने मेस में जाना। मेस के निर्धारित समय का पालन अवश्य करना। नाश्ता करने के बाद शाला जाने की तैयारी में लगना। शाला से लौटकर आप थोड़ी देर विश्राम करना। फिर गृहकार्य पूरा कर लेना। दोनों समय

का भोजन करने के मेस के समय का ध्यान रखकर जाना। मेस में अनुशासन बनाए रखना। रात्री भोजन के पश्चात थोड़ी देर टहल भी सकते हो। रात में पढ़ाई करना और फिर समय पर सो जाना। सोने से पहले तेज रोशनी बुझाना मत भूलना। छात्रावास का जीवन अनुशासन सिखाता है। आप अनुशासन में रहने का पूरा अभ्यास कर लेना।

V. अपने क्षेत्र के किसी ऐतिहासिक स्थल पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में भविष्य काल की आज्ञावाचक क्रिया के रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। मध्यमपुरुष में सम्मानवाचक, सामान्य और तुच्छता बोधक तीनों प्रकार के रूपों में बड़ा अंतर है। सम्मानवाचक सर्वनाम पद के आज्ञावाचक भविष्य के रूप सामान्य भविष्य के समान ही होते हैं। जैसे :

আপনি কাজটা করবেন। आप यह काम कीजिएगा।

আপনি বড়বাবুকে বলবেন। आप बड़े बाबू को बोल दीजिएगा।

इनको निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़ना होता है। जैसे :

আপনি কাজটা করবেন না। आप यह काम मत कीजिएगा।

আপনি চিন্তা করবেন না। आप चिंता मत कीजिएगा।

II. सामान्य मध्यमपुरुष में आज्ञावाचक भविष्य कालीन क्रिया के रूप बनाने के लिए स्वरांत धातुओं के तिर्यक रूप में 'য়ো' (यो) जोड़ते हैं और व्यंजनांत धातुओं के तिर्यक रूपों में 'ও' (ओ) जोड़ते हैं। जैसे :

তুমি শিয়ালদায় যেয়ো। तुम सियालदह जाना।

তুমি কাজটা কোরো। तुम काम करना।

इनको निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़ना होता है। जैसे :

তুমি শিয়ালদায় যেয়ো না। तुम सियालदह मत जाना।

তুমি কাজটা কোরো না। तुम काम मत करना।

III. तुच्छबोधक मध्यमपुरुष में आज्ञावाचक भविष्य के रूप साधारण विधिवाचक जैसे होते हैं। जैसे :

তুই কাজটা করিস। तू काम करना।

তুই শিয়ালদায় যাস। तू सियालदह जाना।

इनका निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़े जाते हैं। जैसे :

তুই কাজটা করিস না। तू काम मत करना।

তুই শিয়ালদায় যাস না। तू सियालदह मत जाना।

পাঠ
पाठ 15

ডাক্তারের সঙ্গে পরামর্শ

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, আমি কি আসতে পারি?

ডাক্তারঃ আসুন। এখানে বসুন। বলুন কি হয়েছে?

মহুয়া : কাল থেকে আমার ছেলের জ্বর হয়েছে। ও কিছু খেতে চাম্পছে না। সব সময় ও কেশেম্প যাচ্ছে।

ডাক্তারঃ আচ্ছা তোমার নাম কি?

মহুয়া : রাজু।

ডাক্তারঃ রাজু এদিকে এসো। এম্প বেঞ্চে বস। একু মুখ খোলো, আমি দেখছি। এখন তুমি এখানে শোও। জোরে নিশ্বাস নাও। ঠিক আছে, ঠিক আছে। এখন উঠে পড়।

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, আমার ছেলের কি হয়েছে?

डॉक्टर से परामर्श

महुआ : डॉक्टर साहब, क्या मैं आ सकती हूँ?

डॉक्टर : आइए। यहाँ बैठिए। बोलिए क्या हुआ है?

महुआ : कल से मेरे लड़के को बुखार हो गया है। वह कुछ भी (खाना) नहीं खा रहा है। खाँसता ही रहता है।

डॉक्टर : अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?

महुआ : राजू।

डॉक्टर : राजू, इधर आओ। इस बेंच पर बैठो। ज़रा मुँह खोलो। मैं देखता हूँ। ठीक है। अब तुम यहाँ लेट जाओ। लंबी साँस लो। ठीक है, ठीक है। अब उठ जाओ।

महुआ : डॉक्टर साहब, मेरे बेटे को क्या हुआ है?

ডাক্তারঃ চিন্তা করবেন না। ঠাণ্ডা লেগে জ্বর হয়েছে? ঋতু পরিবর্তনের সময় এরকম একটু হয়। আমি ওষুধ লিখে দিচ্ছি। এম্প ্যাবলেৌ া দিনে দুবার দেবেন। সকাল ছ া য় একা আর সন্ধ্যে ছ া য় একা। আর এম্প সিরাপা রাত্রে শোয়ার আগে দু চামচ করে দেবেন।

डॉक्टर: चिंता की कोई बात नहीं है। ठंड लग जाने से बुखार हो गया है। ऋतु परिवर्तन के समय थोड़ा बहुत ऐसा हो जाता है। मैं दवाई लिख रहा हूँ। यह गोली दिन में दो बार देना है। एक सुबह छः बजे और एक शाम छः बजे। और यह सीरप रात में सोने के पहले दो चम्मच देना है।

মহুয়া : রাজু কি কি খেতে পারবে?

महुआ: राजू क्या-क्या खा सकता है?

ডাক্তারঃ ওকে এখন ভাত দেবেন না। শুধু দালিয়াম্প দেবেন। ভাজা, ঝাল তরকারী দেবেন না। আপেল বা কমলালেবু দিতে পারেন কিন্তু ক কমলালেবু দেবেন না।

डॉक्टर: इसे अभी चावल मत देना। केवल दलिया ही देना। तली, चटपटी और तीखी सब्जी मत देना। सेव और संतरे भी दे सकते हैं। लेकिन खट्टा मत देना।

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, রাজু ভাত ও ভাজা ছাড়া কিছুম্প খেতে চাম্পছে না। কি করব?

महुआ: डॉक्टर साहब, राजू चावल और तली सब्जी छोड़कर कुछ भी खाना नहीं चाहता। क्या करूँ?

ডাক্তারঃ রাজু তুমি তিন চারদিন দালিয়াম্প খেয়ো। জ্বর ছেড়ে গেলে ভাত তরকারী খেতে পারবে। মায়ের কথা শুনো। দুষ্টুমি করো না।

डॉक्टर: राजू, तुम तीन चार दिनों तक दलिया ही खाना। बुखार ठीक होने के बाद चावल और सब्जी खा सकते हो। माँ की बात मानना। शरारत मत करना।

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, আপনার ফিশা?

महुआ: डॉक्टर साहब, आप की फीस?

ডাক্তারঃ দশ াকা দিন। রাজু কেমন থাকে

डॉक्टर: दस रुपये दीजिए। राजू कैसा है, यह दो दिन बाद बताना।

তা দুদিন পর জানাবেন। | महुआ: अच्छा, मैं चलती हूँ।

মহুয়া : আচ্ছা, আসি।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পরামর্শ	परामर्श
শোও	लेटो
পরিবর্ত্তন	परिवर्तन
ওষুধ	दवा
রুটি	रोटी
কমলালেবু	संतरा
ৃক	खट्टा
দুষ্টুমি	शरारत
কত	कितना
দেব	दूँ
দশ	दस
কেমন	कैसा
ঝাল	तीखी

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আপনারা এম্প বম্পৌ <u>কিনবেন না।</u> (আনবেন না, দেবেন না)
2. তুমি ম্পংরেজী <u>লিখো না</u> । (পড়ো না, শিখো না)

3. আপনি ি. ভি. দেখবেন না। আনবেন না, কিনবেন না)

4. আপনি আজ কোথাও যাবেন না। (খাবেন না, ঘুরবেন না)

5. রোদে রোদে ঘুরো না। (দৌড়িও না, বেড়িও না)

II. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. আপনি আজ বিকেলে ______________। (আসুন, আসেন)

2. আপনি এম্প গরমে বাম্পরে ____________ । (বেরোবেন না, বেরোচ্ছেন না)

3. তুমি কোথাও এখন ______________ । (যেয়ো না, যায় না)

4. আপনারা এখন সকলে এক সঙ্গে ______________। (খাবেন না, খান না)

5. তুমি কাল রমেশ কে চিঠি ______________ । (লেখ না, লিখো না)

III. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(কৌা না, খাবে না, পড়বেন না, দাঁড়াবেন না, ঘুমিয়ো না)

1. আপনি এম্প বম্পা ______________।

2. তুমি সাঁতার __________ ।

3. অফিসে সিগারে ____________ ।

4. তুমি দুপুরে ______________।

5. আমার জন্য বেশীক্ষণ __________ ।

IV. **नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।**

1. বেশী গরম চা খাও।

2. বর্ষায় বাম্পরে বেরোও।

3. আপনি এম্প ভিড় বাসটায় উঠুন।

4. তুমি কাজটা এক্ষুণি কর।

5. আপনারা এখন বাম্পরে যান।

V. **उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. আপনারা ঠাণ্ডায় ______________ না।

2. রাস্তায় আস্তে আস্তে ____________________ না।

3. তুমি এত রাত্রে কোথাও ______________________ না।

4. আপনারা বোর্ডে ______________ না।

5. তোমরা দেরী করে _______________ না।

VI. **उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों को विशेषण में बदलकर नये वाक्य बनाइए।**

উদাহরণঃ অরুণ খুব ভালো সাঁতার কাটে।

অরুণ খুব ভালো সাঁতারু।

1. পিংকির আচার আচরণ গ্রামের লোকের মত।

2. দেবকী সাদা রঙের ফুল খুব পছন্দ করে।

3. ঘোড়া খুব দ্রুত দৌড়োতে পারে ।

4. শ্যামলী খুব ভালো গান করতে পারে।

5. উনি পেশায় একজন শিক্ষক।

पढ़िए और समझिए

স্বাস্থ্যম্প সম্পদ   स्वास्थ्य ही संपत्ति है

ভালো স্বাস্থ্যের জন্য ভালো খাওয়া দরকার। কখনও মনে করবেন না যে ভালো খাওয়া মানেম্প দামী জিনিস খাওয়া। প্রকৃতিতে প্রচুর উপকারী ফল, শাকসব্জি পাওয়া যায়। তার মধ্যে কিছু জিনিসের দাম বেশি এবং কোনো জিনিসের দাম কম ও সহজলভ্য। যেমন -- আপেল, লিচু বেশ দামী ফল। অপরপক্ষে, কলা, পেয়ারা, সফেদা ম্পত্যাদির দাম আবার কম। তাম্প ভাববেন না যে আপেল বা লিচুম্প খেতে হবে। অন্যান্য ফলগুলিও স্বাস্থ্যের পক্ষে উপযোগী ও উপকারী। তাছাড়া নানান সব্জিও পাওয়া যায়। যেমন -- বাঁধাকপি, পালংশাক, নটে শাক, কলমী শাক, কচুশাক ম্পত্যাদি। এগুলিও যথেষ্ট উপযোগী এবং দামও কম।

শরীর সুস্থ ও স্বাভাবিক রাখতে হলে নিয়মিত শরীরের পক্ষে উপযোগী খাবার খাওয়া প্রয়োজন এবং ব্যায়ামেরও প্রয়োজন। তবে ব্যায়াম মানে আধুনিক জিমে যাওয়া নয়। আপনি যন্ত্রপাতি দিয়ে স্বাস্থ্য ঠিক রাখার চেষ্টা করবেন না। সকাল ও সন্ধেবেলায় কোনো মুক্ত নির্মল পরিবেশে হাঁটার অভ্যেস করুন। নিয়মিত যোগ ব্যায়াম দ্বারা শরীর সুস্থ রাখার চেষ্টা করুন।

আপনি অপর্যাপ্ত মিষ্টি, ভাজাভুজি, ঘি, মাখন ম্পত্যাদি বেশী খাবেন না। এছাড়া আমিষ খাবার -- ডিম, মাছ, মাংস ম্পত্যাদি সম্বন্ধেও আজকাল নানা বিরূপ মন্তব্য শোনা যাচ্ছে। বেশি আমিষ খাবারও খাওয়া উচিৎ নয়, তাম্প বেশি আমিষ খাবেন না। মাদক দ্রব্য, মদ্যপানও করবেন না, তাতে শরীর খারাপ হতে পারে।

প্রচুর সব্জি ও জল খান। আপনি যদি এম্পভাবে নিয়ম মেনে চলেন তবে সুলভে সুস্বাস্থ্য লাভ করবেন।

শব্দার্থ

শব্দ **अर्थ**

স্বাস্থ্য	स्वास्थ्य
প্রচুর	प्रचुर, बहुत
উপকারী	उपकारी
সহজলভ্য	उपलब्ध
উপযোগী	उपयोगी
কচু	अरवी, जमींकंद
যথেষ্ট	यथेष्ट, पर्याप्त
নটে	चौलाई
স্বাভাবিক	स्वाभाविक
নিয়মিত	नियमित
প্রয়োজন	आवश्यकता
ব্যায়াম	व्यायाम
আধুনিক	आधुनिक
যন্ত্রপাতি	यंत्र, मशीन
চেষ্টা	कोशिश, प्रयत्न
নির্মল	निर्मल
অভ্যেস	आदत
অপর্যাপ্ত	अपर्याप्त
ভাজাভুজি	तली हुई
সম্বন্ধেও	के संबंध, के बारे में
বিরোধ	विरोध, एतराज
আমিষ	आमिष
	मादक द्रव्य

মাদকদ্রব্য	मद्यपान
মদ্যপান	सुलभ में
সুলভে	सुस्वास्थ्य
সুস্বাস্থ্য	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ভালো স্বাস্থ্যের জন্য কি প্রয়োজন?
2. কোন্ বস্তুগুলির দাম কম অথচ উপকারী?
3. অপর্যাপ্ত পরিমাণ কি খাওয়া উচিৎ নয়?
4. কি গ্রহণ করলে শরীর খারাপ হবে?
5. কখন কোথায় হাঁটা উচিৎ?

I. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. দামী বস্তুকে যত্ন করে রাখতে হবে।
2. প্রিয়ব্রতবাবু নিরামিষ খাবার খান।
3. জীবনের খারাপ অভ্যেসগুলি ত্যাগ করুন।
4. অপ্রয়োজনীয় কথা বল না।
5. খুব কম খাওয়া স্বাস্থ্যের পক্ষে অনুপযুক্ত।
6. সুবল খুব ভালো ছেলে।
7. বেশী রাত জেগে পড়া উচিৎ নয়।
8. কোলকাতা শহরে খাবার খুব সস্তা।
9. আমিষ খাবারেরও যথেষ্ট উপকারিতা আছে।

10. বেঁচে থাকার জন্য সুস্থ ও সুন্দর পরিবেশ খুব প্রয়োজনীয়।

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

প্রত্যেক মানুষের শরীরের প্রতি নজর দেওয়া উচিৎ। এমন কোনো কাজ করা উচিৎ নয় যাতে তোমার শরীরের কোনো ক্ষতি হয়। যেমন -- সকালে দেরি করে উঠবে না, সকালে উঠেম্প হাঁতে যাবে। তারপর ফিরে এসে ব্যায়াম করবে তবে ব্যায়াম করার সময় জল খাবে না। তাতে হিতে বিপরীত হবে। তারপরম্প বিশ্রাম নিয়ে কিছু জলখাবার খেয়ে দিনের কাজ শুরু করে দেবে। কিন্তু জলখাবারে ভাজাভুজি বা মশলাদার খাবার খাবে না। দুপুরবেলায়ও স্বাস্থ্যের পক্ষে উপকারী, স্বাদু খাবার ভালোভাবে খাবে। জলখাবার ও দুপুরের খাওয়ার মধ্যে বেশি সময়ের পার্থক্য রাখবে না। দুপুরের খাবারও কখনো অপর্যাপ্ত খাবে না এবং অত্যন্ত মশলাদার খাবার খাবে না। বিকালেও চা বা কফি খেলে কিছু ক্ষতি হবে না কিন্তু সাধারণভাবে কোনো নেশার বস্তু গ্রহণ না করাম্প ভালো। কোনো প্রকার মাদক দ্রব্য, মদ্যপান ম্পত্যাদি গ্রহণ করো না। মাদক দ্রব্য, মদ্যপান শরীরের পক্ষে অত্যন্ত ক্ষতিকারক। সারাদিন প্রচুর জল খাবে এবং নিয়মিত ব্যায়াম শরীরের পক্ষে খুব ভালো। রাতেও কোনো কিছু হাল্কা খাবার খেয়ে একটু হাঁবে এবং রাতে শুতে দেরি করবে না। এম্প সকল নিয়ম ঠিক মত পালন করো, তবেম্প সুস্থ থাকবে।

II. बंगला में अनुवाद कीजिए।

कमला : डॉ. साहब यह मेरी बेटी मिली है। इसे कल से दाँतों में दर्द है। दर्द के कारण आज यह स्कूल भी नहीं गई।

डॉक्टर : बेटी, तुम वहाँ मत खड़ी रहो। यहाँ स्टूल पर बैठो। मैं तुम्हारे दाँतों की जाँच करता हूँ। (मिली स्टूल पर बैठती है। डॉक्टर जाँच करते हैं।)

डॉक्टर : क्या यह मिठाई ज़्यादा खाती है? इसे अधिक मिठाई मत दीजिए।

कमला : घर में तो मिठाई बहुत कम आती है। हाँ, चाकलेट कभी-कभी ला देते हैं।

डॉक्टर : क्या आप इसे जेब-खर्च देती हैं?

कमला : हाँ, कभी कभी देती हूँ।

डॉक्टर : इतने छोटे बच्चों को अधिक जेब-खर्च मत दीजिए। बेटी, क्या तुम स्कूल में लड़कियों के साथ यह चाकलेट कभी भी खाती हो?

मिली : डॉक्टर अंकल, रोज़ तो नहीं, कभी कभी खाती हूँ।

डॉक्टर : अधिक चाकलेट मत खाना। क्या तुम चाकलेट खाने के बाद कुल्चा करती हो?

मिली : हाँ डॉक्टर अंकल, घर में करती हूँ। लेकिन स्कूल में तो नहीं।

कमला : डॉ. साहब, मैं इसे रोज़ ब्रश करने की याद दिलाती हूँ। हो सकता है, कभी न कर पाती है।

डॉक्टर : खाने के बाद तो हर बार ब्रश करना बहुत ज़रूरी है। रात को सोने से पहले ब्रश करना मत भूलना। दाँतों की देखभाल बहुत ज़रूरी है।

मैं यह दवाई दे रहा हूँ। इसे चार-चार घंटे बाद एक-एक गोली दीजिए। यह दाँतों पर लगाने की दवाई है। रुई में भिगोकर इसे दाँतों पर लगाएँ। दो दिन बाद उसे फिर दिखाना मत भूलना।

कमला : जी डॉ. साहब! यह लीजिए आपकी फीस।

डॉक्टर : धन्यवाद।

कमला : अच्छा नमस्कार!

III. अपने बीमार मित्र का हालचाल जानने के लिए 'छोटा संवाद' बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में आज्ञावाचक वर्तमान के निषेधात्मक रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। आज्ञावाचक वर्तमान रूपों के निषेधात्मक वाक्य भविष्य निषेधात्मक आज्ञावाचक के समान होते हैं। जैसे :

আপনি বলুন।	আপনি বলবেন না।
आप बोलिए।	आप मत बोलिए।
তুমি শোও।	তুমি শুয়ো না।
तुम लेटो।	तुम मत लेटो।

तुम्प खा।	**तुम्प खास ना।**
तू खा।	**तू मत खा।**

পাঠ
पाठ **16**

বাংলা শেখা

শিক্ষক : বা! আপনারা তো বাংলা ভালোম্প বলছেন। কিন্তু, এখনও আরো ভাল শেখার দরকার। কথা বলার সময় উচ্চারণের দিকে বিশেষ লক্ষ্য রাখা দরকার।

১ম ছাত্র : স্যার, উচ্চারণ ভাল করার উপায় কি?

শিক্ষক : প্রথমে বাংলা ভালো করে শোনা দরকার। তাহলে আপনারা সঠিক উচ্চারণ বুঝতে পারবেন। এর জন্য রেডিওতে বাংলা সংবাদ শোনার অভ্যেস করুন। বাঙালী বন্ধুদের সঙ্গে বাংলায় কথা বলার সময়ে ওদের উচ্চারণের দিকে নজর রাখবেন।

২য় ছাত্র : স্যার, কথা বলার সময়ে সঠিক শব্দ মনে আসে না। তাম্প অনেক সময় বাক্য অসম্পূর্ণম্প থেকে যায়।

बंगला सीखना

शिक्षक: वाह! आपलोग तो बंगला अच्छी तरह बोल रहे हैं। किंतु अभी और भी अच्छी तरह सीखने की आवश्यकता है। बात करते समय उच्चारण की ओर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

पहला : सर, उच्चारण ठीक करने का उपाय छात्र क्या है?

शिक्षक: पहले बंगला को ठीक से सुनना चाहिए। उससे आप उच्चारण ठीक तरह से समझ सकेंगे। इस के लिए रेडियो से बंगला समाचार सुनने का अभ्यास कीजिए। बंगाली मित्रों के साथ बंगला में बात करते उनके उच्चारण की ओर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

दूसरा : सर, बात करते समय सही शब्द छात्र याद नहीं आता है। इससे बहुत बार वाक्य अधूरा ही रह जाता है।

শিক্ষক : আসলে সঠিক শব্দ আপনার জানা নেম্প। এর জন্য প্রতিদিন খবরের কাগজ পড়া দরকার। এর সাথে লাম্পব্রেরী থেকে বাংলা বম্প ও পত্রিকাও নেওয়া ভাল। তাহলে অনেক শব্দ শিখতে পারবেন।

शिक्षक: असल में सही शब्द आपको मालूम नहीं होता। इसके लिए प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना चाहिए। इसके साथ बंगला पुस्तकें और पत्रिकाएँ भी लाईब्रेरी से लेना अच्छा है। इस से उनके शब्द जान सकते हैं।

৩য় ছাত্র : স্যার, আমরা কি করে ভালো বাংলা লেখা শিখতে পারব?

तीसरा : सर, सुंदर लिखना कैसे संभव है? छात्र

শিক্ষক : তারজন্য নিয়মিত লেখা অভ্যেস করা দরকার। কিন্তু বাংলা লেখা শেখার আগে ভাল করে বলার, শোনার ও পড়ার অভ্যেস করা উচিৎ। যদি এভাবে অভ্যেস করেন তাহলে বাংলা লিখতে কোনো অসুবিধাম্প হবে না।

शिक्षक: इसके लिए नियमित रूप से अभ्यास करने की आवश्यकता है। लेकिन बंगला लिखना सीखने के पहले ठीक-ठीक बोलने का अभ्यास करना चाहिए। यदि आप ऐसा अभ्यास करेंगे तो बंगला लिखना सीखने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

১ম ছাত্র : তবুও বাংলা শেখা সহজ নয়।

पहला : फिर भी बंगला सीखना इतना छात्र आसान नहीं है।

শিক্ষক : কোনো ভাষা শেখাম্প কঠিন নয়। ভাষা শেখা আমাদের অভ্যেসের উপর নির্ভর করে। বিশেষ করে হিন্দী ভাষীদের পক্ষে তো বাংলা শেখা খুবম্প সহজ।

शिक्षक: कोई भी भाषा सीखना कठिन नहीं है। भाषा सीखना हमारे अभ्यास पर निर्भर करता है। विशेष तौर पर हिंदी भाषियों के लिए तो बंगला सीखना बहुत आसान है।

৩য় ছাত্র : হ্যাঁ স্যার। হিন্দী আর বাংলার মধ্যে

छात्र : हाँ सर। हिंदी और बंगला में बहुत सारी समानताएँ हैं।

অনেক মিল আছে।

শিক্ষক : কিন্তু অমিলও কম নেম্প। মিল ও অমিল কোথায় কোথায় আছে লক্ষ্য রাখলে ভুল কম হবে। আচ্ছা এখন আপনারা বাংলাতে একৗ গল্প লিখুন।

১ম ছাত্র : স্যার, আমি কি পঞ্চতন্ত্রের একৗ গল্প লিখব?

শিক্ষক : আচ্ছা প্রথমে ঐ গল্পৗ ক্লাসের সবাম্পকে শোনান। তারপরে সব ছাত্র গল্পৗ নিজের ভাষায় লিখবেন।

शिक्षकः लेकिन असमानताएँ भी बहुत हैं। समानताएँ और असमानताएँ कौन-कौन सी हैं, इनका ध्यान रखने से गलतियाँ कम होंगी। अब आप बंगला में एक कहानी लिखिए।

पहला छात्र : सर, क्या मैं पंचतंत्र की एक कहानी लिखूँ?

शिक्षकः अच्छा, पहले आप वह कहानी पूरी कक्षा को सुना दीजिए। बाद में सब छात्र अपने-अपने शब्दों में उस कहानी को लिखेंगे।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
শেখা	सीखना
লক্ষ্য রাখা	ध्यान रखना
উপায়	उपाय
সঠিক	सही
নিয়মিত	नियमित
তবুও	फिर भी
কঠিন	कठिन

নির্ভর	निर्भर
লিখুন	लिखिए
শোনা	सुनना
নজর	नज़र, दृष्टि
বাক্য	वाक्य
অসম্পূর্ণ	अधूरा
আসলে	असल में
পত্রিকা	पत्रिका
মিল	समानताएँ
অমিল	असमानताएँ
গল্প	कहानी

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. বেশীক্ষণ ধরে শোওয়া ভাল নয়। (ঘুমানো, দাঁড়ানো)
2. আমার পড়া দরকার। (কাজ করা, সাঁতার কাটা)
3. আমার লেখা হল না। (পড়া, দেখা)
4. ভীড় বাসে ওঠা কঠিন। (চড়া, যাওয়া)
5. ঠিক সময়ে কাজ করা উচিৎ। (ওঠা, খাওয়া)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমার ঠিক সময়ে ______________ অভ্যাস। (বেড়ানো, বেড়াতে, বেড়াবো)
2. ভোরবেলা ঘুম থেকে ________ স্বাস্থ্যের পক্ষে ভাল। (উঠতে, ওঠা, উঠব)
3. ________ ভাল ব্যায়াম। (সাঁতার কাটতে, সাঁতার শেখা, সাঁতার কাটা)
4. তোমার কথা কি ____________ পারি ? (ভুলতে, ভোলা, ভুলি)
5. ওখানে আমার __________ দরকার। (যেতে, যাওয়া, যাবে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(করা, চড়া, হাঁটা, তোলা, দেখা)

1. কুয়ো থেকে জল ____________ কঠিন।
2. সকলের কাজ ____________ উচিত।
3. ঘোড়ায় ______________ ভাল ব্যায়াম।
4. বেশী সিনেমা ___________ ভাল নয়।
5. ভীড় বাসে ________ সহজ নয়।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

উদাহরণঃ বেশীক্ষণ ঘুমোনো ভাল।

বেশীক্ষণ ঘুমোনো ভাল নয়।

1. আমার ভোরবেলা চা খাওয়া অভ্যাস।
2. ছবি দেখে আঁকা সহজ।
3. হেঁটে হেঁটে অফিসে যাওয়া কঠিন।

4. লাম্পব্রেরী থেকে বম্প খোঁজা সহজ।
5. চশমা ছাড়া দেখা সম্ভব।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমার বম্প ________________ অভ্যাস।
2. এম্প পেন দিয়ে ____________ কঠিন।
3. আপনার কি প্রতিদিন ______________ অভ্যাস?
4. না বুঝে কাজ ______________ ঠিক হয়নি।
5. আমার জন্যে ________________ দরকার ছিলো না।
6. সংবাদপত্র, গল্পের বম্প ভাষা শিক্ষার ________________ ।
7. উচ্চারণের দিকে ______________ দেওয়া ভাল।
8. নিয়মিত সংবাদপত্র ___________ উচিৎ।
9. সবার পক্ষে, ছবি _____________ সহজ নয়।
10. সুস্বাস্থ্যের জন্য ভালো খাদ্য _________________ করা উচিৎ।

पढ़िए और समझिए :

একটি চিঠি एक चिट्ठी

এলাহাবাদ

৪. ০৯. ০৪

প্রিয় রজনীশ,

অনেকদিন তোমার কোনো চিঠি পাম্পনি। আশা করি তুমি ভালোম্প আছ। আমি এবার গ্রীষ্মের ছুঁটিতে বেনারসে যাচ্ছি। তুমিও এসো কিন্তু। আসার সময় একৗা ভালো বাংলা বম্পও কিনে এনো। এখানে প্রায় বাংলা বম্প পাওয়া যায় না। লাম্পব্রেরীতে যত বাংলা বম্প আছে, আমার সব নেওয়া হয়ে গেছে। সেগুলো পড়াও হয়ে গেছে। এখন আর লাম্পব্রেরীতে নতুন কোনো বম্প পাওয়া যাচ্ছে না। আমার আবার ঘুমানোর সময় বম্প পড়ার অভ্যাস। তাম্প খুব অসুবিধাও হচ্ছে। এখানে বাংলা ভাষায় কথা বলার অভ্যেসও চলে যাচ্ছে। এখানে আমার কয়েকজন বাঙালী বন্ধু অবশ্য আছে। আমি সেখানে গিয়ে বাংলা কথা বলার অভ্যেস বজায় রাখার চেষ্টা করি। ভাষা অনুশীলনের জন্য সেম্প ভাষার গান শোনা একর্টি সুন্দর পদ্ধতি বলে মনে করি। আমি এখন গুজরার্টি ভাষা শেখার জন্য একর্টি ভাষা শিক্ষাকেন্দ্রে ভর্ত্তি হয়েছি।

যাম্প হোক, তুমি যখন আসবে তখন সামনাসামনি কথা হবে। আমি আগে থেকেম্প বেড়ানোর অনেক পরিকল্পনা করে রেখেছি। তুমি এলে তবেম্প আমরা একসঙ্গে বেড়াতে যাব। সেখানে বেড়ানোর অনেক সুন্দর জায়গা আছে।

আমি ভালো আছি। তুমি কেমন আছ? বাড়ীর বড়দের আমার প্রণাম জানিও। তুমি আমার ভালোবাসা নিও। উত্তর দিও।

ম্পতি

সঞ্জয়

শ্রী রজনীশ রায়

১৫, রামনগর রোড

কলকাতা - ৪০

শব্দার্থ

शब्द	अर्थ
আশা করি	आशा करता हूँ
গ্রীষ্মের	ग्रीष्म की
ছুটিতে	छुट्टी में
নেওয়া	लेना
নতুন	नया, नूतन
পাওয়া	मिलना
ঘুমানোর	सोने का
কয়েকজন	कई लोग
বন্ধু	मित्र
শিক্ষাকেন্দ্র	शिक्षा केंद्र
ভর্ত্তি	भर्ती
অনুশীলনের	अनुशीलन की
পদ্ধতি	पद्धति
সামনাসামনি	आमने-सामने, प्रत्यक्ष
পরিকল্পনা	परिकल्पना
বড়দের	बड़ों का
প্রণাম	प्रणाम
ভালোবাসা	प्यार
স্পতি	इति

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পত্রলেখক গ্রীষ্মের ছুঁটিতে কোথায় যাচ্ছেন?
2. লেখক তার বন্ধুকে কি আনতে অনুরোধ করেছেন?
3. কোনো ভাষার অনুশীলন করার সব থেকে ভালো পদ্ধতি কি?
4. লেখক কোন ভাষা শিখতে শিক্ষাকেন্দ্রে ভর্তি হয়েছেন?
5. লেখক কিসের পরিকল্পনা করে রেখেছেন?

II. दिए गए वाक्यों में से पाँच जोड़ी समानार्थक शब्द निकालकर लिखिए।

1. আমরা গ্রীষ্মের ছুঁটিতে সবাম্প মিলে পুরী বেড়াতে যাচ্ছি।
2. আপনারা সামনাসামনি কথা বলে সব ঠিক করে নিন।
3. সোমা সর্বদাম্প বেড়ানোর জন্য তৈরী।
4. দেবকী কোন্ পদ্ধতিতে রান্না করেছে?
5. বেশি বন্ধু করা ভালো না।
6. আমি প্রত্যক্ষভাবে ঈশ্বরকে দেখিনি।
7. বেশি রোদে ঘোরাঘুরি করো না।
8. বিদেশীদের কাজের রীতিম্প আলাদা।
9. রাজা মহাশয়ের মিত্র সংখ্যা অনেক বেশি।
10. গরমকালে আমরা সবাম্প সাঁতারের ক্লাবে ভর্তি হব।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

কলকাতা

১২.৯.০৪

প্রিয় সঞ্জয়,

তোমার চিঠি পেলাম। সেখানে তোমার বাংলা শেখারও চেষ্টা দেখে খুবম্প খুশী হলাম। বাংলা কথা অনেকেম্প বলতে পারে ও লিখতে পারে, কিন্তু ভালো বাংলা শেখা কিন্তু আলাদা ব্যাপার। বাংলা বম্প পাওয়া যাচ্ছে না বলে দুঃখ করো না। আমি তোমার জন্য ভালো বম্প পাঠাবার চেষ্টা করব।

আর কি? আজ এতদূর থাক্। আমি বেনারসে যাব, তারপরম্প আমি ও তুমি বেড়ানোর পরিকল্পনা করে ঘুরব।

বড়দের প্রণাম দিও এবং তুমি আমার ভালোবাসা নিও। দেখা হবে।

ম্পতি

রজনীশ

শ্রী সঞ্জয় চক্রবর্তী

১২/৩ শ্রীপুর

এলাহাবাদ

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

शिक्षा के अनेक माध्यम हैं। उनमें से टेलीविज़न भी एक सशक्त माध्यम है। हर माध्यम में कई कमियाँ, कई विशेषताएँ और कई अच्छाइयाँ, बुराइयाँ हो सकती हैं। जितनी अच्छाइयाँ और विशेषताएँ हैं हमें उनकी ओर ध्यान देना चाहिए।

टेलीविज़न में अनेक शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। उनसे हमारे बच्चों को शिक्षा मिल सकती है। उनकी बुद्धिलब्धि बढ़ सकती है। वे बच्चों को तैरता देखकर तैराक बनें। दौड़ता हुआ देखकर धावक बनें। गाता हुआ देखकर गायक बनें। ऐसी प्रेरणा उन्हें मिलना चाहिए। हम अपने बच्चों को ऐसे प्रेरक कार्यक्रम देखने का अवसर दें।

टेलीविज़न को शिक्षा का एक अच्छा माध्यम बनाने के लिए हमें प्रयत्न करना चाहिए। बच्चों तथा वयस्कों को टेलीविज़न से बहुत कुछ सीखने के लिए हैं।

V. आपके बंगला सीखने के बारे में अपने मित्र को एक पत्र बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में क्रिया धातु से बनी संज्ञाओं का प्रयोग दिखाया गया है। ऐसी संज्ञाएँ बनाने के लिए एकाक्षरी स्वरांत धातुओं में '-ওয়া' (-ओया), एकाक्षरी व्यंजनांत धातुओं में '-আ' (-आ) और अन्य धातुओं में 'নো' (नो) जोड़ा जाता है। जैसे :

নেওয়া	(নে + ওয়া)	लेना
যাওয়া	(যা + ওয়া)	जाना
শেখা	(শেখ + আ)	सीखना
শোনা	(শোন + আ)	सुनना
বেড়ানো	(বেড়া + নো)	घूमना
ঘুমোনো	(ঘুমো + নো)	सोना

ध्यान रखें कि इन धातुज (कृदंत) संज्ञाओं से भी अन्य संज्ञाओं की तरह विभक्ति लगाकर प्रयोग कर सकते हैं। जैसे :

বলার	(বলা + র)	बोलने की
যাওয়ার	(যাওয়া + র)	जाने की
ঘুমানোর	(ঘুমানো + র)	सोने की

পাঠ
पाठ 17

দুর্গাপূজা

শর্মা : মিত্রবাবু, কাল রেডিওতে মহালয়ার অনুষ্ঠান শুনলাম। খুব ভাল লাগল।

মিত্র : দুর্গাপূজা তো এসেম্প গেল। আর তো মাত্র কিছুদিন বাকী। আপনি এবার পূজোতে কোলকাতায় থাকছেন নাকি?

শর্মা : শুনেছি, দুর্গাপূজা বাঙালিদের সবচেয়ে বড় উৎসব। এবারে প্রথম কোলকাতায় থাকার সুযোগ পেয়েছি। আমি এ সুযোগ হাতছাড়া করছি না। ভাবছি এবার পূজোতে কোলকাতায় থাকব। বাঙালিদের দুর্গাপূজা সম্পর্কে আমার কোনো ধারণাম্প নেম্প।

মিত্র : আজকাল বেশীরভাগ পূজোম্প বারোয়ারী ভাবে হয়। তবে এখনও কিছু কিছু পারিবারিক পূজোও চালু আছে।

শর্মা : আচ্ছা, বারোয়ারী ব্যাপারা কি? কিভাবে এম্প পূজো করা হয়?

दुर्गापूजा

शर्मा : मित्रबाबू, कल रेडियो में मैंने महालया का कार्यक्रम सुना। बहुत अच्छा लगा।

मित्र : दुर्गापूजा तो आ ही गई है। केवल कुछ दिन ही बाकी है। पूजा में इसबार आप कोलकाता में रूकेंगे क्या?

शर्मा : सुना है दुर्गापूजा बंगालियों का सबसे बड़ा उत्सव है। इस बार कोलकाता में रहने का सुअवसर पहली बार मिला है। मैं इस अवसर को हाथ से नहीं जाने दूँगा। सोच रहा हूँ इस बार कोलकाता में ही रहूँ। बंगालियों की दुर्गापूजा के संबंध में मेरी कोई जानकारी ही नहीं है।

मित्र : आजकल यह पूजा सार्वजनिक रूप से मनाई जाती है। कोई लोग इसे पारिवारिक स्तर पर भी मनाते हैं।

शर्मा : अच्छा, यह सार्वजनिक पूजा क्या है? इसे किसप्रकार मनाया जाता है?

মিত্র : বারোয়ারী মানে সর্বজনীন। সবাম্প মিলে চাঁদা তুলে পূজোর আয়োজন করে। পূজোর প্রায় একমাস আগে থেকেম্প চাঁদা তোলা শুরু হয়।

শর্মা : দুর্গাপূজা কিভাবে পালন করা হয়?

মিত্র : আশ্বিন মাসের শুক্লা ষষ্ঠীর দিন দেবী দুর্গার বোধন হয়। তারপর সপ্তমী, অষ্টমী ও নবমী তিনদিন ধরে পূজো হয়। এম্প কদিন সকলে নতুন জামাকাপড় পরে। পূজোর কৈাদিন চারিদিক আলো দিয়ে সাজানো হয়। পূজোর সময় বিভিন্ন মণ্ডপে সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়। মণ্ডপে মণ্ডপে প্রচণ্ড ভীড় হয়। দল বেঁধে সকলে এম্প কদিন আসে প্রতিমা দেখতে ও মণ্ডপ সজ্জা দেখতে। দশমীর দিন প্রতিমা বিসর্জন দেওয়া হয়। সেদিন সবাম্প পরস্পরকে প্রীতি ও শুভেচ্ছা বিনিময় করে। সবাম্প বড়দের প্রণাম করে। সমবয়স্ক লোকেরা কোলাকুলি করে।

শর্মা : তাহলে দেখছি, দুর্গাপূজার উৎসব পশ্চিমবঙ্গে বেশ জাঁকজমক সহকারে

मित्र : सार्वजनिक का अर्थ है सभी लोगों की। सब लोग मिलकर चंदा इकट्ठा करके पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के लगभग एक महीने पहले ही चन्दा उगाहना शुरु हो जाता है।

शर्मा : दुर्गापूजा कैसे मनाई जाती है?

मित्र : आश्विन महीने में शुक्लपक्ष की छठी के दिन देवी दुर्गा की पट स्थापना की जाती है। उसके बाद सप्तमी, अष्टमी और नवमी तीन दिन तक पूजा होती हैं। इन दिनों सभी लोग नये-नये कपड़े पहनते हैं। पूजा के दिनों में चारों ओर प्रकाश करके सजावट की जाती है। पूजा के समय विभिन्न मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मंडपों में बहुत भीड़ होती है। सभी लोग इन दिनों प्रतिमाओं के दर्शन करने और मंडप की सजावट देखने आते हैं। दशमी के दिन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है उस दिन सभी लोग परस्पर शुभकामनाओं का आदान प्रदान करते हैं। सभी अपने बड़ों को प्रणाम करते हैं और समवयस्क परस्पर गले मिलते हैं।

शर्मा : इससे तो लगता है दुर्गापूजा पश्चिम बंगाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

मित्र : आप इस बार की दुर्गापूजा में यहीं रह जाइए और घूम-फिरकर सारे

পালন করা হয়।

মিত্র : আপনি এবারের দুর্গাপূজোয় এখানে থেকে যান আর ঘুরে ফিরে সব দেখুন। তাহলে আপনার দুর্গাপূজো সম্বন্ধে আরো পরিষ্কার ধারণা হবে।

दृश्य देखिए। तब आपको दुर्गापूजा के विषय में और भी अधिक जानकारी मिल जाएगी।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
মহালয়া	शारदीय दुर्गापूजा के पूर्व अमावस्या पर होनेवाला संगीतमय आयोजन
গেল	गया
থাকছেন	रह रहे हैं
উৎসব	उत्सव
এবারে	इसबार
সুযোগ	अवसर, सुयोग
বারোয়ারী	सार्वजनिक
পারিবারিক	पारिवारिक
সর্বজনীন	सार्वजनिक
তোলা	उगाहना
কিভাবে	कैसे
আশ্বিন	आश्विन
শুক্লা	शुक्ल
ষষ্ঠী	षष्ठी, छटी

দেবী	देवी
বোধন	घट स्थापना, वंदना
সপ্তমী	सप्तमी
অষ্টমী	अष्टमी
নবমী	नवमी
মণ্ডপ	मंडप
বিসর্জন	विसर्जन
শুভেচ্ছা	शुभकामना
বিনিময়	आदान प्रदान
সমবয়স্ক	समान उम्र के
জাঁকজমক	धूमधाम
সহকারে	के साथ
ধারণা	जानकारी
কোলাকুলি করা	गले मिलना
সাজানো	सजा हुआ
সাংস্কৃতিক	सांस्कृतिक
অনুষ্ঠান	अनुष्ठान
আয়োজন	आयोजन
সম্বন্ধে	संबंधित

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. পূজোর আগে চাঁদা তোলা হয়। (চাওয়া হয়, দেওয়া হয়)
2. মণ্ডপ সাজানো হয়। (তৈরী হয়, বাঁধা হয়)
3. প্রতিমা মণ্ডপে মণ্ডপে রাখা হয়। (তোলা হয়, দেখা হয়)
4. নতুন জামাকাপড় পরা হয়। (কেনা হয়, দেওয়া হয়)
5. কাপড় কাচা হয়। (কেনা হয়, ধোওয়া হয়)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বাসে করে বেনারস ______ । (যাওয়া যায়, যাওয়া হয়)
2. আশ্বিন মাসে দুর্গাপূজা ______ । (করা যায়, করা হয়)
3. রেডিওর খবর বাংলায় ______ । (পড়া হয়, পড়া যায়)
4. পূজোর সময় নতুন কাপড় ______ । (পরা যায়, পরা হয়)
5. রবীন্দ্রনাথকে বিখ্যাত লোক হিসেবে ______ । (মানা যায়, মানা হয়)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(দেখা যায়, করা হয়, যাওয়া যায়, আয়োজন হয়, খাওয়া হয়)

1. বসন্তকালে সরস্বতী পূজো ______ ।
2. শরৎকালে আকাশে মেঘ ______ ।
3. পাঁচ বছর অন্তর নির্বাচনের ______ ।
4. প্রতিদিন রাত্রে রুটি ______ ।
5. আজকাল সব জায়গায় বাসে ______ ।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. প্রত্যেক বছর মিটিং-এর আয়োজন করা হয়।
2. রমেশের বাড়ীতে গান গাওয়া হয়।
3. অনেক রাত্রি পর্যন্ত পড়া যায়।
4. দিনের বেলা আলো জ্বালানো হয়।
5. অনেকদিন মণ্ডপে প্রতিমা রাখা হয়।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. জানলা দিয়ে আকাশ দেখা ________ ।
2. শীতকালে গরমের পোষাক পরতে ________ ।
3. গরমকালে পাখা চালানো ________ ।
4. গরমকালে ছাদে শোওয়া ________ ।
5. সূর্য অস্ত গেলে চারিদিক অন্ধকার হয়ে ________ ।
6. শরৎকালের আকাশ খুব সুন্দর ________ ।
7. পূজোর সময় নতুন পোষাক কেনা ________ ।
8. রামবাবুদের বাড়িতে ________ পূজা ________ ।
9. শরৎকালে শিউলিফুল ________ ।
10. সবাম্পকে শুভেচ্ছা জানানো ________ ।

पढ़िए और समझिए :

শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্বায় शरत चंद्र चट्टोपाध्याय

শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্যায় বাংলা সাহিত্যের একজন দিকপাল লেখক হিসেবে পরিগণিত। গল্পের এবং উপন্যাসের কাহিনী তাঁর নিজের জীবনের অভিজ্ঞতা থেকে লব্ধ। তাম্প তা জীবন্ত। ছো৾বেলা থেকে তিনি নানাস্থানে ঘুরে বেড়িয়েছেন। তাঁর ভবঘুরে জীবনের অভিজ্ঞতার ফল 'শ্রীকান্ত' আত্মজীবনীমূলক উপন্যাস। শরৎচন্দ্র হুগলী জেলার দেবানন্দপুরে জন্মগ্রহণ করেন কিন্তু শৈশব ও কৈশোর কা৾ে মামার বাড়ি ভাগলপুরে। 'শ্রীকান্ত'র অনেক ঘ৾না এম্প ভাগলপুরের অভিজ্ঞতা থেকে পাওয়া। যৌবনে তিনি যাত্রা করেন রেঙ্গুনে। সেখানে বেশ কিছু কাল অতিবাহিত করেন। রেঙ্গুনের অভিজ্ঞতা থেকে পাওয়া যায় রাজনৈতিক উপন্যাস 'পথের দাবী' এবং সামাজিক উপন্যাস 'চরিত্রহীন'। রেঙ্গুনে থাকাকালেম্প শরৎচন্দ্র বাংলা সাহিত্যের একজন গণ্যমান্য লেখক হিসেবে পরিণত হন। রেঙ্গুন থেকে ফিরে শরৎচন্দ্র হাওড়ার শিবপুরে স্থায়ী ভাবে বসবাস শুরু করেন। এম্প সময়ে তিনি রাজনীতিতেও অংশ গ্রহণ করেন। কংগ্রেসের সঙ্গে শরৎচন্দ্রের বিশেষ যোগাযোগ ছিল। সমাজের অবহেলিত মানুষ এবং নারীর মর্যাদা শরৎচন্দ্রের লেখার উল্লেখযোগ্য বৈশিষ্ট্য।

शब्दार्थ

শব্দ	अर्थ
সাহিত্য	साहित्य
দিক্‌পাল	श्रेष्ठ
পরিগণিত	परिगणित
নিজের	अपना
অভিজ্ঞতা	अनुभव

ভবঘুরে	घुमक्कड़
শৈশব	शैशव, बचपन
ঘটনা	घटना
যৌবনে	यौवन में, जवानी में
যাত্রা	यात्रा
কাল	समय
গণ্যমান্য	जाने माने
পরিচিত	परिचित
উপন্যাসের	उपन्यास का
কাহিনী	कहानी
লব্ধ	प्राप्त होना
জীবন্ত	जीवंत
ফল	फल
আত্মজীবনীমূলক	आत्मकथा
কৈশোর	किशोर अवस्था
অতিবাহিত	व्यतीत
অবহেলিত	अवहेलित, उपेक्षित
মর্যাদা	मर्यादा
বৈশিষ্ট্য	विशेषता

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. শরৎচন্দ্রের সাহিত্য জীবন্ত, তার কারণ কি?
2. শরৎচন্দ্রের আত্মজীবনীমূলক উপন্যাসের নাম কি?
3. যৌবনে শরৎচন্দ্র কোথায় যান?
4. শেষ জীবন শরৎচন্দ্র কোথায় অতিবাহিত করেন?
5. শরৎচন্দ্রের লেখার প্রধান বৈশিষ্ট্য কি?

II. नीचे दिए गए वाक्यों में से समानार्थक शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. শিবাজী মহারাষ্ট্রের রাজা হিসাবে পরিগণিত হন।
2. রাজীব খুব ভবঘুরে প্রকৃতির মানুষ।
3. রবীন্দ্রনাথ দিক্‌পাল ব্যক্তি।
4. দার্জিলিঙে প্রচুর পরিমান কমলালেবু পাওয়া যায়।
5. রবীন্দ্রনাথ বহুদিন শিলঙে কাটান।
6. মৃণালের অকারণেস্প বহু জায়গায় ঘুরে বেড়ানোর অভ্যাস।
7. রামচন্দ্র চোদ্দ বছর বনবাসে অতিবাহিত করেন।
8. মহাত্মা গান্ধী 'বাপুজী' নামে গন্য হন।
9. নিউটন বিখ্যাত ব্যক্তি হিসাবে পরিচিত।
10. এখন অভিজ্ঞতা লব্ধ জ্ঞানী ব্যক্তি দেখা যায় না।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

জীবন লব্ধ অভিজ্ঞতা ও সত্য প্রত্যেক মানুষকে শিক্ষা দিয়ে যায়। প্রত্যেক ব্যক্তিস্প শৈশবে সম্পূর্ণ অপরিচিত পরিবেশ থেকেস্প জীবনের শিক্ষা লাভ করে। এস্প শৈশবের

শিক্ষা যৌবনে গিয়েম্প বাস্তবজীবনে কাজে লাগে। শৈশবে নিজের পরিবার থেকে, বিদ্যালয় থেকে যে শিক্ষা হয় তা দিয়েম্প পরবর্তী পারিবারিক জীবন সুন্দরভাবে অতিবাহিত হয়। এম্প শিক্ষা কর্মজীবনেও অনেক সুযোগ এনে দেয়। শৈশব ও যৌবনেম্প আমাদের ভবিষ্যৎ জীবনের জন্য সঠিক আয়োজন করা হয়। আমাদের শৈশবেম্প শিক্ষা দেওয়া হয় -- ঘরে বাম্পরে, গন্য-মান্য, গুরুজন ব্যক্তিদের প্রণাম করা, যে কোনো পরিবেশ নিয়ন্ত্রণ করা, ছোটদের স্নেহ করা, জীবনে সংযম আনা প্রভৃতি । উৎসব অনুষ্ঠানে গন্যমান্য ব্যক্তি এবং সমবয়স্কদের সঙ্গে সম্পর্ক স্থাপন করা। এম্পভাবে আমাদের সংস্কৃতি ও সভ্যতা দিয়ে আমাদের জীবন সাজানো হয়।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

विश्व की प्रत्येक भाषा में कुछ साहित्यकार कालजयी होते हैं। उनका लेखन सदा नवीन रहता है। साहित्यकार जो भी लिखता है वह उसके समय का सत्य होता है। इसीलिए उसे अपने समय का सच्चा प्रतिनिधि माना जाता है।

कई बार कुछ संस्थाएँ श्रेष्ठ साहित्यकारों के सम्मान में विशेष समारोहों का आयोजन करते हैं। फूलमालाओं, गुलदस्तों और शाल, श्रीफल से उनका स्वागत सम्मान किया जाता है।

हमें ऐसे साहित्यकारों पर गर्व है। साहित्यकार का सम्मान संस्कृति के रक्षक के सम्मान जैसा माना जाता है।

हम अपनी दिनचर्या में पुस्तकें पढ़ने को भी शामिल करें। अच्छी पुस्तकें पढ़ें। पुस्तकें पढ़ने से हमारा ज्ञान बढ़ जाता है। पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र और गुरु मानी जाती हैं।

V. मान लीजिए वर्तमान में आप शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। आप शिक्षा व्यवस्था में क्या-क्या परिवर्तन लाना चाहेंगे, उस के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में संयुक्त क्रियावाले वाक्यों का प्रयोग सिखाया गया है। इस पाठ में आनेवाली संयुक्त क्रियाओं को गठन की दृष्टि से निम्नलिखित भागों में बाँट सकते हैं। जैसे :

I. संज्ञा + क्रिया

আয়োজন করে　　आयोजन कर के

প্রণাম করে　　प्रणाम कर के

II. क्रियात्मक संज्ञा + क्रिया

সাজানো হয়।　　सजाना है।

কেনা হয়।　　खरीदना है।

III. संज्ञा + क्रियात्मक संज्ञा + क्रिया

আয়োজন করা হয়।　आयोजन करना (होता) है। / आयोजन किया जाता है।

বিসর্জন দেওয়া হয়।　विसर्जन करना (होता) है। / विसर्जित किया जाता है।

IV. असमापिका क्रिया + क्रिया

থেকে যান।　　रुक जाइए।

বসে পড়ল।　　बैठ गया है।

V. संयुक्त क्रिया का अंतिम भाग सदा कर्ता के अनुसार रूप प्राप्त करता है। किन्तु मुख्य क्रिया का अर्थ उसके पूर्व में विद्यमान संज्ञा, क्रियात्मक संज्ञा या असमापिका क्रिया ही वहन करती हैं।

ऐसी क्रियाओं का निषेधात्मक रूप बनाने के लिए अंतिम क्रिया के बाद 'না' (ना) 'নি' (नि) लगाते हैं। जैसे:

আয়োজন করা হয় না। आयोजन नहीं करना है।

বসে পড়েনি।　　नहीं बैठ गया।

VI. इस पाठ में कर्मवाच्य के वाक्यों का भी परिचय दिया गया है। जैसे:

মণ্ডপে সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়।
मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

দুর্গাপূজা পশ্চিমবঙ্গে খুব ধুমধামের সাথে পালন করা হয়।
दुर्गापूजा पश्चिम बंगाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

ব্যাঙ্গালোর কি বাসে করে যাওয়া যায়?
क्या हम बस से बैंगलोर जा सकते हैं?

ध्यान दें कि, बंगला में कर्मवाच्य के वाक्य बनाने के लिए मुख्य क्रिया के भूतकालिक कृदंत रूप के बाद হয় (हय) अथवा या (जा) क्रिया के विविध रूप काल के अनुसार प्रयुक्त होता है।

পাঠ
पाठ
18

অবসর জীবন	सेवा निवृत्ति का जीवन
সমীর : শশীবাবু কেমন আছেন? ভাল আছেন তো?	समीर : शशिबाबू, कैसे हैं? ठीक तो हैं?
শশীবাবু : আমাদের আবার ভাল! দিন গুনছি কবে চোখ বুজবো।	शशिबाबू : हमलोग और ठीक! बस दिन गिन रहा हूँ, पता नहीं कब आँख बंद हो जाएँ।
সমীর : ও কথা বলছেন কেন?	समीर : ऐसी बात क्यों कह रहे हैं?
শশীবাবু : এখন আর কিছুই ভাল লাগে না। হাতে কোনো কাজ নেই। বিশ্রাম আর শুধু বিশ্রাম। তাও আর ভাল লাগছে না।	शशिबाबू : अब और कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हाथ में कोई काम नहीं। आराम और केवल आराम! वह भी अब अच्छा नहीं लगता।
সমীর : এর জন্যে ভাববেন না। আপনি তো অফিস থেকে অবসর নিয়েছেন। এখন কিছু একটা নিয়ে থাকুন। তাহলে দেখবেন, আপনার সব কিছুই ভাল লাগবে।	समीर : इसके लिए चिन्ता न करें। आपने तो ऑफिस से अवकाश ले लिया है। कुछ न कुछ करते रहिए। तब आप देखेंगे कि आपको सब कुछ अच्छा लग रहा है।
শশীবাবু : হ্যাঁ। অবসরের আগে অনেক কথা মাথায় আসতো। ভাবতাম অবসরের	शशिबाबू : हाँ। सेवा निवृत्ति के पूर्व अनेक बातें मस्तिष्क में आती थीं।

পর এম্প করবো, সেম্প করবো। কিন্তু এখন সবম্প ফাঁকা ফাঁকা লাগছে।

সমীর : আমারও অবসরের সময় হয়ে এল। ভাবছি বাগানের কাজে বেশী সময় দেবো। এখন নানান কাজের ঝামেলায় বাগান দেখতে পারি না। বাগানেব সব কাজ মালীম্প দেখাশোনা করে।

শশীবাবু : আপনার তো এম্প সুবিধা আছে। আগে থেকেম্প আপনার বাগানের শখও আছে আর মালীর সাহায্যাও পান। অবসরের পর আপনি আরামে বাগান নিয়েম্প থাকতে পারবেন। এখন আমি বুঝতে পারছি যে, প্রত্যেক মানুষেরম্প কিছু না কিছু শখ থাকা ভাল। তাহলে সময় কাাতে অসুবিধা হয় না। কিন্তু আমার তো কোনো শখম্প নেম্প। তাম্প আমি কি যে করি।

সমীর : আপনি এক কাজ করুন। আপনার বাড়িা তো বেশ বড়

सोचता था सेवा निवृत्ति के बाद यह करूँगा, वह करूँगा। किन्तु अब सब कुछ फीका-फीका लग रहा है।

समीर : मेरा भी सेवा निवृत्ति का समय निकट आ रहा है। सोचता हूँ बागवानी में अधिक समय लगाऊँगा। अभी नाना प्रकार के कामों के झमेले में बगीचा नहीं देख पा रहा हूँ। अभी सब काम माली ही कर रहा है।

शशिबाबू : आपको यह सुविधा पहले से ही उपलब्ध है। क्योंकि आपको बागवानी का शौक है और माली की सहायता भी। सेवा निवृत्ति के बाद आप आराम से बागवानी कर सकते हैं। अब मेरी समझ में आ गया है कि प्रत्येक मनुष्य का कुछ न कुछ शौक होना चाहिए। इस से समय काटने में कठिनाई नहीं होती। किन्तु मेरा तो कोई शौक ही नहीं है। तो मैं क्या करूँ?

समीर : आप एक काम कीजिए। आपका घर भी बहुत बड़ा है न? आप छोटे बच्चों के लिए एक स्कूल खोल लीजिए। बंगला माध्यम के बच्चों के लिए यहाँ कोई अच्छा नर्सरी स्कूल नहीं है। इसलिए यदि आप ऐसा स्कूल खोल लें तो वह अच्छा

তাম্পনা! আপনি ছৌ বাচ্চাদের জন্যে একৌা স্কুল খুলুন। বাংলা মাধ্যমের ছৌদের জন্যে এখানে ভাল নার্সারী স্কুল নেম্প। সুতরাং আপনি যদি একৌা এম্প রকম স্কুল খোলেন তবে ভালোম্প চলবে।

শশীবাবু : কিন্তু বাবা-মায়েরা কি বাচ্চাদের বাংলা মাধ্যম স্কুলে ভর্তি করবে?

সমীর : নিশ্চয়ম্প ভর্তি করবে। এখানে ভাল বাংলা নার্সারী স্কুল নেম্প। তাম্প সবাম্প তাদের বাচ্চাদের ম্পংরেজি মাধ্যম স্কুলে ভর্তি করছেন। যদি আপনি একৌা বাংলা মাধ্যমের স্কুল খোলেন তাহলে বহু মা-বাবারাম্প তাদের বাচ্চাদের স্কুলে ভর্তি করবেন।

শশীবাবু : আচ্ছা, নার্সারী স্কুল খোলার জন্যে কি সরকারী অনুমতি দরকার?

সমীর : না, নার্সারী স্কুল খোলার জন্যে সরকারী অনুমতির দরকার নেম্প। প্রাথমিক বা মাধ্যমিক স্কুল খোলার জন্যেম্প সরকারী অনুমতির

चलेगा।

शशिबाबू : किन्तु क्या माँ-बाप बच्चों को बंगला माध्यम के स्कूलों में भर्ती कराएँगे?

समीर : निश्चय ही भर्ती कराएँगे। यहाँ अच्छा बंगला नर्सरी स्कूल नहीं है। इसीलिए सब लोग अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों में भर्ती कराते हैं। यदि आप एक बंगला माध्यम का स्कूल खोलेंगे तो बहुत सारे माँ बाप अपने बच्चों को वहाँ भर्ती करवाएँगे।

शशिबाबू : अच्छा क्या नर्सरी स्कूल खोलने के लिए सरकारी अनुमति आवश्यक है?

समीर : नहीं, नर्सरी विद्यालय खोलने के लिए सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। प्राथमिक या माध्यमिक विद्यालय खोलने के लिए तो ज़रूर सरकारी अनुमति की आवश्यकता होती है। नर्सरी स्कूल के लिए आप पहले अच्छे शिक्षक शिक्षिकाओं की खोज करें। उसके बाद अन्य व्यवस्थाएँ हम सभी मिलकर कर लेंगे। चिन्ता मत कीजिए। छात्र-छात्राओं का कोई अभाव नहीं

दरकार। একটি নার্সারী স্কুলের জন্যে আপনি প্রথমে ভাল শিক্ষক শিক্ষিকার খোঁজ করুন। তারপর অন্যান্য ব্যবস্থা আমরা সবাই করবো। চিন্তা করবেন না। ছাত্র-ছাত্রীর কোনো অভাব হবে না।

শশীবাবু : বেশ। তাহলে আপনারা সবাই সাহায্য করুন। এটা একটা ভাল কাজও বটে। আমার সময়ও ভাল কেটে যাবে।

होगा।

शशिबाबू : ठीक है। तो फिर आप सब मेरी सहायता कीजिए। यह एक अच्छा काम भी है। मेरा समय भी ठीक तरह से कट जाएगा।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
চোখ	आँख
বুজবো	मूंदना, बंद होना
বিশ্রাম	विश्राम
অবসর	अवकाश, निवृत्ति
থাকুন	रहिए
আগে	पूर्व, पहले
মাথায়	माथे में
ফাঁকা ফাঁকা	फीका-फीका
ভাবতাম	सोचता था
ঝামেলায়	झमेले में

মালী	माली
শখ	शौक
বাচ্চাদের	बच्चों को
মাধ্যম	माध्यम
ভর্তি	भर्ती
নিশ্চয়	निश्चय
অনুমতি	अनुमति
অভাব	अभाव
সাহায্য	सहायता

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আপনি চিঠি পড়বেন। (লিখবেন, দেখবেন)
2. আমার খাওয়া হয়েছে। (লেখা, পড়া)
3. সে কাজটা করে নি। (দেখে, শেখে)
4. তুমি রবিবারে এসো। (যেয়ো, পোড়ো)
5. আপনি কোথায় যাবেন ? (খাবেন, শোবেন)

II. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. এলাহাবাদে ট্রেনে যাওয়া ________ ।
2. কলকাতায় সব জিনিস পাওয়া ________ ।
3. একাজ খুব সহজে ________ যায়।

4. আপনি আগামী রবিবার ______________ ।

5. ঠিক সময়ে ঘুম থেকে __________________ ভাল।

6. রোজ সকালে পার্ক বা খোলা স্থানে ___________________ ভাল।

7. রোজ ঝাল মসলাদার খাবার _____________ উচিৎ নয়।

8. ব্যস্ত রাস্তায় _____________ ভাল নয়।

9. বাগানে অনেক সুন্দর ফুল ______________ আছে।

10. পরীক্ষার খাতায় দ্রুত ___________ দরকার।

III. উपयुक्त स्थान पर হয় (हॅय) या যায় (जाय) शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ব্যাঙ্গালোর কি বাসে করে যাওয়া ______________ ?

2. এস্প অনুষ্ঠানৗ সাধারণত সন্ধ্যেবেলা করা ______________________ ।

3. এস্প রাস্তৗ ব্যবহার করা ____________________ না।

4. পুজোর সময় গান গাওয়া ___________________ ।

5. এখান থেকে সহজেস্প মাদ্রাজ যাওয়া __________________ ।

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(দেখবেন, যাব, পড়বে, যাবে, যাবেন)

1. আপনি কোথায় _______________?

2. আমি বাজারে __________ ।

3. আপনি সিনেমা _______________ ।

4. তুমি কোথায় ___________ ?

5. সে কি বস্প __________________ ?

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি চিঠি ____________________। (লিখবো, লিখবেন)
2. আপনি কাজ্া _________________। (করবেন, করবে)
3. তুমি কাপড়্া _________________। (কেচো, কাচি)
4. সে কোথায় _______________? (যাবে, যাবেন)
5. রমেশ রবিবার বাড়ী _________________। (যাবেন, যাবে)

पढ़िए और समझिए।

পর্যন কেন্দ্রে পরিচ্ছন্নতার প্রয়োজনীয়তা **पर्यटन केंद्रों में स्वच्छता की जरूरत**

সেবারে আমরা যাচ্ছিলাম পন্থনগর থেকে নৈনিতাল। আমরা ছিলাম পন্থনগর গোবিন্দ বল্লভ পন্থ কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ের অতিথি নিবাসে। বাসে করে নৈনিতাল গেলাম। নৈনিতালের হ্রদ দেখার মতো। কিন্তু এক্া জিনিস দেখে খুব খারাপ লাগলো। যে্া হলো লেকের চারিদিকে আবর্জনায় ভর্তি। আপনি হয়ত বেড়াতে গেছেন কিন্তু বেড়ানোর আনন্দম্প নষ্ট, যদি দেখেন বেড়ানোর জায়গার চারিদিক অপরিষ্কার। শুধু নৈনিতাল নয়, আজকাল সব দর্শনীয় জায়গার এম্প একম্প হাল। আমরা কেউম্প পরিচ্ছন্নতা সম্পর্কে সচেতন নম্প। তুলনায় গোবিন্দ বল্লভ কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ের ক্যাম্পাস খুবম্প পরিচ্ছন্ন। চারিদিকে গাছপালা ভর্তি। রাস্তা খুবম্প পরিষ্কার। তাম্প নৈনিতালের অপরিচ্ছন্নতা অত বেশী করে নজরে পড়েছিল।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ

সেবারে	पिछले बार, उसबार
নিবাসে	निवास में
হ্রদ	ह्रद, झील
চারিদিকে	चारों ओर
আবর্জনায়	कूड़ा करकट से, कचरे से
দর্শনীয়	दर्शनीय
হাল	हाल
পরিচ্ছন্নতা	साफ सुथरा, स्वच्छ
সচেতন	सजग ; सतर्क, सचेत
নজরে	नज़र में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পন্থনগরের বিশ্ববিদ্যালয়ের নাম কি?
2. নৈনিতালে দেখার মত জিনিস কি?
3. আমাদের দেশের লোক কোন ব্যাপারে বিশেষ সচেতন নয়?
4. পন্থনগরের বিশ্ববিদ্যালয়ের ক্যাম্পাস কেমন?
5. বেড়ানোর আনন্দ কিসের জন্য নষ্ট হয়েছিল?

II. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. এক ঝুড়ি ভর্তি আপেল।
2. মহীশূর শহর খুব পরিষ্কার।
3. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর জাপানে ভ্রমণ করতে গিয়েছিলেন।

4. স্পন্দ্রবাবু কর্তব্য সম্পর্কে খুব সচেতন।

5. নিরানন্দ ভাবে না থেকে খুশী মনে থাকো।

6. অসচেতনভাবে কোনো কাজস্প করতে নেস্প।

7. কাজ না থাকলে জীবন সম্পূর্ণ খালি হয়ে যায়।

8. বিলাসবাবু খুব ঘরকুনো প্রকৃতির মানুষ।

9. দেববাবুর মর্না বড়স্প অপরিষ্কার।

10. হাতি তার হারানো বাচ্চা পেয়ে খুব আনন্দ পেয়েছে।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ভাষা কেবল ভাবস্প প্রকাশ করে না। ভাষা একর্া সংযোজক মাধ্যম। আমাদের দেশ ভারতবর্ষ। এস্প ভারতবর্ষের বিভিন্ন রাজ্যে, বিভিন্ন অঞ্চলে নানা ভাষা প্রচলিত আছে। যেমন -- হিন্দি, বাংলা, অসমিয়া, ওড়িয়া, গুজরার্াী, মারাঠী, কঙ্কোনী, সিন্ধি, কানাড়া, মালয়ালম, তামিল, তেলেগু স্পত্যাদি। এছাড়া প্রতি ভাষার আবার প্রচুর আঞ্চলিক ভেদ বা উপভাষা দেখা যায়। কোনো ভাষা কোনো ভাষা অপেক্ষা ছোৗ নয়। প্রত্যেক ভাষা তার নিজের গুণ ও বৈশিষ্ট্যে মহান। বর্তমানে আমরা বিশ্বায়নের ঝোঁকে পড়ে নিজেদের মাতৃভাষা ও সংস্কৃতিকে অবহেলা করছি। আমরা বুঝতে চাস্পছি না যে, বিশ্বের সঙ্গে পাল্লা দিতে গেলে আমাদের কুসংস্কার ত্যাগ করে নিজস্ব সংস্কার ও সংস্কৃতি নিয়েস্প এগিয়ে যেতে হবে। তার জন্য আমাদের মাতৃভাষাকে অবহেলা না করে তার যত্ন নিতে হবে। কারণ সংস্কৃতি ও ভাষা একে অপরের পরিপূরক।

I. बंगला में अनुवाद कीजिए।

हमारे भारत में कई धर्म और धार्मिक मान्यताएँ हैं। सभी धर्मों के संतों ने भारत में धार्मिक सद्भाव बनाने में बहुत सहयोग किया है। इन संतों में कबीर, रविदास, नामदेव एवं ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती आदि प्रमुख हैं।

ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती एक सूफी संत थे। सूफी संत का हिंदू और इस्लाम धर्म में सद्भाव बनाने में बहुत बड़ा योगदान है। ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह राजस्थान के अजमेर शहर में है। अजमेर पहुँचने के लिए जयपुर से और खंडवा से मीटरगेज रेलगाड़ी द्वारा जा सकते हैं। भोपाल, इंदौर और दिल्ली आदि शहरों से बसों द्वारा भी अजमेर पहुँच सकते हैं।

ख्वाजा की दरगाह पर सभी धर्मों को मानने वाले लोग आते हैं। और "दरगाह शरीफ" पर "सिज्दा" (नमन) करते हैं। श्रद्धालूगण उनकी पवित्र दरगाह पर चादर चढ़ाते है व गुलाब के फूल भेंट करते हैं।

यहाँ वर्ष में एक बार बहुत बड़ा "उर्स" (धार्मिक मेला) पड़ता है। लाखों लोग उर्स के समय भारत और पाकिस्तान से दरगाह की "ज्यारत" (दर्शन) धार्मिक यात्रा करने आते हैं।

(धार्मिक मान्यताएँ -- ধর্ম মত -- ধারণা, संत -- সন্ত, दरगाह -- দরগা, सिज़्दा -- নত হয়ে দরগার বেদীতে মাথা ছোঁয়ানো।)

II. अपने क्षेत्र के किसी संत के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

পাঠ 19
पाठ

পিকনিক

গোবিন্দ : চল, বড়দিনের ছুঁটিতে আমরা একটা পিকনিক করি। সবাস্প রাজী আছিস তো?

সবাস্প : হ্যাঁ হ্যাঁ, ঠিক আছে। আমরা সবাস্প রাজী।

হাসান : কোথায় যাওয়া যায়?

জোসেফ : আচ্ছা, ডায়মণ্ড হারবারে যাওয়া যাক।

রঞ্জিত : না না, ডায়মণ্ড হারবার অনেক দূর। কাছাকাছি কোথাও যাওয়া যাক।

হাসান : কাছাকাছির মধ্যে বোটানিক্যাল গার্ডেনস্প তো ভাল।

জোসেফ : বেশ, তাস্প হোক। একজন গিয়ে ঐ জায়গাটা দেখে আসুক।

গোবিন্দ : ও আর দেখার কি আছে? বরং কি কি রান্না হবে তাস্প ঠিক করা যাক।

पिकनिक

गोविन्द : चलो, हमलोग बड़ेदिन की छुट्टी में एक पिकनिक पर चलें। तुम सब सहमत तो हो?

सभी : हाँ हाँ, ठीक है। हम सब सहमत हैं।

हसन : कहाँ चलेंगे?

जोसफ : चलो, हम डायमंड हार्बर चलें।

रंजित : नहीं नहीं, डायमड हार्बर बहुत दूर है। कहीं आसपास चलें।

हसन : आसपास में तो बोटानिकल गार्डन ही है।

जोसफ : ठीक है, वहीं सही। एक आदमी वहाँ जाकर जगह देख आए।

गोविन्द : देखने की ज़रूरत क्या है? क्या क्या खाना बनेगा, यह तय किया जाए।

জোসেফ : মুর্গীর মাংস আর লুচি। সঙ্গে আলুর দম, বেগুনী, ছোলার ডাল, ফিস ফ্রাম্প আর চাটনি রান্না করা হোক। রসগোল্লা তো আমরা দোকান থেকেম্প নিয়ে নেব।

হাসান : এখন ঠিক করা যাক, বাজার করার দায়িত্ব কাদের দেওয়া হবে?

রঞ্জিত : অশোক আর সুধীর দুজনে মিলে বাজার করুক।

অশোক : আমি বরং রান্নার দায়িত্ব নিচ্ছি। অন্য কেউ বাজারটা করুক।

অরুণ : ঠিক আছে, আমিম্প বাজারের কাজটা নিচ্ছি। কিন্তু, কোনটা কতো লাগবে তা আমাকে বলে দাও।

অশোক : আমরা তো প্রায় কুড়ি জন। তাম্প দুম্প কিলোগ্রাম ময়দা, দুম্প কিলোগ্রাম বাসমতী চাল, এক কিলোগ্রাম বেসন, তিন কিলোগ্রাম ছোলার ডাল, চার কিলোগ্রাম মুর্গীর মাংস, পাঁচ কিলোগ্রাম মাছ, পাঁচ কিলোগ্রাম আলু, দুম্প কিলোগ্রাম বেগুন, দুটো নারকেল, দুম্প কিলোগ্রাম টমেটো, দুম্প

जोसफ : मुर्गी का मांस और पूड़ी। साथ में आलूदम, बैंगन के पकौड़े, चने की दाल, फिश फ्राय और चटनी बनाई जाए। रसगुल्ले तो हम बाज़ार से ही ले लेंगे।

हसन : अब यह तय कर लें कि, बाज़ार से खरीदी करने का काम किसे सौंपा जाए?

रंजित : अशोक और सुधीर दोनों मिलकर बाज़ार से खरीदी करें।

अशोक : मैं तो खाना पकाने की ज़िम्मेदारी ले रहा हूँ। बाज़ार का काम कोई और कर लें।

अरूण : ठीक है, बाज़ार का काम मैं ले रहा हूँ। किंतु क्या-क्या लाना है और कितना लाना है यह मुझे बता दो।

अशोक : हम लगभग बीस लोग हैं। इसलिए दो किलोग्राम मैदा, दो किलोग्राम बासमती चावल, एक किलोग्राम बेसन, तीन किलोग्राम चने की दाल, चार किलोग्राम मुर्गी मांस, पाँच किलोग्राम मछली, पाँच किलोग्राम आलू, दो किलोग्राम बैंगन, दो नारियल, दो किलोग्राम टमाटर, दो किलोग्राम तेल, एक किलोग्राम प्याज, पाँच सौ ग्राम अदरक, एक सौ ग्राम लहसुन तथा शक्कर, नमक एवं अन्य मसाले लाना होगा।

কিলোগ্রাম তেল, এক কিলোগ্রাম পেঁয়াজ, পাঁচশো গ্রাম আদা, একশো গ্রাম রসুন। তাছাড়াও চিনি, নুন ও অন্যান্য মসলাপাতিও আনতে হবে।

গোবিন্দ : এরকম হলে আপাততঃ মাথাপিছু একশো টাকা করে চাঁদা তোলা যাক। তারপর দেখা যাবে।

হাসান : ঠিক আছে। ওখানে যাওয়ার জন্যে গাড়ী ঠিক করার পর সময়টা সবাইকে জানানো হবে।

অশোক : চল, আজকে ওঠা যাক।

गोविन्द : ऐसा है तो प्रति व्यक्ति से एकसौ रुपये चंदा उगाहा जाए। उसके बाद देखा जाएगा।

हसन : ठीक है। वहाँ जाने के लिए गाड़ी तय करने के बाद सभी को समय दी जाएगी।

अशोक : अच्छा, अब चला जाए।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
চল	चलो
কাছাকাছি	आसपास
আসুক	आने दो
লুচি	पूड़ी
মিষ্টি	मिठाई
নেবো	लेंगे
বাজার	बाज़ार
দায়িত্ব	दायित्व, ज़िम्मेदारी

কারা	कौन
নিচ্ছি	ले रहा हूँ
কুড়ি	बीस
ময়দা	मैदा
পাঁচশো	पाँच सौ
নারকেল	नारियल
সরষের	सरसों का
তেল	तेल
পেঁয়াজ	प्याज़
আদা	अदरक
রসুন	लहसुन
লঙ্কা	मिर्ची
অল্প	थोड़ा
নুন	नमक
মাথাপিছু	प्रति व्यक्ति

অভ্যাস

I. উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে বাক্য সম্পূর্ণ করুন।

1. আগামী রবিবার সিনেমা যাওয়া ______________।
2. চল, আমরা সবাম্প পিকনিক করতে ________________ ।
3. রমেশ কাজটা _____________ ।
4. ওকে কাজটা করতে ____________________।
5. সবাম্প মিলে কাজটা করা __________ ।

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(পড়ুক, থাকুক, ঘুমোক, যাক, লিখুক)

1. সে বাজারে ________ ।
2. সীতা বস্পৗা ________ ।
3. তারা যেখানে খুশি ________ ।
4. সে চিঠি ________ ।
5. ওরা এখন ________ ।

III. বন্ধনী থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে আজ থেকে বরং পরীক্ষার পড়া ________। (পড়ুক, পরে)
2. তারা এখন সিনেমা দেখতে ________ । (যায়, যাক)
3. রহিম এখনস্প কাজৗা ________ । (করুক, করে)
4. সে প্রত্যেকদিন বাজারে ________। (যায়, যাক)
5. তিনি সকালে ________ । (বেড়াক, বেড়ান)

IV. নীচের বাক্যগুলিতে দাগ দেওয়া শব্দৗরি বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ ব্যবহার করে নতুন বাক্য লিখুন।

1. রমা এখন চিঠি লিখুক। (পড়ুক)
2. তারা এখন থাকুক । (থাক)
3. বিকাশ বস্প পড়ে। (পড়ুক)
4. সলিল বাগানে জল দেয়। (দিক)
5. সে ঘুম থেকে উঠুক। (ওঠে)

V. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলিকে উপযুক্ত রূপে ব্যবহার করে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে নিশ্চয় কাজ'া __________। (কর)
2. আমি বাজারে ________। (যা)
3. শীলা কোথায় ________ ? (যা)
4. তারা এখন কাগজ __________। (পড়)
5. তিনি রাস্তায় __________। (হাঁ)

পড়ে বুঝুন।

কার্যরীতি কার্য পদ্ধতি

যে যাস্প করুক, আপনি আপনার কাজ করে যান। এস্প রকম মনোভাবের আজ খুবস্প দরকার। স্কুলে-কলেজে, অফিসে-আদালতে জীবনের সর্বক্ষেত্রে আজ যে অরাজকতার সৃষ্টি হয়েছে তার মূল সূত্র খুঁজলে দেখা যাবে যে, মানুষ নিজের কাজ ঠিক মতো করছে না। সকলের মনোভাব কার্জি অমুক লোকে করুক। নিজে কাজ না করে অন্যের সমালোচনা করাও এক'া অভ্যাসে পরিণত হয়েছে। সবাস্প চায় অন্যেরা কাজ করবে আর সে তার ফল ভোগ করবে। এস্পভাবে চলার ফলে দেশে অরাজকতার সৃষ্টি হয়েছে। স্কুলে শিক্ষকরা পড়াচ্ছেন না কিন্তু তাঁরা চান তাঁদের ছেলেকে যিনি পড়াচ্ছেন, তিনি ভাল করে পড়ান। আপনি নিজে ঠিক সময়ে অফিসে আসেন না কিন্তু আপনি যখন ট্রেনের িকি কা'তে যান, তখন আশা করেন যে িকি ক্লার্ক ঠিক সময়ে আসুক। আপনি ঠিক মতো কাজ করেন না কিন্তু ব্যাঙ্কে গিয়ে আপনি চান যে ব্যাঙ্কের লোকেরা আপনার কার্জি তাড়াতাড়ি করে দিক। সকলেস্প চায় তিনি কাজ করুন বা না করুন অন্যেরা তাঁর কার্জি ঠিক করে দিক। বাসের জন্যে দাঁড়িয়ে আছেন, বাস ঠিকমতো আসছে না। আপনি যানবাহন ব্যবস্থার সমালোচনা করছেন, সময়ে ট্রেন চলছে না বলে

রেল বিভাগকে দায়ী করছেন। কিন্তু সব বিভাগেস্প তো আপনার আমার মতো লোক রয়েছেন। নিজের কাজ নিজে ঠিকমতো সবাম্প করুন, দেখবেন অন্যরাও নিজেদের কাজ ঠিক মতো করছেন।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
কার্যরীতি	कार्य पद्धति, काम करने की तरीका
অরাজকতা	अराजकता
সৃষ্টি	सृष्टि
মূল	जड़
সূত্র	सूत्र
সমালোচনা	समालोचना
দায়ী	ज़िम्मेदार, दायी

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. সব জায়গার অরাজকতার কারণ কি?
2. কাজের ব্যাপারে সাধারণের মনোভাব কেমন?
3. নিজে কাজ না করে অন্যের কাছ থেকে সবাম্প কাজ চান এমন দু্টি উদাহরণ দিন।
4. সবাম্প যাতে ঠিক করে কাজ করেন তার জন্য সবাম্পকে কি করতে হবে?
5. বাসের জন্য দাঁড়িয়ে থাকলে লোকে কোন ব্যবস্থার সমালোচনা করে?

II. প্রদত্ত দর্শটি বাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক।

1. সবক্ষেত্রেই আজকাল অনিয়ম দেখা যায়।
2. তোমার বাড়ী খোঁজার পর্ব শেষ হল।
3. তাদের অনুষ্ঠানের মধ্যে অনেক অরাজকতা দেখা যায়।
4. রাধাকান্তবাবু রোজই সময় মত অফিসে যায়।
5. পোষাকের মাধ্যমে মনোভাবের পরিচয় পাওয়া যায় না।
6. কোলকাতায় পুলিশের প্রধান কার্য্যালয় লাল বাজারে।
7. প্রতি কাজেই এত বিশৃঙ্খলা যে কোন কাজ সুষ্ঠভাবে করা যায় না।
8. ঘরের সব জায়গা ধুলায় ভর্তি হয়ে গেছে।
9. অনুসন্ধান করলে তোমার আংটি খুঁজে পাবে।
10. অমলের জীবনের প্রতি দৃষ্টিভঙ্গি সাধারণ মানুষের থেকে আলাদা।

III. প্রদত্ত দর্শটি বাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি বিপরীতার্থক।

1. সাদা কালো, সুন্দর কুৎসিৎ সবই ঈশ্বরের সৃষ্টি।
2. মানুষের মনের অতিরিক্ত লোভ হিংসা দেশের অনাসৃষ্টির মূল কারণ।
3. কোলকাতা থেকে মুম্বাই বেশ দূর।
4. প্রত্যেকটি কাজের মধ্যেই শৃঙ্খলা রাখা উচিৎ।
5. পরিস্থিতি পরিবর্তনের সঙ্গে মানুষের মূল্যবোধ হারানো উচিৎ নয়।
6. অসুস্থ হলে ডাক্তারের পরামর্শ নেওয়া দরকার।
7. কোলকাতার কাছাকাছিই সমুদ্র আছে।
8. সৎ শিক্ষার জন্য ভালো শিক্ষা প্রতিষ্ঠান অনুসন্ধান করা উচিৎ।
9. অদরকারে কথা বলো না।
10. যার জীবন বিশৃঙ্খলায় পূর্ণ সে জীবনে উন্নতি করতে পারে না।

IV. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

সরস্বতী পূজোর আয়োজন করা হচ্ছে, তখন সবাম্পকে কিছু না কিছু দায়িত্ব নিতে হবে। যেমন শ্রীরামকে দায়িত্ব দাও -- ও প্রথমেম্প কাজের একটা তালিকা তৈরী করে ফেলুক। দেবু, বিলাস, বুদ্ধ দত্তপাড়ার চাঁদা তুলুক। রমন, জয় এরা দাস পাড়ায় যাক। শ্যাম ও মধু বিনোদবাবুকে অনুষ্ঠানের সভাপতি হতে অনুরোধ করুক। বুম্বা, টুপুন ওরা ছোট, ওরা বরং ফল ও ফুল, দশকর্মা আনার দায়িত্ব নিক। আরতি, মেঘা, ঐশী এরা ফুল সাজানো, চন্দন বাটা প্রভৃতি কাজের ব্যবস্থা করুক। শ্যামল, পরান মণ্ডপের দায়িত্ব নিক। সবম্প হলো তবে মনোজ, সুমন কুমোরটুলি গিয়ে একটি সুন্দর প্রতিমা পছন্দ করে আসুক।

এম্পভাবেম্প সবাম্প মিলে মিশে কাজ করুক তবে সুষ্ঠুভাবে অনুষ্ঠানটি পরিচালনা করা যাবে।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

विवेकहीन बंदर

एक राजा था। उसकी मित्रता एक बंदर से हो गई। वह बंदर सदा राजा के साथ रहता था। राजा को वह बंदर बहुत प्रिय था।

एक दिन राजा के मंत्री ने सोचा यदि उस बंदर को राजा के अंगरक्षक का प्रशिक्षण दे दिया जाए तो ठीक रहेगा। मंत्री ने यह बात राजा से कही। राजा ने सहर्ष अपनी सहमति दे दी। मंत्री ने सेना नायक से कहा कि बंदर को तत्काल अंगरक्षक का प्रशिक्षण दिया जाए। नकल करने में तो बंदर बहुत कुशल होता है। उसने शीघ्र ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया।

अब तो बंदर पूरे उत्साह से तलवार कंधे पर उठाए राजा के साथ रहने लगा। मंत्री ने बंदर को समझाया कि, वह सावधानी से राजा की रक्षा करे। जब राजा सो जाता तब बंदर नंगी तलवार कंधे पर रखकर राजा के पलंग के चारों ओर चक्कर लगाता रहता। मंत्री ने बंदर को समझाया कि, कोई भी व्यक्ति अंदर न आ जाए। राजा के कक्ष में केवल वही व्यक्ति आ सकता था जिसे अंदर आने की अनुमति दी गई थी। बंदर की उस तत्परता से राजा और मंत्री दोनों बहुत खुश थे।

एकदिन जब राजा सो रहा था, तब बंदर नंगी तलवार अपने कंधे पर रखे, पलंग के चारों ओर घूम-घूमकर रखवाली करने लगा। बंदर बहुत सतर्क होकर रखवाली कर रहा था। तभी उसने देखा, एक बड़ी सी मक्खी राजा के सिर पर आ बैठी है। बंदर ने उसे तत्काल उड़ा दिया। मक्खी नाक से उड़कर राजा की गर्दन पर आ बैठी। बार-बार उड़ाने पर भी मक्खी ने राजा के शरीर पर बैठना नहीं छोड़ा। एक जगह से उड़कर दूसरी जगह बैठ जाती। मक्खी की उस हिमाकत से बंदर की खीज बढ़ गई। उसे मक्खी पर गुस्सा आ रहा था। वह ज्यादा खटर-पटर कर के राजा की नींद में भी बाधा नहीं पहुँचाना चाहता था। इसलिए बंदर ने एकबार फिर तलवार की नाक से मक्खी को उड़ाया। लेकिन मक्खी भी बड़ी ज़िद्दी निकली। वह फिर आकर राजा की गर्दन पर आ बैठी। अब तो बंदर का गुस्सा चरम पर पहुँच गया। एक छोटी सी मक्खी तक उसका हुकुम नहीं मान रही है। इसकी यह मजाल!

बंदर गुस्से में पागल हो उठा। उसने आव देखा न ताव। झट से अपनी तलवार सम्हाल ली। मक्खी पर निशाना साध कर एक भरपूर वार कर दिया। तलवार के वार से मक्खी तो उड़ गई किन्तु राजा की गर्दन धड़ से अलग हो गई। राजा की चिल्लाना सुनकर बाहर खड़े संतरी भीतर दौड़े आए। तभी वहाँ मंत्री भी आ पहुँचा। बंदर की मूर्खता और राजा की हत्या देखकर मंत्री ने यों सोचा, "केवल प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से कोई योग्य नहीं हो जाता। उसमें स्वयं का विवेक भी होना आवश्यक है। विवेकहीन व्यक्ति को प्रशिक्षण देकर महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंप देने से यही दुर्दशा होगी। ऐसे मूर्खों को मित्र भी नहीं बनाना चाहिए।" इसीलिए तो कहा है -- "नादान की दोस्ती, जी का जंजाल"।

मंत्री मन ही मन अपनी भूल पर पछता रहा था।

VI. আপনার জীবনের স্মরণীয় দিন সম্বন্ধে একটি অনুচ্ছেদ (২৫টি বাক্যে) লিখুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में परोक्ष आज्ञावाचक वाक्यों का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार के वाक्यों में वार्ता करने वालों से पृथक प्रथम पुरूष के कर्ता के प्रति आज्ञा या अनुरोध व्यक्त किया जाता है। इस प्रकार के वाक्यों में स्वतंत्र प्रकार के क्रिया रूपों का प्रयोग होता है। यदि धातु स्वरांत हो तो उसके तिर्यक रूप में '-ক' (-क) जोड़ा जाता है। धातु के व्यंजनांत होने पर '-উক' (-उक) जोड़ा जाता है। जैसे :

কি রান্না হবে তাস্প ঠিক করা হোক। क्या खाना बनेगा, यह तय किया जाए।

তারাম্প বাজার করুক।　　　　वे बाज़ार का काम करें।

পাঠ
पाठ **20**

পরিবেশ সচেতনতা

মোহন : ওঃ! কি ভীষণ গরম পড়েছে।

গৌতম : গরম পড়বে বৈকি। অনেকদিন বৃষ্টি হয়নি যে, আজকাল আবহাওয়াও তো পাল্টে যাচ্ছে।

মোহন : আরে, যাবে নাম্প বা কেন? আমরা চারিদিকের পরিবেশ নষ্ট করে ফেলেছি। তাম্প এম্প অবস্থা। যদি চারিদিকে প্রচুর গাছপালা থাকতো, তাহলে বৃষ্টিও হতো। যদি বৃষ্টি হতো তাহলে এত গরম পড়ত না।

গৌতম : ব্যাপার কি জানেন, মানুষ নিজের দরকারে গাছপালা কেটেছে। জঙ্গল কেটে তারা বসতি গড়েছে। আবার কল-কারখানা বানিয়েছে। সেম্প কল-কারখানার ধোঁয়ায় পরিবেশ দূষিত হচ্ছে।

पर्यावरण के प्रति सावधानी

मोहन : ओह! क्या भीषण गर्मी पड़ी है।

गौतम : गर्मी क्यों नहीं पड़ेगी? बहुत दिनों से पानी जो नहीं बरसा है। आजकल जलवायु भी तो बदल रही है।

मोहन : बदलेगी क्यों नहीं? हमने चारों ओर पर्यावरण दूषित कर रखा है। इसी कारण यह स्थिति है। यदि चारों ओर पेड़ पौधे होते तो बारिश भी होती। यदि बारिश होती तो इतनी गर्मी भी नहीं पड़ती।

गौतम : बात क्या है, आप जानते हैं। मनुष्य ने अपनी आवश्यकतानुसार पेड़ पौधों को काट डाला है। जंगल काट कर उन्होंने बस्तियाँ बसा ली हैं। कल-कारखाने बना लिए हैं और उन्हीं कल-कारखानों के धुँए से वातावरण भी दूषित हो रहा है।

মোহন : আসল কথা, পরিবেশ সম্পর্কে মানুষ সচেতন ছিল না। তাম্প আমাদের এম্প দুরবস্থা। যদি আমরা পরিবেশের প্রতি সচেতন না হম্প, তাহলে অদূর ভবিষ্যতে আমাদের বেঁচে থাকাম্প মুশকিল হয়ে যাবে।

मोहन : दरअसल पर्यावरण के संबंध में मनुष्य सावधान नहीं रहे। इसीलिए हमारी यह दुर्दशा है। यदि हम पर्यावरण के प्रति सावधान नहीं रहे तो निकट भविष्य में हमारे लिए जीवित रहना ही मुश्किल हो जाएगा।

গৌতম : তাম্প তো। ভূপালের কথাম্প ধরুন না। গ্যাস দুর্ঘনায় কতো লোক মারা গেল। যদি কারখানাটা শহর থেকে অনেক দূরে থাকতো তাহলে এত লোক মরতো না।

गौतम : यही तो। भोपाल की ही बात लीजिए न। गैस दुर्घटना में कितने ही लोग मारे गए! यदि वह कारखाना शहर से काफ़ी दूर होता तो इतने आदमी नहीं मरते।

মোহন : ঠিকম্প বলেছেন। যদি ঐ কারখানার আশেপাশে অনেক গাছপালা থাকতো তাহলে দুর্ঘনার প্রকোপ অনেক কম হতো। শুধু তাম্প নয়। যদি, অনেকদিন বৃষ্টি না হয় তবে খাবার জলের অভাব দেখা দেবে। মানুষের কতোম্প না অসুবিধা হবে।

मोहन : ठीक ही कह रहे हैं। यदि उस कारखाने के आसपास बहुत सारे पेड़ पौधे होते तो दुर्घटना का प्रभाव कम हुआ होता। केवल इतना ही नहीं। यदि बहुत दिनों तक बारिश नहीं हो तो पीने के पानी का भी अभाव हो जाएगा। तब सब मनुष्यों को बहुत परेशानियाँ हो जाएँगी।

গৌতম : সবচেয়ে বড় কথা হল বৃষ্টি না হলে চাষ আবাদ হয় না। চাষ আবাদ না হলে বাজারে খাদ্য শস্যের যোগান কমে যায়। জিনিসপত্রের দাম বেড়ে যায়। তখন মানুষের দুর্দশার সীমা থাকে

गौतम : सबसे बड़ी यह बात है कि, बारिश के बिना खेती नहीं फल फूल सकती है। खेती न फलने फूलने से बाज़ार में खाद्यान्नों की आपूर्ति कम हो जाती है। वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं। तब मनुष्यों की दुर्दशा की सीमा नहीं रहती।

मोहन : सच बात कह रहा हूँ, कि पेड़ पौधे

না।

মোহন : সত্যি কথা বলতে কি, গাছপালা থাকলে আমাদের এতসব সমস্যা থাকতো না। আজকাল অনেক জায়গায় নাগরিকদের সচেতন করার জন্য নাগরিক সমিতি গড়ে উঠেছে। আসুন, আমরাও আমাদের শহরে এম্প রকম একৗ সমিতি গড়ি।

होने से हमलोगों की ये समस्याएँ नहीं रहती हैं। आजकल अनेक स्थानों पर नागरिकों को सावधान करने के लिए नागरिक समितियों का गठन किया गया है। आइए, हमलोग भी अपने शहर में इस प्रकार की एक समिति का गठन कर लें।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
আবহাওয়া	पर्यावरण
গাছপালা	पेड़ पौधे
জঙ্গল	जंगल
বসতি	बस्ती
গড়েছে	गठन किया है
বানিয়েছে	बनाया है
দুরবস্থা	दुर्दशा, बुरी हालत
অদূর	निकट
ভবিষ্যতে	भविष्य में
বেঁচে	जीवित
থাকাম্প	रहना ही
মুশকিল	मुश्किल

কতো	कितना
মারা	मारे गए
চাষ	खेती
খাদ্য	खाद्य
শস্যের	फसल का
যোগান	आपूर्ति
সীমা	सीमा
সমস্যা	समस्या
সমিতি	समिति
গড়ি	गठन करना, तैयार करना

অভ্যাস

I. উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে বাক্য সম্পূর্ণ করুন।

1. আপনি যদি ____________ , তাহলে আপনি দেখতে পেতেন।
2. তুমি যদি আমার কথা ____________ , তাহলে অসুবিধা হত না।
3. সে যদি স্কুলে ____________ , তাহলে ঠিকমত পড়াশোনা করত।
4. আমি যদি চিঠি ____________ , তাহলে উনি আসতেন।
5. আমরা যদি সিনেমা না ____________ , তাহলে দেরী হত না।
6. ঠিক সময়ে যদি গাছের যত্ন ____________ , তাহলে আজ এমন ক্ষতি হত না।
7. একমাস আগে যদি টিকি ____________ , তবে নিশ্চিতভাবে আরামে যেতে পারতে।
8. তুমি যদি লাল জামা ____________ , তবে তোমাকে খুব সুন্দর লাগবে।
9. পাহাড়ে যদি ____________ , তবে ভাল জুতো পরতে হবে।

10. শিশুরা যদি উপযুক্ত পরিবেশে __________ , তবে তারা সুস্থ স্বাভাবিকভাবে বাঁচতে পারবে।

II. উদাহরণ অনুযায়ী নিম্নোক্ত বাক্যগুলিতে 'যদি, তাহলে, তবে' বসিয়ে বাক্যগুলি পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : শেখর আগে লিখলে আমি যেতাম না।

যদি শেখর আগে লিখত তবে আমি যেতাম।

1. তুমি এলে অসুবিধা হত না।
2. তুমি না এলে আমি যেতাম না।
3. সে এলে আমি যেতাম না।
4. রামবাবু না লিখলে আমি যেতাম।
5. তুমি খেললে আমি যেতাম না।

III. উপযুক্ত স্থানে 'যদি, তাহলে, তবে' বসিয়ে বাক্যগুলি পরিবর্তন করুন।

1. তুমি এলে আমি অপেক্ষা করতাম।
2. আমার ঘড়ি থাকলে দেরি হত না।
3. উনি বিকেলে গেলে ডাক্তারের দেখা পেতেন।
4. সে দেখা করতে এলে আমার দেরী হত না।
5. আমি অপেক্ষা করলে দেখা পেতাম।

IV. নীচে দেওয়া বাক্যগুলিকে নিষেধাত্মক বাক্যে পরিণত করুন।

1. তুমি যদি আসতে তাহলে অসুবিধা হত না।
2. আপনি যদি না আসতেন তাহলে আমি আসতাম।

3. সে এলে আমি যেতাম না।

4. রামবাবু যদি না লিখতেন আমি যেতাম।

5. তুমি খেললে আমি খেলবো না।

V. উদাহরণ অনুযায়ী বাক্যগুলিকে পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : যদি তুমি আসতে তাহলে আমি যেতাম
তুমি এলে আমি যেতাম।

1. ছাত্ররা যদি না পড়ে তাহলে তারা ফেল করবে।

2. যদি িকি না পাস্প তাহলে খেলা দেখতে পারবো না।

3. যদি তুমি যাও তবে আমি যাবো।

4. যদি দোকানে জিনিস পাস্প তাহলে রান্না করবো।

5. যদি সাঁতার কা তাহলে স্বাস্থ্য ভাল থাকবে।

পড়ে বুঝুন

ভারতের জলব ন সমস্যা भारत में जल वितरण की समस्याएँ

আমাদের দেশে অনেক সমস্যা রয়েছে। তার মধ্যে এক সমস্যা হলো সঠিক জল ব ন। ভারতবর্ষের মতো বড় দেশে কোথাও অতিবৃষ্টি আবার কোথাও অনাবৃষ্টি। অনাবৃষ্টি হলে খরা আবার অতিবৃষ্টি হলে বন্যা। যদি সঠিক জল ব ন করা যেত, তাহলে ফসল ফলনের সুবিধে হত। শুধু তাস্প নয় বন্যা হলে প্রতি বছর কো কো কার ফসল এবং সম্পত্তি নষ্ট হয় এবং হাজার হাজার মানুষ মারা যায়। সেস্প রকম খরাতেও গবাদি পশু এবং গরীব মানুষের প্রাণ যায়। খরা হলে জলের অভাবে চাষ হয় না। তার ফলে গ্রামের ক্ষেতমজুরও কাজ পায় না। অনাহারে অর্ধাহারে তাদের দিন কা। যে সব অঞ্চলে বেশী বৃষ্টি হয়, সেস্প সব অঞ্চলের নদীগুলি যদি খরা প্রধান অঞ্চলের নদীর সঙ্গে যোগ করে দেওয়া যায় তাহলে জলের সুষম ব ন হয়। ভাবতবর্ষের বিভিন্ন অঞ্চলে

এম্পভাবে সুষম জল বণ্টন সম্ভব। কিন্তু এর জন্যে কৌি কৌি াকার দরকার। যদি মানব সম্পদকে কাজে লাগানো যায়, তাহলে কিন্তু াকাৗ কোনো সমস্যা হবে না। কেননা ভারতের মতো জনশক্তি বহুল দেশে জনসাধারণকে যদি এম্প কাজে লাগানো হয় তাহলে খুব কম খরচেম্প এম্প ধরণের কাজ করা সম্ভব। চীনে এম্প ধরণের জনসাধারণের সক্রিয় অংশ গ্রহণের ফলে অনেক বড় বড় খাল কাৗ সম্ভব হয়েছিল। যদি চীনে ঐা সম্ভব হয় আমাদের দেশেও তাহলে তা সম্ভব। কেননা চীনের মতো ভারতও জনশক্তিতে পূর্ণ। কেবল জনশক্তিকে ঠিক মতো কাজে লাগানো দরকার।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
খরা	सूखा
বন্যা	बाढ़
সুষম	समान, बराबर
সঠিক	सही, ठीक
ফসল	फसल
কৌি	करोड़
সম্পত্তি	संपत्ति
প্রাণ	प्राण
প্রধান	प्रधान, प्रमुख
ক্ষেতমজুর	खेत मज़दूर, कृषि मज़दूर
অনাহারে	भूख में
অর্ধাহার	आधा भोजन
অঞ্চলে	इलाके में, अंचल में

শক্তি	शक्ति
জনসাধারণ	आम आदमी, जन साधारण
অংশগ্রহণ	भागीदारी

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. অনাবৃষ্টি হলে কি হয়?
2. অতিবৃষ্টি হলে কি হয়?
3. দেশে জলবণ্টন কিভাবে করা সম্ভব?
4. বেশী টাকা খরচ না করে কিভাবে দেশের কাজ করা সম্ভব?
5. কোন্ দেশ মানব-সম্পদকে দেশের কাজে বেশী করে লাগিয়েছে এবং তারা কি কাজ করেছে?

II. প্রদত্ত দশটি বাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক।

1. আমাদের দেশে ক্ষেতমজুরদের অবস্থার এখন বেশ উন্নতি হয়েছে।
2. কোলকাতায় খাবার জিনিস খুব সস্তা।
3. দক্ষিণ ভারতে এসে বাঙালীদের ভাষা নিয়ে সমস্যা হয়।
4. ভারতের জনসাধারণের মধ্যে এখনও অনেকে কুসংস্কারে আচ্ছন্ন হয়ে আছেন।

5. লেখাপড়ায় যত্ন নেওয়া উচিৎ।
6. অসুস্থ হলে অবশ্যম্প সময় মত ডাক্তার দেখাতে হয়, নাহলে মুশকিলে পড়তে হয়।
7. কৃষিপ্রধান দেশে কৃষকম্প প্রধান শক্তি।
8. স্বামীজী কোনো কিছুম্প গ্রহণ করলেন না।
9. ভারতের মানুষের খাদ্য তালিকায় সাধারণতঃ ভাত থাকে।
10. জনতার দাবী সবসময় মানা সম্ভব নয়।

III. প্রদত্ত দর্শী বাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি বিপরীতার্থক।

1. প্রকৃত শিক্ষিত মানুষ আজকাল দেখাম্প যায় না।
2. রাধামাধব আজ জীবনের পরীক্ষায় সফল হয়েছে।
3. ঊষা আবার নতুনভাবে জীবনের প্রতি দৃষ্টি দিয়েছেন।
4. সময় মতোম্প ঈশ্বর সাধনা শুরু করা উচিৎ।
5. কেরল রাজ্যে সাক্ষরতার হার সব থেকে বেশী।
6. জীবনের শেষদিন পর্যন্ত সৎ থাকা উচিৎ।
7. পুরানো চাল ভাতে বাড়ে।
8. কোনো কাজে বিফল হলে মন খারাপ করা উচিৎ নয়।
9. নিরক্ষরতা দেশের লজ্জা।
10. শিক্ষিত মানুষের মধ্যেও অশিক্ষিত মনোভাব লুকিয়ে থাকে।

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

যদি দেশের উন্নতি করতে হয় তবে সবাম্পকে কঠোর পরিশ্রম করতে হবে। যদি দেশে কোটি কোটি মানুষ থাকে তবে তার মধ্যে মাত্র কয়েকজনম্প কেবল সফল মানুষ থাকে। ভারতবর্ষের মত এতবড় দেশে খুব কম সংখ্যক মানুষম্প তার কর্মক্ষেত্রে সফলতা লাভ করেন।

দেশের উন্নতি নির্ভর করে দেশের নাগরিকেরম্প উপর। দেশের জনসাধারণ যদি সচেতন না হয় তাহলে ভারতের উন্নতি হওয়া সম্ভব নয়। আমাদের দেশে সব থেকে বড় সমস্যা প্রাকৃতিক দুর্যোগ। যেমন -- খরা, বন্যা প্রভৃতি, এছাড়াও সুষম খাদ্যের অভাব, অনাহারও। ভারতের বৃহৎ অঞ্চলে ও বৃহৎ অংশের মানুষম্প এম্প সমস্যায় ভোগেন। যদি এম্প সমস্যার সমাধান না হয় তাহলে দেশের অদূর ভবিষ্যতে দুববস্থার শেষ থাকবে না। যদিও ভারত কৃষি প্রধান দেশ এবং এখানে উপযুক্ত আবহাওয়ায় চেষ্টা করলেম্প নানা গাছপালা লাগানো, নানা সময়ে নানা ফসল ফলানো যায় ও ধনের সমবণ্টন হলে দেশের অর্থাভাব ও দুরবস্থা থেকে বেঁচে থাকা সম্ভব।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

मनासा
३ सितंबर, २००४

श्रीमान् संपादक महोदय
संस्कार साप्ताहिक मनासा
मध्यप्रदेश

महोदय,

आपके लोकप्रिय साप्ताहिक समाचार पत्र में कल दो लेख पढ़े। एक है "समाज में मानवमूल्यों का ह्रास"। दूसरा है "समाज में नैतिकस्तर को बनाए रखने में जनभागीदारी"। कुछ दिन पहले, संभवतः पिछले रविवारीय अंक में एक लेख छपा था "नैतिक शिक्षा में संतों का योगदान"।

इन तीनों लेखों का केंद्रबिंदु 'नैतिकता' ही है। आपके इस साप्ताहिक पत्र ने इसप्रकार के लेख छापकर जिसप्रकार जनचेतना जागृत करने का प्रयत्न किया है वह सराहनीय है। इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं।

वस्तुतः मानवमूल्यों के गिरते स्तर के प्रति हम सब समान रूप से जवाबदार हैं। भौतिक सुविधाओं को प्राप्त करने की होड़ा-होड़ी ने हमें बहुत ही स्वार्थी बना दिया है। इस स्वार्थ भावना के कारण हमारा नैतिक स्तर इतना गिर गया है कि, हमने अपने ऋषियों और संतों द्वारा दी गई शिक्षाओं को भुला दिया है।

अपनी संस्कृति से भी हम बहुत दूर होते जा रहे हैं। संस्कृति समाज में नैतिकता स्थापित करने का बहुत बड़ा आधार होती है। यदि हम अपने महापुरुषों की जीवनशैली का अनुसरण कर लें तो हमारा नैतिक स्तर सदा उच्च बना रहेगा।

हमारे संतों ने अपनी अनुभवी वाणी द्वारा एवं अपने साहित्य द्वारा हमें नैतिक दायित्व का बोध करवाया है। आज भी समय-समय पर हमारे संत-जन हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। सभी धर्मों के संतों का संदेश एक जैसा ही श्रेष्ठ है।

यदि हम स्वयं को नहीं सुधारेंगे, यदि हम स्वयं ही नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में नहीं लाएँगे, तो समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना संभव नहीं है।

यदि हम दूसरों के दोष देखने के बजाए अपने आचरण को सुधारना शुरु कर दें तो हमारा समाज स्वयं ही सुधर जाएगा। क्योंकि, हम सब समाज का ही तो भाग हैं। हमारे संयोग से ही समाज का गठन होता है। हम समाज की एक इकाई हैं।

आशा है आपका यह लोकप्रिय साप्ताहिक पत्र भविष्य में भी उसीप्रकार के महत्वपूर्ण लेखों का प्रकाशन करता रहेगा।

भवदीय

डॉ. पूरन सहगल
कृष्णायन/उषागंज
मनासा, जि. नीमच
म. प्र. - ४५८११०

VI. বর্তমানে শব্দ দূষণের ফলে মানুষের যে মানসিক ও শারীরিক ক্ষতি হচ্ছে, সে বিষয়ে একটি অনুচ্ছেদ (২৫টি বাক্য) লিখুন।

टिप्पणियाँ

हेतु हेतुमत् भूतकाल के वाक्यों का प्रयोग दिखाया गया है। ऐसी वाक्य रचना में दो उपवाक्य होते हैं। पहला शर्त उपवाक्य और दूसरा मुख्य उपवाक्य अर्थात् पहला उपवाक्य एक शर्त के रूप में होता है और दूसरा मुख्य कथन के रूप में। बंगला में ऐसे होनेवाले वाक्य दो प्रकार के होते हैं।

I. पहले प्रकार के वाक्यों में शर्त वाले उपवाक्य के आरम्भ में 'যদি' (यदि) लगाया जाता है और मुख्य कथन के पहले 'তো' (तो), 'তাহলে' (ताहोले) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

যদি চারিদিকে প্রচুর গাছপালা থাকতো, তাহলে বৃষ্টি হতো।	यदि चारों ओर बहुत पेड़ पौधे होते तो बारिश होती।
যদি আপনি আসেন তাহলে আমি যাবো।	यदि आप आएँगे तो मैं जाऊँगी।

शर्तवाले उपवाक्य को निषेधात्मक करने के लिए क्रिया के पहले 'না' (ना) जोड़ा जाता है। दूसरे या मुख्य कथनात्मक वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

যদি চারিদিকে গাছপালা না থাকত তবে বৃষ্টিও হত না।	यदि/अगर चारों और बहुत पेड़ पौधे नहीं होते तो बारिश नहीं होती।
যদি আপনি না আসেন তবে আমিও যাব না।	यदि/अगर आप नहीं आए तो मैं नहीं जाऊँगी।

II. दूसरे प्रकार के शर्तवाले वाक्य बनाने के लिए पहले अर्थात शर्तवाले उपवाक्य में धातु का रूप बदलना पड़ता है। धातु के तिर्यक रूप में 'লে' (ले) लगाकर नया रूप बनाते हैं। इस प्रकार शर्तवाले उपवाक्यों की मुख्यक्रिया असमापिका क्रिया के रूप में परिवर्तित हो जाती है। ऐसे वाक्यों में 'যদি' (यदि) अथवा 'তাহলে' (ताहोले) का प्रयोग नहीं होता है। जैसे :

আশেপাশে অনেক গাছপালা থাকলে দুর্ঘনার প্রকোপ কম হতো।	आसपास बहुत पेड़ पौधे होने से दुर्घटना की संभावना कम होती।
আপনি খেলে আমি খাব।	आप (के) खाने से मैं खाऊँगी। (आप खाएँगे तो मैं खाऊँगी।)

इस प्रकार के वाक्यों को भी पूर्व की तरह निषेधात्मक बना सकते हैं। जैसे :

আপনি না খেলে আমি খাব না।	आप न खाने से मैं नहीं खाऊँगी। (आप नहीं खाएँगे तो मैं नहीं खाऊँगी।)
আপনি না খেলে আমি খাব না।	आप नहीं खाने से मैं नहीं खाऊँगी। (आप नहीं खाएँगे तो मैं नहीं खाऊँगी।)
আপনি খেলে আমি খাব না।	आप खाने से मैं नहीं खाऊँगी। (आप खाएँगे तो मैं नहीं खाऊँगी।)

द्रष्टय : असमापिका क्रियाओं के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए सदा क्रिया के पहले 'না' (ना) लगाया जाता है।

ह आदमी अच्छा गाना गाता है।

পাঠ
পाठ **21**

পণপ্রথা নিয়ে সাক্ষাৎকার

सुनीता : নমস্কার, আমি 'সুনন্দা' পত্রিকার পক্ষ থেকে এসেছি।

विजया : নমস্কার, ভেতরে আসুন। আমি জানি আপনাদের পত্রিকার বেশ নাম আছে। বলুন, কি মনে করে এসেছেন?

सुनीता : আমি আপনার একটি সাক্ষাৎকার নিতে এসেছি।

विजया : ও! তাই নাকি? কিন্তু আমিতো কোন বিখ্যাত কেউ নই। আমার সাক্ষাৎকার কেন নিতে চান?

सुनीता : আপনি তো একটি পুরনো এবং বিখ্যাত মহিলা সমিতির সঞ্চালিকা হিসেবে পণপ্রথা সম্পর্কে আপনি আপনার মতামত দিয়ে থাকেন। এই সম্বন্ধে কিছু তথ্য দিন না।

दहेज प्रथा पर एक साक्षात्कार

सुनीता : नमस्कार, मैं 'सुनन्दा' पत्रिका की ओर से आई हूँ।

विजया : नमस्कार! अंदर आइए। मुझे पता है कि आपलोगों की पत्रिका का बड़ा नाम है। कहिए, कैसे आना हुआ?

सुनीता : मैं आपका एक साक्षात्कार लेने आई हूँ।

विजया : ओह! ऐसा है? लेकिन मैं तो उतनी बड़ी व्यक्ति नहीं हूँ। मेरा साक्षात्कार क्यों लेना चाहती हैं?

सुनीता : आप तो एक पुरानी और मशहूर महिला समिति की संचालिका होने के नाते दहेज प्रथा के संबंध में अपने विचार रखती होंगी। उन विचारों के बारे में जानकारी दे दीजिए न?

বিজয়া : দেখুন, আজকাল বিয়েতে পণ দেওয়া একটা সামাজিক কুরীতিতে পরিণত হয়েছে। বাবা মা সবসময় এম্প চিন্তাম্প করেন যে, যদি তারা না থাকেন (মারা যান), তখন তাদের মেয়ের বিয়ে কে দেবে? এম্প কারণেম্প তারা মেয়ের বিয়ে তাড়াতাড়ি দিয়ে দিতে চান। এম্প অবস্থাতে তারা বরপক্ষকে পণ দিতে বাধ্য হন।

সুনীতা : পণপ্রথার বিরুদ্ধে আজকাল মেয়েরা কি ভূমিকা পালন করেছে?

বিজয়া : পণ প্রথার জন্য সমাজে সবাম্পকেম্প কষ্ট ভোগ করতে হয়। এখনও মেয়েরা পরিবারের বোঝা -- বলে মনে করা হয়। বিয়ে না হওয়ার জন্য মেয়েদের মা বাবার সঙ্গেম্প থাকতে হয়। এর ফলে বাবা মায়ের চিন্তাও বেড়ে যায়। বরপক্ষকে তাদের চাহিদা অনুযায়ী পণ না দিতে পারার জন্য তারা মনে মনে দুঃখিত হয়। কিন্তু মেয়েরা এখন এম্প অবস্থা

विजया : देखिए, आजकल शादी में दहेज देना एक सामाजिक कुरीति के रूप में व्याप्त हो गया है। माँ बाप सदा इस बात की चिंता करते रहते हैं कि, यदि हम नहीं रहे (मर गए) तो हमारी लड़कियों का विवाह कौन करवाएगा? इसी कारण से अपनी लड़कियों का विवाह झटपट करना चाहते हैं। इस स्थिति में उन्हें वरपक्ष को दहेज देना ही पड़ता है।

सुनीता : आजकल दहेज प्रथा के विरुद्ध लड़कियाँ क्या भूमिका अदा कर रही हैं?

विजया : दहेज प्रथा के कारण समाज के सभी वर्गों को कष्ट भोगना पड़ रहा है। अब भी लड़कियाँ परिवार पर बोझ मानी जाती हैं। विवाह नहीं हो पाने के कारण उन की माँ बाप के साथ ही रहना पड़ता है। इससे माँ बाप की चिंता भी बढ़ जाती है। वरपक्ष को उनका मन चाहा दहेज नहीं दे पाने के कारण वे मन ही मन दुखी रहते हैं। लेकिन आजकल की लड़कियों ने अब यह स्थिति समझ ली है। उन्होंने दहेज का विरोध करना शुरू कर दिया है। उन को अपने पैरों पर खड़ी होना है। वे ऐसा प्रयत्न कर रही हैं जिससे वे अपने परिवार पर बोझ बन कर न रहें। इसलिए आजकल उनकी शादी भी देरी से हो रही

সম্বন্ধে ওয়াকিবহাল হয়ে গেছে। তারা এখন পণপ্রথার বিরোধ করা শুরু করে দিয়েছে। এদের নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে, এরকম চেষ্টা করছে। যাতে তারা পরিবারে আর বোঝা হয়ে না থাকে। এম্পজন্য আজকাল তাদের বিয়েও দেরিতে হচ্ছে।

সুনীতা : একমাত্র অর্থনৈতিক কারণের জন্যম্প কি মেয়েরা বিয়ে করতে চায় না?

বিজয়া : না, কেবল আর্থিক কারণাম্প প্রধান নয়। এর সঙ্গে মর্যাদার প্রশ্নও জড়িত। মেয়েদের কি সবসময় পুরুষদের কথামতোম্প চলতে হবে? আজকাল মেয়েদের অনেক ক্ষেত্রেম্প সামাজিক অন্যায়ের বিরুদ্ধে লড়তে হচ্ছে। সামাজিক অধিকার প্রতিষ্ঠা করতে মেয়েদের এগিয়ে আসা প্রয়োজন। কিছু কিছু ক্ষেত্রে কিছু মেয়ে এগিয়েও এসেছে। জীবিকার জন্যে মেয়েদের এখন ঘরের বাম্পরে বেরিয়ে আসতেম্প হবে।

है।

सुनीता : क्या केवल आर्थिक कारणों से ही लड़कियाँ विवाह करने को तैयार नहीं हो रही हैं?

विजया : नहीं। केवल आर्थिक कारण ही मुख्य नहीं है। इसके साथ सम्मान का प्रश्न भी जुड़ा है। लड़कियों को क्या सदा पुरुषों के अनुसार ही चलना होगा? आजकल लड़कियों को अनेक क्षेत्रों में सामाजिक अन्याय के विरुद्ध लड़ना पड़ रहा है। सामाजिक अधिकारों की स्थापना करने के लिए लड़कियों को आगे आने की ज़रूरत है। कुछ लड़कियाँ किसी किसी क्षेत्रों में बहुत आगे भी बढ़ गयी हैं। जीविका के लिए अब लड़कियों को घर से बाहर निकलना ही होगा। इसी से उन्हें नाना प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है।

सुनीता : अच्छा, इस समस्या के समाधान के बारे में आप के क्या विचार हैं?

विजया : लड़कियों को पहले आत्मनिर्भर होना चाहिए। उसके बाद ही

তাম্প অবশ্য তাদের নানারকম সমস্যার সম্মুখীন হতে হচ্ছে।

সুনীতা : আচ্ছা, এম্প সমস্যার সমাধানের ব্যাপারে আপনি কি ভাবছেন?

বিজয়া : মেয়েদের আগে স্বনির্ভর হওয়া দরকার হবে। তারপরেম্প তাদের বিয়ে করা উচিত। আসলে সমগ্র নারীজাতিকেম্প পণপ্রথার বিরুদ্ধে রুখে দাঁড়াতে হবে। মেয়েরা বাজারের পণ্য নয় -- একথা সকলকে বুঝতে হবে। মেয়েদের এম্প সিদ্ধান্ত নিতে হবে যে, যে বরপক্ষ পণ চাম্পবে তাকে বিয়ে করবে না। তাহলেম্প পণপ্রথার মতো অভিশাপ সমাজ থেকে দূর হতে পারে।

সুনীতা : বাঃ, আপনার মতামত জেনে বেশ ভাল লাগল। আগামী বৈশাখ সংখ্যাতে এম্প সাক্ষাৎকার্রি প্রকাশ করবো। তখন আপনাকে এক কপি 'সুনন্দা' পাঠাবো। আজ তাহলে আসি। অনেক ধন্যবাদ। নমস্কার।

उनका विवाह करना उचित है। असल में समग्र नारी जाति को दहेज प्रथा के विरुद्ध खड़ा होना होगा। लड़कियाँ बाज़ार की चीज़ें नहीं हैं। यह बात सबको समझना चाहिए। लड़कियों को ऐसा निर्णय लेना चाहिए कि यदि वरपक्ष दहेज की माँग करें तो वे ऐसे लड़कों से शादी न ही करें। तभी दहेज प्रथा जैसा अभिशाप समाज से दूर हो सकता है।

सुनीता : वाह! आपके विचार जान कर बहुत अच्छा लगा। अगले बैशाख-अंक में यह साक्षात्कार प्रकाशित करूँगी। तब आपको 'सुनंदा' की एक प्रति भेजूँगी। तो आज चलती हूँ। बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

विजया : धन्यवाद। नमस्कार।

বিজয়া : ধন্যবাদ। নমস্কার।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
পণ	दहेज
প্রথা	नियम
সাক্ষৎকার	साक्षात्कार
কি মনে করে এসেছেন	कैसे आना हुआ
মতামত	विचार
দেওয়া	देना
মেয়েদের	लड़कियों का
ফলে	फलस्वरूप
বিরুদ্ধে	विरोध में
শ্রেণীর	श्रेणी का
পরিবারে	परिवार में
অর্থঁনৈতিক	अर्थनैतिक
সংখ্যা	संख्या
বুঝতে	समझना
পায়ে	पैरों पर
কথামতো	कहने के अनुसार
অন্যায়ের	अन्याय का
প্রতিষ্ঠা	प्रतिष्ठा
এগিয়ে	आगे आना
জীবিকার জন্য	जीविका के लिए

ঘরের	घर से
বাস্পরে	बाहर में
বেরোতে	निकलने
হচ্ছে	हो रहा है
সমস্যার	समस्या का
সমাধানের	समाधान के
জাতিকেম্প	जाति को ही
রুখে	विरुद्ध
পণ্য	वस्तु, चीज़
পাঠাবো	भेजूँगी

অভ্যাস

I. নীচে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির ব্যবহার করে নতুন বাক্য গঠন করুন।

1. আপনাকে পড়তে হবে। (লিখতে, শিখতে)
2. তোমাকে নতুন বস্প কিনতে হবে। (আনতে, দিতে)
3. আমাকে রান্না করতে হবে। (গান শিখতে, নাচ শিখতে)
4. তাকে রোজ দু'কিলোমিটার হাঁটতে হয়। (ছুটতে, দৌড়তে)
5. তাকে রোজ নিয়ম মতো ব্যায়াম করতে হয়।(সাঁতার কাটতে, খেলতে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. আমাকে ____________ হবে। (খাওয়া, খেতে, খাব)

2. আপনাকে চিঠি ________ হবে। (লিখতে, লিখুন, লেখেন)

3. আপনি চিঠি ________ । (লিখবেন, লিখলে, লিখতে)

4. আমি বাজারে ______________ । (যেতে, যাব, যাওয়া)

5. তোমাকে এস্প কাজৌা __________ হবে। (করতে, করা, করে)

III. নীচে দেওয়া বাক্যগুলি উদাহরণ অনুযায়ী পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : আমি পড়ি ⟶ আমাকে পড়তে হবে।

1. আপনি সিনেমা দেখেন।
2. তুমি বস্পৌা আন।
3. সে বাজারে যায়।
4. তিনি চাকরি করেন।
5. তারা ভাত খায়।

IV. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(যান, যাস্প, যেতে, কাটৈ, কাৗতে)

1. রমেশকে রোজ সাঁতার _________ হয়।
2. সে রোজ সাঁতার ____________ ।
3. আমি রোজ বাজার ___________ ।
4. আমাকে রোজ বাজারে ________ হয়।
5. তিনি বাজারে _________ ।

V. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. আমাকে রোজ স্কুলে ________ ___________।
2. আপনাকে আগামীকাল কলকাতা ____________ _________।

3. উপায় না দেখে গতকাল তাকে ______ ______।

4. তোমাকে বস্পৗা ______ ______।

5. তাকে জিনিস্টা ______ ______।

6. এত চিন্তার কী আছে, তিনি তোমায় ______ ______।

7. আমরা সবাস্প নৈনিতাল ______ ______।

8. রোজ সারাদিনে অন্তত পাঁচ লিটার জল ______ ______।

9. বর্ষাকালে সারাদিন ধরে বৃষ্টি হয়, তাস্প সবসময় ছাতা নিয়ে ______ ______।

10. বয়স বাড়ার সাথে সবাস্পকেস্প কিছু না কিছু দায়িত্ব ______ ______ ______।

পড়ে বুঝুন

শিক্ষায় শক্তি শিক্षा में बल

দেশের জনশক্তিকে ঠিকমতো কাজে লাগাতে হলে জনসাধারণকে শিক্ষিত করে তুলতে হবে। বহু সরকারী প্রচেষ্টা সফল হতে পারে না, কারণ জনসাধারণের সেস্প প্রচেষ্টার সঙ্গে কোনো যোগ থাকে না। আর ঐা হয় জনসাধারণ শিক্ষিত নয় বলে। শিক্ষা মানে শুধু অক্ষর জ্ঞান বা অঙ্ক পড়ানোস্প নয় জনসাধারণকে এমনভাবে শিক্ষিত করে তুলতে হবে যাতে তাদের কুসংস্কার দূর হয়। তাদের মধ্যে বিচক্ষণ মানসিকতা আনতে হবে। নতুনকে গ্রহণ করার মতো মানসিকতা সৃষ্টি যাতে হয় তা দেখতে হবে। জন শিক্ষার কথা বললে প্রথমেস্প আসে নারীশিক্ষার কথা। মেয়েদের জন্যে শিক্ষার ব্যবস্থা করতে হবে। মেয়েরা ঠিকমতো শিক্ষা পেলে ভবিষ্যৎ বংশধরেরাও শিক্ষিত হবে। এর জন্যে প্রকৃত পরিকল্পনা দরকার। সাক্ষরতা অভিযান আমাদের দেশে আরম্ভ হয়েছে। এক একটি জেলায় নিরক্ষরতা সম্পূর্ণ দূর হচ্ছে, ঐা খুবস্প ভাল লক্ষণ। কিন্তু এস্প সঙ্গে কুসংস্কার দূর করার ব্যবস্থা করতে হবে। রাজনৈতিক সচেতনতা আনতে হবে। এস্প সবের জন্য চাস্প বিচক্ষণ মানসিকতা।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
জনশক্তি	जनशक्ति
জনসাধারণকে	जनसाधारण को
শিক্ষিত	शिक्षित
বহু	बहुत
প্রচেষ্টা	प्रचेष्टा
সফল	सफल
অক্ষর	अक्षर
জ্ঞান	ज्ञान
অঙ্কের	अंक का
বিচক্ষণ	विलक्षण
বংশধরেরাও	वंशज भी
পরিকল্পনা	परिकल्पना
সাক্ষরতা	साक्षरता
অভিযান	अभियान
নিরক্ষরতা	निरक्षरता

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. দেশের জনশক্তিকে কাজে লাগাতে হলে প্রথমে কি করতে হবে?

2. **বহু সরকারী প্রচেষ্টা সফল হয় না কেন?**
3. **জনশিক্ষার উদ্দেশ্য কি হওয়া উচিত?**
4. **নারীশিক্ষার ফলে কি হয়?**
5. **সাক্ষরতার সঙ্গে আর কি করতে হবে?**

II. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন পাঁচর্টি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

বর্তমানে, যুব সমাজ নিজের প্রতিষ্ঠা নিয়ে খুবস্প সচেতন। নিজেদের মর্যাদা নিয়ে তারা এত বেশি সচেতন যে অল্প বয়সেস্প তারা আর পিতামাতার গলগ্রহ হয়ে থাকতে চায় না। তাস্প তারা জীবিকা নির্ভর লেখাপড়ার দিকেস্প ঝুঁকছে। সুতরাং তারা এখন জ্ঞান অর্জনের দিকে দৃষ্টি দিতে চাস্পছে না। তারা প্রথম থেকেস্প নিজেদের জীবনের পরিকল্পনা করে নেয়। তাস্প আজকাল প্রকৃত জ্ঞানী অপেক্ষা শিক্ষিতের সংখ্যা বেশি।

বিস্তৃত অর্থ :

1. জীবনধারণের জন্য উপায়।
2. সজাগ, ওয়াকিবহাল।
3. যে ব্যক্তির শিক্ষা আছে।
4. আগে থেকে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়া।
5. জীবনে সসম্মানে স্থাপনা লাভ করা।
6. পরের ওপর নির্ভরশীল।

III. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

সমাজের অন্যতম সমস্যা হলো জাতিভেদ প্রথা। পূর্বে, উচ্চবর্ণের মানুষ নিম্ন বর্ণের মানুষদের অমর্যাদাপূর্ণ দৃষ্টিতে দেখত। এর ফলে নিম্নবর্ণের বা অনুন্নতশীল মানুষদের পিছিয়ে পড়তে হয়। তবে বর্তমানে তারা যথেষ্ট সচেতন হয়েছে। তারা ন্যায়ের পথ ধরে অন্যায়ের বিরুদ্ধে লড়াস্প করতে শিখেছে। অবশ্য বর্তমানে সরকারও তাদের যথেষ্ট সুযোগ দিচ্ছেন। সেস্প সুযোগ তারা পূর্বে নিতে চায়নি। তবে বর্তমানে সেস্প সুযোগ নেওয়ায় তারাও যথেষ্ট উন্নতশীল হয়েছে এবং এগিয়ে এসেছে। এখন তারা যুগের সাথে পাল্লা দিতে সক্ষম হয়েছে। এস্পভাবেস্প এস্প সামাজিক সমস্যার সমাধান হচ্ছে।

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

নারীজাতিকে সঠিকভাবে মর্যাদা দিতে হলে তাদের ঘোমটার আড়াল থেকে শিক্ষার আলোয় বার করে আনতে হবে। তাদের যথার্থ শিক্ষিত ও জ্ঞানী করে তুলতে হবে। নারীদের নিজেদেরও মর্যাদা ও সম্মান সম্বন্ধে সচেতন হতে হবে। তাদের পোষাকে আধুনিকতা দেখালেস্প চলবে না। তাদের মানসিকতাও আধুনিক করতে হবে। তাদের কুসংস্কার ত্যাগ করতে হবে এবং যুগের সঙ্গে পাল্লা দিতে হবে। তাদের চিন্তাধারা, কুসংস্কারমুক্ত আধুনিক মানসিকতার হতে হবে। নারীকে কেবল নিজের শক্তিতে সচেতন হলেস্প চলবে না, তাদের দেশের গতিপ্রকৃতি ও উন্নতি নিয়েও ভাবতে হবে। তাদের দেশের উন্নয়নেও এগিয়ে আসতে হয় নানান ক্ষেত্রে। যেমন নারীদের রাজনৈতিক, প্রশাসনিক ক্ষেত্রে এগিয়ে আসতে হবে। দেশের নারীর সংখ্যা অনুপাতে মাত্র কয়েকজনস্প এস্প ক্ষেত্রের সাথে জড়িত কিন্তু আরো অনেক মহিলাকে এগিয়ে আসতে হবে। নাহলে, শুধু মাত্র মহিলারাস্প পিছিয়ে পড়বে না, দেশকেও পিছিয়ে পড়তে হবে। কারণ, দেশের বৃহৎ অংশে মেয়েরাও আছে। আজকাল, অবশ্য অনেক মেয়েরাস্প এগিয়ে আসছে। তারাও নিজেদের মর্যাদা সম্বন্ধে যথেষ্ট সচেতন হয়েছে এবং সর্বক্ষেত্রেস্প তারা যোগদান করছে। তবে আমাদের দেশ মেয়েদের কাছ থেকে আরো কিছু আশা করছে।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

संस्मरण

उर्मिला

जीवन में कुछ क्षण ऐसे भी आते हैं जो संस्मरण बन कर स्मृति पटल पर सदा अंकित रहते हैं। ऐसा ही एक संस्मरण मेरे शहर मनासा का भी है।

मेरे नगर मनासा में एक मोहल्ला है जिसका नाम है "बुशवाह मोहल्ला"। यह एक किसानी मोहल्ला है। इसी मोहल्ले में एक परिवार रहता है। मोहन बुशवाह इस परिवार के मुखिया थे। मोहन जी की कुल पाँच संतानों में दो बेटे और तीन बेटियाँ। उर्मिला सब से बड़ी बेटी। मोहन बुशवाह ने अपनी आर्थिक तंगी के बावजूद भी अपनी पाँचों संतानों के पढ़ाने का अपना संकल्प डिगने नहीं दिया।

उर्मिला बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा थी। इसी बीच उसकी सगाई खंडवा क्षेत्र के एक सजातीय लड़के से हो गई। उर्मिला चाहती थी कि, पढ़ाई पूरी हो जाने के पश्चात ही उसका विवाह हो। यह बात उसने अपनी माँ से कही। उर्मिला की माँ भले ही पढ़ी लिखी नहीं थी किंतु वह पढ़ाई का महत्व समझती थी। उसके मायके में सब पढ़े लिखे थे। उसके समय लड़कियों को पढ़ाने का रिवाज़ नहीं था। यह टिस उर्मिला की माँ के मन में सदा रहती थी। इसलिए उसने उर्मिला के मन की बात का महत्व समझ कर लड़के वालों के यहाँ इस आशय का समाचार अपने पति के माध्यम से भिजवाया। लेकिन लड़के वालों ने उत्तर में कहलवाया, "यदि उर्मिला चाहे तो विवाह के बाद वह अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेगी। इसपर आपलोग सहमत नहीं हो तो फिर हमें विवश होकर सगाई तोड़कर अपने बेटे का संबंध कहीं और करना पड़ेगा।"

वरपक्ष का यह उत्तर जानकर उर्मिला का मन बहुत दुखी हो गया। उसके माँ-बाप की चिंता बढ़ गई। मज़बूर होकर उन्होंने विवाह के लिए सहमती दे दी। निर्धारित तिथि पर बारात आ गई। बारात का खूब स्वागत किया गया। समय मुहूर्त पर वर तोरण इस पर आ पहुँचा। तोरण पर वरमाला से पूर्व लड़के के मित्रों ने उर्मिला के पिता से कहा, "वरमाला की रस्म से पहले एक स्कूटर, एक रंगीन टी.वी., एक फ्रिज और दस हज़ार रुपये नगद वराचार में देने होंगे। तभी वरमाला हो पाएगी।" वरके मित्रों का यह प्रस्ताव सुनते ही उर्मिला के पिता अबाक रह गए। उर्मिला की माँ ने यह बात सुना तो वह बेहोश हो गई। अब क्या होगा? मेहंदी हल्दी लगी लड़की की दुर्दशा की कल्पना मात्र से सब तरफ़ मायूसी छा गई। मोहन जी ने वर के पिता से बात की। वर के पिता ने कहा "मैं क्या कह सकता हूँ? आजके लड़के किसी की बात नहीं सुनते।" मोहन जी ने समझाया कि, सगाई के समय तो दहेज में लेन-देन की ऐसी कोई बात नहीं हुई थी। फिर भी हम अपनी हैसियत के मान से जितना दे रहे हैं वह सामाजिक परम्परा से अधिक ही है। वर के पिता तो रससे मस नहीं हुए। वे बोले तबकी बात और थी। अभी की और है। उर्मिला यह जानकर बहुत दुखी हो उठा। उसने अपने माँ बाप की स्थिति देखकर तत्काल निर्णय लिया। वर और उसके बीच केवल एक कदम की दूरी। दोनों के हाथों में वरमाला। बीच में केवल झीना सा पर्दा। उर्मिला

ने अपने हाथ से बीच का पर्दा हटा दिया। वह आगे बढ़ी और अपने वर से पूछा -- "दहेज का निर्णय आपका अपना है या आपके दोस्तों का?"

वर ने साफ-साफ कह दिया "मांग का फैसला किसी का भी हो यह मांग तो आपलोगों को पूरी करना ही पड़ेगी। तभी वरमाला की रस्म पूरी हो सकेगी।" उर्मिला ने वर को एक बार फिर समझाने का प्रयत्न किया -- "देखिए आपके सभी मित्र तो शराब के नशे में हैं। आप तो होश में हैं। आपने निर्णय पर एकबार ठंडे मन से सोचिए। वर तो बहुत ज़िद्दी निकला। उसने कहा, मांग पूरी करने पर ही वरमाला होगी।" वर की यह उत्तर सुनकर उर्मिला की आँखें लाल उठीं। "यदि नहीं हुई तो आप क्या करेंगे। तनिक वह भी बता दीजिए।"

वर ने आँखें मटका कर कहा "बारात वापस लौटा ले जाऊँगी।" उर्मिला ने वर के वाक्य को बीच में झपट लिया। "तो फिर आप यही कीजिए। आप फौरन बारात वापस लौटा ले जाइए।" ऐसा कहते ही वह तोरण द्वार छोड़ कर वापस घर में लौट गई।

उर्मिला से ऐसे निर्णय की आशा किसी को भी नहीं थी। माँ बाप ने व अन्य रिश्तेदारों ने उसे खूब समझाया। उर्मिला अपने निर्णय से नहीं डिगी। अंत में वरपक्ष बिना दहेज लिए ही वरमाला के लिए तैयार हो गया। लेकिन उर्मिला अपने फैसले पर दृढ़ रही।

बारात को बिना विवाह के वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उर्मिला ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। बाद में वह एक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदस्थ हुई। इस घटना ने मोहल्ले की ही नहीं पूरे क्षेत्र की लड़कियों को बहुत प्रेरणा दी। उर्मिला आज भी स्त्री जाति के लिए प्रेरणा स्रोत है। उसका एक हँसता खेलता सुसंस्कृत परिवार है। सब उसका सम्मान करते हैं।

I. সামাজিক সমস্যা হিসাবে 'কুসংস্কার' সম্বন্ধে একটি অনুচ্ছেদ (৩০টি বাক্য) লিখুন।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में इस प्रकार के वाक्यों का प्रयोग किया गया है, जिसमें कर्ता के ऊपर किसी कार्य की बाध्यता होती है। ऐसे वाक्यों में हिंदी के समान ही बंगला में भी कर्ता में कर्म (द्वितीया) विभक्ति लगती है। इन वाक्यों में दो क्रियाएँ होती हैं। एक मूल क्रिया और दूसरी सहायक क्रिया 'হ' (ह) - (होना) मुख्य क्रिया असमापिका क्रिया के रूप में प्रयुक्त होती है और 'হো' (हो) - (होना) क्रिया आवश्यकतानुसार सभी कालों में प्रयुक्त होती है, किन्तु रहती सदा अन्य पुरुष एक वचन में ही। जैसे :

মেয়েদের নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে। लड़कियों को अपने पैरों पर खड़े होना है/खड़े होना चाहिए।

পরিবেশ দূষণের জন্য সমাজের সব মানুষকে ভুগতে হয়।	पर्यावरण के प्रदूषण का प्रभाव सबको भुगतना है।

ऐसे बंगला वाक्यों के अर्थ हिंदी वाक्य संरचनाओं में लाने के लिए 'पड़ना' या 'होना' क्रियाएँ प्रयोग कर सकते हैं।

II. उपर्युक्त वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए 'है' क्रिया के बाद 'ना' (ना) लगाया जाता है।

মেয়েদের বাবা-মায়ের গলগ্রহ হয়ে থাকতে হবে না।	लड़कियों को हमेशा अपने माता पिता पर बोझ बनकर नहीं रहना है।
পরিবেশ দূষণের প্রভাব সমাজের সব মানুষকে ভুগতে হয় না।	पर्यावरण के प्रदूषण का प्रभाव सबको नहीं भुगतना है।

पाठ 22

पाठ

সাক্ষরতা অভিযানের উদ্দেশ্যে এর্কি সভা

সভাপতি : যখন আমরা বয়স্ক শিক্ষাকেন্দ্র প্রথম শুরু করি, তখন আমাদের সদস্য সংখ্যা ছিল মোর্টে আঁজন। আজ পাঁচ বছর পরে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বেড়ে দাঁড়িয়েছে বাষট্টিজন। আমাদের এলাকায় আমরা তির্নি শিক্ষাকেন্দ্র স্থাপন করেছি।

১ম সদস্য: কিন্তু পাশের গ্রাম রঘুনাথপুরে এম্প পাঁচ বছরে সাক্ষরতার হার তুলনায় অনেক বেড়েছে। যে লক্ষ্যে পৌঁছবার কথা আমরা কি সেম্প লক্ষ্যে পৌঁছতে পেরেছি।

সভাপতি : আমাদের সাক্ষরতার হার প্রায় সত্তর শতাংশ। ঐা কম মনে হতে পারে। কিন্তু যারা আমাদের এখান থেকে শিক্ষালাভ করেছে তারা সামাজিক উন্নতি সম্পর্কে যথেষ্ট সচেতন।

साक्षरता अभियान के लिए एक सभा

सभापति: जब हमने प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पहले शुरु किया था तब हमारे सदस्यों की कुल संख्या केवल आठ ही थी। आज पाँच साल के बाद हमारे सदस्यों की संख्या बढ़कर बासठ हो गई है। अपने इलाके में हमने तीन शिक्षा केन्द्र स्थापित किए हैं।

पहला : किंतु पास के गाँव रघुनाथपुर में

सदस्य इन पाँच वर्षों में साक्षरता की दर तुलनात्मक दृष्टि से बहुत बढ़ गयी है। जिस लक्ष्य तक पँहुचने की हमारी संकल्प था क्या हम वहाँ तक पहुँच पाए हैं?

सभापति: हमारी साक्षरता की दर ७०% हैं। यह कम लग सकती है। किंतु जिन्होंने हमारे यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर उन्नति की है वे समाज के विषय में बहुत जागरूक हैं।

২য় সদস্যঃ আমরা যত বেশী শিক্ষা কেন্দ্র খুলতে পারব তত বেশী লোক সাক্ষর হতে পারবে।

সভাপতি : নতুন কেন্দ্র খুলতে হলে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বাড়াতে হবে। সেম্প সঙ্গে বাড়াতে হবে শিক্ষকের সংখ্যাও। যে অনুপাতে কেন্দ্র বাড়বে সেম্প অনুপাতে অর্থের ব্যবস্থা করতে হবে। এর জন্য সকলকেম্প উদ্যোগী হতে হবে। বিশেষ করে অর্থ সংগ্রহের জন্য সকলকে সক্রিয় হতে হবে।

৩য় সদস্যঃ আমার একৗা প্রস্তাব আছে। যাদের জন্যে সাক্ষরতার এম্প কর্মসূচী তাদেরকেও আমাদের এম্প অভিযানে সামিল করা চাম্প। তাতে দুৗো লাভ হবে। অর্থের ব্যবস্থাও হবে আর তারা এম্প কাজৗা নিজেদের বলেম্প মনে করবে।

১ম সদস্যঃ অর্থের ব্যবস্থা কি করে হবে?

৩য় সদস্যঃ যে সব সংস্থার কাছ থেকে

दूसरा सदस्य : हम जितने अधिक शिक्षा केंद्र खोलेंगे उतने ही अधिक लोग साक्षर हो सकेंगे।

सभापति : नये केंद्र खोलने के लिए हमें अपने सदस्योंकी संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही शिक्षकों की संख्या भी बढ़ानी होगी। जिस अनुपात में केंद्र बढ़ेंगे उसी अनुपात में अर्थ की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी। इसके लिए सभी को प्रयत्न करना पड़ेगा। विशेष रूप से धन संग्रह के लिए सभी को सक्रिय रहना होगा।

तीसरा सदस्य : मेरा एक प्रस्ताव है। जिनके लिए साक्षरता की यह कार्यसूची है उनको भी हमें इस अभियान में शामिल करना चाहिए। इससे दो लाभ होंगे। धन की भी व्यवस्था होगी और वे लोग भी इसे अपना ही काम जानने लगेंगे।

प्रथम सदस्य : धन की व्यवस्था कैसे होगी?

तीसरा सदस्य : जिन संस्थाओं से हमारा शिक्षाकेंद्रों अनुदान पाता है, उन सब संस्थाओं में हमें साक्षरता का

আমাদের শিক্ষাকেন্দ্র অনুদান পাচ্ছে সেস্পসব সংস্থায় আমাদের সাক্ষর করতে কিছু শিক্ষক নিয়োগ করতে হবে। তাদের পাওয়া বেতন থেকে কিছু ৗকা চাঁদা হিসাবে সংগ্রহ করে কেন্দ্রের কাজে লাগানো হবে।

প্রসার করনে কে লিए কুছ शिक्षकों की नियुक्ति करनी होगी। उनके दिए गए वेतन में से कुछ रुपए चंदा प्राप्त कर उसे साक्षरता केंद्रों में लगाना होगा।

১ম সদস্য : এস্প প্রস্তাবে কি সকলে রাজী হবেন?

पहला सदस्य : क्या इस प्रस्ताव पर सभी लोग सहमत होंगे?

সভাপতি : নিশ্চয় হবেন। যত ৗকা ওরা পাবেন তার খুব সামান্য অংশ চাঁদা হিসাবে নিলে কারোর আপত্তি থাকবে না। এখন আর আলোচনা নয়। আগামী রবিবার সব সদস্যের কাছে এস্প প্রস্তাব রাখা হবে। তাহলে আজকের সভা শেষ করা যাক।

सभापति : ज़रूर होंगे। जितने रुपये उनको मिलेंगे उसका कुछ भाग चंदे के रूप में लेने पर किसी को आपत्ति नहीं होगी। अब और विचार विमर्श नहीं करना है। अगले रविवार सभी सदस्यों के सामने यह प्रस्ताव रखा जाएगा। तो आज की सभा समाप्त की जाए।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
সাক্ষরতা	साक्षरता

সদস্য	सदस्य
সক্রিয়	सक्रिय
বাষট্টি	बासठ
পাশের	पास के
বেড়েছে	बढ़ा है
লক্ষ্যে	लक्ष्य में
পৌঁছবার	पहुँचने की
সত্তর	सत्तर
শতাংশ	शतांश
যারা	जो लोग
শিক্ষালাভ	शिक्षालाभ
সাক্ষর	साक्षर
বাড়াতে	बढ़ाना
শিক্ষকের	शिक्षक का
অনুপাতে	अनुपात में
অর্থের	अर्थ का
সংগ্রহের	संग्रह का
যাদের	जिसके लिए
কর্মসূচী	कार्यसूची
তাদেরকে	उन लोगों को
আমাদের	हम लोगों को
সংস্থার	संस्था का
অনুদান	अनुदान
নিয়োগ করা	नियुक्त करना
	सामान्य

সামান্য **আপত্তি**

আপত্তি

অভ্যাস

I. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. যিনি এসেছিলেন ________ আমার বন্ধু। (তিনি, সে তারা)
2. যাকে এম্প বস্পীা দেবো ভেবেছিলাম ________ দেখতে পেলাম না। (তার, তিনি, তাকে)
3. যেদিন বৃষ্টি হয় ________ ঠাণ্ডা পড়ে। (সে, সেদিন, দিনে)
4. যে এসেছিল ________ আমি চিনি না। (সে, তার, তাকে)
5. যার কথা ভাবছিলাম ________ এসেছে। (সে, তার, তাকে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(তাদের, ততক্ষণ, ততগুলো, তত, সে)

1. যে প্রথমে আসবে ________ ঐা পাবে।
2. যতগুলো আপেল আপনি চান ________ নিতে পারেন।
3. যতক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকবেন ________ কষ্ট পাবেন।
4. রাস্তায় যে ছেলেগুলো খেলছে ________ সবাম্পকে আমি চিনি না।
5. মেয়েৃির যতরূপ ________ গুণ।

III. উদাহরণ অনাসারে দুৃি বাক্যকে একৃি বাক্যে পরিণত করুন।

উদাহরণ : ও আসছে। ও আমার বন্ধু।

যে আসছে সে আমার বন্ধু।

1. এম্প বম্পগুলো দেখছেন। এগুলো লাম্পব্রেরী থেকে এনেছি।
2. ঐ লোর্কি কাজ করছে। লোর্কির ভাল স্বভাব।
3. ঐা বিশ্ববিদ্যালয়ের খেলার মাঠ। আমি এখানে ব্যাডর্মিন্টন খেলি।
4. ওনাকে কাগর্জা পাঠিয়েছিলাম। উনি আমার শিক্ষক।
5. বৃষ্টি পড়বে। গাছগুলি ভাল হবে।

IV. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে নিচের বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. যাকে দেখেছেন ____________ চিনতে পারবেন?
2. যত পড়বেন ______________ শিখবেন।
3. যে গার্না শুনলাম __________ খুব সুন্দর।
4. আমার কাছে _____________ আসে তদের আমি ফেরাম্প না।
5. তিনি ________________ গেছেন সেখানেম্প অভিনন্দিত হয়েছেন।

V. অনুচ্ছের্দা পড়ে এমন পাঁর্চা শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

দেববাবু একজন আদর্শ শিক্ষক। তিনি নানা স্থানে ঘুরে ঘুরে গরীব ছাত্র সংগ্রহ করেন এবং তাদের শিক্ষা দেন। যদিও ছাত্রদের এক অংশের পিতামাতা আপত্তি করেন। কিন্তু তাও তাকে কেউ তার কাজ থেকে বিরত করতে পারে না, এম্প শিক্ষার কাজে তিনি নিজেকে নিয়োগ করেছেন।

বিস্তৃত অর্থ :

1. শিক্ষা দান করেন যিনি।
2. খণ্ড।
3. নিযুক্ত করা।
4. অমত করা।
5. একত্রিত করা।

VI. অনুচ্ছের্দটি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

আমাদের দেশের নিরক্ষরতা দূর করতে হলে, প্রথমেম্প একর্টি লক্ষ্য স্থির করে নিতে হবে। তারপর সমস্ত শিক্ষিত মানুষকেম্প সক্রিয় হতে হবে। প্রর্তিটি শিক্ষিত মানুষকেম্প সক্রিয় হতে হয়। প্রর্তিটি শিক্ষিত মানুষ যদি প্রতি একর্টি নিরক্ষর মানুষকে সাক্ষর করতে পারে, তবে সাক্ষরতার হারম্প শুধু বাড়বে না, দেশের মানুষের মধ্যে সচেতনাও বাড়বে। এম্প কাজে কারোর আপত্তি থাকা উচিৎ নয়। তাম্প যারা অলক্ষ্যে ছিলেন তারাও সহযোগিতা করতে এগিয়ে এসেছেন। এখন আর নিষ্ক্রিয় হয়ে থাকার দিন আর নেম্প। এম্পভাবেম্প ধীরে ধীরে নিরক্ষরতার হার কমবে।

পড়ে বুঝুন

কন্যাকুমারী ভ্রমণ কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারীর সমুদ্রের ধারে বেড়াতে খুব ভাল লাগে। যে দিকে তাকানো যাক না কেন, শুধু জল আর জল। আমরা যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলাম, সেদিন ছিল পূর্ণিমা।

পূর্ণিমার রাতে সমুদ্রের ধারে বালি চিক্ চিক্ করছিল। কন্যাকুমারীতে তির্নি সমুদ্র --- বঙ্গোপসাগর, আরব সাগর ও ভারত মহাসাগর এক সঙ্গে মিশেছে। কন্যাকুমারী ভারতবর্ষের শেষ প্রান্তে এস্প কথা মনে হলেস্প অদ্ভুত অনুভূতি হয়। সমুদ্রের ধারে যতক্ষণ দাঁড়িয়ে ছিলাম ততক্ষণ ভারতবর্ষের মানচিত্র মনে পড়ছিল। আর মনে পড়ছিল তাঁদের কথা, যাঁরা এস্প ভারতবর্ষের স্বাধীনতার জন্য প্রাণ দিয়েছিলেন। এস্প কন্যাকুমারীতে সমুদ্রে সাঁতার কেটৈ স্বামী বিবেকানন্দ একর্টি শিলার ওপর উঠেছিলেন এবং সেখানে ধ্যান করেছিলেন। যে শিলার ওপর তিনি ধ্যান করেছিলেন, সেস্প শিলার নাম বিবেকানন্দ শিলা। এখন সেখানে একর্টি সুন্দর স্মৃতি মন্দির তৈরী হয়েছে। ছৌ লঞ্চে করে সেখানে যাওয়ার ব্যবস্থা আছে। আমি অনেকবার কন্যাকুমারী গিয়েছি। যতবার গিয়েছি ততবারস্প এস্প একস্প অনুভূতি হয়েছে।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
সমুদ্রের	समुद्र का
পূর্ণিমা	पूर्णिमा
বালি	बालु
মিশেছে	मिला है
অদ্ভুত	अद्भूत
অনুভূতি	अनुभूति
যতক্ষণ	जितनी देर
ততক্ষণ	उतनी देर
স্বাধীনতা	स्वतंत्रता का
সাঁতার	तैरना

যতবার	जितना बार
ধ্যান	ध्यान

অভ্যাস

I. নীচের দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. লেখক যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলেন সেদিন কি ছিল?
2. কন্যাকুমারীতে কোন্ কোন্ সমুদ্র এক সঙ্গে মিশেছে?
3. সমুদ্রের ধারে যখন লেখক দাঁড়িয়ে ছিলেন তখন তাঁর কি মনে হচ্ছিল?
4. স্বামী বিবেকানন্দ কন্যাকুমারীতে কোথায় ধ্যান করেছিলেন?
5. স্বামী বিবেকানন্দ যেখানে ধ্যান করেছিলেন সেখানে কেমন করে গিয়েছিলেন?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক শব্দ।

আমরা সবাই মিলে একবার সমুদ্র দেখতে গিয়েছিলাম। যেখানে গিয়ে আমরা খুব মুগ্ধ হয়েছিলাম। সেখানে একদিকে সাগর আর একদিকে বিরাট পাললিক শিলার একটি পাহাড়। সমুদ্রের দিকে তাকালে শুধু নীল আর নীল, মনে হয় আকাশ আর সমুদ্র এক জায়গায় মিলেছে। আমরা সমুদ্রের প্রান্তেই একটা পাথরের বাড়ীতে ছিলাম। জায়গাটা খুব সুন্দর, কারণ এখানে এখনও পর্যটকের দৃষ্টি পড়েনি।

III. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

কারো পক্ষেই কোনো কাজ করা অসম্ভব নয়। যদি কেউ চায় তবে সে সবরকম অসম্ভবই সম্ভব করতে পারে। যতক্ষণ পর্যন্ত কারোর মধ্যে কিছু করার মত আশা আকাঙ্খা থাকে ততক্ষণই সে যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে বেঁচে থাকতে পারে। যারা জীবনের সবরকম আশা ত্যাগ করে হতাশ হয়ে যায়, তারাই জীবনযুদ্ধে পরাজিত হয়ে যায়। তাই বাংলায় একটি

প্রবাদম্প আছে, যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ। অর্থাৎ যতক্ষণ শ্বাস চলবে, ততক্ষণম্প আশা থাকবে। জীবনে কেউ একবার অসফল হলে, যদি সব আশা ত্যাগ করে হতাশাগ্রস্থ হয়ে পড়ে, তবে সে কখনম্প এগোতে পারবে না। সকল হতাশা কাঁয়ে যে কাজ করা হয় সৌা সফল হবেম্প। তাম্প সকল প্রতিকূল অবস্থার সঙ্গে লড়াম্প করার মত ক্ষমতা ও মানসিক শক্তির দরকার তবে যা চাওয়া যায় তাম্প পাওয়া যাবে।

IV. বাংলায় অনুবাদ করুন।

निरक्षरता का अभिशाप

यदि साक्षरता वरदान है तो निरक्षरता अभिशाप है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरक्षर जनों को साक्षर करना सब से प्रमुख कार्य है। यदि हम किसी को अपने प्रयत्नों से साक्षर करते हैं अथवा साक्षरता की प्रेरणा देते हैं तो वह हमारा काम सब से बड़ा उपकार का काम होगा।

साक्षरता के क्षेत्र में हम जितना अधिक प्रयत्न करेंगे उसका प्रतिफल भी उतना ही अच्छा व सार्थक प्राप्त होगा। विशेषकर कन्या साक्षरता पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। हम जितना प्रयास कन्या के साक्षरता के लिए कर सकें उतना करना ही चाहिए।

यदि कन्याएँ साक्षर होंगी तो समग्र समाज साक्षर हो पाएगा। कन्या दो परिवारों को साक्षर कर सकती है। पहला अपने माँ-बाप का परिवार दूसरा अपना परिवार। इसप्रकार पूरे समाज में साक्षरता का प्रसार हो सकेगा।

ऐसे कइ उदाहरण हैं जिनसे हमें निरक्षरता से होने वाले नुक्सानों का पता चलता है। कल्पना कीजिए आपको बस से यात्रा करना है और आप निरक्षर हैं तब आपकी कठिनाइ बहुत बढ़ जाएगी। आप अपनी अभीष्ट बस के लिए लोगों से पूछते फिरेंगे। हो सकता है उस पूछताछ में आपकी बस रवाना हो जाए और आप उसका पता लगाने में ही लगे रहें। तब आप पछताने के सिवा क्या कर पाएँगे? शायद तब आप को ऐसा लगे कि, निरक्षरता बहुत बड़ा अभिशाप है। आपका कहीं से पत्र आया है और आप उसे पढ़ नहीं पा रहे। जब तक कोई साक्षर नहीं मिल जाता तब तक आप पत्र का समाचार जानने के लिए व्याकुल रहेंगे। हो सकता है पत्र का समाचार बहुत तत्काल वाला हो। आप को उसका पता चले तब तक बहुत देर हो चुकी हो।

एक पहलवान का उदाहरण आप जान लें तो आपको पता चल जाएगा कि, निरक्षरता से बड़ा कोई अभिशाप नहीं हो सकता। एक बार एक पहलवान घोड़े पर बैठकर यात्रा कर

रहा था। उसे एक कुश्ती मुकाबले में भाग लेना था। मार्ग में उसे एक कुँआ दिखा। उसे जोर से प्यास लगी थी। कुँए पर एक तख्ती लगी थी। जिस पर लिखा था --

"इस कुँए का पानी जहरीला है। पीना मना है।"

पहलवान पूरी तरह निरक्षर था। वह तख्ती पर लिखी सूचना नहीं पढ़ पाया। उसने कुँए से पानी निकालकर जी भर के पानी पी लिया।

पानी पीकर वह फिर से घोड़े पर बैठकर चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसके पेट में भयंकर पीड़ा होने लगी। वह घोड़े से नीचे उतर कर धरती पर लेट गया। पीड़ा से उसकी हालत खराब होने लगी। संयोग से कुछ यात्री वहीं से गुजरे जिन्होंने उसकी दशा देखकर उसे पास के गाँव पहुँचाया। वहाँ एक हकीम (वैद्य) ने उसका उपचार कर उसके प्राण बचाए। वह मरते-मरते बचा। उसे कुश्ती के मुकाबले से भी वंचित होना पड़ा। अब आप समझ गए न, कि निरक्षरता मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है।

V. 'শিশুশ্রমের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ' কতটা প্রয়োজন সে বিষয়ে একটি অনুচ্ছেদ রচনা করুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में हिंदी के जो-सो रूप जैसे अन्योऽन्याश्रित वाक्यों का परिचय दिया गया है। ऐसे वाक्यों में दो उपवाक्य होते हैं। जिनमें से पहले प्रकार के उपवाक्यों में जो / जब / जहाँ आदि का प्रयोग होता है तथा दूसरों में वह / तब / वहाँ आदि का। नीचे ऐसे कुछ वाक्य दिए गए हैं।

(क) व्यक्तिवाचक

যে রান্না করে সে অন্য কাজও করে।
जो खाना पकाती है वह और भी काम करती है।

যারা এখানে এসেছিল তারা সবাই আমাদের পরিচিত।
जितने सब यहाँ आए थे उतने सब हमारे परिचित हैं।

(ख) वस्तुवाचक

যা চাইবেন তাই পাবেন।
जो चाहिए वही मिलेगा।

যেটা ওকে দিলাম সেটা ওর পছন্দ নয়।

जो उसको (मैंने) दिया वह उसे पसंद नहीं।

(ग) स्थानवाचक

যেখানে আপনি যাবেন সেখানে আমিও যাব।
जहाँ आप जाएँगे वहाँ मैं भी जाऊँगी।

যেখানকার কথা আপনি বলছেন সেখানকার কথা আমি আগে শুনিনি।
जिस जगह के बारे में आप कह रहे हैं उस जगह के बारे में मैंने पहले नहीं सुना है।

(ग) समयवाचक

যখন আপনি বাজারে যাবেন তখন আমিও যাব।
जब आप बाज़ार जाएँगे तब मैं भी जाऊँगी।

যতক্ষণ আপনার ইচ্ছা ততক্ষণ এখানে থাকুন।
जितने समय आपका मन चाहे उतने समय आप यहाँ रहिए।

ध्यान रहे कि इस प्रकार के उपवाक्य विशेषण के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे :

যে লোকটা আজ আমার কাছে এসেছিল সে লোকটা ভাল গান জানে।
जो आदमी आज मेरे पास आया था, वह आदमी अच्छा गाना गाता है।

পাঠ
पाठ **22**

সাক্ষরতা অভিযানের উদ্দেশ্যে একটি সভা

সভাপতি : যখন আমরা বয়স্ক শিক্ষাকেন্দ্র প্রথম শুরু করি, তখন আমাদের সদস্য সংখ্যা ছিল মোট আটজন। আজ পাঁচ বছর পরে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বেড়ে দাঁড়িয়েছে বাষট্টিজন। আমাদের এলাকায় আমরা তিনটি শিক্ষাকেন্দ্র স্থাপন করেছি।

১ম সদস্য: কিন্তু পাশের গ্রাম রঘুনাথপুরে এই পাঁচ বছরে সাক্ষরতার হার তুলনায় অনেক বেড়েছে। যে লক্ষ্যে পৌঁছবার কথা আমরা কি সেই লক্ষ্যে পৌঁছতে পেরেছি।

সভাপতি : আমাদের সাক্ষরতার হার প্রায় সত্তর শতাংশ। এটা কম মনে হতে পারে। কিন্তু যারা আমাদের এখান থেকে শিক্ষালাভ করেছে তারা সামাজিক উন্নতি সম্পর্কে যথেষ্ট সচেতন।

साक्षरता अभियान के लिए एक सभा

सभापति: जब हमने प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पहले शुरु किया था तब हमारे सदस्यों की कुल संख्या केवल आठ ही थी। आज पाँच साल के बाद हमारे सदस्यों की संख्या बढ़कर बासठ हो गई है। अपने इलाके में हमने तीन शिक्षा केन्द्र स्थापित किए हैं।

पहला : किंतु पास के गाँव रघुनाथपुर में
सदस्य इन पाँच वर्षों में साक्षरता की दर तुलनात्मक दृष्टि से बहुत बढ़ गयी है। जिस लक्ष्य तक पँहुचने की हमारी संकल्प था क्या हम वहाँ तक पहुँच पाए हैं?

सभापति: हमारी साक्षरता की दर ७०% हैं। यह कम लग सकती है। किंतु जिन्होंने हमारे यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर उन्नति की है वे समाज के विषय में बहुत जागरूक हैं।

২য় সদস্যঃ আমরা যত বেশী শিক্ষা কেন্দ্র খুলতে পারব তত বেশী লোক সাক্ষর হতে পারবে।

दूसरा सदस्य : हम जितने अधिक शिक्षा केंद्र खोलेंगे उतने ही अधिक लोग साक्षर हो सकेंगे।

সভাপতি :নতুন কেন্দ্র খুলতে হলে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বাড়াতে হবে। সেম্প সঙ্গে বাড়াতে হবে শিক্ষকের সংখ্যাও। যে অনুপাতে কেন্দ্র বাড়বে সেম্প অনুপাতে অর্থের ব্যবস্থা করতে হবে। এর জন্য সকলকেম্প উদ্যোগী হতে হবে। বিশেষ করে অর্থ সংগ্রহের জন্য সকলকে সক্রিয় হতে হবে।

सभापतिः नये केंद्र खोलने के लिए हमें अपने सदस्योंकी संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही शिक्षकों की संख्या भी बढ़ानी होगी। जिस अनुपात में केंद्र बढ़ेंगे उसी अनुपात में अर्थ की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी। इसके लिए सभी को प्रयत्न करना पड़ेगा। विशेष रूप से धन संग्रह के लिए सभी को सक्रिय रहना होगा।

৩য় সদস্যঃআমার একটা প্রস্তাব আছে। যাদের জন্যে সাক্ষরতার এম্প কর্মসূচী তাদেরকেও আমাদের এম্প অভিযানে সামিল করা চাম্প। তাতে দুটো লাভ হবে। অর্থের ব্যবস্থাও হবে আর তারা এম্প কাজটা নিজেদের বলেম্প মনে করবে।

तीसरा सदस्य : मेरा एक प्रस्ताव है। जिनके लिए साक्षरता की यह कार्यसूची है उनको भी हमें इस अभियान में शामिल करना चाहिए। इससे दो लाभ होंगे। धन की भी व्यवस्था होगी और वे लोग भी इसे अपना ही काम जानने लगेंगे।

১ম সদস্যঃ অর্থের ব্যবস্থা কি করে হবে?

प्रथम सदस्य : धन की व्यवस्था कैसे होगी?

৩য় সদস্যঃযে সব সংস্থার কাছ থেকে আমাদের শিক্ষাকেন্দ্র অনুদান

तीसरा सदस्य : जिन संस्थाओं से हमारा शिक्षाकेंद्रों अनुदान पाता है, उन सब संस्थाओं में हमें साक्षरता का प्रसार करने के लिए कुछ शिक्षकों

পাচ্ছে সেম্পসব সংস্থায় আমাদের সাক্ষর করতে কিছু শিক্ষক নিয়োগ করতে হবে। তাদের পাওয়া বেতন থেকে কিছু ৌকা চাঁদা হিসাবে সংগ্রহ করে কেন্দ্রের কাজে লাগানো হবে।

১ম সদস্য : এম্প প্রস্তাবে কি সকলে রাজী হবেন?

সভাপতি : নিশ্চয় হবেন। যত ৌকা ওরা পাবেন তার খুব সামান্য অংশ চাঁদা হিসাবে নিলে কারোর আপত্তি থাকবে না। এখন আর আলোচনা নয়। আগামী রবিবার সব সদস্যের কাছে এম্প প্রস্তাব রাখা হবে। তাহলে আজকের সভা শেষ করা যাক।

की नियुक्ति करनी होगी। उनके दिए गए वेतन में से कुछ रुपए चंदा प्राप्त कर उसे साक्षरता केंद्रों में लगाना होगा।

पहला सदस्य : क्या इस प्रस्ताव पर सभी लोग सहमत होंगे?

सभापति : ज़रूर होंगे। जितने रुपये उनको मिलेंगे उसका कुछ भाग चंदे के रूप में लेने पर किसी को आपत्ति नहीं होगी। अब और विचार विमर्श नहीं करना है। अगले रविवार सभी सदस्यों के सामने यह प्रस्ताव रखा जाएगा। तो आज की सभा समाप्त की जाए।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
সাক্ষরতা	साक्षरता
সদস্য	सदस्य
সক্রিয়	सक्रिय

বাষট্টি

পাশের

বেড়েছে

লক্ষ্যে

পৌঁছবার

সত্তর

শতাংশ

যারা

শিক্ষালাভ

সাক্ষর

বাড়াতে

শিক্ষকের

অনুপাতে

অর্থের

সংগ্রহের

যাদের

কর্মসূচী

তাদেরকে

আমাদের

সংস্থার

অনুদান

নিয়োগ করা

সামান্য

আপত্তি

बासठ

पास के

बढ़ा है

लक्ष्य में

पहुँचने की

सत्तर

शतांश

जो लोग

शिक्षालाभ

साक्षर

बढ़ाना

शिक्षक का

अनुपात में

अर्थ का

संग्रह का

जिसके लिए

कार्यसूची

उन लोगों को

हम लोगों को

संस्था का

अनुदान

नियुक्त करना

सामान्य

आपत्ति

অভ্যাস

I. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. যিনি এসেছিলেন ______________আমার বন্ধু। (তিনি, সে তারা)
2. যাকে এস্প বস্পৗ দেবো ভেবেছিলাম ___________ দেখতে পেলাম না। (তার, তিনি, তাকে)
3. যেদিন বৃষ্টি হয় _____________ ঠাণ্ডা পড়ে। (সে, সেদিন, দিনে)
4. যে এসেছিল ___________ আমি চিনি না। (সে, তার, তাকে)
5. যার কথা ভাবছিলাম _____________ এসেছে। (সে, তার, তাকে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(তাদের, ততক্ষণ, ততগুলো, তত, সে)

1. যে প্রথমে আসবে _______ ঐা পাবে।
2. যতগুলো আপেল আপনি চান ____________ নিতে পারেন।
3. যতক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকবেন _________ কষ্ট পাবেন।
4. রাস্তায় যে ছেলেগুলো খেলছে __________ সবাস্পকে আমি চিনি না।
5. মেয়েৌির যতরূপ __________ গুণ।

III. উদাহরণ অনাসারে দুৃি বাক্যকে একৃি বাক্যে পরিণত করুন।

উদাহরণ : ও আসছে। ও আমার বন্ধু।

যে আসছে সে আমার বন্ধু।

1. এস্প বস্পগুলো দেখছেন। এগুলো লাস্পব্রেরী থেকে এনেছি।
2. ঐ লোকর্টি কাজ করছে। লোকর্টির ভাল স্বভাব।
3. ঐর্টা বিশ্ববিদ্যালয়ের খেলার মাঠ। আমি এখানে ব্যাডর্মিন্টন খেলি।
4. ওনাকে কাগজর্টা পাঠিয়েছিলাম। উনি আমার শিক্ষক।
5. বৃষ্টি পড়বে। গাছগুলি ভাল হবে।

IV. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে নিচের বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. যাকে দেখেছেন ______________ চিনতে পারবেন?
2. যত পড়বেন ________________ শিখবেন।
3. যে গানর্টা শুনলাম ____________ খুব সুন্দর।
4. আমার কাছে ________________ আসে তদের আমি ফেরাস্প না।
5. তিনি __________________ গেছেন সেখানেস্প অভিনন্দিত হয়েছেন।

V. অনুচ্ছের্দটি পড়ে এমন পাঁর্চটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

দেববাবু একজন আদর্শ শিক্ষক। তিনি নানা স্থানে ঘুরে ঘুরে গরীব ছাত্র সংগ্রহ করেন এবং তাদের শিক্ষা দেন। যদিও ছাত্রদের এক অংশের পিতামাতা আপত্তি করেন। কিন্তু তাও তাকে কেউ তার কাজ থেকে বিরত করতে পারে না, এস্প শিক্ষার কাজে তিনি নিজেকে নিয়োগ করেছেন।

বিস্তৃত অর্থ :

1. শিক্ষা দান করেন যিনি।
2. খণ্ড।

3. নিযুক্ত করা।
4. অমত করা।
5. একত্রিত করা।

VI. অনুচ্ছের্দর্ি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

আমাদের দেশের নিরক্ষরতা দূর করতে হলে, প্রথমেম্প এর্কর্ি লক্ষ্য স্থির করে নিতে হবে। তারপর সমস্ত শিক্ষিত মানুষকেম্প সক্রিয় হতে হবে। প্রর্তির্ি শিক্ষিত মানুষকেম্প সক্রিয় হতে হয়। প্রর্তির্ি শিক্ষিত মানুষ যদি প্রতি এর্কর্ি নিরক্ষর মানুষকে সাক্ষর করতে পারে, তবে সাক্ষরতার হারম্প শুধু বাড়বে না, দেশের মানুষের মধ্যে সচেতনাও বাড়বে। এম্প কাজে কারোর আপত্তি থাকা উচিৎ নয়। তাম্প যারা অলক্ষ্যে ছিলেন তারাও সহযোগিতা করতে এগিয়ে এসেছেন। এখন আর নিষ্ক্রিয় হয়ে থাকার দিন আর নেম্প। এম্পভাবেম্প ধীরে ধীরে নিরক্ষরতার হার কমবে।

পড়ে বুঝুন

কন্যাকুমারী ভ্রমণ কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারীর সমুদ্রের ধারে বেড়াতে খুব ভাল লাগে। যে দিকে তাকানো যাক না কেন, শুধু জল আর জল। আমরা যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলাম, সেদিন ছিল পূর্ণিমা। পূর্ণিমার রাতে সমুদ্রের ধারে বালি চিক্ চিক্ করছিল। কন্যাকুমারীতে তির্নর্ি সমুদ্র --- বঙ্গোপসাগর, আরব সাগর ও ভারত মহাসাগর এক সঙ্গে মিশেছে। কন্যাকুমারী ভারতবর্ষের শেষ প্রান্তে এম্প কথা মনে হলেম্প অদ্ভুত অনুভূতি হয়। সমুদ্রের ধারে যতক্ষণ দাঁড়িয়ে ছিলাম ততক্ষণ ভারতবর্ষের মানচিত্র মনে পড়ছিল। আর মনে পড়ছিল তাঁদের কথা, যাঁরা এম্প ভারতবর্ষের স্বাধীনতার জন্য প্রাণ দিয়েছিলেন। এম্প

কন্যাকুমারীতে সমুদ্রে সাঁতার কেটে স্বামী বিবেকানন্দ একটি শিলার ওপর উঠেছিলেন এবং সেখানে ধ্যান করেছিলেন। যে শিলার ওপর তিনি ধ্যান করেছিলেন, সেই শিলার নাম বিবেকানন্দ শিলা। এখন সেখানে একটি সুন্দর স্মৃতি মন্দির তৈরী হয়েছে। ছোট লঞ্চে করে সেখানে যাওয়ার ব্যবস্থা আছে। আমি অনেকবার কন্যাকুমারী গিয়েছি। যতবার গিয়েছি ততবারই এই একই অনুভূতি হয়েছে।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
সমুদ্রের	समुद्र का
পূর্ণিমা	पूर्णिमा
বালি	बालु
মিশেছে	मिला है
অদ্ভুত	अद्‌भूत
অনুভূতি	अनुभूति
যতক্ষণ	जितनी देर
ততক্ষণ	उतनी देर
স্বাধীনতা	स्वतंत्रता का
সাঁতার	तैरना
যতবার	जितना बार
ধ্যান	ध्यान

অভ্যাস

I. নীচের দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. লেখক যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলেন সেদিন কি ছিল?
2. কন্যাকুমারীতে কোন্ কোন্ সমুদ্র এক সঙ্গে মিশেছে?
3. সমুদ্রের ধারে যখন লেখক দাঁড়িয়ে ছিলেন তখন তাঁর কি মনে হচ্ছিল?
4. স্বামী বিবেকানন্দ কন্যাকুমারীতে কোথায় ধ্যান করেছিলেন?
5. স্বামী বিবেকানন্দ যেখানে ধ্যান করেছিলেন সেখানে কেমন করে গিয়েছিলেন?

II. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক শব্দ।

আমরা সবাম্প মিলে একবার সমুদ্র দেখতে গিয়েছিলাম। যেখানে গিয়ে আমরা খুব মুগ্ধ হয়েছিলাম। সেখানে একদিকে সাগর আর একদিকে বিরার্ট পাললিক শিলার একর্টি পাহাড়। সমুদ্রের দিকে তাকালে শুধু নীল আর নীল, মনে হয় আকাশ আর সমুদ্র এক জায়গায় মিলেছে। আমরা সমুদ্রের প্রান্তেম্প একর্টা পাথরের বাড়ীতে ছিলাম। জায়গার্টা খুব সুন্দর, কারণ এখানে এখনও পর্যর্টকের দৃষ্টি পড়েনি।

III. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

কারো পক্ষেম্প কোনো কাজ করা অসম্ভব নয়। যদি কেউ চায় তবে সে সবরকম অসম্ভবম্প সম্ভব করতে পারে। যতক্ষণ পর্যন্ত কারোর মধ্যে কিছু করার মত আশা আকাঙ্খা থাকে ততক্ষণম্প সে যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে বেঁচে থাকতে পারে। যারা জীবনের সবরকম আশা ত্যাগ করে হতাশ হয়ে যায়, তারাম্প জীবনযুদ্ধে পরাজিত হয়ে যায়। তাম্প বাংলায় একর্টি প্রবাদম্প আছে, যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ। অর্থাৎ যতক্ষণ শ্বাস চলবে, ততক্ষণম্প আশা থাকবে। জীবনে কেউ একবার অসফল হলে, যদি সব আশা ত্যাগ করে হতাশাগ্রস্থ হয়ে পড়ে, তবে সে কখনম্প এগোতে পারবে না। সকল হতাশা কার্টিয়ে যে কাজ করা হয় সের্টা সফল হবেম্প। তাম্প সকল প্রতিকূল অবস্থার সঙ্গে লড়াম্প করার মত ক্ষমতা ও মানসিক শক্তির দরকার তবে যা চাওয়া যায় তাম্প পাওয়া যাবে।

IV. বাংলায় অনুবাদ করুন।

निरक्षरता का अभिशाप

यदि साक्षरता वरदान है तो निरक्षरता अभिशाप है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरक्षर जनों को साक्षर करना सब से प्रमुख कार्य है। यदि हम किसी को अपने प्रयत्नों से साक्षर करते हैं अथवा साक्षरता की प्रेरणा देते हैं तो वह हमारा काम सब से बड़ा उपकार का काम होगा।

साक्षरता के क्षेत्र में हम जितना अधिक प्रयत्न करेंगे उसका प्रतिफल भी उतना ही अच्छा व सार्थक प्राप्त होगा। विशेषकर कन्या साक्षरता पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। हम जितना प्रयास कन्या के साक्षरता के लिए कर सकें उतना करना ही चाहिए।

यदि कन्याएँ साक्षर होंगी तो समग्र समाज साक्षर हो पाएगा। कन्या दो परिवारों को साक्षर कर सकती है। पहला अपने माँ-बाप का परिवार दूसरा अपना परिवार। इसप्रकार पूरे समाज में साक्षरता का प्रसार हो सकेगा।

ऐसे कइ उदाहरण हैं जिनसे हमें निरक्षरता से होने वाले नुक्सानों का पता चलता है। कल्पना कीजिए आपको बस से यात्रा करना है और आप निरक्षर हैं तब आपकी कठिनाइ बहुत बढ़ जाएगी। आप अपनी अभीष्ट बस के लिए लोगों से पूछते फिरेंगे। हो सकता है उस पूछताछ में आपकी बस रवाना हो जाए और आप उसका पता लगाने में ही लगे रहें। तब आप पछताने के सिवा क्या कर पाएँगे? शायद तब आप को ऐसा लगे कि, निरक्षरता बहुत बड़ा अभिशाप है। आपका कहीं से पत्र आया है और आप उसे पढ़ नहीं पा रहे। जब तक कोई साक्षर नहीं मिल जाता तब तक आप पत्र का समाचार जानने के लिए व्याकुल रहेंगे। हो सकता है पत्र का समाचार बहुत तत्काल वाला हो। आप को उसका पता चले तब तक बहुत देर हो चुकी हो।

एक पहलवान का उदाहरण आप जान लें तो आपको पता चल जाएगा कि, निरक्षरता से बड़ा कोई अभिशाप नहीं हो सकता। एक बार एक पहलवान घोड़े पर बैठकर यात्रा कर रहा था। उसे एक कुश्ती मुकाबले में भाग लेना था। मार्ग में उसे एक कुँआ दिखा। उसे जोर से प्यास लगी थी। कुँए पर एक तख्ती लगी थी। जिस पर लिखा था --

"इस कुँए का पानी जहरीला है। पीना मना है।"

पहलवान पूरी तरह निरक्षर था। वह तख्ती पर लिखी सूचना नहीं पढ़ पाया। उसने कुँए से पानी निकालकर जी भर के पानी पी लिया।

पानी पीकर वह फिर से घोड़े पर बैठकर चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसके पेट में भयंकर पीड़ा होने लगी। वह घोड़े से नीचे उतर कर धरती पर लेट गया। पीड़ा से उसकी हालत खराब होने लगी। संयोग से कुछ यात्री वहीं से गुजरे जिन्होंने उसकी दशा देखकर उसे पास के गाँव पहुँचाया। वहाँ एक हकीम (वैद्य) ने उसका उपचार कर उसके प्राण बचाए। वह मरते-मरते बचा। उसे कुश्ती के मुकाबले से भी वंचित होना पड़ा। अब आप समझ गए न, कि निरक्षरता मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है।

V. ‘শিশুশ্রমের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ’ কতটা প্রয়োজন সে বিষয়ে একটি অনুচ্ছেদ রচনা করুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में हिंदी के जो-सो रूप जैसे अन्योऽन्याश्रित वाक्यों का परिचय दिया गया है। ऐसे वाक्यों में दो उपवाक्य होते हैं। जिनमें से पहले प्रकार के उपवाक्यों में जो / जब / जहाँ आदि का प्रयोग होता है तथा दूसरों में वह / तब / वहाँ आदि का। नीचे ऐसे कुछ वाक्य दिए गए हैं।

(क) व्यक्तिवाचक

যে রান্না করে সে অন্য কাজও করে।
जो खाना पकाती है वह और भी काम करती है।

যারা এখানে এসেছিল তারা সবাই আমাদের পরিচিত।
जितने सब यहाँ आए थे उतने सब हमारे परिचित हैं।

(ख) वस्तुवाचक

যা চাইবেন তাই পাবেন।
जो चाहिए वही मिलेगा।

যেটা ওকে দিলাম সেটা ওর পছন্দ নয়।
जो उसको (मैंने) दिया वह उसे पसंद नहीं।

(ग) स्थानवाचक

যেখানে আপনি যাবেন সেখানে আমিও যাব।
जहाँ आप जाएँगे वहाँ मैं भी जाऊँगी।

যেখানকার কথা আপনি বলছেন সেখানকার কথা আমি আগে শুনিনি।
जिस जगह के बारे में आप कह रहे हैं उस जगह के बारे में मैंने पहले नहीं सुना है।

(ग) समयवाचक

যখন আপনি বাজারে যাবেন তখন আমিও যাব।
जब आप बाज़ार जाएँगे तब मैं भी जाऊँगी।

<u>যতক্ষণ</u> আপনার ইচ্ছা <u>ততক্ষণ</u> এখানে থাকুন।

<u>जितने समय</u> आपका मन चाहे <u>उतने समय</u> आप यहाँ रहिए।

ध्यान रहे कि इस प्रकार के उपवाक्य विशेषण के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे :

<u>যে</u> লোকটা আজ আমার কাছে এসেছিল <u>সে</u> লোকটা ভাল গান জানে।

<u>जो</u> आदमी आज मेरे पास आया था, <u>वह</u> आदमी अच्छा गाना गाता है।

পাঠ 23
पाठ

বর্তমান শিক্ষা ব্যবস্থা

অজয় : অনুপমবাবু, আপনি আপনার মেয়েকে কোন স্কুলে ভর্তি করলেন?

অনুপম : আজকাল বাচ্চাদের ভাল স্কুলে ভর্তি করা খুব কঠিন ব্যাপার। আমি আমার মেয়েকে অমলবাবুর সাহায্যে শেষ পর্যন্ত টাউন স্কুলে ভর্তি করে দিয়েছি।

অনিল : শুনেছি, টাউন স্কুলে শিক্ষকরা যত্ন নিয়ে পড়ান।

অজয় : তবুও, বাড়িতে পড়ানোর জন্যে এক-জন শিক্ষক থাকা দরকার।

অনুপম : হ্যাঁ। আমি একজন গৃহশিক্ষক রেখেছি। তিনি বাড়িতে এসে আমার মেয়েকে পড়ান। তিনি আগে হিন্দুস্কুলে পড়াতেন। এখন ওখান থেকে উনি অবসর নিয়েছেন।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था

अजय : अनुपम जी, आपने अपने लड़की को किस स्कूल में भर्ती करवाया है?

अनुपमः आजकल बच्चों को अच्छे स्कूल में भर्ती करवाना तो बहुत कठिन है। मैं ने अपनी लड़की को अमल जी की सहायता से टाउन स्कूल में भर्ती करवा दिया है।

अनिल : सुना है, टाउन स्कूल में शिक्षकगण अच्छा पढ़ाते हैं।

अजय : फिर भी, घर पर पढ़ाने के लिए एक शिक्षक की व्यवस्था करना आवश्यक है।

अनुपमः हाँ। मैंने एक गृहशिक्षक रख लिया है। वे घर आकर मेरी लड़की को पढ़ाते हैं। वे पहले हिंदू स्कूल में पढ़ाते थे। अब उन्होंने वहाँ से अवकाश ग्रहण कर लिया है।

অজয় : আচ্ছা! আপনার মেয়ের গৃহশিক্ষক কি আমার ছেলেকে পড়াবেন? আমি আমার ছেলের জন্যেও একজন গৃহশিক্ষকের ব্যবস্থা করেছি। কিন্তু তিনি ঠিকভাবে পড়ান না। আপনি আপনার মেয়ের গৃহশিক্ষককে জিজ্ঞাসা করে আমাকে জানাবেন।

अजय : अच्छा! क्या आपकी लड़की के गृहशिक्षक मेरे लड़के को भी पढ़ाएँगे? वैसे मैंने अपने लड़के के लिए एक गृहशिक्षक की व्यवस्था की है। किन्तु वे ठीक तरह से पढ़ाते नहीं हैं। आप अपने लड़की की गृहशिक्षक से पूछकर मुझे बताइए।

অনুপম : হ্যাঁ হ্যাঁ নিশ্চয়। আমি আজম্প ওনার সঙ্গে কথা বলে আগামীকাল আপনাকে জানাব।

अनुपम: हाँ हाँ ज़रूर। मैं आज ही उनसे बात करके कल आपको बता दूँगा।

অনিল : অনুপমবাবু আপনি আপনার মেয়েকে কি কোথাও গান শেখাতে পাঠাচ্ছেন?

अनिल : अनुपम जी, क्या आप अपनी लड़की को कहीं संगीत सीखने के लिए भेज रहे हैं?

অনুপম : না, আমি ওকে গান আর শেখাচ্ছি না। কারণ কাছাকাছি কোন গানের স্কুল নেম্প। তাছাড়া এখানে গান শেখানোর শিক্ষকও নেম্প। কিন্তু আমি আমার মেয়েকে নাচ শেখানোর ব্যবস্থা করেছি। ওকে 'উদয়ন' নাচের স্কুলে ভর্তি করে দিয়েছি।

अनुपम: नहीं, मैं उसे संगीत सीखने के लिए नहीं भेज रहा हूँ। क्योंकि आस-पास कोई भी संगीतशाला नहीं है। उसके अलावा यहाँ कोई संगीत सिखाने वाला शिक्षक भी नहीं हैं। लेकिन मैंने अपनी लड़की को नृत्य सिखाने की व्यवस्था की है। उसको 'उदयन' नृत्यशाला में भर्ती करवा दिया है।

অনিল : খুব ভাল। আজকাল

अनिल : बहुत अच्छा है। आजकल लड़के लड़कियों को स्कूली शिक्षा के साथ साथ दूसरी कलाओं का ज्ञान भी दिलवाना चाहिए। इसीलिए मैं भी अपने लड़के को सितार सिखवा रहा हूँ। किंतु चिंता का विषय यह है कि उसका मन पढ़ाई में बिलकुल

ছেলেমেয়েদের বিদ্যাশিক্ষার সঙ্গে সঙ্গে অন্য কিছু শেখানো ভাল। তার জন্যে আমিও আমার ছেলেকে সেতার শেখাচ্ছি। কিন্তু দুশ্চিন্তার বিষয় হল যে পড়াশোনায় ওর মনম্প বসে না। আমি অনেক বোঝাম্প কিন্তু ও কিছুতেম্প বুঝতে চাম্পছে না।

অজয় : আপনি এম্প ব্যাপার নিয়ে কিছু চিন্তা করবেন না। বড় হলে ও ঠিকম্প বুঝতে পারবে।

অনুপম : আজকালকার ছেলেমেয়েদের শিক্ষার প্রতি যে অনাগ্রহ, তার জন্যে আমাদের শিক্ষাপদ্ধতিম্প দোষী। ছাত্র-ছাত্রীদের উপর পাঠ্যক্রমের বোঝা চাপিয়ে দেওয়া হয়েছে। ঐা কমানোর জন্য সংসদেও অনেক অলোচনা হয়েছে। এমন কি অনেক সুচিন্তক সদস্যগণও অনেকবার পাঠ্যক্রমের বোঝা কমাবার জন্যে প্রস্তাব করেছেন। কিন্তু আজ পর্যন্ত কিছুম্প হয়নি।

অনিল : যদি অভিভাবকরা এম্প

नहीं लगता। मैं उसे बहुत समझाता हूँ किंतु वह किसी भी प्रकार से नहीं समझ पा रहा है।

अजय : आप इस बात की चिंता मत कीजिए। बड़ा होने पर वह खुद ही समझ जाएगा।

अनुपम: आजकल के लड़के लड़कियों में शिक्षा के प्रति जो अरुचि है उसके लिए हमारी शिक्षा पद्धति ही दोषी है। छात्र छात्राओं पर पाठ्यक्रम का बहुत अधिक बोझ लाद दिया गया है। उसे कम करने के लिए संसद में भी काफ़ी विचार-विमर्श हुआ है। केवल यही नहीं अनेक सुचिंतक सांसदों ने कई बार पाठ्यक्रम का बोझा कम करने के लिए अपने प्रस्ताव रखे हैं। किंतु आजतक कुछ भी नहीं हो सका।

अनिल : यदि अभिभावकगण इस के बारे में जागरुक हो जाएँ तो संभवतः इस समस्या का समाधान निकल आए।

अजय : अब इस व्यवस्था में परिवर्तन के लिए आंदोलन के अलावा और कोई भी उपाय नहीं बचा है। लगता है इसी शिक्षा व्यवस्था के बीच ही हमें अपने बच्चे-बच्चियों को पढ़ाना पड़ेगा।

अनिल : आप सही कह रहे हैं।

ব্যাপারে সচেতন হয়ে যান তাহলে সম্ভবতঃ এস্প সমস্যার সমাধান বেরিয়ে আসবে।

অজয় : এখন এস্প ব্যবস্থা পরিবর্তনের জন্যে আন্দোলন ছাড়া কোনস্প উপায় নেস্প। মনে হয়, এস্প শিক্ষা ব্যবস্থার মধ্যেস্প আমাদের ছেলে-মেয়েদের পড়াতে হবে।

অনিল : আপনি ঠিক বলছেন।

অজয় : আপনার মেয়ের গৃহশিক্ষক আমার ছেলেকে পড়াবেন কি না আপনি একু ওনাকে এস্প ব্যাপারে জিজ্ঞাসা করে আমাকে তাড়াতাড়ি জানাবেন।

অনিল : অবশ্যস্প।

অজয় : আচ্ছা, এখন আমি চলি।

अजय : आप की लड़की के गृहशिक्षक मेरे लड़के को पढ़ाएँगे या नहीं उस के बारे में आप उनसे पूछकर मुझे जल्दी बता दीजिएगा।

अनिल : ज़रूर।

अजय : अच्छा, अब मैं चलता हूँ।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
ব্যবস্থা	व्यवस्था
করলেন	करवाया
সাহায্য	सहायता
যত্ন	अच्छा, सावधानी

পড়ান	पढ़ाते हैं
রেখেছি	रखा है
গান	गाना, संगीत
পাঠাচ্ছেন	भेज रहे हैं
নাচের স্কুল	नृत्यशाला
সেতার	सितार
দুশ্চিন্তা	दुश्चिंता, चिन्ता की
পড়াশুনা	पढ़ाई
কিছুতেম্প	किसी भी तरह
বোঝা	बोझ
পাঠ্যক্রম	पाठ्यक्रम
চাপিয়ে দেওয়া	लाद दिया
সুচিন্তক	सुचिंतक
প্রস্তাব	प्रस्ताव
অভিভাবকরা	अभिभावकगण
সম্ভবত	संभवतः
পরিবর্তনের	परिवर्तन के
ছাড়া	अलावा
উপায়	उपाय

অভ্যাস

I. নীচে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে নতুন বাক্য গঠন করুন।

1. একজন গৃহশিক্ষক আমার মেয়েকে বাংলা <u>পড়ান</u>। (শেখেন/শেখান/শেখাবেন)

2. আমি তাকে অনেক বোঝাম্প।

(খাম্প/খাওয়াম্প/খাওয়ান)

3. সে আমাকে কলকাতা দেখাবে। (ঘুরবে/ঘোরাবে/ঘুরছে)

4. কে তাকে চিঠিটা পাঠালো? (দেখালো/দেখলো/দেখাবো)

5. ওকে গান আর শেখাচ্ছি না। (শোনাচ্ছি/শুনছি/শুনব)

II. নীচে দেওয়া বাক্যগুলিতে রেখাঙ্কিত শব্দের বদলে উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে নতুন বাক্য রচনা করুন।

1. আমি কাজটা করলাম।
2. তিনি গান শেখেন।
3. সে বাংলা পড়ে।
4. আমি আপনার জন্য মিষ্টি আনব।
5. তুমি আজ রসগোল্লা খাও।

III. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. আপনি আমাকে খবরটা ________________ ।

(জানবেন, জানলেন, জানেন, জানাবেন)

2. সে লিপিকাকে ছবি ______________ ।

(দেখাচ্ছে, দেখছে, দেখে, দেখেছে)

3. আমি তাকে অনেকবার ________________ ।

বুঝলাম, বোঝালাম, বুঝেছি, বুঝবো)

4. তুমি আমাদের গান ______________ ।

(শোনাব, শোনাও শুনবো, শোনে)

5. আমি কথাটা তাকে ____________ ।

(জানালাম, জানালো, জানবো, জানলাম)

I. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন পাঁচর্টি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

কোনো বাগান তৈরী করতে ও তাকে যথাযথ রাখতে বাগানের যত্ন নেওয়া দরকার। বাগানের গাছ ও ফুল যাতে নষ্ট না হয় সময় মত জল, সার দিতে হয় এবং নির্দিষ্ট সময় অন্তর মার্টি পার্ল্টাতে হয়। লক্ষ্য রাখতে হবে, সারের সাথে এমন কিছু জিনিস না দেওয়া হয়, যাতে ফুল ও ফলের ক্ষতি হয়। ঠিকমত যত্ন নিলে গাছে সুন্দর থোকা থোকা ফুল ফুর্টবে। এম্প ফুল যেন ঈশ্বরের পাঠানো কোনো শুভবার্তা মনে হয়। তাম্প সঠিক বাগান চর্চা খুব সহজ কাজ নয়।

(ঠিকঠাক, বদল, সংবাদ, নির্ধারিত, ধ্বংস)

II. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি বিপরীতার্থক শব্দ।

মায়ের কাছে তার সন্তানম্প সব থেকে বেশি প্রিয়। এমন কোনো মা পৃথিবীতে নেম্প যার কাছে তার সন্তান অপ্রিয় হয়। মা যতম্প অনভিজ্ঞ হোক্, সে তার সন্তানের যথাসাধ্য যত্ন নেয়। সন্তান কিছু না বলতেম্প মা সন্তানের সুবিধা-অসুবিধা বুঝতে পেরে যায়। তাম্প মা সময় মতম্প পোষাক পরিবর্তন, খাবার আনা, খেতে দেওয়া প্রভৃতি সব কাজম্প করেন। মায়ের সর্বদা এম্প লক্ষ্যম্প থাকে যেন তার সন্তানের কোনো ক্ষতি না হয়, অযত্ন যেন না হয়। সন্তান কোথাও পড়ে গিয়ে কোথাও লাগলে, সে ব্যথা মায়ের বুকে বহুগুণ বেশি হয়ে লাগে।

তাম্প মায়ের ভালোবাসা চিরকাল অপরিবর্তনীয়।

IV. একর্টি বাক্যকে দুর্টি বাক্যে বিশ্লেষণ করুন।

উদাহরণ : সুমনার একর্টি সবুজ জামা আছে।

সুমনার একর্টি জামা আছে। যার রঙ সবুজ।

1. দীপার একটি কালো সোয়েটার আছে।
2. শীতকাল, বাগানে আর ফুল নেই।
3. প্রদীপ খুব সুন্দর গান গায়।
4. আমার ফোটা ফুল দেখতে খুব ভালো লাগে।
5. পৃথিবী খুব সুন্দর জায়গা।

V. দুটি বাক্যকে একটি বাক্যে পরিণত করুন।

উদাহরণ : রাম একটি ছেলে। সে খুব ভালো।
রাম একটি ভালো ছেলে।

1. ফুলদানীতে একটি গোলাপ আছে। গোলাপটার রঙ লাল।
2. এখান থেকে একটি পাহাড় দেখা যায়। যেটি খুব দূরে অবস্থিত।
3. ওখানে দোয়াতে কালি আছে। যার রঙ নীল।
4. ঐশী একটি মেয়ে। ঐশী খুব শান্ত।
5. অমলদের বাড়ির পাশেই একটি ঝিল আছে। ওদের বাড়ির পাশের ঝিলটিতে শীতকালে প্রচুর পাখি আসে।

VI. উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে ______________ ভালবাসে।
2. ছেলেটিকে কেউ ____________ চাইলো না।
3. উদয়নে গান ___________ ব্যবস্থা নেই।
4. সব কথা _______________ প্রয়োজন নেই।
5. তিনি সিনেমা ______________ বাড়ি ফিরলেন।

VII. নীচে দেওয়া প্রশ্নগুলির উত্তর দিন।

1. অনুপমবাবু ও অনিলবাবুর মধ্যে কি বিষয়ে আলোচনা হচ্ছিল?
2. অনুপমবাবু কেমন করে মেয়েকে স্কুলে ভর্তি করালেন?
3. ‍াউন স্কুলের শিক্ষকরা কেমন পড়ান?
4. অনুপমবাবুর মেয়ের গৃহশিক্ষক আগে কোথায় পড়াতেন?
5. পড়াশুনা ছাড়া অনুপমবাবুর মেয়ে আর কি শিখছে?
6. অনিলবাবু নিজের ছেলেকে কি শেখাচ্ছেন?

পড়ে বুঝুন

শিক্ষা পদ্ধতির বিবর্তন শিক্ষা প্রণালী में परिवर्तन

ভারতবর্ষের বৈদিকযুগ থেকে যে শিক্ষা ব্যবস্থার সূচনা হয়েছিল তা ছিল অত্যন্ত বৈজ্ঞানিক পদ্ধতির মাধ্যমে। শিশুকালে শিশুরা গুরুগৃহে শিক্ষাগ্রহণের জন্য যেত। সেখানে গুরু তাদের বিদ্যা শিক্ষার সাথে সাথে জীবন শিক্ষাও দিতেন। গুরু তাদের এমনভাবে শিক্ষা দিতেন বা এমন সব কাজ করতে দিতেন যা তাদের জীবনের সমস্ত রকম প্রতিকূলতা অতিক্রম করতে পারত। সেখানে জীবনাচারণ সম্পূর্ণ ভিন্ন ছিল। সেম্প কারণে শিক্ষার মূল বিষয়ম্প ছিল জীবন শিক্ষা ও প্রকৃতজ্ঞান। ধীরে ধীরে সময়ের সাথে সমাজের পরিকাঠামোও পরিবর্তিত হতে লাগল। মানুষ আর আগের নিয়মে জীবন ধারণ করতে সক্ষম হলো না। পরিস্থিতি পরিবর্তনের সঙ্গে মানুষের জীবিকারও পরিবর্তন ঘ‌টে লাগল। মানুষের জীবিকার পরিবর্তনের প্রভাব শিক্ষা ব্যবস্থার মধ্যেও প্রভাবিত হতে দেখা গেল। আস্তে আস্তে শিক্ষা পদ্ধতির বিবর্তন হতে দেখা গেল। একসময় ভারতবর্ষ সম্পূর্ণ অশিক্ষার অন্ধকারে নিমার্জিত ছিল। বিভিন্ন শাসন ব্যবস্থা ও রাজনৈতিক পালা বদলের সাথেম্প ভারতের সামাজিক জনজীবনেও যথেষ্ট প্রভাব পড়েছিল। শেষ পর্যন্ত ম্পংরেজ শাসন স্থাপনের সূচনা লগ্নে ভারতের ম্পতিহাসের ক্ষেত্রে আবার আর এক পালাবদল ঘ‌ল। অশিক্ষার অন্ধকার এবং কুসংস্কার পূর্ণ ভারতবর্ষে ম্পংরেজ শাসকগণম্প শিক্ষার আলো জ্বালালো। তারা নিজেদের প্রয়োজনেম্প বিভিন্ন বিদ্যালয় স্থাপন করতে শুরু

করল; সেম্প বিদ্যাশিক্ষা ছিল কেবল তাদের প্রয়োজন সাধনের জন্য। তখন তারা তাদেরম্প ভাষার মাধ্যমে শিক্ষা ব্যবস্থার সূচনা করেন। সেখান থেকে শুরু হয় আধুনিক শিক্ষা পদ্ধতি। এরপর রামমোহন রায় বিদ্যাসাগর প্রমুখ মহান ব্যক্তিগণ বাংলা শিক্ষা ও বাঙালীর শিক্ষা সম্বন্ধে প্রথম পদক্ষেপ নেন। বিদ্যাসাগর মহাশয়ের উদ্যোগেম্প অনেক বিদ্যালয় স্থাপন করা হয়। তারপরম্প নারী শিক্ষার সূচনা হয়।

যে শিক্ষা তখন দেওয়া হত সেম্প শিক্ষা ছিল যথেষ্ট উপযোগী শিক্ষা। তারপরেম্প যে শিক্ষার সূচনা হয় সেখানে কেবল মুখস্থ বিদ্যা ও পুথিগত বিদ্যাম্প প্রধান সেম্প বিদ্যাশিক্ষা ব্যবহারিক জীবনে কোনোভাবেম্প কার্যকারী হত না। কেবলমাত্র শিক্ষার বোঝাম্প বাড়ত কিন্তু কোনোভাবেম্প তা কার্যকারী হত না। প্রকৃতজ্ঞান বা শিক্ষা হত না।

বর্তমান শিক্ষা পদ্ধতি অনেকা সেম্প প্রকারম্প। সেখানে কেবলমাত্র শিক্ষার বোঝার বৃদ্ধি হচ্ছে অথচ কোনোরকমভাবে সেম্প বিদ্যা কোনো ব্যবহারিক জীবনে কার্যকারি করা যাচ্ছে না। শিশুকাল থেকে মা-বাবা ও বর্তমান শিক্ষা ব্যবস্থা শিশুদের কেবল চাপ প্রদান করছে এবং তাদের জীবনে বড় হওয়ার অর্থ ডাক্তার ম্পঞ্জিনিয়ার হওয়া এবং অর্থ উপার্জন করা বোঝাচ্ছেন। ফলে তারাও সেম্প দিকেম্প একমুখী হয়ে কেবল দৌড়াচ্ছে আর দৌড়াচ্ছে। তারাও ভাবতে পারে না অন্যভাবেও জীবনযাপন করতে পারা যায়। বড় হওয়া মানে বড়লোক বা ধনী হওয়া নয়, বা কেবলমাত্র নিজের প্রতিষ্ঠা নয়। বড় হওয়া মানে সার্বিকভাবে মহান হওয়া। আমাদের দেশে এমন শিক্ষার দরকার যেখানে ছাত্রছাত্রীদের ম্পচ্ছামত স্বাধীনভাবে ভালোলাগা বিষয় নিয়ে পড়তে পারে। সেখানে কোনো বোঝা চপিয়ে দিলে চলবে না। ছাত্রছাত্রীদের পাঠ্যক্রম শিক্ষা যেন বোঝা না হয়ে সঙ্গী হয় সেম্প দিকেম্প নজর দিতে হবে। ছাত্রছাত্রদের এমন শিক্ষা দিতে হবে যাতে তাদের দেশের ও দশের প্রতি সচেতনতা বৃদ্ধি পায়, তারা উচ্চশিক্ষিত হয়ে যাতে দেশের বাম্পরে চলে না যায়। বহু ভালো বুদ্ধিমান ছাত্রছাত্রীরা লেখাপড়া শিখে বিদেশে পাড়ি দেয় কেবল অতিরিক্ত স্বাচ্ছন্দ্য ও বিলাসিতার লোভে কিন্তু ছাত্রছাত্রীদের মধ্যে থেকে এম্প প্রবনতা কমিয়ে তাদের দেশের প্রতি ভালোবাসা বাড়াতে হবে। সেম্প শিক্ষিত

বুদ্ধিমান ছাত্রছাত্রীদের আমাদের দেশের উন্নতি, শিক্ষা প্রভৃতি কাজে নিযুক্ত করতে হবে। তার জন্য আমাদের শিক্ষা পদ্ধতির পরিবর্তন করতে হবে।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
বৈদিক	वैदिक
প্রতিকূলতা	प्रतिकूलता
অতিক্রম	अतिक्रम
জীবনাচারণ	जीवनचर्या
প্রকৃত	प्राकृतिक
পরিকাঠামো	गठन
পরিবর্তিত	परिवर्तन
জীবিকা	जीविका
প্রভাব	प्रभाव
প্রভাবিত	प्रभावित
বিভিন্ন	विभिन्न
শাসন	शासन
পালাবদল	दलबदल
সামাজিক	सामाजिक
অশিক্ষা	अशिक्षा
সাধন	साधन
পদক্ষেপ	कदम
উদ্যোগেস্প	उद्योग

স্থাপনা	स्थापना
উপযোগী	उपयोग, प्रयास
ব্যবহারিক	व्यवहारिक
কার্যকারী	उपयोगिता
হওয়া	होना
প্রকার	प्रकार
মুখস্থ	कंठस्थ
প্রদান	प्रदान
একমুখী	एकनिष्ठ
ধারণ	धारण
জীবনধারা	जीवनधारा
সঙ্গী	संगी, साथी
অতিরিক্ত	अत्यधिक
স্বাচ্ছন্দ্য	सुविधा
বিলাসিতা	विलासिता, विलास भाव
প্রবণতা	अभिलाषा

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. বৈদিকযুগে ভারতবর্ষে কি মাধ্যমে শিক্ষা ব্যবস্থার সূচনা হয়েছিল?

2. বৈদিকযুগে শিশুকালে শিশুরা কোথায় শিক্ষা লাভের জন্যে যেত?

3. স্পংরেজ শাসকগণ কেন বিদ্যালয় স্থাপন করেছিল?

4. কারা বাংলা শিক্ষা ও বাঙালীর শিক্ষা সম্বন্ধে প্রথম পদক্ষেপ নেয়?

5. বর্তমান ছাত্রছাত্রী কিসের পিছনে ছুটছে?
6. বর্তমানে ছাত্রছাত্রীদের কেমন শিক্ষা দেওয়া দরকার?
7. ভালো ছাত্রছাত্রীদের কি প্রবণতা লক্ষ্য করা যায়?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন সাতটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির অর্থ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

শিক্ষাম্প শক্তি। কোনো ব্যক্তির সঠিক শিক্ষা না হলে সে সব পরিস্থিতি মানিয়ে নিতে পারে না। সঠিক শিক্ষায় সব প্রতিকূল পরিবেশ থেকেম্প সে বেরিয়ে আসতে পারে। অবস্থা পরিবর্তনের সাথেম্প সকল কিছু পরিবর্তন করার মত অভ্যেস রাখা দরকার।

(সামর্থ্য, লেখাপড়া, অবস্থা, উপযুক্ত, রূপান্তর, রীতি, বিপরীত অবস্থা।)

III. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিপরীতার্থক শব্দ নীচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

বাংলায় একটি প্রবাদ আছে 'অল্প বিদ্যা ভয়ংকরী'। অর্থাৎ যার যত কম বিদ্যা সেম্প বেশী জ্ঞানীর মত কথা বলে। আর যে সত্যিম্প বুদ্ধিমান সে কখনম্প তার বিদ্যার বা জ্ঞানের পরিচয় কাজে দেখায় কিন্তু কথায় নয়। কোনো বিশেষ ক্ষেত্রেও প্রয়োজনীয় পরিস্থিতিতেম্প জ্ঞানী ব্যক্তি তার জ্ঞান ও বিদ্যার পরিচয় দেয়।

1. যার লেখাপড়া বিশেষ নেম্প
2. যার বুদ্ধি আছে
3. যার জ্ঞান নেম্প
4. যে পরিস্থিতি অনুকূল নয়
5. সত্যি নয়

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

A. বাবা মায়ের একমাত্র স্নেহের সম্বলস্প হল তাদের সন্তান। বাবা মা তাদের সন্তানকে নিজেদের স্নেহের ছায়ায় মানুষ করেন। সন্তানকে বাবা মা শেখান যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে কিভাবে মানিয়ে নিয়ে চলতে হয়। শৈশব থেকেস্প তাকে শেখানো হয়, কখন কোথায় খাওয়া, কিভাবে কথা বলা উচিৎ, কখন কি করা উচিৎ, সব কিছুস্প তার হাত ধরে শেখায়। শুধু তাস্প নয় নিজেদের সকল স্বাচ্ছন্দ্য ছেড়ে দিয়েও তার সন্তানদের মানুষ করেন, সন্তানদের সুখ স্বাচ্ছন্দ্যের দিকে নজর দেন। বাবা মা তার সন্তানদের নিঃস্বার্থভাবে যথাসম্ভব স্বাচ্ছন্দ্য দিয়ে মানুষ করেন। তাস্প সন্তানদেরও বাবা মায়ের বয়সকালে তাদের যত্ন নিতে শেখা উচিৎ।

B. বিদ্যাসাগরের আসল নাম ঈশ্বরচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায়। তাঁর পিতার নাম শ্রী ঠাকুর দাস বন্দ্যোপাধ্যায়, মাতার নাম ভগবতী দেবী। বিদ্যাসাগর ছেলেবেলা থেকেস্প লেখাপড়ায় মনযোগী ছিলেন এবং তিনি খুব দয়ালুও ছিলেন। তিনি কারোর দুঃখকষ্ট দেখে চুপ করে থাকতে পারতেন না। তিনি ছৌ বড়, ধনী দরিদ্র -- সবার দুঃখেস্প ঝাঁপিয়ে পড়তেন। তিনি ছেলেবেলায় তাঁর পাঠশালায় পড়াশোনা শেষ করেন ও বাবার হাত ধরে মেদিনীপুর থেকে কোলকাতায় আসেন পায়ে হেঁটে। পথেস্প তিনি এক থেকে একশো পর্যন্ত স্পংরাজীতে সংখ্যা শিখে ফেলেন। কোলকাতায় এসে তিনি সংস্কৃত কলেজে ভর্তি হন এবং সেখানে তিনি তাঁর মেধার পরিচয় দেন। সেখানেস্প তিনি মাত্র একুশ বছর বয়সে 'বিদ্যাসাগর' উপাধি লাভ করেন। তারপরস্প তিনি ভারতের অশিক্ষাজনিত সমস্যার সম্মুখীন হন। তাছাড়া তখন নারীদের বাল্য বিবাহের প্রচলন ছিল, সেস্প অল্পবয়সী মেয়েরা বিধবা হলে তাদের প্রচণ্ড কষ্ট ও দুর্দশার মধ্যে জীবনযাপন করতে হত। বিদ্যাসাগর নারীদের এস্প দুর্দশা দেখে সহ্য করতে পারেন নি তাস্প তিনি বিধবা নারীদের পুনর্বিবাহ প্রচলন করেন এবং নারী শিক্ষার প্রচলনও করেন। তিনি নারী শিক্ষার জন্য বহু বিদ্যালয় স্থাপন করেন এবং তিনি নানান রচনা করেন। যেমন -- বর্ণপরিচয়, কথামালা, সীতার বনবাস স্পত্যাদি।

সেস্প সময় তাঁকে বহু জন অপবাদ দেন, তাকে বহু অপমান সহ্য করতে হয়। তবুও তিনি মাথা নত করেন নি, হতাশ হননি এস্পভাবে নানান অসুবিধার মধ্যে তিনি বিধবা বিবাহ এবং নারীশিক্ষার প্রচলন করেন। তাস্প আজও তিনি সবার মনে উজ্জ্বল হয়ে আছেন।

V. বাংলায় অনুবাদ করুন।

गाँधी जी ने शिक्षण पद्धति और शिक्षा के आधारभूत मूल्यों पर भी हमें अपने महत्वपूर्ण विचार दिए हैं। उनकी शिक्षा आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ानेवाली शिक्षा है। उसे उन्होंने बुनियादी शिक्षा कहा। बुनियादी का अर्थ हुआ "आधारभूत"। इस शिक्षा में पढ़ने के साथ जीवन के व्यवहारिक पक्षों और नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है। गाँधी जी, जैसा कि, सब जानते हैं गुजरात के पोरबंदर में जन्मे थे। लेकिन वे पूरे भारत को अपनी जन्मभूमि मानते थे। इसीलिए वे महात्मा अर्थात महान आत्मावाले सर्वमान्य विचारक माने जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका दृष्टिकोण व्यापक था।

गाँधी जी की इस बुनियादी शिक्षा को और अधिक संगत बनाने के लिए गुजरात के प्रसिद्ध शिक्षाविद 'भिजुभाई' का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। उनका पूरा नाम भिजुभाई बधेका था। इनका जन्म गुजरात के सौराष्ट्र में 15 नव. 1885 में हुआ था।

भिजुभाई ने 1909 ई. में मुंबई में रहकर कानून की शिक्षा प्राप्त की और वकालत करने लगे। 1920 ई. में उन्होंने वकालत छोड़ दी और बालशिक्षा के लिए समर्पित भाव से काम करने लगे। कानून से शिक्षा क्षेत्र में आने के पीछे गाँधी जी की प्रेरणा प्रमुख थी। 1930 में भिजुभाई ने गाँधी जी के सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया। वहीं उन्होंने सत्याग्राही शिवरों में अक्षरज्ञान दिया। यहीं से उनका ध्यान प्रौढ़शिक्षा की और गया। उन्होंने गाँधी जी की शिक्षानीति का गहन अध्ययन किया। भिजुभाई ने 1925 ई. में प्रथम मांटेसरी सम्मेलन और 1928 ईं में द्वितीय मांटेसरी सम्मेलन भावनगर में आयोजित किए। 1938 ईं में राजकोट में भिजुभाई ने "अध्यापन" मंदिर की स्थापना की। वे आदर्श शिक्षक के साथ-साथ एक प्रबुद्ध चिंतक तथा सृजनशील लेखक भी थे। उन्होंने बालशिक्षा पर एवं शिक्षा के विभिन्न विषयों पर 200 पुस्तकें लिखीं हैं। उनकी राय में समय, काल और परिस्थितियों के मान से हमें नये नये प्रयोग करते रहना चाहिए। भिजुभाई नवाचार रीति के प्रबल प्रवर्तक, प्रेरक और पोषक थे। वे प्रतिदिन और प्रतिवार नवाचार करते रहने पर बल देते हैं। वे कहते हैं कि जो शिक्षक सतत नवाचार करता रहता है वह कभी भी अपनी कक्षा में तथा शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल नहीं हो सकता। भिजूभाई का नवाचार हमें करके सीखने का संदेश देता है। वह कहने पर कम और करने पर अधिक बल देते हैं। 'पहले करो, फिर कहो' यह उनका सूत्रवाक्य है। 23 जून 1939 को मुंबई में उनका स्वर्गवास हो गया।

VI. আপনার বিদ্যালয়ের দিনগুলির স্মৃতির ওপর একর্িট ছোৗ নিবন্ধ লিখুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में प्रेरणार्थक क्रिया के वाक्यों का परिचय दिया गया है। क्रिया के प्रेरणार्थक रूप बनाने के लिए स्वरान्त क्रियाओं के मूल रूप के साथ 'ওয়া' (ओया) तथा व्यंजनांत क्रियाओं के मूल रूप के साथ 'আ' (आ) जोड़कर पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे :

আমি তোমাকে খাওয়াম্প/শেখাম্প।	मैं तुम्हें खिलाती/सिखाती हूँ।
আপনি/তিনি আমাকে খাওয়ালেন/শেখালেন।	आपने/उन्होंने मुझे खिलाया/सिखाया।
তুমি/সে তাকে খাওয়াবে/শেখাবে।	तुम/वह उसको खिलाओगे/सिखाओगे।
তুম্প ওকে খাওয়ালি/শেখালি	तूने उसको खिलाया/सिखाया।

कुछ क्रियाओंको प्रेरणार्थक रूप बनाने के लिए संयुक्त क्रिया का प्रयोग भी किया जाता है। जैसे:

মা ছেলেকে ঘুম পাড়ান।	माँ बच्चे को सुला देती है।

পাঠ 24
पाठ

জনসংখ্যা নিয়ে আলোচনা

প্রীতি : কাগজে পড়লাম দেশের কয়েকা বিশেষ বিশেষ জায়গায় জনসংখ্যা ঘড়ি বসানো হচ্ছে।

শ্যামলা : আচ্ছা, জনসংখ্যা ঘড়ি জিনিসা কি?

প্রীতি : কেন া.ভি.তে দেখেন নি? এস্প মুহূর্তে ভারতে জনসংখ্যা কত তা দেখানো হয় এস্প যন্ত্রে।

শ্যামলা : বাঃ! জনসাধারণকে সচেতন করার ব্যাপারে ঐা একা ভাল ব্যবস্থা। ভারতের জনসংখ্যা তো দিনে দিনে বেড়ে চলেছে। সুতরাং মানুষকে জনসংখ্যা বৃদ্ধি বিষয়ে সচেতন করা দরকার।

প্রীতি : ভারতের জনসংখ্যা অনেক বেশী। চীনের জনসংখ্যা ভারতের চেয়েও

जनसंख्या पर विचार विमर्श

प्रीति : अखबार में पढ़ा है कि देश के कुछ विशेष विशेष स्थानोंपर जनसंख्या घड़ी लगाई जा रही है।

श्यामला : अच्छा, यह जनसंख्या घड़ी है क्या चीज़?

प्रीति : क्यों क्या टी.वी. में नहीं देखी? इस क्षण भारत में कितनी जनसंख्या है -- यह इस यंत्र में दिखाया जाता है।

श्यामला : वाह! जनसाधारण को सावधान करने के काम में यह एक अच्छी व्यवस्था है। भारत की जनसंख्या तो दिनोदिन बढ़ती चली जा रही है। इसलिए लोगों को जनसंख्या वृद्धि के विषय में सावधान करना आवश्यक है।

प्रीति : भारत की जनसंख्या बहुत अधिक है। चीन की जनसंख्या भारत से

বেশী। পৃথিবীর মধ্যে চীনের জনসংখ্যা সবচেয়ে বেশী। পৃথিবীতে জনসংখ্যার দিক থেকে ভারতের স্থান দ্বিতীয়।

শ্যামলা : দেখুন, স্পউরোপে জনসংখ্যা কত কম এজন্য ওদের জীবনধারাও খুব উন্নত হয়ে গেছে। কোনও রাষ্ট্রের বিকাশ সেখানের জনসংখ্যার দ্বারাও প্রভাবিত হয়।

প্রীতি : হ্যাঁ, তা তো বস্পে। উন্নত দেশের জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার উন্নতিশীল দেশের তুলনায় অনেক কম। আমাদের দেশে জনসংখ্যা বৃদ্ধির কারণ অশিক্ষা ও কুসংস্কার। অন্ধবিশ্বাসের ফলস্বরূপ আর তার থেকে সৃষ্টি নিয়মনীতি।

শ্যামলা : শিক্ষিত লোকেরাও একমাত্র পুত্র সন্তান চায়। তারা ভাবে পুত্র সন্তানস্প ভবিষ্যতে সবরকম ভাবে মা-বাবাকে সাহায্য করবে।

প্রীতি : না, তা ঠিক নয়। আজকাল মেয়েরা ছেলেদের চেয়ে বাবা-মাকে ভালভাবে দেখাশোনা করে। মেয়েরা কোন- ভাবেস্প ছেলেদের

भी अधिक है। विश्व में चीन की जनसंख्या सबसे अधिक है। जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में भारत का स्थान दूसरा है।

श्यामला : देखिए, यूरोप की जनसंख्या कितनी कम है! इसीलिए उनका जीवनस्तर भी बहुत उन्नत हो गया है। किसी भी राष्ट्र का विकास वहाँ की जनसंख्या से प्रभावित होता है।

प्रीति : हाँ, वह तो है ही। उन्नत देशों की जनसंख्या वृद्धि की दर उन्नतशील देशों की तुलना में बहुत कम है। हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि के कारण हैं -- अशिक्षा, अंधविश्वास और उससे जन्य रूढ़ियाँ।

श्यामला : शिक्षित लोग भी संतान के रूप में केवल लड़के चाहते हैं। वे सोचते हैं पुत्र संतान ही भविष्य में सब प्रकार से माँ-बाप की सहायता करेगी।

प्रीति : नहीं, यह तो ठीक नहीं है। आजकल लड़कों की अपेक्षा लड़कियाँ माँ-बाप की देखभाल अच्छी तरह करती हैं। लड़कियाँ किसी भी तरह लड़कों से कम नहीं हैं।

श्यामला : हमारे मोहल्ले के शिवबाबू को

কম নয়।

শ্যামলা : আমাদের পাড়ার শিববাবুকে দেখুন না। তিনি চার্টি কন্যা সন্তানের জনক। কেবল ছেলের আশায় এখনও পরিবার বাড়িয়ে চলেছেন।

প্রীতি : কাজেম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার কমানোর জন্য আমাদের সামাজিক দৃষ্টিভঙ্গী পাল্টানো দরকার। জনসংখ্যা বিস্ফোরণের দিকে আমাদের সকলকে আকর্ষিত করার জন্যে এম্প জনসংখ্যা ঘড়ি লাগানো হচ্ছে।

শ্যামলা : জনসংখ্যা ঘড়ি লাগিয়ে দিলেম্প কি জনসংখ্যা বিস্ফোরণ কম হয়ে যাবে?

প্রীতি : না, ঐাতো লোককে সাবধান করতে একৌ সহায়তা করবে। কিন্তু জনসংখ্যা বৃদ্ধি কম করতে হলে আমাদের অনেক কিছু করতে হবে। এরজন্য আমাদের নাগরিকদের মানসিকভাবে প্রস্তুত করতে হবে।

শ্যামলা : জনসংখ্যা বৃদ্ধি কমানোর জন্য

देखिए न। वे चार कन्या संतानों के पिता हैं। केवल लड़के की आशा में अब भी परिवार बढ़ाते चले जा रहे हैं।

प्रीति : इसलिए जनसंख्या वृद्धि की दर कम करने के लिए हमें अपना सामाजिक दृष्टिकोण बदलना ज़रूरी है। जनसंख्या विस्फोटन की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए इस जनसंख्या घड़ी को लगाया जा रहा है।

श्यामला : क्या जनसंख्या घड़ी लगा देने मात्र से जनसंख्या विस्फोटन कम हो जाएगा?

प्रीति : नहीं, यह तो लोगों को सावधान करने में थोड़ी मदद करेगी? किंतु जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए तो हमें बहुत कुछ करना पड़ेगा। इसके लिए हमें नागरिकों को मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

श्यामला : जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए शासन क्या कर रहा है?

प्रीति : शासन ने इसके लिए अनेक योजनाएँ बनाई है। उनको लागू भी किया गया है। किन्तु इन सब योजनाओं को पूर्ण रूप से सफल करने के लिए और भी कई

সরকার কি কি পরিকল্পনা করছেন?

প্রয়াস করনে হোংগে।

প্রীতি : সরকার এরজন্য অনেক পরিকল্পনা করেছেন। এগুলিকে কার্যকারী করেছেন। কিন্তু এসব পরিকল্পনাকে যথার্থভাবে সফল করার জন্য আরও অনেক চেষ্টা করতে হবে।

শ্যামলা : একটু বলুন যে, আমাদের এরজন্য আর কি কি চেষ্টা করা উচিত?

श्यामला : जरा बताइए कि, हमें इसके लिए और कौन-कौन से प्रयास करना चाहिए?

প্রীতি : জনসংখ্যা বৃদ্ধি রোধ করার জন্য সরকার পরিবার পরিকল্পনার অনেক পদ্ধতি নাগরিকদের বুঝিয়েছেন। তাস্প গ্রামে গ্রামে গিয়ে তাদের উৎসাহিতও করেছেন। পরিবার পরিকল্পনা যারা গ্রহণ করবেন তাদের অনেক সুযোগ সুবিধা দেওয়া হবে বলেও ঘোষণা করা হয়েছে। দুস্প বা দুয়ের কম সংখ্যক সন্তান যাদের, তাদের অনেক সুবিধা দেওয়া হচ্ছে, অপরপক্ষে দুস্প বা তার অধিক সন্তান যাদের তারা বহু সুযোগ সুবিধা থেকে বঞ্চিত হচ্ছে।

प्रीति : जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने परिवार नियोजन के कई तरीके नागरिकों को समझाए हैं। इसके लिए गाँव-गाँव जाकर लोगों को प्रेरित भी किया गया है। परिवार-नियोजन अपनाने वालों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ देने की घोषणाएँ भी की गई हैं। दो या दो से कम बच्चे पैदा करनेवालों को अनेक प्रकार के सुविधाएँ मिल रही हैं। इसके विपरीत दो से अधिक बच्चे पैदा करने वाले परिवार अनेक सुविधाओं से वंचित हैं।

श्यामला : इतना सब करने के बाद भी जनसंख्या वृद्धि पर रोक क्यों नहीं लग पाई?

प्रीति : जैसा कि, मैंने पहले भी कहा है कि, इसके मूल कारण अशिक्षण, धार्मिक रूढ़ियाँ तथा हमारी लापरवाही हैं। इसके लिए शासन की ओर से सभी शिक्षित तथा अशिक्षित लोगों को लगातार जागरुक करते रहना

শ্যামলা : এত সব করার পরেও জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার কমছে না কেন?

প্রীতি : আমি প্রথমেম্প বলেছি যে, এর মূল কারণম্প হল অশিক্ষা, ধর্ম বিশ্বাস থেকে সৃষ্টি নানান ভ্রান্ত বিশ্বাস এবং আমাদের অসচেতনতা। এরজন্য সরকারকেম্প প্রয়াস করতে হবে, শিক্ষিত অশিক্ষিত সবাম্পকে সচেতন করতে হবে। শুধু তাম্প নয়, আমাদেরকেও আমাদের ভবিষ্যৎ বংশধরদের বোঝাতে হবে জনসংখ্যা বৃদ্ধির ফলে কী ক্ষতি হবে । তাদের পরিবার ছোৗ করার জন্য উৎসাহিত করতে হবে।

होगा। सिर्फ़ यही नहीं, हमें अपनी नई पीढ़ी को भी जनसंख्या वृद्धि की हानियाँ समझाकर उन्हें सीमित परिवार योजना अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
দেশের	देश के
মুহূর্তে	क्षण में
যন্ত্রে	यंत्र में
সচেতন	सतर्क, जागरुक
বৃদ্ধি	बढ़ना

আয়তন	क्षेत्र
স্থান	स्थान, जगह
অথচ	तथापि
উন্নত	उन्नत
প্রভাবিত	प्रभावित
উন্নতশীল	प्रगतिशील, उन्नतशील
অন্ধবিশ্বাস	अंधविश्वास
শিক্ষিত	शिक्षित
দেখাশোনা	देखभाल
দৃষ্টিভঙ্গী	दृष्टिकोण
পুত্র	पुत्र
জনবিস্ফোরণ	जनसंख्या विस्फोटन
আকর্ষিত	आकर्षित
মেয়েরা	लड़कियाँ
পরিকল্পনা	योजना
কার্যকারী	लागू करना
পাড়ার	मोहल्ले का
নাগরিক	नागरिक
জনক	पिता
উৎসাহিত	उत्साहित
গ্রাম	गाँव
বঞ্চিত	वंचित
ভ্রান্ত	भ्रांति
প্রয়াস	प्रयास
	धर्म जन्य रूढ़ियाँ

ধর্মবিশ্বাস

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া শব্দগুলি থেকে সঠিক শব্দ বেছে নিয়ে বাক্য পূর্ণ করুন।

(তেমন, তা, তারা, সে, তখন)

1. যে আমার কাজ করে, ________ আমার ভাম্প।
2. যখন আমি ডাকব, ____________ আপনি আসবেন।
3. যা আমি পড়ি, _________ মনে রাখি।
4. যেমন কাজ করবেন, ___________ ফল পাবেন।
5. যারা আসবে, ___________ প্রসাদ পাবে।

II. নীচের বাক্যগুলিতে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া সর্বনাম ব্যবহার করে বাক্য পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : তিনি কাজ করেন। (সে)

সে কাজ করে।

1. আপনি ছেলেকে কোথায় পড়াচ্ছেন? (তুমি)

2. মা ছেলেকে ঘুম পাড়ালেন। (আমি)
3. রমা নাচ শেখায়। (উনি)
4. আমি মালীকে দিয়ে কাজ করাম্প। (সে)
5. আব্দুল গরুর গাড়ী চালায়। (সে)

III. উদাহরণ অনুযায়ী বাক্যগুলি পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ :আমি যাম্প।

আমাকে যেতে হবে।

1. সে বাজারে যায়।
2. আমি স্কুলে পড়াম্প।
3. রমা দোকানে যাবে।
4. রমেশবাবু দিল্লী গেলেন।
5. সে সাঁতার কাটে।

IV. নঞর্থক বাক্যে পরিণত করুন।

1. আমাকে দিল্লী যেতে হবে।
2. রহিম রিক্সা চালায়।
3. রবিবাবু আমার ছেলেকে পড়ান।
4. আমার মেয়ে গান শেখে।
5. তাকে কাজটা করতে হবে।

V. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. সরোজবাবু যা ________________ তা পাবেন না।

2. মমতাকে দোকানে ________ হবে।

3. যেখানে যাবেন ________ এম্প জিনিস পাবেন।

4. মন্দিরা গল্প ________ ভালবাসে।

5. আপনাকে কি আজ ________ হবে?

পড়ে বুঝুন

দালালের কবলে   दलाल के क़ब्ज़े में

ম্পন্দ্র নতুন চাকরি পেয়ে গ্রাম থেকে প্রথমে কোলকাতায় এসেছে। কোলকাতায় আসার পরম্প তার জীবনের নতুন অধ্যায় শুরু হয়েছে এক একটি নতুন অভিজ্ঞতার মাধ্যমে। শিয়ালদহ স্টেশনে নেমেম্প সে বুঝতে পারল এবারম্প তার আসল জীবনযুদ্ধ শুরু হল। স্টেশনের চত্বরে শুধু লোক আর লোক। যেদিকে তাকায় শুধু নানা ধরণের ব্যস্ত মানুষের ভিড়, কোথাও পা ফেলার জায়গা নেম্প। সবাম্প সবাম্পকে ধাক্কা দিয়ে এগিয়ে যেতে চাম্পছে। ম্পন্দ্র মনে মনে ভাবছে, এত মানুষ! এত ভিড়! সে যেন সেম্প ভিড়ে হারিয়েম্প যাবে। চারিদিকের ভিড়ে সে যেন নিজেকেম্প হারিয়ে ফেলবে। যাম্প হোক, বহু কষ্টে সে ভিড় ঠেলে বেরিয়ে এল স্টেশন থেকে। স্টেশন থেকে বেরিয়ে এসেও সে হতবাক! কোলকাতার জনতার ঢল, গাড়ীর ধোঁয়া, বাড়ী ম্পত্যাদি দেখে। শিয়ালদহ স্টেশনের বাম্পরেও সেম্প বহু লোকের ভিড় আর তার সাথে প্রচুর নানা ধরণের গাড়ী, বাস, রিক্সা ছুটে চলছে। তার মধ্যে দিয়েম্প মানুষ এদিক-ওদিক করে গাড়ী বাঁচিয়ে, নিজেকে বাঁচিয়ে নিয়ে চলেছে। এর মধ্যেম্প ম্পন্দ্র অনুভব করল, কেউ তাকে পিছন দিক থেকে ডাকছে। সে তার ভারী সুটকেশ, ব্যাগ নিয়ে হিমসিম খেয়ে যচ্ছিল, তবুও সে ভিড় সামলে পিছনের দিকে তাকালো, দেখল একজন নোংরা জামা প্যান্ট পরা অল্প বয়সী একটি ছেলে, তাকে ডাকছে -- দাদা।

স্পন্দ্র অবাক হয়ে জিজ্ঞাসা করল -- আমাকে বলছেন?

ছেলেটি বলল -- হ্যাঁ আমি দেবু! আপনি কোলকাতায় নতুন এসেছেন তো?

স্পন্দ্র : হ্যাঁ

দেবু : কোথায় থাকবেন? থাকার জায়গা ঠিক আছে কিছু?

স্পন্দ্র : না, কিছু ঠিক করিনি।

দেবু : আপনি চিন্তা করবেন না। আমি আপনাকে থাকার জায়গার সন্ধান দিতে পারি। আপনি আমার সঙ্গে আসুন।

স্পন্দ্র : কিন্তু, আমি আপনার সাথে কেন যাব? আমি তো আপনাকে চিনিস্প না।

দেবু : না ভয় পাবেন না। আমি বাড়ির এবং হোটেলের দালাল!

স্পন্দ্র : ও আচ্ছা! কতদূরে বাড়ি?

দেবু : কাছেস্প, আপনি আসুন। খুব ভালো বাড়ি, দক্ষিণ-পূর্ব খোলা বড় বড় জানলা, দুটো বড় ঘর, রান্নাঘর, বাথরুম সব আছে। স্পন্দ্র খানিকটা নিশ্চিন্ত হলো। যাক থাকার চিন্তা দূর হলো। সে দেবুর কথায় খুশী হয়ে ওর সাথে যেতে লাগল। দেবু তাড়াতাড়ি ওকে রাস্তা পার করে নিয়ে গেল অন্য ফুটপাতে। সেখানে গিয়ে বেশ কিছুটা হাঁটার পর একটা ছোট্ট নোংরা গলিতে নিয়ে গিয়ে ঢুকল। স্পন্দ্রের এবার কেমন যেন অস্বস্তি লাগতে শুরু করল। চারিদিকে নোংরা, প্রচুর লোকের ভিড়, সংকীর্ণ গলিটা। দেবু স্পন্দ্রকে বলল যে আরো কিছুটা পথ হাঁটতে হবে। স্পন্দ্র এবার খুব আপত্তি জানালো। দেবুও নাছোড়বান্দা, তর্কাতর্কি করতে করতেস্প দেবু স্পন্দ্রকে একটি বহু পুরোনো বাড়িতে নিয়ে গিয়ে তুলল। বাড়িটার প্রতিটি ঘরেস্প একটি একটি করে পরিবার বসবাস করছে এবং তারাও প্রচণ্ড ঝগড়া, চিৎকার করছে। প্রচণ্ড নোংরা, বাড়িটার সামনেস্প একটা কল, সেখানেও সবাস্প জল নিয়ে ঝগড়া করছে। বাড়ি এবং তার

পরিবেশাম্প যেন প্রচণ্ড বিশ্রী। দেবু তাকে একটা ঘর দেখাল। ঘরটি খুব পুরনো, ভাঙাচোরা। স্পন্দ্রের খুব খারাপ লাগল। সে রাগ করে বাম্পরে বেড়িয়ে এল তখন দেবু এবং আরো কয়েকজন ছেলে চলে এল। ছোরা দেখিয়ে বলল -- যা আছে বার কর। স্পন্দ্র হতবাক হয়ে গেল। এমন সময় একটা পুলিসের গাড়ী এল। সেম্প গাড়ী দেখে দেবু আর তার বন্ধুরা সঙ্গে সঙ্গে এদিক ওদিকে দৌড়াতে শুরু করল কিন্তু পুলিস অত্যন্ত তৎপরতায় তাদের ধরে এনে গাড়িতে তুলল এবং স্পন্দ্রকে অফিসার জিজ্ঞাসা করল সমস্ত ঘটনা কী হয়েছিল। স্পন্দ্র সবিস্তারে স্টেশনে নামার পর থেকে পুলিস আসার আগে পর্যন্ত সব ঘটনার বিবরণ দিল। পুলিস অফিসার বললেন -- আমরা এম্প সময় পেট্রোলিং-এ আসায় আপনি বেঁচে গেলেন। নাহলে আপনার খুব ক্ষতি হত। চলুন আপনার জন্য এবার সত্যিম্প থাকার ব্যবস্থা করতে পারি কিনা দেখি!

স্পন্দ্র : আমি তো ছেলেটিকে দরিদ্র ভদ্র বলে মনে করেছিলাম।

অফিসার : হ্যাঁ, এরা ভালো ঘরেরম্প ছেলে এবং সবাম্প পড়াশোনাও জানে। কিন্তু সমস্যা হল -- বর্তমানে এত জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাচ্ছে। এর জন্যম্প এরা শিক্ষিত হয়েও চাকরি পাচ্ছে না, তাম্প বাধ্য হয়ে অন্যপথে উপার্জন করার চেষ্টা করছে।

শুধু তাম্প নয়, অনেক ভাম্পবোন হওয়ায় মা-বাবাও তাদের ঠিকমত যত্ন নিতে পারে না, তাম্প তারা বিপথে চলে যায়। আবার এম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির জন্য সুস্থ স্বাভাবিকভাবে পরিবেশের সমতা নষ্ট হচ্ছে। সবাম্প একসাথে ছোট নোংরা জায়গায় থাকতে বাধ্য হচ্ছে।

স্পন্দ্র : হ্যাঁ, এখানেও সবাম্প কষ্ট করেম্প আছে দেখছি।

অফিসার : হ্যাঁ, শুধু থাকা নয়, জলের সমস্যাও যে আজকাল এত হচ্ছে তার কারণও জনসংখ্যা বিস্ফোরণ।

স্পন্দ্র : সৌা কি করে?

অফিসার : জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাচ্ছে। বড় শহর, শহরতলিতে থাকার জন্য সবাম্প বহুতল বাড়ি তৈরী করছে ফলে জলতল নেমে যাচ্ছে। তাছাড়া খাদ্যের অভাব তো আছেম্প।

স্পন্দ্র : হ্যাঁ, তবুও মানুষ এখনও সচেতন হচ্ছে না।

অফিসার : তার জন্য আমাদের দেশের অশিক্ষাম্প দায়ী।

স্পন্দ্র : দয়া করে আমাকে থাকার এক৾া জায়গা দেখে দিন!

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
অধ্যায়	अध्याय
অভিজ্ঞতার	अनुभव की
মাধ্যম	माध्यम
জীবনযুদ্ধ	जीवन संग्राम
চত্বর	प्लेटफॉर्म
ব্যস্ত	व्यस्त
ভিড়	भीड़
কষ্টে	कष्ट में, मुसीबत में
জনতার	जनता के, आम लोगों के
সামলে	संभालना

নোংরা	गंदा
থাকার	रहने का
জায়গার	जगह में
সন্ধান	खोज, अनुसंधान
দালাল	दलाल
খানিকটা	थोड़ा
অন্য	अन्य
ছোট্ট	बहुत छोटा
অস্বস্তি	दुविधा
সংকীর্ণ	संकीर्ण, संकरा
আপত্তি	आपत्ति, एतराज
নাছোড়বান্দা	जिद्दी
তর্কাতর্কি	तर्क-वितर्क
পরিবার	परिवार
বসবাস	रहना
ঝগড়া	झगड़ा
বিশ্রী	बुरा
তৎপরতায়	फौरन
সমস্ত	समस्त, सभी
ঘটনা	घटना
সবিস্তারে	सविस्तार में
বিবরণ	विवरण
পেট্রোলিং	गश्त करना
	दरिद्र

দরিদ্র	भद्र
ভদ্র	कमाना
উপার্জন	देखरेख
যত্ন	कुमार्ग में
বিপথে	

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. স্পন্দ্র কোন ষ্টেশনে নেমেছিল?
2. স্পন্দ্রকে পেছন দিক থেকে যে ব্যক্তি ডাকছিল, তার বিবরণ দিন।
3. দেবু স্পন্দ্রকে কি আশ্বাস দিয়েছিল?
4. দেবু স্পন্দ্রকে যে বাড়িতে নিয়ে গিয়েছিল সেস্প বাড়ি্রি পরিবেশ কেমন ছিল?
5. দেবু আর তার বন্ধুরা স্পন্দ্রকে কি বলেছিল?
6. পুলিশ স্পন্দ্রকে কিভাবে বাঁচিয়ে ছিল?
7. জনসংখ্যা বৃদ্ধির ফলস্বরূপ কি কি সমস্যা দেখা যায়?

II. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন সার্তি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির অর্থ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

আম জনতার মধ্যে নিজেকে পরিচিত করতে হলে জীবনযুদ্ধের প্রস্তুতির জন্য তৎপর হতে হয়। প্রথম দিকেস্প কোনো লক্ষ্য সন্ধান করে নিয়ে, স্থির ভাবে ঐ দিকেস্প এগিয়ে যেতে হবে। জীবনে চলার পথে বহু বিশ্রী ঘৈনার সম্মুখীন হতে হয়। তাস্প নিয়ে অযথা চিন্তা করে অপরের সাথে ঝগড়া বিবাদ করা বা অপরের উপর নিজের হতাশার কোপ

প্রদান না করাম্প ভালো। জীবনের সকল রকম ভালোর সাথেম্প খারাপকে গ্রহণ করতে আপত্তি করলে চলবে না।

(জীবনযাপনের জন্য সংগ্রাম, লোক সমাবেশ, খোঁজ, অরাজী, কলহ, বাজে/কুৎসিৎ, দ্রুততার সঙ্গে।)

III. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন পাঁচর্টি জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিপরীতার্থক শব্দ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

জীবন তার নিজের মতম্প চলে। জীবনে চলার পথে অনেক রকম অভিজ্ঞতা হয়। জীবন কখনও সংকীর্ণ ছোট্ট একর্া পথ ধরে, কখনও বা বিস্তৃত পথে চলে। জীবন সর্বদা নিশ্চিত রূপে নাও যেতে পারে। যে কোনো ব্যক্তিরম্প জীবনের গতি সবিস্তারে বর্ণনা করলে তা একর্টি সুন্দর উপন্যাস হয়ে যাবে।

(অনভিজ্ঞতা, অনিশ্চিত, বিস্তৃত, বড়, সংক্ষেপে)

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

মাননীয়,

সম্পাদক মহাশয়

সত্যবাদী সংবাদপত্র

কোলকাতা -- ৭০০ ০০১

এতদ্বারা আপনাকে জানাচ্ছি যে, আমি শ্রী সুবল দে, একজন সরকারী কর্মচারী, কোলকাতা শহরেম্প কর্মরত প্রায় পাঁচবছর। আমার পৈতৃক বাসস্থানও এখান থেকে প্রায় ২১৬ কি.মি. দূরে, সেখানে আমার অসুস্থ বৃদ্ধ পিতামাতা ও স্ত্রী সন্তান থাকেন। আমি ছাড়া ওদের আর কোনো সহায়ক নেম্প। সেজন্য আমি তাদের এখানে আনার ব্যবস্থা করার জন্য সরকারী

আবাসনের জন্য আবেদন করি। অথচ আজ প্রায় তিনবছর হলো, আমার কোনো ব্যবস্থা হলো না। আমার পরেও যারা আবেদন করেছিল তাদের সবাম্প প্রায় আবাসন পেয়ে গেছে। কিন্তু আমি এখনও পাম্পনি। অথচ আমার একটা বাসস্থানের অত্যন্ত দরকার।

যদিও জানি, অতিরিক্ত জনসংখ্যা বৃদ্ধির জন্যম্প আজ আমাদের এম্প বাসস্থান জনিত সমস্যার সম্মুখীন হতে হচ্ছে। কিছু অসৎ মানুষ এর সুযোগও নিচ্ছে।

সেম্প জন্যম্প আমি সংবাদপত্রের মাধ্যমেম্প জনতার দৃষ্টি আকর্ষণ করতে চাম্পছি। এম্প সমস্যা শুধু মাত্র আমার একার নয়। এখনও যদি সরকার ও জনতা সজাগ না হয় তবে ভবিষ্যতে এম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির কারণ আরো বড় সমস্যা হবে।

সরকার দয়া করে কোনো পদক্ষেপ নিন।

১১, রামকমল স্ট্রী সুবল দে

খিদিরপুর

কোলকাতা -- ২৩

V. বাংলায় অনুবাদ করুন।

आजकल हम जिन भव्य अट्टालिकाओं को देख रहे हैं इनकी विकास यात्रा बहुत लंबी और रोचक है।

एक समय था जब आदि मानव अन्य पशुओं की भाति वनों में ही रहता था। उसके पास न तो रहने के लिए किसी प्रकार का घर था और न ही पहनने के लिए वस्त्र। उसके पास घर और वस्त्रों की कल्पना भी नहीं थी। उसने न कभी घर बनाने का विचार किया और न ही घर बसाने का। वह अन्य लोगों के साथ वन में विचरण करता था। इस प्रकार झुंडों में रहने के पीछे परस्पर सुरक्षा का भाव भी था। ये झुंड कभी एक जगह तो कभी दूसरी जगह आते-जाते रहते थे। स्थाई बसावट नहीं करते थे। जहाँ रात होती वहीं रुक जाते। कभी पेड़ों के नीचे तो कभी पेड़ों के ऊपर, कभी झाड़ियाँ की जुटमुट में तो कभी किसी पहाड़ के छज्जे अथवा गुफा में।

झुंडों में साथ साथ रहते-रहते उसमें सामुदायिक भावना का विकास होता गया। वे एक स्थान पर रुकने लगे। दिन भर वन में घूमकर शिकार करते थे और रात को एक निर्धारित स्थान पर लौट आते थे। एक स्थान पर मुकाम करने के कारण उन्होंने शुरु-शुरु में बिना छत की झोंपड़ियाँ बनाना शुरु की। कुछ समय बाद उन्होंने उन झोंपड़ियों पर छत बनाना भी सीख लिया। जंगल की लकड़ियाँ और घास-पत्तों से ये झोंपड़ियाँ बन जाती थीं।

'आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है।' इसी आवश्यकता के होते मनुष्य अपनी झोंपड़ियों का निर्माण मिट्टी तथा जंगल के छोटे-छोटे पत्थरों आदि को चुनकर करने लगे। उनका सामुदायिक जीवन और अधिक विकसित हुआ। वे अपना-अपना परिवार बनाने लगे। वह झोंपड़ियाँ को साथ साथ बसाकर रहने लगे। इसी को हम वर्तमान गाँव या बस्ती का प्रारंभिक रूप कह सकते हैं।

यही झोंपड़ियाँ धीरे-धीरे मज़बूत और सुंदर आकार लेती गईं। उन्हीं झोंपड़ियों को कुटिया भी कहा जाता था। झोंपड़ियों की दीवारें बाँस-बल्ली के अलावा लोहे के चद्दर की बनाई जाने लगी। धीरे-धीरे इन में सुधार होता गया। दीवारें कच्ची पक्की ईंटों की बनने लगीं। छतें भी सपाट पत्थरों से ढकी जाने लगीं। मोहनजोदड़ो और हरप्पा की खुदाई में छोटी-छोटी कच्ची-पक्की ईंटें मिली हैं। इन ईंटों का उपयोग रेत, मिट्टी और चूने के योग से दीवारें, छतें और फर्श बनाने में होता था। नगर बसाहट की योजना में भी तब तक बहुत विकास हो चुका था।

भवन निर्माण की इस यात्रा को वर्तमान की उन्नत भवन शिल्प तक पहुँचते-पहुँचते हज़ारों वर्ष लगे। भारत में बाहर से अनेक जातियाँ आईं। तबतक हमारी भवन वास्तुशिल्प पर्याप्त रूप से विकसित हो चुकी थी। अन्य देशों से आने वाली जातियों से भी हमने उनका वास्तुशिल्प ज्ञान प्राप्त किया। इस प्रकार भारत का भवन वास्तुशिल्प और अधिक विकसित हुआ।

आज भारत में भवन वास्तुशिल्प ने बहुत विकास कर लिया है। आज भवन रेत, सीमेंट, पक्की ईंटों और घड़े हुए पत्थरों तथा लोहे के योग से बनाए जा रहे हैं। महानगरों में बनने वाली बहुमंजिला इमारतें एवं सुंदर भवनों के रूप में ही नहीं पूरे भारत के गाँवों और कस्बों में भी अब सर्वसुविधा संपन्न, सुंदर एवं मजबूत भवनों का निर्माण हो रहा है।

I. জনসংখ্যা শিক্ষার বিষয়ে আপনার মতামত জানিয়ে একটি অনুচ্ছেদ লিখুন।

बंगला गिनती एक से सौ तक

১ ২ ৩ ৪ ৫ ৬ ৭ ৮ ৯ ১০

১ ২ ৩ ৪ ৫

৬ ৭ ৮ ৯ ১০

১	এক	ऐक	1
২	দুম্প	दुइ	2
৩	তিন	तिन	3
৪	চার	चार	4
৫	পাঁচ	पाँच	5
৬	ছয়	छय	6
৭	সাত	सात	7
৮	আঁ	आट	8
৯	নয়	नय	9
১০	দশ	दश	10

১১	এগার	ऐगारो	11
১২	বার	बारो	12
১৩	তের	तैरो	13
১৪	চোদ্দ	चोद्दो	14
১৫	পনের	पनेरो	15
১৬	ষোলো	शोलो	16
১৭	সতের	शतेरो	17
১৮	আঠার	आठारो	18
১৯	ঊনিশ	उनिश	19
২০	কুড়ি	कुड़ि	20
২১	একুশ	एकुश	21
২২	বাইশ	बाइश	22
২৩	তেইশ	तेइश	23
২৪	চব্বিশ	चोब्बिश	24
২৫	পঁচিশ	पोंचिश	25
২৬	ছাব্বিশ	छाब्बिश	26
২৭	সাতাশ	शाताश	27
২৮	আঠাশ	आठाश	28
২৯	ঊনত্রিশ	उनत्रिश	29
৩০	ত্রিশ	त्रिश	30
৩১	একত্রিশ	एकत्रिश	31
৩২	বত্রিশ	बोत्रिश	32
৩৩	তেত্রিশ	तेत्रिश	33

৩৪	চৌত্রিশ	चौत्रिश	34
৩৫	পঁয়ত্রিশ	पँयत्रिश	35
৩৬	ছত্রিশ	छत्रिश	36
৩৭	সাঁম্পত্রিশ	शाँइत्रिश	37
৩৮	আঁত্রিশ	आटत्रिश	38
৩৯	ঊনচল্লিশ	उनोचोल्लिश	39
৪০	চল্লিশ	चोल्लिश	40
৪১	একচল্লিশ	एकचोल्लिश	41
৪২	বিয়াল্লিশ	बियाल्लिश	42
৪৩	তেতাল্লিশ	तेताल्लिश	43
৪৪	চুয়াল্লিশ	चुयाल्लिश	44
৪৫	পঁয়তাল্লিশ	पँयताल्लिश	45
৪৬	ছেচল্লিশ	छेचोल्लिश	46
৪৭	সাতচল্লিশ	सातचोल्लिश	47
৪৮	আঁচল্লিশ	आटचोल्लिश	48
৪৯	ঊনপঞ্চাশ	उनोपन्चाश	49
৫০	পঞ্চাশ	पन्चाश	50
৫১	একান্ন	एकान्नो	51
৫২	বাহান্ন	बाहान्नो	52
৫৩	তিপ্পান্ন	तिप्पान्नो	53
৫৪	চুয়ান্ন	चुयान्नो	54
৫৫	পঞ্চান্ন	पन्चान्नो	55
৫৬	ছাপ্পান্ন	छाप्पान्नो	56

৫৭	সাতান্ন	शातान्नो	57
৫৮	আঁটান্ন	आटान्नो	58
৫৯	ঊনষাট	उनोशाट	59
৬০	ষাট	शाट	60
৬১	একষট্টি	एकशोट्टि	61
৬২	বাষট্টি	बाशोट्टि	62
৬৩	তেষট্টি	तेशोट्टि	63
৬৪	চৌষট্টি	चौशोट्टि	64
৬৫	পঁয়ষট্টি	पँयशोट्टि	65
৬৬	ছেষট্টি	छेशोट्टि	66
৬৭	সাতষট্টি	शातशोट्टि	67
৬৮	আঁটষট্টি	आटशोट्टि	68
৬৯	ঊনসত্তর	उनोशोत्तोर	69
৭০	সত্তর	शोत्तोर	70
৭১	একাত্তর	एकात्तोर	71
৭২	বাহাত্তর	बाहात्तोर	72
৭৩	তিয়াত্তর	तियात्तोर	73
৭৪	চুয়াত্তর	चुयात्तोर	74
৭৫	পঁচাত্তর	पँचात्तोर	75
৭৬	ছিয়াত্তর	छियात्तोर	76
৭৭	সাতাত্তর	शातात्तोर	77
৭৮	আঁটাত্তর	आटात्तोर	78
৭৯	ঊনআশি	उनोआशि	79

৮০	আশি	आशि	80
৮১	একাশি	एकाशि	81
৮২	বিরাশি	बिराशि	82
৮৩	তিরাশি	तिराशि	83
৮৪	চুরাশি	चुराशि	84
৮৫	পঁচাশি	पँचाशि	85
৮৬	ছিয়াশি	छियाशि	86
৮৭	সাতাশি	शाताशि	87
৮৮	অষ্টাশি	अष्टाशि	88
৮৯	ঊননব্বম্প	उनोनोब्बोइ	89
৯০	নব্বম্প	नोब्बोइ	90
৯১	একানব্বম্প	एकानोब्बोइ	91
৯২	বিরানব্বম্প	बिरानोब्बोइ	92
৯৩	তিরানব্বম্প	तिरानोब्बोइ	93
৯৪	চুরানব্বম্প	चुरानोब्बोइ	94
৯৫	পঁচানব্বম্প	पँचानोब्बोइ	95
৯৬	ছিয়ানব্বম্প	छियानोब्बोइ	96
৯৭	সাতানব্বম্প	शातानोब्बोइ	97
৯৮	আৗ ানব্বম্প	आटानोब्बोइ	98
৯৯	নিরানব্বম্প	निरानोब्बोइ	99
১০০	একশ	ऐकशो	100

শব্দসূচী
शब्दसूची

অ

অক্ষর	21 ख	अक्षर
অঙ্ক	21 ख	गणित, अंक
অচেনা	14 क	अनजान
অঞ্চল	20 ख	अंचल, इलाका
অতিক্রম	23 ख	अतिक्रम
অতিথি	1 क	अतिथि
অতিবাহিত	17 ख	व्यतीत
অত	13 क	उतना
অত্যন্ত	14 ख	अत्यंत
অথচ	24 क	तथापि
অর্থ	22 क	अर्थ
অর্থনৈতিক	21 क	अर्थनैतिक
অদূর	21 क	निकट
অদ্ভুত	22 ख	अद्‌भूत
অন্ধবিশ্বাস	24 क	अंधविश्वास
অর্ধাহার	20 ख	आधा भोजन
অধ্যক্ষ	2 ख	अध्यक्ष
অধ্যাপক	7 ख	अध्यापक
অধ্যায়	24 ख	अध्याय
অনবরত	4 ख	लगातार, अनवरत, निरंतर

অনাহার	20 ख	भूखे
অন্যায়	21 क	अन्याय
অনেক	1 क	बहुत
অনেকক্ষণ	4 क	बहुत देर
অনুষ্ঠান	12 क	अनुष्ठान
অন্যান্য	10 क	दूसरा
অন্য	2 क	अन्य, दूसरा
অন্যায়	21 क	अन्याय
অন্ধকার	4 क	अंधेर
অনুসন্ধান	6 क	पूछताछ
অনুপাত	22 क	अनुपात
অনুদান	22 क	अनुदान
অনুভূতি	22 ख	अनुभूति
অনুমতি	18 क	अनुमति
অনুশীলন	16 ख	अनुशीलन, अभ्यास
অপর্যাপ্ত	15 ख	अपर्याप्त
অপেক্ষা	4 ख	प्रतीक्षा
অপসংস্কৃতি	12 ख	कुसंस्कृति
অবহেলিত	17 ख	अवहेलित, उपेक्षित
অবস্থা	20 क	अवस्था
অবাঞ্ছিত	12 ख	अवांछित
অবস্থাপন্ন	13 ख	धन, संपत्ति
অবশ্য	2 ख	अवश्य
অবসর	18 क	अवकाश, निवृत्ति
অভাব	7 ख	अभाव

অভিজ্ঞতা	17 ख	अनुभव
অভিযান	21 ख	अभियान
অভিনয়	10 क	अभिनय
অভিভাবক	23 क	अभिभावक
অভ্যাস	15 ख	अभ्यास, आदत
অভিশাপ	21 क	अभिशाप
অভিমান	22 क	अभिमान
অমিল	16 क	असमानताएँ
অরাজকতা	19 ख	अराजकता
অল্প	19 क	थोड़ा
অংশগ্রহণ	20 ख	भागीदारी
অশিক্ষা	23 ख	अशिक्षा
অষ্টমী	17 क	अष्टमी
অসুবিধা	3 क	असुविधा, परेशानी
অসুখ	6 क	बीमार
অসুস্থ	8 क	अस्वस्थ्य, बीमार
অসম্পূর্ণ	16 क	अधूरा
অস্বস্তি	24 ख	दुविधा
অযথা	9 ख	फालतू, अनावश्यक

আ

আওড়ানো	11 ख	दोहराना
আকর্ষিত	24 क	आकर्षित
আকাশ ছোঁয়া	9 ख	आसमान छूना = अति हो जाना, सीमा से ऊपर चले जाना
আঁকা	5 ख	चित्र बनाना

আগে	4 क	पहले, पूर्व
আজ্ঞে	14 क	जी
আচ্ছা	1 क	अच्छा
আছি	3 क	हूँ
আছেন	3 क	हैं
আছো	3 क	हो
আজকাল	2 क	आजकल
আত্মনিয়োগ	7 ख	आत्मनियोग
আত্মজীবনীমূলক	17 ख	आत्मकथा
আদা	19 क	अदरक
আধা	4 ख	आधा
আধুনিক	2 ख	आधुनिक
আনন্দ	1 ख	आनंद
আনা	4 क	लाना
আন্দোলন	1 ख	आंदोलन
আপনি	1 ख	आप
আপনারা	12 क	आपलोग
আপত্তি	22 क	आपत्ति, एतराज
আপেল	15 क	सेवा
আপ্যায়ন	1 क	सत्कार
আবহাওয়া	20 क	पर्यावरण
আবর্জনা	18 ख	कूड़ा करकट, कचरा
আবাদ	20 क	आबादी
আবার	6 क	पुनः
আম	9 क	आम

আবেদন	13 ख	आवेदन
আমল	9 क	ज़माना, समय, काल
আমাকে	3 क	मुझे
আমার	1 क	मेरा
আমি	1 क	मैं
আমিষ	15 ख	आमिष
আর	2 क	और
আরম্ভ	5 ख	आरंभ, शुरुवात
আরেকটা	14 क	और एक
আলো	4 क	प्रकाश
আলোচনা	11 क	चर्चा
আশা করি	16 ख	आशा करना
আশ্বিন	17 क	आश्विन
আসল	13 ख	असल
আসা	5 क	आना
আসি	1 क	आ रहा हूँ (बिदा लेने वक्त का कहना)
আস্তে	7 क	धीरे
আয়কর	14 क	आयकर
আয়তন	24 क	क्षेत्र
আয়োজন	17 क	आयोजन
আজ্ঞে	14 क	जी

ম্প

ম্পউরোপ	24 क	यूरोप

স্পচ্ছা	13 क	इच्छा
স্পতি	16 ख	इति
স্পনি	1 क	ये

উ

উচ্চ	3 ख	ऊँचा
উচিত	21 क	उचित
উৎসব	17 क	उत्सव
উৎসাহ	5 ख	उत्साह
উত্তর	8 क	उत्तर
উদ্দেশ্য	22 क	उद्देश्य
উদ্যোগ	23 ख	उद्योग, प्रयास
উদ্যোগী	22 ख	उत्साही
উধাও	9 ख	गायब
উন্নত	24 क	उन्नत
উন্নতশীল	24 ख	उन्नतशील, प्रगतिशील
উপন্যাস	17 ख	उपन्यास
উপভোগ	8 क	उपभोग
উপযুক্ত	7 ख	उपयुक्त
উপযোগী	15 ख	उपयोगी
উপকারী	15 ख	उपकारी
উপকণ্ঠ	1 ख	सीमांत
উপদ্রব	12 ख	उपद्रव
উপায়	16 क	उपाय
উল্টোদিকে	1 ख	उलटी ओर (विपरीत दिशा)

এ

এস্প	1 ख	यह
এক সঙ্গে	8 क	एक साथ
একম্প	22 क	एक ही
একটু	3 क	थोड़ा
একমাত্র	5 क	एकमात्र
একমুখী	23 ख	एकनिष्ठ
একশো	2 क	एक सौ
এক	1 ख	एक
একদিন	7 क	एकदिन
একা	6 क	अकेला
একি	1 क	अरे
এঁকে বেঁকে	6 ख	टेढ़ा-मेढ़ा
এখন	1 क	अभी
এখানে	1 क	यहाँ
এক্ষুণি	4 क	अभी
এগিয়ে	21 क	आगे आना
এগুলো	1 क	यह सब
ঐটা	1 क	यह
এত	9 क	इतना
এদিকে	1 क	इधर
এবার	6 क	इसबार
এমনিতে	14 क	वैसे, ऐसे
এর	2 क	इसके

এলাকা	22 क	इलाका
এসব	1 क	ये सब
এসো	1 क	आओ
১ম	6 क	पहला
১লা	6 क	पहला

ঐ

ঐ	6 क	वह

ও

ওখানে	7 ख	वहाँ
ওঠা	19 क	उठना, चढ़ना
ওপাশে	1 क	उस ओर
ওষুধ	15 क	दवा
ওড়ানো	28 क	उड़ाना

ক

কখনও	8 क	कभी भी
কচু	15 ख	अरवी, जमींकंद
কঠিন	16 क	कठिन
কতো	2 क	कितना
কথা	22 क	बात
কথামতো	21 क	कथनानुसार, कहने के अनुसार
কন্যা	22 ख	कन्या

কপি	21 क	प्रति
কবি	5 ख	कवि
কবিতা	5 ख	कविता
কম	2 क	कम
কমান	2 क	कम करना
কমলালেবু	15 क	संतरा
করা	3 क	करना
কর্মচারী	2 ख	कर्मचारी
কর্মসূচী	22 क	कार्यसूची
কলমী	5 ख	करंबुआ
কল-কারখানা	7 क	कल-कारखाना
কষ্ট	24 ख	कष्ट, मुसीबत
কয়েকজন	16 क	कई लोग
কাউকে	9 ख	किसी को
কাগজ	24 ख	कागज़
কাচা	3 ख	कचारना
কাছে	13 क	पास में
কাছাকাছি	19 क	आसपास
কাজ	3 ख	काम
কাটা	6 क	कटना, कटवाना
কাঁঠাল	9 क	कटहल
কাপড়	3 ख	कपड़ा
কার্যকারী	24 ख	लागू
কার্যরীতি	19 ख	कार्य पद्धति, काम करने की तरीका

কারণ	13 क	कारण
কারা	19 क	कौन
কারুকার্য	10 ख	नक्काशी
কাল	7 क	कल
কাশি	6 ख	खाँसि
কাহিনী	17 ख	कहानी
কি	1 क	क्या
কিছু	4 क	कुछ
কিছুতেম্প	23 क	किसी भी तरह
কিভাবে	17 क	कैसे
কিন্তু	1 ख	किंतु
কে	3 क	कौन
কেউ	2 ख	कोई
কেন	1 क	क्यों
কেন্দ্র	22 क	केंद्र
কেনা	14 ख	खरीदना
কেবল	3 ख	केवल
কেমন	15 क	कैसा
কেল্লা	13 क	किला
কৈশোর	17 ख	किशोर अवस्था
কোটি	20 ख	करोड़
কোথায়	14 क	कहाँ
কোথাও	13 क	कहीं
কোন	1 क	कौन
কোনো	4 क	कोइ भी

কোলাকুলি করা	17 क	गले मिलना
কোলাহল	11 ख	शोरगुल, कोलाहल
কুড়ি	19 क	बीस

ख

খরা	20 ख	सूखा
খবর	4 ख	समाचार
খা	19 ख	खा
খাওয়া	18 क	खाना
খালী	18 क	खाली
খাঁচা	4 क	पिंजरा
খাঁটি	11 क	शुद्ध
খাতা	7 क	कापी
খাদ্য	20 क	खाद्य
খানিকটা	24 ख	थोड़ा
খাবার	3 क	भोजन, खाना
খারাপ	10 क	खराब
খিচুড়ি	4 क	खिचड़ी
খোঁজা	4 क	खोजना, ढूँढना
খুব	1 क	खूब, बहुत
খোলা	4 क	खोलना
খেলা	8 क	खेल
খেলোয়াড়	8 क	खिलाड़ी
খোঁজ	3 क	खोज, ढूँढ

গ

গঙ্গা	1 ख	गंगा
গজানো	13 ख	उगना
গত	10 क	पिछला, पीछे का
গতানুগতিক	5 ख	पारंपरिक
গণ্যমান্য	17 ख	जाने माने
গর্বিত	1 ख	गर्व का अनुभव
গরম	4 ख	गर्मी
গল্প	4 क	कहानी
গড়া	20 क	गठन करना, तैयार करना
গন্ধ	4 क	गंध
গন্ধ আসা	4 क	सुगंध आना
গন্ধরাজ	9 क	गंधराज
গণ্ডগোল	8 क	शोरगुल
গাছ	9 क	पेड़
গাছপালা	20 क	पेड़-पौधे
গাঁদা	9 क	गेंदा
গান	23 क	गाना, संगीत
জ্ঞান	21 ख	ज्ञान
গাঁ	24 क	गाँव
গিন্নী	3 ख	गृहिणी, पत्नी
গোনা	18 क	गिनना
গোলমাল	14 क	गड़बड़, गड़बड़ी, शोरगुल
গৃহ	6 क	घर

গ্রীষ্ম	16 क	ग्रीष्म
গ্রন্থাগার	2 ख	ग्रन्थागार
গ্রাম	11 ख	ग्राम, गाँव
গ্রহণ	20 ख	ग्रहण, लेना

ঘ

ঘটনা	17 ख	घटना
ঘর	1 क	कमरा
ঘরদোর	5 क	घर-द्वार, घर
ঘড়ি	3 ख	घड़ी
ঘুম	8 ख	नींद
ঘুরা	7 क	घूमकर, घूमना

চ

চণ্ডীমণ্ডপ	11 ख	पूजा का मंडप
চন্দ্রমল্লিকা	9 क	चमेली
চলা	10 क	चलना
চা	1 क	चाय
চাম্প	3 ख	चाहिए
চাকরি	2 ख	नौकरी
চাঁদা	9 ख	चंदा
চাওয়া	13 ख	चाहना
চওড়া	6 ख	चौड़ा
চমকানো	24 क	चौंकना

চাপা	9 क	चंपा
চাপ	8 क	तनाव, दबाव
চাপ দেওয়া	23 क	लाद देना
চার	11 क	चार
চারা	9 क	पौधा
চালানো	13 क	चलाना
চালু	17 क	चालू
চাষ	20 क	खेती
চাহিদা	2 ख	माँग
চারিদিক	7 क	चारों ओर
চিঠি	4 ख	चिट्ठी, पत्र
চিন্তা	14 क	चिंता
চিড়িয়াখানা	7 क	चिड़िया घर
চিত্রশিল্পী	5 ख	चित्रशिल्पी
চুপ	9 ख	चुप
চেঁচানো	8 ख	चिल्लाना
চেষ্টা	3 क	प्रयास, प्रयत्न, कोशिश
চেয়ে	8 क	से
চোখ	18 क	आँख
৪ঠা	6 क	चौथा

ছ

ছবি	5 ख	तस्वीर, चित्र
ছ'া	1 क	छः

ছাতা	13 খ	छाता
ছাত্র	1 খ	छात्र
ছিল	8 क	था
ছুটল	8 খ	दौड़ा
ছুটি	16 খ	छुट्टी
ছেলে	1 क	लड़का, बेटा
ছাড়া	4 क	छोड़ना
ছোট	3 क	छोटा
ছোট্ট	24 খ	बहुत छोटा
ছোটবেলা	5 খ	बचपन
ছোলা	16 খ	चना

জ

জঙ্গল	20 क	जंगल
জন্যে	1 খ	के लिए
জনক	24 क	पिता
জনতার	24 क	जनता, आम लोग
জনসংখ্যা	24 খ	जनसंख्या
জনবিস্ফোরণ	24 क	जनसंख्या विस्फोटन
জনশক্তি	21 খ	जनशक्ति
জনসাধারণ	20 খ	जनसाधारण, आम आदमी
জবা	9 क	गुड़हल
জমাবার চেষ্টা	9 খ	संग्रह वृत्ति, इकट्ठा करने की कोशिश

জল	4 क	जल, पानी
জলখাবার	12 क	जलपान
জ্বলা	4 क	जलना
জড়িত	1 ख	जुड़ा हुआ
জাতি	21 क	जाति
জাতীয়	5 ख	राष्ट्रीय
জানিও	13 क	बताना
জানা	6 क	जानना
জায়গা	7 क	जगह
জাঁকজমক	17 क	धूमधाम
জিজ্ঞেস	24 क	पूछना
জিনিসপত্র	12 क	वस्तुएँ
জীবন	5 ख	जीवन
জীবনধারা	23 ख	जीवनधारा
জীবনাচরণ	23 ख	जीवन चर्या
জীবন্ত	17 ख	जीवंत
জীবনযুদ্ধ	24 ख	जीवन संग्राम
জীবজন্তু	10 ख	जीव-जंतु
জীবিকা	21 क	जीविका
জোর	4 क	जोर
জ্ঞান	21 ख	ज्ञान

ঝ

ঝাঁক	6 ख	झुंड

ঝগড়া 24 খ झगड़ा

ঝামেলা 5 ক झमेला, समस्या

ঝাল 15 ক तीखी

ট

টক 15 ক खट्टा

টাকা 2 ক रुपया

ঠ

ঠাট্টা 12 ক मज़ाक

ঠাঠ 3 খ ठाठ

ঠাণ্ডা 15 ক ठंड

ঠিক 2 ক ठीक

ঠিকানা 14 খ पता, ठिकाना

ড

ডাক 4 ক बुलाना

ডাক্তার 1 ক डॉक्टर

ডাব 1 ক डाब

ডিম 4 ক अंडा

ডালিয়া 9 ক डहलिया

ত

ততক্ষণ 22 খ उतने देर

তবে 2 ক तब

তবুও	16 क	फिर भी
তরকারী	15 क	सब्जी
তর্ক	11 क	बहस
তর্কাতর্কি	24 ख	तर्क-वितर्क
তরি-তরকারী	9 क	साग-सब्जी
তৎপর	24 ख	फ़ौरन
তাম্প	4 क	तभी
তাকানো	22 ख	चाहना
তাঁত	2 क	ताँत
তাছাড়া	1 क	इस के अलावा
তামাসা	12 क	तमाशा
তারপর	1 क	उसके बाद
তাহলে	3 क	ऐसा है तो, तब तो
তাড়াতাড়ি	4 क	जल्दी, फ़ौरन
তিরিশ	19 क	तीस
তীর্থস্থান	1 ख	तीर्थस्थान
তুম্প	4 क	तू
তুমি	1 क	तुम
তুলনা	2 क	तुलना
তেল	19 क	तेल
তৈরী	1 क	तैयार
তো	1 क	तो
তোলা	17 क	उगाहना
৩রা	6 क	तीसरा

থ

থাক	4 क	रहना
থামা	8 ख	रूकना
থেকে	4 क	से

দ

দক্ষিণ	13 क	दक्षिण
দর	11 क	दर, भाव
দরগা	18 क	दरगाह
দরদী	2 ख	दयालु
দরিদ্র	24 ख	दरिद्र
দরজা	4 क	दरवाज़ा
দরকার	3 क	आवश्यक
দর্শক	8 क	दर्शक
দর্শনীয়	18 ख	दर्शनीय
দল বেঁধে	4 ख	एक झुंड
দলাদলি	12 क	गुटबाज़ि
দশ	2 क	दस
দয়া	3 क	दया, कृपा
দাম	2 क	दाम
দারুণ	8 क	बहुत अच्छा
দালাল	24 ख	दलाल
দালিয়া	15 क	दलिया
দাঁড়া	4 क	ठहर

দায়িত্ব	19 क	दायित्व, ज़िम्मेदारी
দায়ী	19 ख	ज़िम्मेदार, दायी
দিক্ পাল	17 ख	श्रेष्ठ
দিকে	8 क	ओर
দিদি	2 क	दीदी
দিন	13 क	दिन, दिवस
দুর্গাপূজা	17 क	दुर्गापूजा
দুর্ঘটনা	20 क	दुर्घटना
দুজন	8 क	दोनों
দুটো	1 क	दो
দুর্দশা	20 क	दुर्दशा
দুধ	9 क	दूध
দুপুর	7 क	दोपहर
দুরবস্থা	20 क	दुर्दशा, बुरी हालत
দুশো	2 क	दो सौ
দুশ্চিন্তা	23 क	दुश्चिंता, चिंता
দুষ্টুমি	15 क	शरारत
দূর	3 क	दूर
দূষণ	12 ख	दूषित होना
দূষিত	12 ख	दूषित
দেওয়া	6 क	देना
দোকান	1 क	दुकान
দৌড়	6 ख	दौड़
দেখা	14 क	देखना
দেখার মতো	18 क	देखने लायक

দেখাশোনা	24 क	देखभाल
দেব	15 क	दूँ
দেবী	17 क	देवी
দেরী	4 क	देरी
দেশ	5 ख	देश, राष्ट्र
২রা	6 क	दूसरा

ध

ধন্যবাদ	1 क	धन्यवाद
ধর্মমত ধারণা	18 क	धार्मिक मान्यताएँ
ধর্মবিশ্বাস	24 क	धर्म जन्य रुढ़ियाँ
ধ্যান	22 ख	ध्यान
ধারে	6 ख	किनारे
ধরণ	5 ख	ढंग, प्रकार
ধারণ	23 ख	धारण
ধারণা	17 ख	जानकारी
ধুলো	6 ख	धूल
ধোঁয়া	6 ख	धुँआ

न

নগর	11 क	नगर
নজর	16 क	नज़र, दृष्टि
ন'টা	7 क	नौ बजे
নৈ	15 ख	चौलाई
নষ্ট	18 क	नष्ट

নত হয়ে দরগার বেদীতে মাথা ছোঁয়ানো	18 क	सिर झुकना, सिज़्दा
নতুন	1 क	नया
নবমী	17 क	नवमी
নব্বম্প	2 क	नब्बे
নমস্কার	1 क	नमस्कार
না	2 क	नहीं
নাগরিক	20 क	नागरिक
নাগাদ	10 क	लगभग
নাচ	23 क	नाच
নাচানাচি	8 क	नाच, नृत्य
নাচের স্কুল	23 क	नृत्यशाला
নাছোড়বান্দা	24 ख	जिद्दी
নাম	1 क	नाम
নামতা	11 ख	पहाड़
নামকরা	1 ख	नामी
নামা	8 क	उतरना
নারী	21 क	नारी
নারকেল	19 क	नारियल
নিজের	1 क	निजी, अपना
নিবাস	18 ख	निवास
নির্বাচন	9 ख	चुनाव
নির্ভর	16 क	निर्भर
নির্মল	15 ख	निर्मल
নিরক্ষর	21 ख	निरक्षर

নিশ্চয়	18 क	निश्चय
নিশ্চিত	24 ख	निश्चित
নিয়মিত	15 ख	नियमित
নিয়োগ	22 क	नियुक्त
নীল	2 क	नीला
নুন	19 क	नमक
নেম্প	2 क	नहीं
নেওয়া	1 क	लेना
নোংরা	24 ख	गंदा
নৌকো	7 क	नौका, नाव

प

পক্ষ	8 क	पक्ष
পছন্দ	2 क	पसंद
পত্রিকা	16 क	पत्रिका
পথ	4 क	पथ
পদক্ষেপ	23 ख	कदम
পদ্ধতি	2 ख	पद्धति
পথ-ঘাট	4 क	रास्ते
পণ	21 क	दहेज
পন্য	21 क	वस्तु, चीज़
পর্যটন	7 क	पर्यटन
পর্যন্ত	8 क	पर्यंत, तक
পরামর্শ	15 क	परामर्श
পরিচ্ছন্ন	13 क	साफ़ सुथरा

পরিচয়	5 क	परिचय
পরিচিত	17 ख	परिचित
পরিবেশ	7 क	वातावरण, परिवेश
পরিবার	6 ख	परिवार
পরিবর্তন	23 क	परिवर्तन
পরিবর্তিত	23 ख	परिवर्तित
পরিগণিত	17 ख	परिगणित
পরিকল্পনা	16 ख	परिकल्पना, योजना
পরিকাঠামো	23 ख	गठन
পরিষ্কার	5 क	साफ़
পরীক্ষা	4 क	परीक्षा
পরে	14 क	बाद में
পড়া	4 ख	पढ़ना
পড়ান	23 क	पढ़ाना
পাওয়া	11 क	मिलना
পা	4 क	पैर
পাখী	6 क	पक्षी
পাঁচ	1 क	पाँच
পাঁচশো	19 क	पाँच सौ
পাঠ্যক্রম	23 क	पाठ्यक्रम
পাঠানো	21 क	भेजना
পাঠশালা	11 क	पाठशाला
পারিবারিক	17 क	पारिवारिक
পালন	17 क	पालन
পাল্টানো	11 क	बदलना

পালং	15 क	पालक
পালাবদল	23 ख	दलबदल
পাশের	22 क	पास के
পাড়া	3 क	मोहल्ला
প্রবণতা	23 क	अभिलाषा
প্রকার	23 क	प्रकार
প্রভাব	23 ख	प्रभाव
প্রিয়	4 क	प्रिय
পুত্র	24 क	पुत्र
পুরস্কার	5 क	पुरस्कार
পুরনো	1 ख	पुराना
পূজা	7 क	पूजा
পূর্ণিমা	22 ख	पूर्णिमा
পেছন	1 क	पीछे
পেট্রোলিং	24 ख	गश्त करना
পেঁপে	9 क	पपीता
পেশা	2 ख	पेशा
পোষাক	14 ख	पोशाक
পেয়ারা	9 क	अमरूद
পেঁয়াজ	19 क	प्याज़
পেয়েছি	14 क	पाना, मिलना
পৌঁছানো	4 ख	पहुँचना
পৃথিবী	12 क	पृथिवी
প্রকোপ	12 ख	प्रकोप
প্রাকৃতিক	16 ख	प्राकृतिक

প্রকৃত	12 ख	असली, वास्तविक
প্রচুর	1 क	अनेक, प्रचुर, बहुत
প্রচেষ্টা	21 ख	प्रचेष्टा
প্রাণ	20 ख	प्राण
প্রণাম	16 ख	प्रणाम
প্রাণান্ত	3 ख	प्राण निकलने की स्थिति
প্রতিকূল	23 ख	प्रतिकूल
প্রতিভা	5 ख	प्रतिभा
প্রত্যেক	9 ख	प्रत्येक
প্রতিষ্ঠা	21 क	प्रतिष्ठा
প্রথম	5 ख	पहला
প্রাথমিক	18 क	प्राथमिक
প্রথা	21 क	नियम
প্রধান	20 ख	प्रधान, प्रमुख
প্রবেশ	6 क	प्रवेश
প্রভাব	23 ख	प्रभाव
প্রমাণ	13 ख	प्रमाण
প্রযোজ্য	3 ख	लागू
প্রায়	7 क	प्रायः
প্রয়াস	24 क	प्रयास
প্রয়োজন	3 क	प्रयोजन, आवश्यकता, ज़रूरत
প্রিয়	4 ख	प्रिय
প্রশ্ন	21 क	प्रश्न
প্রস্তাব	23 क	प्रस्ताव

फ

ফাঁকা	18 क	खाली
ফেরা	4 क	लौटना
ফুটোকড়ি	3 ख	फुटिकोड़ी
ফল	9 क	फल
ফুল	2 ख	फूल
ফসল	20 ख	फसल
ফাঁকা-ফাঁকা	18 क	फीका-फीका

ब

বম্প	2 ख	पुस्तक, किताब
বউনি	2 क	बोहनी
বছর	10 ख	साल, वर्ष
বঞ্চিত	24 क	वंचित
বণ্টন	20 ख	बँटवारा
বন্যা	20 ख	बाढ़
বন্ধ	14 ख	बंद
বন্ধু	4 क	मित्र
বরং	19 क	वरन्
বরযাত্রী	12 क	बराती
বলা	4 क	बोलना
বংশধর	21 ख	वंशज
বর্ষা	4 क	वर्षा, बरसात
বর্ষাকাল	6 ख	वर्षाकाल
বসতি	20 क	बस्ती

বসবাস	24 ख	रहना
বসা	1 क	बैठना
বহু	21 ख	बहुत
বড়	1 ख	बड़ा
বাম্পরে	4 क	बाहर
বাক্য	16 क	वाक्य
বাগান	2 ख	बगीचा
বাংলা	1 ख	बंगला
বাচ্চা	18 क	बच्चे
বাজার	19 क	बाज़ार
বানানো	20 क	बनाना
বাপের বাড়ি	13 क	पिता के घर
বাব্বা	2 क	बाप रे
বার করা	2 क	निकालना
বাস	4 क	बस
বাসিন্দা	1 ख	बाशिंदा, निवासी
বারণ	8 क	मना
বারোয়ারী	17 क	सार्वजनिक
বারান্দা	12 क	बरामदे
বালি	22 ख	बालु
বাষট্টি	22 क	बासठ
বাড়া	9 ख	बढ़ना
বাড়ি	1 ख	मकान, घर
ব্যক্তি	1 ख	व्यक्ति
ব্যাঙ	13 ख	मेंढक

ব্যস্ত	21 क	व्यस्त
ব্যথা	8 क	व्यथा
ব্যবহারিক	23 ख	व्यवहारिक
ব্যাপার	1 ख	विषय
ব্যায়াম	15 ख	व्यायाम
ব্যবসাদার	9 ख	व्यापारि
ব্যবস্থা	2 ख	व्यवस्था
বিক্রী	14 ख	बिक्री
বিক্রেতা	2 क	विक्रेता
বিখ্যাত	1 ख	विख्यात, मशहूर
বিচক্ষণ	24 क	विद्यासागर
বিদ্যাভবন	2 ख	विद्याभवन
বিদেশ	7 ख	विदेश
বিনিময়	17 क	आदान प्रदान
বিপথ	24 ख	कुमार्ग
বিভাগ	7 क	विभाग
বিভিন্ন	2 ख	विभिन्न
বিরোধ	15 ख	विरोध, एतराज
বিরুদ্ধ	21 क	विरुद्ध
বিরাজ	12 ख	विराजमान
বিরাট	1 क	बहुत बड़ा
বিলম্ব	14 ख	विलंब
বিলাসিতা	23 ख	विलासिता
বিশ্রামালয়	4 ख	प्रतीश्रालय
বিষয়	13 ख	विषय

বিশ্রাম	18 क	विश्राम
বিশ্রী	24 ख	बुरा
বিশ	10 ख	बीस
বিশেষ	3 क	विशेष
বিশ্ববিদ্যালয়	7 ख	विश्वविद्यालय
বিসর্জন	17 क	विसर्जन
বিস্তার	12 ख	विस्तार
বিয়ে	12 क	विवाह
বোজা	18 क	मुंदना, बंद होना
বেগুনী	2 क	बैंगनी
বেঁচে	20 क	जीवित
বেরোনো	21 क	निकलना
বেশী	2 क	अधिक
বেড়ানো	6 ख	टहलना, घूमना
বৈদিক	23 ख	वैदिक
বৈজ্ঞানিক	1 ख	वैज्ञानिक
বৈরাগ্য	24 क	वैराग्य
বৈশিষ্ট্য	17 ख	विशेषता
বৈশাখ	21 क	वैशाख
বোঝা	21 क	समझ
বোঝা	23 क	बोझ
বোধ	9 ख	ज्ञान
বোধন	17 क	घट स्थापना, वंदना
বোন	12 क	बहन
বৌদি	4 क	भाभी

বৌভাত	12 क	बहूभात
বৃদ্ধি	24 ख	वृद्धि
বৃষ্টি	4 क	वर्षा, बरसात

ভ

ভর্তি	13 ख	भर्ती
ভদ্রমহিলা	2 क	नेक महिला
ভদ্রলোক	6 क	नेक आदमी
ভবন	1 ख	भवन
ভবঘুরে	17 ख	घुमक्कड़
ভয়	14 क	भय, डर
ভাজা	4 क	तला
ভাজাভুজি	15 ख	तली हुई
ভাতা	9 ख	भत्ता
ভাবা	18 क	सोचना
ভাব	13 क	भाव
ভাবছেন	6 क	चिंता करना
ভাবাবেশ	24 क	भाव विह्वल
ভালো	1 क	अच्छा
ভালবাসা	4 ख	प्यार
ভাড়া	11 क	भाड़ा
ভাষা	2 ख	भाषा
ভিড়	7 क	भीड़
ভোগা	8 क	भोगना

ভবিষ্যৎ	20 क	भविष्य
ভূমিকা	21 क	भूमिका
ভেতর	1 क	भीतर, अंदर
ভেজাল	10 ख	मिलावट
ভ্রমণ	7 क	भ्रमण
ভ্রান্ত	24 क	भ्रांति

म

মজা	11 क	मज़ा
মজুরী	22 क	मज़दुरी
মন্দির	7 क	मन्दिर
মদ্যপান	15 ख	मद्यपान
মধ্য	3 क	बीच
মতামত	21 क	विचार
মতো	1 ख	जैसा
মন	14 क	मन
মনে রাখা	14 क	याद रखना
মনোভাব	19 क	मनोभाव
মনোরম	6 ख	मनोरम
মর্যাদা	17 ख	मर्यादा
মশাম্প	2 ख	महाशय
মশারি	24 क	मच्छरदानी
মহার্ঘ	9 ख	महंगाई
মহালয়া	17 क	शारदीय दुर्गापूजा की पूर्व अमावस्या पर होने वाला संगीतमय आयोजन

মহিলা	21 क	महिला
মহৎ	5 ख	महान
মড়া	24 क	मुर्दा
ময়লা	5 क	मैला
ময়দা	19 क	मैदा
মাম্পনে	11 क	वेतन
মাছ	11 क	मछली
মাঝে	8 क	बीच में
মাঝে মাঝে	15 क	बीच-बीच में
মাঠ	8 क	मैदान
মাতৃভাষা	1 क	मातृभाषा
মাথা	4 क	सिर, माथा
মাথা পিছু	19 क	प्रति व्यक्ति
মাদক দ্রব্য	15 ख	मादक द्रव्य
মাধ্যম	18 क	माध्यम
মাধ্যমিক	13 क	माध्यमिक
মান	13 ख	मानक
মানসিক	8 क	मानसिक
মা	13 ख	माँ
মামাতো	12 क	ममेरा, ममेरी
মারা	8 क	मारना
মরা	20 क	मरना
মালপত্র	4 ख	सामान
মালী	18 क	माली
মাস	6 क	महीना

মাংস	11 क	मांस
মাত্র	14 ख	केवल
মিত্র	7 क	मित्र
মিল	1 क	मेल
মিলন	1 ख	मिलन
মিশ্র	7 क	मिश्र
মিষ্টি	19 क	मिठाई
মুখস্থ	11 ख	कंठस्थ
মুখ্য	8 क	मुख्य
মুক্তি	12 ख	मुक्ति
মুরগী	19 क	मुर्गी
মুশকিল	20 क	मुश्किल
মুহূর্ত	24 ख	क्षण
মূল	19 ख	जड़
মূল্য	9 ख	मूल्य
মূল্যবৃদ্ধি	9 क	मूल्य बढ़ना, महंगाई बढ़ना, महंगा होना
মূল্যবোধ	9 क	जीवन मूल्य का बोध
মেলামেশা	14 क	मेलजोल
মেয়ে	5 क	लड़की
মোছা	4 क	पोंछना
মোট	22 क	कुल
মোটেই	3 क	बिलकुल, अवश्य
মোটামুটি	11 क	मोटे तौर पर
মোহ	13 ख	मोह

य

যত্ন	24 ख	देखरेख
যতবার	22 ख	जितना बार
যতক্ষণ	22 ख	जितनी देर
যথেষ্ট	1 ख	यथेष्ट, पर्याप्त
যমুনা	1 ख	यमुना
যাওয়া	5 क	जाना
যাম্প হোক	8 क	जो भी हो
যাত্রা	17 ख	यात्रा
যাদের	22 क	जिनका
যানবাহন	19 ख	गाड़ी-घोड़ा
যন্ত্র	24 ख	यंत्र
যন্ত্রপাতি	15 ख	यंत्र (मशीन)
যাব	13 क	जाएँगे
যারা	22 क	जो लोग
যুক্ত	1 ख	युक्त
যেন	15 क	जैसे
যোগান	20 क	आपूर्ति
যৌবন	17 ख	यौवन, जवानी

র

রকম	2 क	प्रकार
রক্ষা	10 क	बच जाना
রচনা	13 ख	रचना

রবিবার	3 क	रविवार
রমনীয়তা	6 ख	रमणीयता
রসায়ন	7 ख	रसायन
রসুন	19 क	लहसुन
রং	2 क	रंग
রাগ	11 क	क्रोध
রাজনীতি	1 ख	राजनीति
রাজনৈতিক	9 ख	राजनैतिक
রাজী	19 क	राजी
রাত্রে	5 क	रात को
রান্না	1 क	रसोई
রাস্তা	4 क	रास्ता
রীতি	21 क	रीति
রুখে	21 क	विरुद्ध
রুটি	15 क	रोटी
রোগ	12 ख	रोग
রোজ	6 ख	रोज़
রোজগার	3 ख	रोज़गार

ल

লঙ্কা	19 क	मिर्ची
লক্ষণ	21 ख	लक्षण
লক্ষ্য	16 क	ध्यान

লজ া	10 क	लज्जा, शरम
লস্ক	17 ख	प्राप्त होना
লড়াম্প	21 क	लड़ना
লাগা	7 ख	लगना
লাল	2 क	लाल
লেখা	4 ख	लिखना
লুচি	19 क	पूड़ी
লোক	1 ख	लोग

श

শকুনি	24 क	गीद्ध
শক্ত	24 क	शक्त
শক্তি	20 ख	शक्ति
শখ	9 क	शौक
শতাংশ	22 क	शतांश
শব্দ	8 ख	आवाज़, ध्वनि
শস্য	20 क	फसल
শহর	1 ख	शहर
শহীদ	1 ख	शहीद
শাক	16 ख	साग
শাখা	5 ख	शाखा
শাসন	23 ख	शासन
শান্ত	3 क	शांत
শাস্ত্র	7 ख	शास्त्र
শাড়ী	2 क	साड़ी

শিক্ষা	2 ख	शिक्षा
শিক্ষার্থী	2 ख	शिक्षार्थी
শিক্ষক	2 ख	शिक्षक
শিক্ষিকা	2 ख	शिक्षिका
শিক্ষাবিদ	2 ख	शिक्षाविद
শিক্ষিত	21 ख	शिक्षित
শিক্ষাকেন্দ্র	2 ख	शिक्षाकेंद्र
শিক্ষালাভ	22 क	शिक्षालाभ
শিলা	22 ख	शिला
শীতকাল	8 ख	शीतकाल
শুক্লা	17 क	शुक्ल
শুক্রবার	11 क	शुक्रवार
শ্লোগান	8 क	नारा
শুধু	3 क	केवल
শুভেচ্ছা	21 ख	शुभकामना
শুরু	4 क	आरंभ
শেখা	2 ख	सीखना
শ্রেণী	21 क	श्रेणी
শেষ	8 क	शेष
শোও	15 क	लेटो
শোনা	16 क	सुनना
শোবার	1 क	सोने का
শোনা	4 क	सुनना
শোওয়া	1 क	लेटना
শৈশব	17 ख	शैशव

স

সকল	3 ख	सभी
সকাল	14 ख	सवेरा
সখ	9 क	शौक
সক্রিয়	22 क	सक्रिय
সঙ্গী	23 ख	संगी, साथी
সঙ্গে	1 क	के साथ
সঙ্গীত	5 ख	गीत, संगीत, गाना
সচেতন	1 ख	सचेत, सजग, सतर्क, जागरुक
সঠিক	16 क	सही, ठीक
সত্তর	22 क	सत्तर
সত্যি	6 क	सच
স্থল	1 ख	स्थल
সদস্য	22 क	सदस्य
সর্দি	6 ख	ज़ुकाम
সন্তান	24 ख	सन्तान
স্বনির্ভর	21 क	स्वनिर्भर
সন্দেহ	8 ख	संदेह, शक
সন্ধান	25 ख	खोज, अनुसंधान
সন্ধ্যেবেলা	5 क	संध्या समय, शाम को
সন্ধ্যে নাগাদ	10 क	शाम तक
সপ্তমী	17 क	सप्तमी
সপ্তাহ	4 क	हफ्ता
সফল	21 ख	सफल
সব	2 क	सभी, सब

সভাপতি	22 क	सभापति
সভাকক্ষ	2 ख	सभाकक्ष
সময়	19 क	समय
সমস্যা	20 क	समस्या
সমগ্র	21 क	समग्र
সমকক্ষ	16 ख	बराबर
সমবয়স্ক	17 क	समान उम्र के
সমস্ত	23 ख	समस्त, सभी
সম্বন্ধ	15 ख	संबंध
সম্ভব	7 क	संभव
সম্পত্তি	20 ख	संपत्ति
সমর্থক	8 क	समर्थक
সমালোচনা	19 ख	समालोचना
সমাধান	21 क	समाधान
সম্পাদিকা	21 क	संपादिका
সমিতি	20 क	समिति
সমুদ্র	22 ख	समुद्र
স্মৃতি	22 ख	स्मृति
সম্পূর্ণ	21 ख	संपूर्ण
সরষে	19 क	सरसों
সরকারী	1 क	सरकारी
সরস্বতী	1 ख	सरस्वती
সস্তা	11 क	सस्ता
সহ	1 ख	के साथ
সহকারে	17 क	के साथ

সহজ	12 ख	सरल
সহজলভ্য	15 ख	उपलब्ध
সহায়ক	6 क	सहायक
সংকীর্ণ	24 ख	संकीर्ण
সংখ্যা	2 ख	संख्या
সংগ্রহ	22 क	संग्रह
সংবরণ	24 क	संवरण
সংলগ্ন	24 क	सटा
সংস্কৃতি	17 क	संस्कृति
সংস্থা	22 क	संस्था
সংসার	3 ख	संसार
সন্ত	18 क	संत
সব	2 क	पूरा
সবচেয়ে	24 क	सबसे
সবরকমভাবে	24 क	सभी प्रकार से
সবাই	8 ख	सभी कोई, हर एक
সবিস্তারে	24 ख	सविस्तार
সব্জি	15 ख	सब्जी
সবে	6 क	प्रारंभ
সবুজ	6 क	हरा
সর্বজনীন	17 क	सार्वजनिक
স্বপ্নভঙ্গ	13 क	स्वप्न भंग
স্বাক্ষর	22 क	साक्षर
সাক্ষাৎকার	21 क	साक्षात्कार
সাজানো	17 क	सजा हुआ

সাঁতার	22 ख	तैरना
স্থল	1 ख	स्थल
স্থান	24 ख	स्थान, जगह
স্থাপন	23 ख	स्थापना
স্থায়ী	1 क	स्थायी
সাদাসিধে	24 क	भोलाभाला
সাধন	23 ख	साधन
স্বাধীনতা	1 ख	स्वतंत्रता, स्वाधीनता
স্বাভাবিক	13 ख	स्वाभाविक
স্নান	7 क	स्नान
স্নায়বিক	12 ख	स्नायविक, स्नायु संबंधित
সাবধান	14 क	सावधान
সামনে	9 क	सामने
সামনা সামনি	16 ख	प्रत्यक्ष
সামলে	24 ख	संभालना
সামান্য	1 क	सामान्य
সামাজিক	21 क	सामाजिक
স্বাচ্ছন্দ্য	23 ख	सुविधा
সারা	5 क	पूरा
সারাক্ষণ	8 क	पूरा समय
স্বাস্থ্য	15 ख	स्वास्थ्य
সাহায্য	3 क	सहायता
সাহিত্য	5 ख	साहित्य
সিঙ্গাড়া	1 क	समोसा
সিনেমা	10 क	सिनेमा

সিল্ক	2 क	रेशम
স্ত্রী	3 ख	स्त्री
সীমা	20 क	सीमा
সুচিন্তক	23 क	सुचिंतक
সুতরাং	14 क	इसलिए
সুন্দর	2 क	सुंदर
সুবিধে	12 ख	सुविधा
সুযোগ	13 ख	अवसर, सुयोग
সুর	11 ख	स्वर
সুলভ	15 ख	सुलभ
সুষম	20 ख	समान, बराबर
সুস্বাস্থ্য	15 ख	सुस्वास्थ्य
সূত্র	19 ख	सूत्र
সেম্প রকম	11 क	उसी तरह
সেখানে	3 क	वहाँ
সেচ্ছাসেবী	2 ख	समाज सेवक
সেতার	23 क	सितार
সেবা	13 ख	सेवा
সেবার	18 ख	पिछले बार, उस बार
সোজা	7 क	सीधे
সৃষ্টি	19 ख	सृष्टि
৭ম্প	6 क	सातवाँ

ह

হওয়া	23 ख	होना

হতাশ	14 ख	हताश
হঠাৎ	8 ख	अचानक, एकाएक
হলদে	2 क	पीला
হাজার	10 ख	हज़ार
হাঁটু	8 क	घुटना
হাত	1 क	हाथ
হাল	18 ख	हाल
হাসপাতাল	1 क	अस्पताल
হ্যাঁ	1 क	हाँ
হিসাব	1 क	हिसाब
হিন্দী	18 ख	हिंदी
হ্রদ	13 ख	ह्रद, झील

ক্ষ

ক্ষমতা	13 ख	क्षमता
ক্ষেতমজুর	20 ख	खेत मज़दूर, कृषि मज़दूर
ক্ষেত্র	19 ख	क्षेत्र